



SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांचा महात्मा गांधी राष्ट्रीय  
ग्रामीण रोजगार हमी योजना, महाराष्ट्र शासन यावरील अहवाल  
Report of the Comptroller and Auditor General of India on  
Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme,  
Government of Maharashtra

Marathi

English



महाराष्ट्र शासन  
Government of Maharashtra

2025 चा अहवाल क्रमांक 7

Report No. 7 of 2025

(संपादनूक लेखापरीक्षण - नागरी)  
(Performance Audit - Civil)



SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA  
लोकहितार्थं सत्यनिष्ठा  
Dedicated to Truth in Public Interest

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांचा  
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना,  
महाराष्ट्र शासन यावरील अहवाल



महाराष्ट्र शासन  
2025 चा अहवाल क्र. 7  
(संपादनूक लेखापरीक्षण - नागरी)



**भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांचा  
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना,  
महाराष्ट्र शासन यावरील अहवाल**

**महाराष्ट्र शासन  
2025 चा अहवाल क्र. 7**





## अनुक्रमणिका

|                                                                                | संदर्भ   |            |
|--------------------------------------------------------------------------------|----------|------------|
|                                                                                | परिच्छेद | पृष्ठ क्र. |
| उपोद्घात                                                                       |          | ix         |
| कार्यकारी सारांश                                                               |          | xi         |
| <b>प्रकरण I</b>                                                                |          |            |
| <b>परिचय</b>                                                                   |          |            |
| परिचय                                                                          | 1.1      | 1          |
| महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम                             | 1.2      | 1          |
| महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाची उद्दिष्टे                | 1.3      | 1          |
| महाराष्ट्र राज्यात महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाचा अवलंब | 1.4      | 2          |
| योजनेचा आढावा                                                                  | 1.5      | 3          |
| संघटनात्मक रचना                                                                | 1.6      | 3          |
| भूमिका आणि जबाबदाऱ्या                                                          | 1.7      | 6          |
| निधीचे प्रारूप                                                                 | 1.8      | 7          |
| व्यवस्थापन माहिती प्रणाली (नरेगासॉफ्ट))                                        | 1.9      | 8          |
| जिओ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम                         | 1.10     | 9          |
| राज्यातील रोजगार मिळवणाऱ्या कुटुंबांचा कल                                      | 1.11     | 9          |
| <b>प्रकरण II</b>                                                               |          |            |
| <b>लेखापरीक्षण चौकट</b>                                                        |          |            |
| लेखापरीक्षण उद्दिष्टे                                                          | 2.1      | 11         |
| लेखापरीक्षणाचे निकष                                                            | 2.2      | 11         |

|                                                                                                 | संदर्भ   |            |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|------------|
|                                                                                                 | परिच्छेद | पृष्ठ क्र. |
| लेखापरीक्षणाची व्याप्ती आणि कार्यपद्धती                                                         | 2.3      | 12         |
| महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेच्या संदर्भातील यापूर्वीचे लेखापरीक्षण निष्कर्ष | 2.4      | 13         |
| आभार                                                                                            | 2.5      | 13         |
| अहवालाची रचना                                                                                   | 2.6      | 14         |
| <b>प्रकरण III</b><br><b>नियोजन आणि वित्तीय व्यवस्थापन</b>                                       |          |            |
| नियोजन                                                                                          | 3.1      | 15         |
| कर्मचाऱ्यांची उपलब्धता                                                                          | 3.2      | 21         |
| माहिती, शिक्षण आणि संवाद                                                                        | 3.3      | 25         |
| वित्तीय व्यवस्थापन                                                                              | 3.4      | 27         |
| <b>प्रकरण IV</b><br><b>कामगारांची नोंदणी व मजुरी प्रदाने</b>                                    |          |            |
| रोजगार निर्मिती                                                                                 | 4.1      | 31         |
| कामगारांची नोंदणी                                                                               | 4.2      | 31         |
| नोंदणीकृत कुटुंबे आणि नोंदणीकृत व्यक्ति                                                         | 4.3      | 32         |
| घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण                                                                           | 4.4      | 33         |
| जॉब कार्ड्स                                                                                     | 4.5      | 34         |
| कामाची मागणी                                                                                    | 4.6      | 38         |
| योजनेतर्गत महिलांचा सहभाग                                                                       | 4.7      | 42         |
| दिव्यांग व्यक्तींची ओळख पटविण्यासाठी विशेष मोहीम न राबविणे                                      | 4.8      | 44         |

|                                                                       | संदर्भ   |            |
|-----------------------------------------------------------------------|----------|------------|
|                                                                       | परिच्छेद | पृष्ठ क्र. |
| मजुरी प्रदानासाठी दरपत्रक                                             | 4.9      | 44         |
| मजुरी आणि नुकसान भरपाई प्रदाने                                        | 4.10     | 46         |
| मजुरीचे दायित्व                                                       | 4.11     | 51         |
| सक्रिय कामगारांचे आधार क्रमांक त्यांच्या बँक खात्यासोबत न जोडणे       | 4.12     | 52         |
| हजेरीपट                                                               | 4.13     | 55         |
| <b>प्रकरण V</b>                                                       |          |            |
| <b>कामांची अंमलबजावणी</b>                                             |          |            |
| कामांची अंमलबजावणी                                                    | 5.1      | 59         |
| कामांची वर्गवारी                                                      | 5.2      | 59         |
| राज्यातील व निवडलेल्या जिल्ह्यांतील कामांची स्थिती                    | 5.3      | 59         |
| नवीन कामांना मंजुरी                                                   | 5.4      | 62         |
| कृषी व अनुषंगिक कामांवर होणारा खर्च                                   | 5.5      | 63         |
| महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजने सोबत योजनांचे अभिसरण | 5.6      | 64         |
| मजुरी साहित्य गुणोत्तर                                                | 5.7      | 66         |
| जिल्हास्तरीय तांत्रिक समिती                                           | 5.8      | 69         |
| कार्यस्थळी देण्यात येणाऱ्या सुविधा                                    | 5.9      | 69         |
| दर्शक फलक                                                             | 5.10     | 70         |
| संयुक्त प्रत्यक्ष पडताळणी                                             | 5.11     | 71         |
| कामांचे भौगोलिक चिन्हांकन (जिओ-टॅगिंग)                                | 5.12     | 75         |
| साहित्य घटकांवरील दायित्व                                             | 5.13     | 76         |

|                                                            | संदर्भ   |            |
|------------------------------------------------------------|----------|------------|
|                                                            | परिच्छेद | पृष्ठ क्र. |
| <b>प्रकरण VI</b>                                           |          |            |
| <b>संनियंत्रण, सामाजिक अंकेक्षण आणि तक्रार निवारण</b>      |          |            |
| संनियंत्रण                                                 | 6.1      | 79         |
| संनियंत्रण यंत्रणा                                         | 6.2      | 79         |
| राज्य रोजगार हमी परिषद                                     | 6.3      | 80         |
| दक्षता व संनियंत्रण समिती                                  | 6.4      | 80         |
| राज्य/जिल्हा गुणवत्ता संनियंत्रकांद्वारे गुणवत्ता नियंत्रण | 6.5      | 81         |
| सामाजिक अंकेक्षण                                           | 6.6      | 82         |
| तक्रार निवारण यंत्रणा                                      | 6.7      | 88         |
| योजनेचा प्रभाव अभ्यास                                      | 6.8      | 90         |

| परिशिष्टे                                                                           | संदर्भ   |            |
|-------------------------------------------------------------------------------------|----------|------------|
|                                                                                     | परिशिष्ट | पृष्ठ क्र. |
| निवडलेले जिल्हे, तालुका आणि ग्राम पंचायतींची नावे                                   | 2.1      | 93         |
| 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान या योजनेतर्गत प्राप्त निधी आणि झालेला खर्च               | 3.1      | 95         |
| 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान अकुशल कामगारांच्या न दिलेल्या मजुरीची जिल्हानिहाय स्थिती | 4.1      | 96         |
| निवडलेल्या जिल्ह्यांमध्ये कृषी आणि कृषी संलग्न कामांवर झालेला खर्च                  | 5.1      | 97         |



**उपोद्घात**





## उपोद्घात

31 मार्च 2024 रोजी संपलेल्या वर्षाचा हा अहवाल भारतीय संविधानाच्या कलम 151 अन्वये महाराष्ट्राच्या राज्यपालांना सादर करण्यासाठी तयार करण्यात आला आहे.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीसाठीच्या या अहवालात “महाराष्ट्र शासनाची महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना” यावरील संपादनूक लेखापरीक्षणाची निष्पत्ती समाविष्ट आहे.

भारताचे नियंत्रक आणि महालेखापरीक्षक यांनी जारी केलेल्या लेखापरीक्षण मानकांनुसार हे लेखापरीक्षण करण्यात आले आहे.

टिप: मूळ इंग्रजी अहवालावरून अनुवादित; शंका समाधानासाठी कृपया इंग्रजी अहवाल पहावा.



## **कार्यकारी सारांश**



## कार्यकारी सारांश

भारत सरकारने सप्टेंबर 2005 मध्ये राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम, 2005 अधिसूचित केला होता, ज्याला नंतर 2009 मध्ये महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम असे नाव देण्यात आले. या अधिनियमाचा उद्देश ग्रामीण भागातील लोकांची उपजीविका सुधारण्याचा असून प्रत्येक ग्रामीण कुटुंबाला, ज्यांचे प्रौढ सदस्य स्वयंस्फूर्तीने अकुशल अंगमेहनतीचे काम करण्यास इच्छुक आहेत त्यांना एका आर्थिक वर्षात किमान 100 दिवसांच्या मजुरीची हमी देणारे रोजगार उपलब्ध करून देणे हा आहे.

ग्रामीण भागात अकुशल अंगमेहनतीचे काम करण्यासाठी इच्छुक असलेल्या सर्व प्रौढ व्यक्तींना रोजगाराची हमी देण्याच्या उद्देशाने महाराष्ट्रात रोजगार हमी अधिनियम, 1977 मध्ये लागू करण्यात आला.

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कलम 28 नुसार महाराष्ट्र शासनाने महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियम, 1977 वेळोवेळी सुधारित करून तो, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या तरतुदींशी सुसंगत केला. महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमांतर्गत तयार करण्यात आलेल्या रोजगार हमी योजनेचे (जानेवारी 1979) नाव बदलून महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना असे पुनर्नामित (जुलै 2011) करण्यात आले.

नियोजन प्रक्रिया आणि वित्तीय व्यवस्थापन पद्धतींच्या पर्याप्ततेचा आढावा घेणे, रोजगार निर्मिती, टिकाऊ आणि उपयुक्त मालमतेची निर्मिती आणि देखभाल करणे तसेच इतर कार्यक्रम/योजनांशी अभिसरण सुनिश्चित करणे हे संपादनूक लेखापरीक्षणाचे उद्दिष्ट होते. संपादनूक लेखापरीक्षणात संनियंत्रण, सामाजिक अंकेक्षण आणि तक्रार निवारण प्रणालीच्या पर्याप्ततेचे देखील मूल्यांकन केले गेले. लेखापरीक्षणाने 2019-20 ते 2023-24 या वर्षासाठी अहिल्यानगर, अमरावती, छत्रपती संभाजीनगर, धाराशिव, नागपूर आणि पालघर या सहा जिल्ह्यांचे आणि 12 तालुके (प्रत्येक जिल्ह्यातील दोन तालुके) आणि 48 ग्राम पंचायती (प्रत्येक तालुक्यामधून चार ग्राम पंचायती) यांचे अभिलेख तपासले.

महाराष्ट्रातील महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेवरील संपादनूक लेखापरीक्षणाची निष्पत्ती ज्यात महत्वाचे निष्कर्ष आणि शिफारशी यांचा समावेश आहे, ते खालील परिच्छेदांमध्ये थोडक्यात नमूद केले आहेत.

### नियोजन आणि वित्तीय व्यवस्थापन

वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प सादर करण्यास विलंब झाला. वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्पात कामाच्या मागणीचे प्रमाण आणि वेळेचा तपशील समाविष्ट नव्हता. ग्राम पंचायतीमधील रोजगाराची मागणी किती प्रमाणात आहे

आणि किती काळ आहे याचे मूल्यमापन करण्यासाठी पायाभूत सर्वेक्षण दर पाच वर्षांतून एकदा करणे आवश्यक होते. महाराष्ट्र शासनाने कोणतेही पायाभूत सर्वेक्षण केले नव्हते. राज्यातील 28,279 ग्राम पंचायतींपैकी 2,258 ग्राम पंचायतींमध्ये ग्राम पंचायत स्तरावर कामे राबविण्यासाठी ग्राम रोजगार सहाय्यक नियुक्त करण्यात आले नव्हते. कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांनुसार, कामगारांच्या उपस्थितीसह कामाच्या ठिकाणी सुविधा व्यवस्थापित करण्यात ग्राम रोजगार सहाय्यकाला मदत करण्यासाठी प्रत्येक कामासाठी एक सहकारी नियुक्त करणे आवश्यक होते. निवडलेल्या 48 ग्रामपंचायतींपैकी, 2021-22 ते 2023-24 या कालावधीत 26 ग्राम पंचायतींमध्ये सहकाऱ्यांची नियुक्ती करण्यात आली नव्हती.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत प्राप्त झालेल्या एकूण ₹ 13,957.47 कोटी (आरंभीची शिल्लक धरून) निधीपैकी योजनेवर ₹ 13,518.30 कोटी खर्च झाला. 2022-23 आणि 2023-24 या कालावधीत जारी करण्यात आलेल्या ₹ 926.51 कोटीपैकी राज्याचा हिस्सा ₹ 415.73 कोटी (45 टक्के) चार दिवस ते 242 दिवसांच्या विलंबाने जारी करण्यात आला.

#### **कामगारांची नोंदणी आणि मजुरीचे प्रदान**

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत या योजनेतर्गत नोंदणीकृत कुटुंबांच्या संख्येत 46 टक्क्यांनी वाढ झाली आहे. 117.98 लाख (सरासरी) नोंदणीकृत कुटुंबांपैकी केवळ 21.97 लाख (19 टक्के) कुटुंबांनी रोजगाराची मागणी केली. 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत रोजगाराची मागणी करणाऱ्या 21.97 लाख कुटुंबांपैकी 21.91 लाख (99.73 टक्के) कुटुंबांना रोजगार देण्यात आला. तथापि, 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत रोजगाराचा लाभ घेतलेल्या 19.65 लाख कुटुंबांपैकी (पाच वर्षांची सरासरी) केवळ 1.71 लाख कुटुंबांनी (8.70 टक्के) 100 दिवस किंवा त्याहून अधिक कालावधीच्या रोजगाराचा लाभ घेतला. या योजनेतर्गत घरोघरी सर्वेक्षण करण्यासाठी चाचणी-तपासणी केलेल्या 48 ग्राम पंचायतींपैकी 22 (46 टक्के) ग्राम पंचायतीत घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण केले गेले नाही. निवडलेल्या 48 पैकी 47 ग्राम पंचायतींमध्ये जॉब कार्डससाठी अर्ज पाठविल्याची तारीख, जारी केलेल्या जॉब कार्डसचा तपशील दर्शविणारी अर्ज नोंदवही ठेवली गेली/अद्ययावत केली गेली नाही. जॉब कार्डसच्या देखभालीतील त्रुटी जसे की नोंदणीकृत सदस्यांचे फोटो नसणे, कामाच्या मागणीचा तपशील न नोंदवणे इ. लेखापरीक्षणात निदर्शनास आल्या.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत 48 निवडलेल्या ग्राम पंचायतींमधील 15,077 नोंदणीकृत कुटुंबांपैकी, जानेवारी 2025 पर्यंत 13,728 (91 टक्के) नोंदणीकृत कुटुंबांना जॉब कार्डस देण्यात आली. तसेच, 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत निवडलेल्या ग्राम पंचायतींमध्ये 7,771 जॉब कार्डस (52 टक्के) जारी करण्यास विलंब झाला. निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींपैकी 44 ग्राम पंचायतींमध्ये 577 जॉब कार्डसवर घरच्या प्रमुखाचे नाव होते ज्यासाठी जॉब कार्डस आधीच जारी करण्यात आली होती. नरेगासॉफ्ट

या वेब-सक्षम अनुप्रयोगात घरच्या प्रमुखाच्या समान नावाच्या जॉब कार्डसची नोंदणी रोखण्यासाठी काहीही नियंत्रण नव्हते.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत रोजगार उपलब्ध करून देण्याच्या असमर्थतेबद्दल नरेगासॉफ्टने गणना केलेल्या एकूण ₹ 34.85 लाख बेरोजगारी भत्त्यापैकी केवळ ₹ 2,268 देण्यात आले. राज्य स्तरावर आणि सहा निवडक जिल्ह्यांमध्ये या योजनेतर्गत रोजगारात महिलांचे प्रतिनिधित्व एकूण रोजगार निर्मितीच्या एक तृतीयांश पेक्षा जास्त होते. निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींपैकी 21 ग्राम पंचायतींमध्ये, 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत दिव्यांग व्यक्ती आणि इतर असुरक्षित व्यक्तींचा शोध घेण्यासाठी विशेष मोहीम राबविण्यात आली.

महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमात नमूद केल्याप्रमाणे महिला, वृद्ध, अपंग आणि दुर्धर आजार असलेल्या लोकांसाठी स्वतंत्र दर सूची राज्य शासनाने तयार केली नव्हती.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत मजुरी देण्यास सरासरी सात टक्के विलंब झाला. नैसर्गिक आपत्ती आणि नुकसान भरपाई देय नसल्यामुळे मजुरी देण्यास विलंब झाल्याबद्दल कामगारांना ₹ 5.88 कोटी नुकसान भरपाई संयुक्त कार्यक्रम अधिकाऱ्यांनी नाकारली, जरी अशा नकारासाठी महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमांतर्गत कोणतीही तरतूद नव्हती. विलंबाने देण्यात आलेल्या मजुरीवर देय नुकसान भरपाई देण्यास ही विलंब झाल्यास त्यावर ही नुकसान भरपाई देय होती. तथापि, अशा भरपाईची गणना करण्याची तरतूद नरेगासॉफ्टमध्ये नव्हती किंवा अशी भरपाई देण्यास विलंब झाल्यास राज्य शासनाने देय भरपाईची गणना केली नाही.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीच्या अकुशल कामगारांच्या ₹ 35.32 कोटी देय मजुरीचे प्रदान प्रलंबित होते (ऑक्टोबर 2024). सप्टेंबर 2025 पर्यंत राज्यातील 99.33 टक्के सक्रिय कामगारांचे आधार क्रमांक नोंदून घेण्याचे कार्य पूर्ण झाले होते, तर नॅशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडियाने आधार आधारित देयके देण्यासाठी 96.43 टक्के सक्रिय कामगारांचे नकाशन पूर्ण केले होते. निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींमध्ये प्रधानमंत्री आवास योजनेतर्गत कामे पूर्ण झाल्याच्या तारखेनंतरही हजेरीपटांची निर्मिती आणि कामगारांना ₹ 51.82 लाख दिले गेल्याचे अभिसरण कामांच्या लेखापरीक्षणातून दिसून आले.

### कामांची अंमलबजावणी

राज्यात 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मंजूर झालेल्या 25.72 लाख कामांपैकी 5.03 लाख कामे (19.57 टक्के) अपूर्ण होती, तर 7.10 लाख (27.62 टक्के) कामे सुरु झाली नव्हती. याव्यतिरिक्त, 2019-20 पूर्वीच्या कालावधीशी संबंधित 3.03 लाख कामे अपूर्ण होती. ग्राम पंचायतींमध्ये एकावेळी किती कामे हाती घेता येतील याची मर्यादा राज्य शासनाने निश्चित केलेली नव्हती.

336 कामांच्या प्रत्यक्ष तपासणी दरम्यान, लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की 219 कामांच्या ठिकाणी (65 टक्के) कामांची माहिती असलेले दर्शक फलक उपलब्ध नव्हते.



ऑगस्ट 2024 पर्यंत 30 टक्के कामांचे भौगोलिक चिन्हांकन प्रलंबित होते. 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान कुशल वेतन, साहित्य खर्च आणि कर यांचे प्रलंबित दायित्व ₹ 541.92 कोटी (ऑक्टोबर 2024) होते.

### देखरेख, सामाजिक अंकेक्षण आणि तक्रार निवारण

अधिनियम व योजनेच्या अंमलबजावणीवर देखरेख ठेवण्यासाठी महाराष्ट्र राज्य रोजगार हमी परिषदेची स्थापना करण्यात आली होती. मात्र, परिषदेच्या नियमित बैठका झाल्या नाहीत. कामांच्या गुणवत्तेच्या देखरेखीसाठी राज्य स्तरावर राज्य गुणवत्ता देखरेख संचालकांची नियुक्ती करण्यात आली होती, मात्र प्रत्येक जिल्ह्यासाठी राज्य गुणवत्ता निरीक्षक यांची नियुक्ती करण्यात आली नव्हती. 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान ग्राम पंचायतींच्या एकूण संख्येसंदर्भात सामाजिक अंकेक्षण करण्यातील तूट 72.43 टक्के ते 95.67 टक्के दरम्यान होती. 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत सामाजिक अंकेक्षण पथकाने निदर्शनास आणून दिलेल्या 1,084 गैरव्यवहार प्रकरणांमध्ये वसूल करावयाच्या ₹11.22 कोटीपैकी, 314 प्रकरणांमध्ये ₹ 4.44 कोटी वसूल करण्याची कारवाई प्रलंबित होती. उपजीविकेची सुरक्षा, उत्पन्नाची पातळी वाढविण्यावर या योजनेच्या प्रभावाचे मूल्यांकन करण्यासाठी राज्य शासनाकडून मूल्यांकन अभ्यास केला गेला नाही.

### शिफारशी :

- शासनाने वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्पात समाविष्ट केल्या जाणाऱ्या कामांच्या मागणीचे प्रमाण आणि वेळेचे निर्धारण सुनिश्चित करण्याकरिता पायाभूत सर्वेक्षण करण्यासाठी योग्य ती कार्यवाही करावी.
- शासनाने प्रारंभापासून अंमलबजावणी आणि देखरेख क्षमता मजबूत करण्यासाठी सर्व ग्राम पंचायतींमध्ये ग्राम रोजगार सहाय्यक नियुक्त करण्यासाठी कार्यवाही करावी.
- शासनाने महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमात नमूद केलेल्या विहित कालावधीत जॉबकार्ड्स देण्याचे निर्देश सर्व ग्राम पंचायतींना द्यावे तसेच नोंदणीकृत दुबार जॉबकार्ड्स वगळण्यासाठी त्वरित कार्यवाही करावी.
- शासनाने महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमातील तरतुदीनुसार बेरोजगारी भत्ता व मजुरी देण्यास विलंब झाल्यास नुकसान भरपाई देण्याची सुनिश्चिती करावी.
- शासनाने संनियंत्रण बळकट करावे आणि प्रधानमंत्री आवास योजनेतर्गत कामांच्या पूर्ण होण्याच्या तारखेनंतर हजेरीपट तयार करणे रोखण्यासाठी योग्य यंत्रणा तयार करावी.
- शासनाने ग्राम पंचायतीत नवीन कामे मंजूर करण्यासाठी विहित तरतुदीचे पालन करण्याचे निर्देश द्यावेत.
- शासनाने सर्व जिल्ह्यांमध्ये राज्य गुणवत्ता नियंत्रकांची नियुक्ती जलद गतीने करावी.

- शासनाने विहित निकषांनुसार सामाजिक अंकेक्षण करावे आणि महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमातील तरतुदींनुसार सामाजिक अंकेक्षण कार्यालयाने निदर्शनास आणून दिलेल्या आर्थिक गैरव्यवहाराची वसुली जलद गतीने करावी.



**प्रकरण /**

**परिचय**



## प्रकरण । परिचय

### 1.1 परिचय

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम, रोजगाराची हमी देत समाजातील सर्वात दुर्बल घटकांना उत्पन्न आणि स्वावलंबनाच्या संधी उपलब्ध करण्याची सुनिश्चिती करत आर्थिक आणि सामाजिक न्यायाला चालना देतो. रोजगार हा केवळ विशेषाधिकार नसून सर्वांचा हक्क आहे, याची सुनिश्चिती करण्यासाठी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम महत्वाचा आहे.

### 1.2 महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम, 2005 सप्टेंबर 2005 मध्ये भारत सरकारने अधिसूचित केला होता, ज्याला नंतर 2009 मध्ये महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम असे नाव देण्यात आले. ज्या ग्रामीण कुटुंबातील प्रौढ सदस्य स्वयंस्फूर्तीने अकुशल शारीरिक काम करतात, अशा प्रत्येक ग्रामीण कुटुंबाला एका आर्थिक वर्षात किमान 100 दिवसांचा हमी मजुरी रोजगार उपलब्ध करून देऊन ग्रामीण जनतेची उपजीविका वाढविणे हे या अधिनियमाचे उद्दिष्ट आहे. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कलम 3 नुसार प्रत्येक राज्य शासनाने अधिनियमात नमूद केलेल्या हमीची अंमलबजावणी करण्यासाठी ग्रामीण भागासाठी रोजगार हमी योजना तयार करणे आवश्यक होते.

02 फेब्रुवारी 2006 पासून पहिल्या टप्प्यात देशातील 200 जिल्ह्यांमध्ये महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम अधिसूचित करण्यात आला होता, जो 2007-08 या आर्थिक वर्षात अतिरिक्त 130 जिल्ह्यांमध्ये लागू करण्यात आला. 01 एप्रिल 2008 पासून शंभर टक्के शहरी लोकसंख्या असलेले जिल्हे वगळता महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम संपूर्ण देशाला लागू केला गेला.

शाश्वत विकासाचे उद्दिष्ट -1- दारिद्र्य निर्मूलन हे साध्य करण्यासाठी भारत सरकारने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेला 'प्रमुखातील प्रमुख' योजना म्हणून मान्यता दिली आहे.

### 1.3 महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाची उद्दिष्टे

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाची उद्दिष्टे खालीलप्रमाणे आहेत.

- रोजगाराच्या संधी उपलब्ध करून ग्रामीण भारतात राहणाऱ्या सर्वात दुर्बल लोकांना सामाजिक संरक्षण;
- टिकाऊ मालमतेची निर्मिती, सुधारित जल सुरक्षा, मृद संधारण आणि जमिनीची उत्पादकता वाढवून गरिबांसाठी उपजीविकेची सुरक्षा;
- ग्रामीण भारतातील दुष्काळ निवारण व पूर व्यवस्थापन;

- सामाजिकदृष्ट्या वंचित, विशेषतः महिला, अनुसूचित जाती आणि अनुसूचित जमाती यांचे अधिकार-आधारित कायद्याच्या प्रक्रियेद्वारे सक्षमीकरण;
- दारिद्र्य निर्मूलन आणि उपजीविकेच्या विविध उपक्रमांच्या एकत्रीकरणाद्वारे विकेंद्रित, सहभागात्मक नियोजन बळकट करणे;
- पंचायतराज संस्था बळकट करून तळागाळातील लोकशाही मजबूत करणे;
- प्रशासनात अधिक पारदर्शकता आणि उत्तरदायित्व निर्माण करणे.

#### 1.4 महाराष्ट्र राज्यात महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाचा अवलंब

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कलम 28 नुसार ग्रामीण कुटुंबांना अकुशल अंगमहनतीच्या कामासाठी रोजगार हमी देण्यासाठी अस्तित्वात असलेल्या अधिनियमाची अंमलबजावणी करण्याचा पर्याय राज्य शासनाकडे होता, जर तो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या तरतुदींशी सुसंगत असेल.

महाराष्ट्रात, महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियम 1977 मध्ये लागू करण्यात आला, ज्याचा उद्देश महाराष्ट्र राज्यातील ग्रामीण भागात अकुशल अंगमहनतीचे काम करण्यासाठी स्वेच्छेने काम करणाऱ्या सर्व प्रौढ व्यक्तींना रोजगाराची हमी देऊन कामाचा अधिकार सुरक्षित करणे हा होता.

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कलम 28 नुसार महाराष्ट्र शासनाने महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियम, 1977 मध्ये वेळोवेळी सुधारणा करून ती महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या तरतुदींशी सुसंगत केली. या सुधारित अधिनियमाला महाराष्ट्र रोजगार हमी (सुधारणा) अधिनियम, 2014 असे नाव देण्यात आले आहे. महाराष्ट्र रोजगार हमी (सुधारणा) अधिनियमाच्या अंतर्गत तयार करण्यात आलेल्या रोजगार हमी योजनेचे (जानेवारी 1979) नाव बदलून महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना असे करण्यात आले (जुलै 2011).

36 जिल्ह्यांपैकी मुंबई आणि मुंबई उपनगर हे पूर्ण नागरीकरण झालेले जिल्हे वगळता राज्यातील 34 जिल्ह्यांमध्ये ही योजना राबविण्यात आली. ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार प्रत्येक ग्रामीण कुटुंबाला एका आर्थिक वर्षात किमान 100 दिवसांच्या रोजगाराची हमी देते ज्यांचे प्रौढ सदस्य स्वयंस्फूर्तीने अकुशल अंगमहनतीचे काम करतात, तर महाराष्ट्र शासन राज्य निधीद्वारे 100 दिवसांपेक्षा जास्त कामगारांना अकुशल रोजगाराची हमी देते.

## 1.5 योजनेचा आढावा

योजनेच्या अंमलबजावणीचा आढावा आलेख 1.1 मध्ये दर्शविला आहे.

आलेख 1.1: राज्यातील योजनेच्या अंमलबजावणीचा आढावा



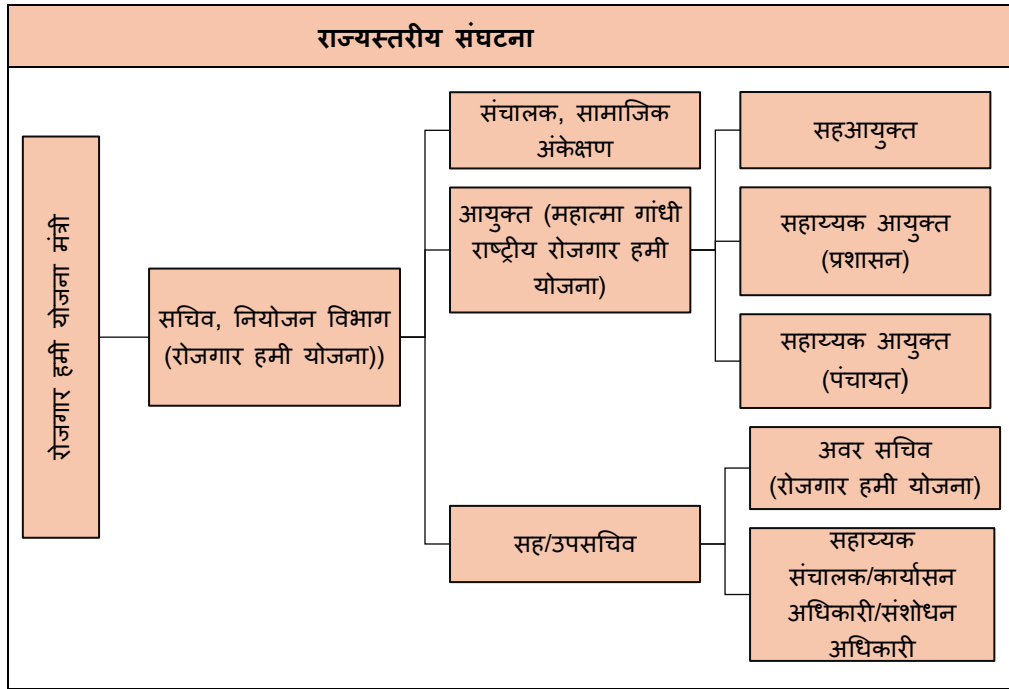
## 1.6 संघटनात्मक रचना

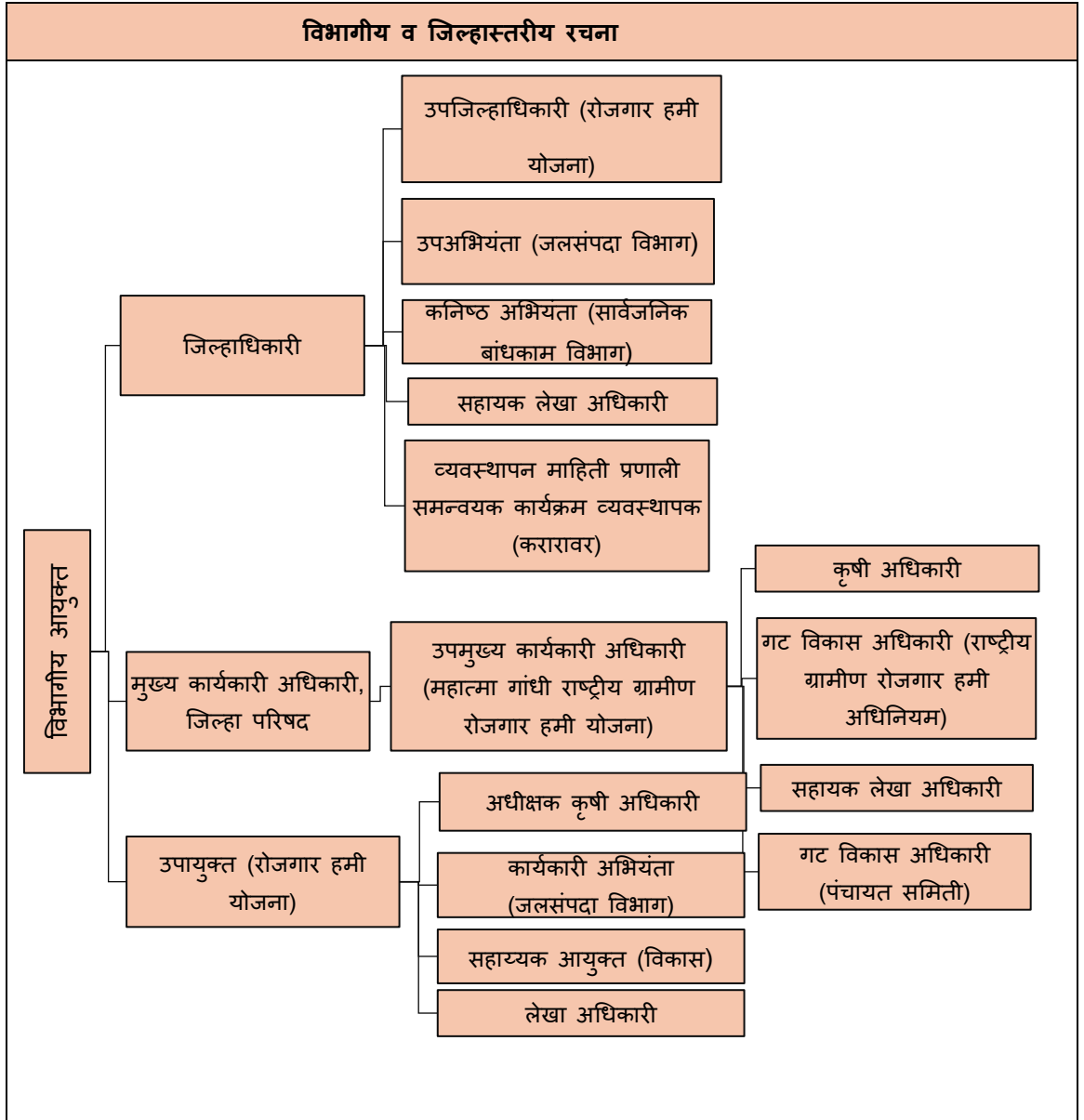
महाराष्ट्र शासनाचा नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना) हा प्रशासकीय विभाग असून नागपूर येथे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेच्या आयुक्तांमार्फत राज्यात ही योजना राबवितो. प्रधान सचिव (रोजगार हमी योजना) यांच्या अंतर्गत कार्यरत असलेले संचालक, सामाजिक अंकेक्षण हे ग्राम पंचायतींच्या सामाजिक अंकेक्षणासाठी जबाबदार असतात. योजनेच्या अंमलबजावणी आणि देखरेखीमध्ये विभागीय स्तरावर विभागीय आयुक्त, जिल्ह्यात जिल्हाधिकारी, तालुक्यात तहसीलदार, जिल्हा परिषदेचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी, गट विकास अधिकारी आणि ग्रामपंचायतीचे ग्रामसेवक यांचा सहभाग असतो.

राज्य, जिल्हा आणि तालुका स्तरावरील संघटनात्मक रचना आलेख 1.2 मध्ये दर्शविली आहे.



आलेख 1.2: योजनेच्या अंमलबजावणीसाठी संघटनात्मक रचना





## 1.7 भूमिका आणि जबाबदाऱ्या

राज्य शासनाने जिल्हाधिकारी यांना जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक आणि जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांना जिल्ह्यांमध्ये योजनेच्या अंमलबजावणीसाठी जिल्हा कार्यक्रम सहसमन्वयक म्हणून नियुक्त केले (ऑक्टोबर 2006).

मुख्य हितैषींच्या महत्त्वपूर्ण भूमिका आणि जबाबदाऱ्या तक्ता 1.1 मध्ये दर्शविल्या आहेत.

तक्ता 1.1: मुख्य हितैषींच्या भूमिका आणि जबाबदाऱ्या

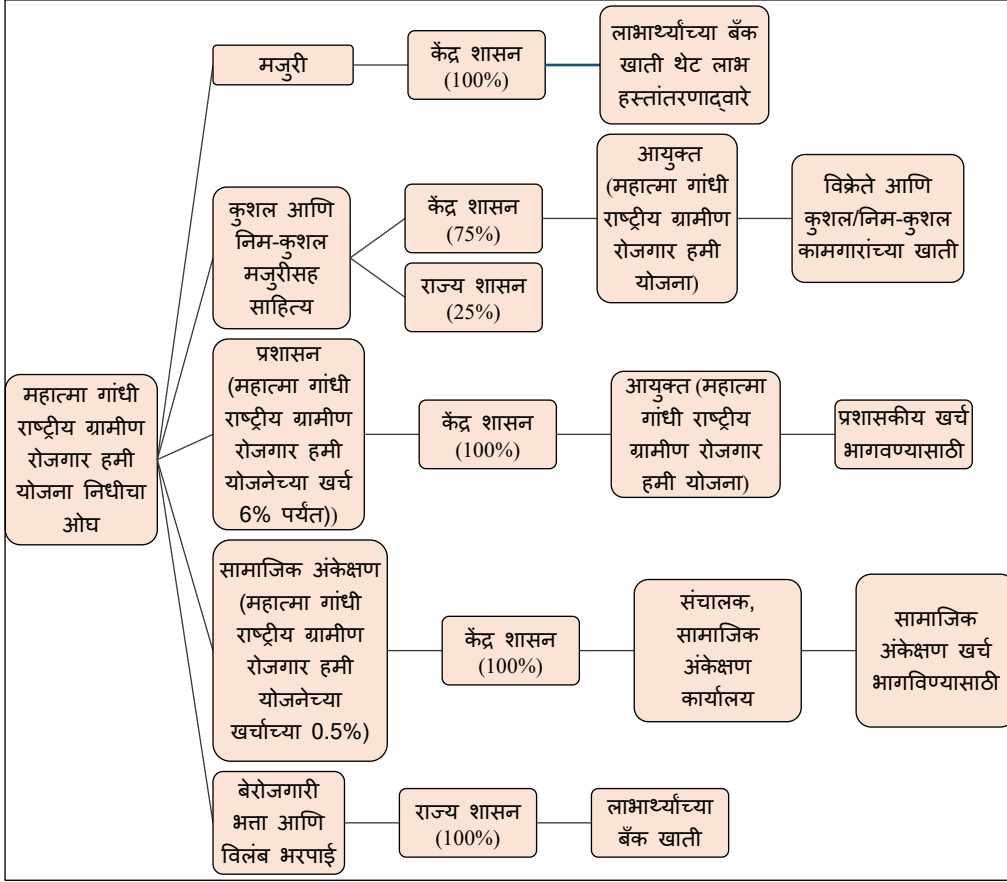
| पातळी     | नियुक्त केलेले अधिकारी                                                                                                                                                          | भूमिका आणि जबाबदाऱ्या                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
|-----------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| राज्य     | सचिव, रोजगार हमी योजना                                                                                                                                                          | नियमित देखरेख आणि कायद्याच्या अंमलबजावणीचा आढावा घेण्यासाठी राज्य परिषदेची स्थापना करणे, रोजगार हमी निधीची स्थापना करणे, जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक आणि कार्यक्रम अधिकारी यांना आवश्यक कर्मचारी आणि तांत्रिक कर्मचारी उपलब्ध करून देणे, निधी वितरणाचे आदेश जारी करणे, योजनेच्या अंमलबजावणीसाठी सूचना जारी करणे.                                                                                                                                                                             |
|           | आयुक्त, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना, नागपूर                                                                                                                | जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकांबरोबर समन्वय साधणे, जिल्हा वार्षिक कृती आराखडा आणि कामगार अर्थसंकल्प एकत्रित करणे, रोजगार हमी निधीचा हिशेब ठेवणे, भारत सरकारला उपयोगिता प्रमाणपत्र सादर करणे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| जिल्हा    | जिल्हाधिकारी                                                                                                                                                                    | योजनेनुसार जिल्हा स्तरावर योजनेच्या अंमलबजावणीसाठी जबाबदार, योजनेंतर्गत जिल्हा परिषदेला त्यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी सहाय्य करणे, अर्जदारांच्या तक्रारींचे निवारण करणे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|           | जिल्हा परिषदेचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी                                                                                                                                         | योजनेच्या अंमलबजावणीत जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकाला मदत करणे, वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्पास मान्यता देणे, तालुका आणि जिल्हा स्तरावर हाती घेतलेल्या प्रकल्पांचे पर्यवेक्षण आणि देखरेख करणे;                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| गट/तालुका | गटविकास अधिकारी व तहसीलदार यांना सहकार्यक्रम अधिकारी व कार्यक्रम अधिकारी म्हणून नियुक्त करण्यात आले आहे. उपअभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, तालुका कृषी अधिकारी, वन परिक्षेत्र | कार्यक्रम अधिकारी आणि सहकार्यक्रम अधिकारी पंचायत समितीला योजनेंतर्गत कार्ये पार पाडण्यासाठी सहाय्य करतात, ग्रामपंचायती आणि इतर अंमलबजावणी संस्थांनी हाती घेतलेल्या प्रकल्पांचे निरीक्षण करतात. पात्र कुटुंबांना बेरोजगारी भत्ता देणे, योजनेंतर्गत कार्यरत सर्व मजुरांना त्वरित व रास्त मजुरी देणे, सामाजिक अंकेक्षणात उपस्थित केलेल्या आक्षेपांवर त्वरित कारवाई करणे, योजनेच्या अंमलबजावणीत उद्भवणाऱ्या सर्व तक्रारींची त्वरित दखल घेणे ही गटविकास अधिकारी व तहसीलदार यांची जबाबदारी आहे. |

| पातळी       | नियुक्त केलेले अधिकारी                                                                     | भूमिका आणि जबाबदाऱ्या                                                                                                                                                                                                                                 |
|-------------|--------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|             | अधिकारी आणि सामाजिक वनीकरणाचे अधिकारीही कार्यक्रम अधिकारी म्हणून नियुक्त करण्यात आले होते. |                                                                                                                                                                                                                                                       |
| ग्रामपंचायत | ग्राम विकास अधिकारी /ग्रामसेवक                                                             | ग्रामसभेच्या शिफारशीचा विचार करून ग्रामपंचायतीमधील प्रकल्पांची ओळख पटविणे, विकास आराखडा तयार करणे आणि संभाव्य कामांचा संग्रह राखणे, अर्जदाराला कामाचे वाटप करणे आणि जॉब कार्डस जारी करणे या जबाबदाऱ्या त्यांच्यावर आहेत.                              |
|             | ग्राम रोजगार सहाय्यक                                                                       | नोंदणी, जॉब कार्डसचे वितरण, रोजगाराच्या अर्जावर तारखेनुसार पावत्या प्रदान करणे, अर्जदारांना कामाचे वाटप, ग्रामसभेच्या सभा आणि सामाजिक अंकेक्षणाची सुविधा देणे, कामगारांची उपस्थितीची नोंद करणे, जॉब कार्डस अद्ययावत करणे या प्रक्रियेवर देखरेख ठेवणे. |

### 1.8 निधीचे प्रारूप

ही योजना केंद्र सरकार पुरस्कृत योजना म्हणून भारत सरकार आणि राज्य शासन यांच्यात खर्च वाटून घेण्याच्या आधारावर राबविण्यात येत आहे. अकुशल कामगारांच्या मजुरीचा संपूर्ण खर्च आणि कुशल आणि अकुशल कामगारांच्या मजुरीसह (साहित्य घटक) साहित्याच्या किमतीच्या 75 टक्के पर्यंत भारत सरकार उचलते. राज्य शासन साहित्याच्या किमतीच्या 25 टक्के खर्च उचलते. कामगारांना मजुरी देण्यास विलंब झाल्यास भरपाई भत्ता, बेरोजगारी भत्ता आणि राज्य रोजगार हमी परिषदांच्या प्रशासकीय खर्चाचा एकूण खर्च देखील राज्य शासन उचलते. या योजनेअंतर्गत भारत सरकार आणि राज्य शासन यांच्यातील निधीचे स्वरूप **आलेख 1.3** मध्ये दर्शविला आहे.

आलेख 1.3: भारत सरकार आणि राज्य शासन यांच्यातील योजनेअंतर्गत निधीचे प्रारूप



2019-20 ते 2023-24 दरम्यान या योजनेतर्गत राज्यात ₹ 13,518.30 कोटी खर्च करण्यात आला.

### 1.9 व्यवस्थापन माहिती प्रणाली (नरेगासॉफ्ट)

राष्ट्रीय माहिती विज्ञान केंद्राने ग्रामीण विकास मंत्रालयाच्या सहकार्याने नरेगासॉफ्ट म्हणून ओळखले जाणारे एक कार्यप्रवाह आधारित, वेब-सक्षम अनुप्रयोग विकसित केले आहे जे योजनेच्या अंमलबजावणीतील सर्व व्यवहार आणि विविध प्रक्रियांचे तपशील सादर करते. नरेगासॉफ्ट कामगारांचे तपशील जसे की नाव, पत्ता, बँक खाते क्रमांक इत्यादी, जॉब कार्ड तपशील, कामाच्या अंमलबजावणीचे तपशील जसे की कामाचे अंदाजपत्रक, कामाची प्रत्यक्ष प्रगती, साहित्य आणि मजुरांवरील खर्च, देय मजुरी, देय बेरोजगारी भत्ता इत्यादी नोंदित करते.

नरेगासॉफ्ट अंमलबजावणी संस्थांना महत्वाचे व्यवहार, विविध स्पष्ट अनियमितता इत्यादींची माहिती देऊन जागरूकता देखील निर्माण करते आणि आवश्यक ती सुधारणात्मक कारवाई जलदगतीने करणे ही अंमलबजावणी संस्थांची जबाबदारी आहे.

### 1.10 जिओ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम

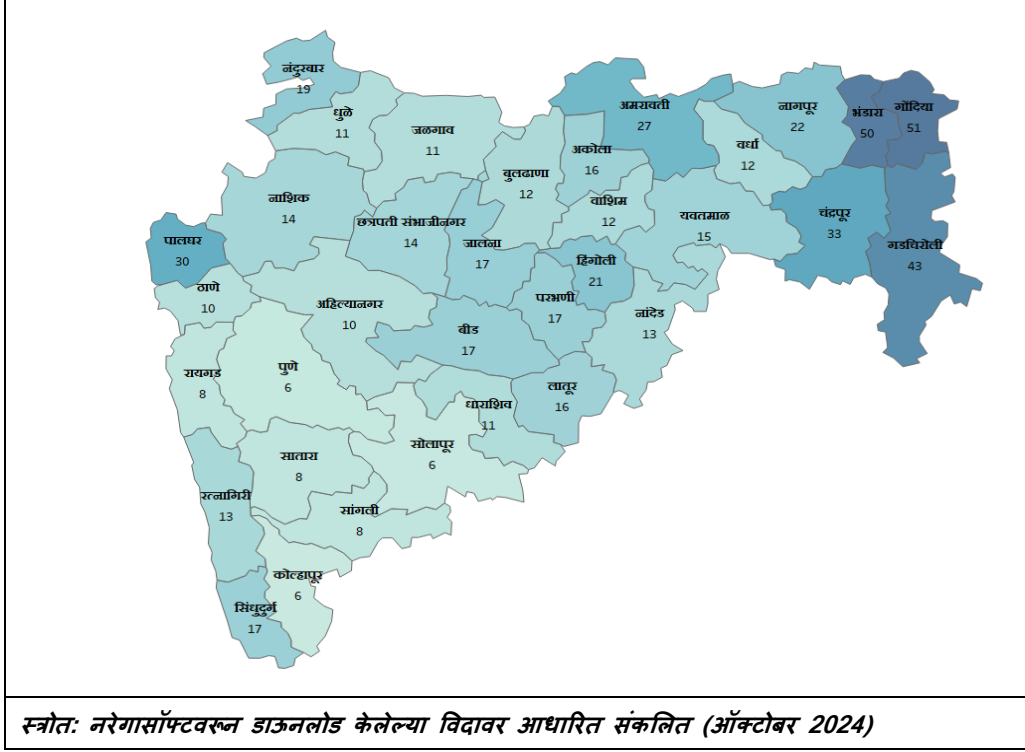
पारदर्शकता सुधारण्याच्या आणि कार्यक्रम अधिक सुस्पष्ट होण्याच्या उद्देशाने, ग्रामीण विकास मंत्रालयाने भारतीय अंतराळ संशोधन संस्थेच्या राष्ट्रीय दूरस्थ संवेदन केंद्राच्या भागीदारीत योजनेअंतर्गत तयार केलेल्या मालमतेच्या भौगोलिक चिन्हांकनासाठी जिओ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाची अंमलबजावणी सुरू केली. जिओ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाद्वारे, भ्रमणध्वनी आधारित छायाचित्र भौगोलिक चिन्हांकन आणि ऑनलाइन नोंदी आणि देखरेखीसाठी भौगोलिक माहिती प्रणाली सारख्या तांत्रिक हस्तक्षेपांचा वापर करून मालमतेसंबंधी पद्धतशीर विदा तयार करण्यात आला आहे. या उद्देशासाठी दूरस्थ संवेदन केंद्राचे भुवन जिओपोर्टल आवश्यकतेनुसार तयार केले गेले आहे. प्रत्येक मालमतेच्या स्थानाचे भौगोलिक चिन्हांकन दोन छायाचित्रांसह केले जाते. मालमतेचे भौगोलिक चिन्हांकन तीन टप्प्यात केले जाते, म्हणजे काम सुरू होण्यापूर्वी, (टप्पा-I), कामाच्या दरम्यान (टप्पा-II) आणि पूर्ण झाल्यानंतर (टप्पा-III).

विदाची अखंडता/सत्यता आणि सुरक्षितता सुनिश्चित करताना, नरेगासॉफ्ट आणि भुवन जिओपोर्टल दरम्यान सेवा म्हणून विदेची सुरळीत देवाणघेवाण करण्यासाठी, एक कार्यपद्धती स्थापित करण्यात आली आहे.

### 1.11 राज्यातील रोजगार मिळवणाऱ्या कुटुंबांचा कल

2019-24 दरम्यान महाराष्ट्रातील नोंदणीकृत कुटुंबांच्या तुलनेत रोजगार मिळालेल्या कुटुंबांच्या टक्केवारीचा सर्वसाधारण कल **आलेख 1.4** मध्ये दर्शविला आहे.

आलेख 1.4: नोंदणीकृत कुटुंबांच्या तुलनेत रोजगार घेतलेल्या कुटुंबांच्या टक्केवारीचा जिल्हानिहाय कल



आलेख 1.4 नुसार, ही योजना पूर्व महाराष्ट्रात अधिक लोकप्रिय आहे, नोंदणीकृत कुटुंबांच्या तुलनेत गोंदिया जिल्ह्यात रोजगार मिळालेल्या कुटुंबांची सर्वाधिक टक्केवारी नोंदवली गेली आहे, तर पुणे जिल्ह्यात सर्वात कमी सहा टक्के आहे.

**प्रकरण ॥**

**लेखापरीक्षण चौकट**





## प्रकरण ॥

### लेखापरीक्षण चौकट

#### 2.1 लेखापरीक्षण उद्दिष्टे

महाराष्ट्र राज्यात योजनेच्या अंमलबजावणीचे संपादणूक लेखापरीक्षण खालील बाबींची खात्री करण्यासाठी करण्यात आले:

- संबंधित नियम व नियमांचे पालन करून अधिनियमाची उद्दिष्टे साध्य करण्यासाठी नियोजन प्रक्रिया आणि वित्तीय व्यवस्थापन पद्धती पुरेशा प्रमाणात तयार केल्या गेल्या;
- रोजगाराच्या संधी योग्य प्रमाणात मिळाल्या, तसेच पुरेशा प्रमाणात रोजगार निर्मिती झाली, ज्यामुळे नमूद केल्यानुसार सामाजिक संरक्षण आणि उपजीविकेची सुरक्षितता निर्माण झाली;
- इतर कार्यक्रम/योजनांशी एकत्रीकरण सुनिश्चित करताना नियम आणि नियमांचे पालन करून टिकाऊ आणि उपयुक्त मालमत्ता निर्माण करून राखल्या गेल्या; आणि
- अधिक पारदर्शकता आणि दायित्व साध्य करण्यासाठी योग्य आणि पुरेसे संनियंत्रण, सामाजिक अंकेक्षण आणि तक्रार निवारण प्रणाली अस्तित्वात होत्या आणि त्या कार्यरत होत्या.

#### 2.2 लेखापरीक्षणाचे निकष

संपादणूक लेखापरीक्षणाचे मूल्यांकन करणारे लेखापरीक्षण निकष खालीलप्रमाणे होते:

- महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियम व त्यातील सुधारणा;
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम, 2005, त्यातील सुधारणा आणि या अधिनियमांतर्गत जारी करण्यात आलेले नियम;
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वे, 2013;
- भारत सरकारच्या ग्रामीण विकास मंत्रालयाकडून वेळोवेळी जारी करण्यात येणारी वार्षिक मुख्य परिपत्रके;
- राज्य शासन आणि भारत सरकारच्या ग्रामीण विकास मंत्रालयाने जारी केलेले शासन निर्णय, परिपत्रके आणि सूचना.

### 2.3 लेखापरीक्षणाची व्याप्ती आणि कार्यपद्धती

जून 2024 ते ऑगस्ट 2024 दरम्यान नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना), आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना), संचालक, सामाजिक अंकेक्षण तसेच निवडक जिल्हे, जिल्हा परिषदा आणि ग्राम पंचायतींमधील 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीच्या अभिलेख्यांची पडताळणी करून संपादनूक लेखापरीक्षण करण्यात आले.

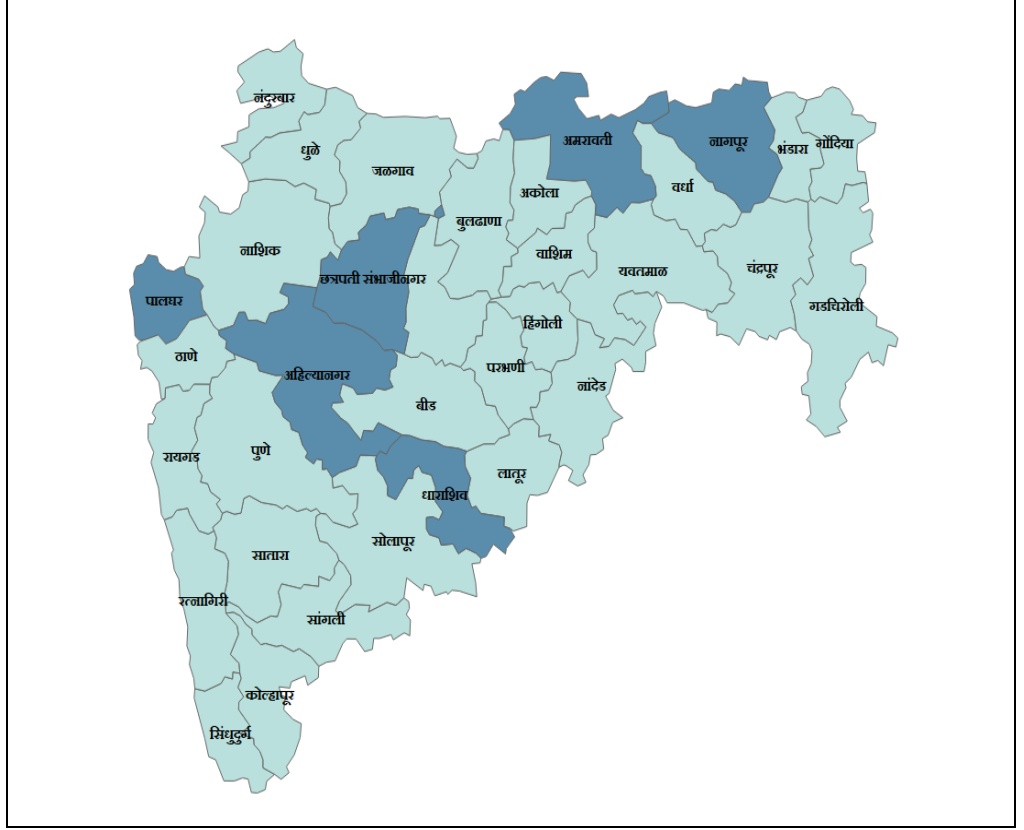
राज्यात ही योजना राबविणाऱ्या 34 जिल्ह्यांपैकी सहा जिल्हे जसे की अहिल्यानगर, अमरावती, छत्रपती संभाजीनगर, धाराशिव, नागपूर आणि पालघर यांची 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीतील जिल्ह्यांच्या एकूण खर्चाच्या आधारे स्तरीकृत यादृच्छिक नमुना पद्धतीचा वापर करून निवड करण्यात आली. तसेच, **परिशिष्ट 2.1** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीतील तालुक्यांच्या एकूण खर्चाच्या आधारे स्तरीकृत यादृच्छिक नमुना पद्धतीचा वापर करून 12 तालुके (प्रत्येक जिल्ह्यातील दोन तालुके) निवडण्यात आले. प्रत्येक तालुक्यामधून, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यानचा खर्च विचारात घेवून बदली न करता आकाराच्या प्रमाणाच्या संभाव्यतेनुसार चार ग्राम पंचायती निवडण्यात आल्या. अशाप्रकारे, **परिशिष्ट 2.1** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 48 ग्राम पंचायती निवडल्या गेल्या.

लेखापरीक्षणात संबंधित ग्राम पंचायतींच्या अधिकाऱ्यांसह 336 कार्यस्थळांची संयुक्त प्रत्यक्ष पडताळणी देखील करण्यात आली (प्रत्येक निवडलेल्या ग्राम पंचायतीकडून सात चालू किंवा पूर्ण झालेल्या कार्यस्थळांची यादृच्छिक आधारावर निवड करण्यात आली). या 336 कामांच्या संदर्भात हजेरी पट, मोजमाप पुस्तके आणि मजुरी देयकांची चाचणी-तपासणी देखील करण्यात आली. शिवाय, जॉब कार्डधारकांना योजनेची माहिती होती किंवा कसे, त्यांना वेळेवर मजुरी मिळाली किंवा कसे, त्यांना बेरोजगारी भत्ता मिळाला किंवा कसे, कामाच्या ठिकाणी सुविधा दिल्या आहेत, किंवा कसे इत्यादी गोष्टींची सुनिश्चिती करण्यासाठी 480 जॉब कार्डधारकांचे (प्रत्येक निवडलेल्या ग्राम पंचायतीतून 10 लाभार्थी) सर्वेक्षण देखील केले.

जुलै 2024 रोजी प्रधान सचिव (रोजगार हमी योजना), नियोजन विभाग यांच्यासमवेत आगमन बैठक आयोजित करण्यात आली होती, ज्यामध्ये लेखापरीक्षणाची उद्दिष्टे, लेखापरीक्षणाचे निकष, लेखापरीक्षणाची व्याप्ती आणि कार्यपद्धती यावर चर्चा करण्यात आली. लेखापरीक्षणाच्या निष्कर्षावर चर्चा करण्यासाठी मे 2025 मध्ये आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांच्या समवेत निर्गमन बैठक घेण्यात आली होती. आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांच्याकडून मिळालेली उत्तरे अहवालात समाविष्ट करण्यात आली आहेत (जून 2025).

नमुना जिल्ह्यांचे (34 पैकी सहा जिल्हे) भौगोलिक सादरीकरण **तक्ता 2.1** मध्ये दर्शविले आहे.

तक्ता 2.1: नमुना जिल्ह्यांचे भौगोलिक सादरीकरण



#### 2.4 महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेच्या संदर्भातील यापूर्वीचे लेखापरीक्षण निष्कर्ष

राज्यातील योजनेच्या अंमलबजावणीवरील लेखापरीक्षण निष्कर्षाचा समावेश भारताच्या नियंत्रक आणि महालेखापरीक्षकांच्या स्थानिक स्वराज्य संस्थांवरील मार्च 2012 रोजी संपलेल्या वर्षाच्या अहवालाच्या परिच्छेद 2.1 मध्ये करण्यात आला होता (वर्ष 2013 चा अहवाल क्रमांक 6). अहवालावर लोक लेखा समितीच्या शिफारशी प्रतिक्रित होत्या (ऑगस्ट 2025).

#### 2.5 आभार

लेखापरीक्षणा दरम्यान नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना), आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना), संचालक, सामाजिक अंकेक्षण, जिल्हाधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद आणि इतर क्षेत्रीय अधिकाऱ्यांनी दिलेल्या सहकार्य व मदतीबद्दल लेखापरीक्षण पथक आभारी आहे.

## 2.6 अहवालाची रचना

अहवालाची रचना खाली तपशीलवार दर्शविली आहे.

|            |                                                |
|------------|------------------------------------------------|
| प्रकरण I   | परिचय                                          |
| प्रकरण II  | लेखापरीक्षण चौकट                               |
| प्रकरण III | नियोजन आणि वित्तीय व्यवस्थापन                  |
| प्रकरण IV  | कामगारांची नोंदणी आणि मजुरी प्रदाने            |
| प्रकरण V   | कामांची अंमलबजावणी                             |
| प्रकरण VI  | संनियंत्रण, सामाजिक अंकेक्षण आणि तक्रार निवारण |

**प्रकरण III**

**नियोजन आणि वित्तीय  
व्यवस्थापन**



## प्रकरण III

### नियोजन आणि वित्तीय व्यवस्थापन

#### 3.1 नियोजन

योजनेच्या नियोजन व अंमलबजावणीसाठी ग्राम पंचायत ही महत्वाची संस्था आहे. हा एक मागणीवर आधारित सार्वजनिक मजुरी रोजगार कार्यक्रम आहे, जिथे मागणीनुसार, कामे हाती घेतली जातात आणि रोजगाराची संधी उपलब्ध केली जाते.

रोजगार उपलब्ध करून कामांच्या मागणीची पूर्तता करणे ही योजनेतर्गत नियोजनाची प्रक्रिया असून ती मजूर अर्थसंकल्प तयार करून साध्य केली जाते. यामध्ये कामाची मागणी केली जाण्याच्या शक्यतेचे प्रमाण आणि अशा मागणीच्या वेळेचे पूर्वमूल्यांकन केले जाते आणि त्याचवेळी ही मागणी पूर्ण करण्यासाठी प्राधान्यक्रमाने घेतलेल्या प्रकल्पांचा आराखडा तयार केला जातो. मजूर अर्थसंकल्प भाग म्हणून हाती घेण्यात येणारा प्रकल्प आराखडा हा विकास आराखड्याशी<sup>1</sup> सुस्पष्ट असणे आवश्यक आहे.

##### 3.1.1 वार्षिक कृती आराखडा व मजूर अर्थसंकल्प

वार्षिक कृती आराखडा व मजूर अर्थसंकल्प, ग्राम पंचायत स्तरावर तयार करण्यात आले होते, त्याचे तालुका आणि जिल्हा परिषद स्तरावर एकत्रीकरण करण्यात आले. कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 6.1.3 नुसार, जिल्ह्यातील प्रत्येक ग्राम सभेने निवडलेल्या प्रकल्पांच्या आराखड्याच्या नियोजनापासून ते मंजुरीपर्यंत मूळापासून दृष्टिकोनाच्या तत्वांचे काटेकोरपणे पालन केले जाण्याची सुनिश्चिती जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकाने करणे आवश्यक आहे. मजूर अर्थसंकल्पामध्ये कामाची मागणी करणाऱ्यांसाठी पुरविल्या जाणाऱ्या कामाचे प्रमाण आणि वेळापत्रक दर्शविणारी योजना आणि महिना-निहाय अपेक्षित मागणीचा समावेश असावा. यात प्रकल्पांची ओळख पटवणे आणि मजूर अर्थसंकल्प तयार करणे यांचा समावेश आहे. जिल्हा परिषदेने मजूर अर्थसंकल्प मंजूर केल्यानंतर ते आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांच्याकडे सादर करण्यासाठी जिल्हाधिकाऱ्यांकडे सादर केले जाते. आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) राज्य मजूर अर्थसंकल्प एकत्रित करतात आणि भारत सरकारला सादर करतात.

लेखापरीक्षणात पुढील परिच्छेदांमध्ये चर्चा केल्याप्रमाणे मजूर अर्थसंकल्प आणि त्या दृष्टीकोनातून योजना तयार करताना विविध त्रुटी आढळल्या.

<sup>1</sup> विकास आराखडा हा प्राधान्यक्रमाच्या गरजा आणि उपलब्ध संसाधने यांची जुळवाजुळव करून तयार केलेला वार्षिक आराखडा आहे.



(i) आधारभूत सर्वेक्षण

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 6.2 नुसार, ग्राम पंचायतीत रोजगाराच्या मागणीचे प्रमाण आणि वेळेच्या मूल्यांकनासाठी आधारभूत संरचना तयार करण्यासाठी ग्राम पंचायतीला जॉब कार्डधारकांचे सर्वेक्षण करणे अनिवार्य आहे. सर्वेक्षणात ग्राम पंचायतीमधील प्रत्येक जॉब कार्डधारकाकडून रोजगाराच्या हंगामी मागणीची माहिती घ्यायची होती. उपजीविकेच्या स्वरूपातील स्थानिक पातळीवर होणारे बदल आणि उत्पादनात्मक क्रियांमधील रोजगाराच्या संधी यांचा विचार करण्यासाठी दर पाच वर्षांनी आधारभूत सर्वेक्षण नव्याने करणे आवश्यक आहे.

मार्गदर्शक तत्वांमध्ये असेही नमूद करण्यात आले आहे की, या आधारभूत सर्वेक्षणाचा आराखडा व कार्यपद्धती निश्चित करण्यासाठी तज्ञ संस्थांना नामित करता येईल आणि ही कार्यपद्धती निश्चित झाल्यानंतर त्या संस्था प्रत्येक जिल्ह्यातील पथकांना सर्वेक्षणासाठी प्रशिक्षण देतील. या प्रक्रियेत अग्रगण्य नागरी समाज संघटनांनादेखील मदत करू शकतात, असेही मार्गदर्शक तत्वांमध्ये नमूद करण्यात आले आहे.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले आहे की, महाराष्ट्र शासनाने आधारभूत सर्वेक्षणासाठी आराखडा आणि कार्यपद्धती अंतिम करण्यासाठी कोणत्याही तज्ञ संस्था/नागरी समाज संघटनांना नामित केले नाही किंवा कोणतेही आधारभूत सर्वेक्षण केलेले नाही.

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 6.1.1 नुसार, मजूर अर्थसंकल्पात पुढील बाबींचा समावेश असणे आवश्यक आहे. (i) कामाच्या मागणीचे अपेक्षित प्रमाण, (ii) कामाच्या मागणीचा कालावधी आणि (iii) कामाची मागणी करणाऱ्यांना पुरविल्या जाणाऱ्या कामाचे प्रमाण आणि वेळापत्रक दर्शविणारी योजना.

निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्पाच्या पडताळणीत असे निदर्शनास आले की, विविध अंमलबजावणी संस्थांद्वारे तालुका-निहाय हाती घेण्यात येणारी कामे, कामाची एकूण अंदाजित किंमत, अकुशल आणि कुशल घटकांच्या हिश्याच्या कामाच्या खर्चाची टक्केवारी, अपेक्षित मनुष्य दिवस यांचा समावेश होता. मात्र, कामाच्या मागणीचे अपेक्षित प्रमाण आणि कामाच्या मागणीचा कालावधी आणि मजुरी घेणाऱ्यांना पुरविण्यात येणारे कामाचे प्रमाण आणि कामाचा कालावधी दर्शविणारी योजना यांचा मजूर अर्थसंकल्पात समावेश करण्यात आला नव्हता. अशा रीतीने, आधारभूत सर्वेक्षणाच्या अनुपस्थितीत वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्पाने कामाची मागणी करणाऱ्यांना पुरविल्या जाणाऱ्या कामाशी जुळण्यासाठी कामाच्या मागणीचा विचार केला नाही. लेखापरीक्षणाच्या असे निदर्शनास आले की ग्राम पंचायतींनी सादर केलेल्या 192 वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पामध्ये रोजगाराच्या मागणीचे प्रमाण आणि वेळ उपलब्ध नव्हती.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (जून, 2025) की, मजूर अर्थसंकल्प तयार करताना घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण करून आधारभूत सर्वेक्षण करण्याच्या सूचना जिल्ह्यांना देण्यात आल्या आहेत.

**(ii) प्रकल्पांचा आराखडा**

निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींमध्ये लेखापरीक्षणाने 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्पाची पडताळणी केली. पडताळणीसाठी आवश्यक असलेल्या 240 वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पाच्या तुलनेत केवळ 192 वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प लेखापरीक्षण पडताळणीसाठी सादर करण्यात आले. 192 वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पाच्या तपासणीत 153 (80 टक्के) वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पामध्ये प्रकल्पांच्या आराखड्याचा समावेश नसल्याचे निदर्शनास आले.

उत्तरादाखल, आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की (मार्च, 2025) 153 ग्राम पंचायतींनी वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पामध्ये आराखडा सादर केला नसला, तरी त्यांनी तालुकास्तरीय प्राधिकरणामार्फत आपापल्या जिल्ह्यांना ते सादर केले आहेत. प्रकल्पांचे आराखडे लेखापरीक्षणासाठी सादर केले जातील असेही नमूद करण्यात आले. प्रकल्पांच्या आराखड्याच्या अभावी या योजनेअंतर्गत तात्काळ पद्धतीने कामांची निवड करण्याचा धोका निर्माण होतो.

उत्तरादाखल, आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (जून, 2025) की, वार्षिक कृती आराखड्यात वैयक्तिक व सामुदायिक कामांचा समावेश असून भविष्यात कामांचा आराखडा तयार करण्याची खबरदारी घेतली जाईल.

**(iii) जिल्ह्याच्या दृष्टीकोनातून आराखडा**

कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वे, 2013 च्या परिच्छेद 15.3.1.1 मध्ये अशी तरतूद आहे की, अभिसरणाच्या अंमलबजावणीसाठी जिल्ह्यांनी एका जिल्ह्याच्या दृष्टीकोनातून आराखडा तयार करणे आवश्यक आहे जो जिल्ह्यांमधील सर्व क्षेत्रांच्या गरजा आणि त्रुटी ओळखतो. हा आराखडा विविध विभागीय प्रकल्पासंबंधित बहु-वार्षिक आराखडा आहे.

अभिलेख्यांच्या तपासणीत असे निदर्शनास आले की, अभिसरण कामांचा मजूर अर्थसंकल्पात समावेश केला गेला होता तरी निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांपैकी कोणत्याही जिल्ह्यात जिल्ह्याच्या दृष्टीकोनातून आराखडा तयार करण्यात आला नव्हता. जिल्ह्याच्या दृष्टीकोनातून आराखड्याच्या अनुपस्थितीत, कामांचे अभिसरण सुलभ होण्यासाठी जिल्ह्यात सर्व क्षेत्रांमध्ये करावयाच्या कामांमधील गरजा आणि त्रुटी सुस्पष्ट करण्यात आल्या नव्हत्या.

उत्तरादाखल, आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (जून, 2025) की, राज्य शासनाने राज्यातील प्रत्येक जिल्ह्यातील निवडलेल्या

ग्राम पंचायतींना 10 वर्षांचा आराखडा तयार करण्याच्या सूचना दिल्या असून आवश्यक ती कार्यवाही केली जाईल.

### 3.1.2 तालुका संसाधन केंद्र

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 4.3.2 नुसार (i) नियोजनासाठी तांत्रिक सूचना पुरविणे, (ii) स्थानिक नैसर्गिक संसाधनाबाबतचा (उदा. भूजल, पर्जन्यमान, माती/मृदा इ.) विदा तयार ठेवणे जो नियोजनासाठी आवश्यक आहे (iii) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेच्या आणि शासनाच्या इतर उत्पादनाभिमुख योजनांमध्ये अभिसरण सुनिश्चित करण्यासाठी तालुका संसाधन केंद्र स्थापन करणे आवश्यक होते.

नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना), महाराष्ट्र शासन यांनी सादर केलेल्या माहितीनुसार (ऑगस्ट 2024) महाराष्ट्र राज्यात, तालुका संसाधन केंद्रे स्थापन केली नव्हती. नियोजनासाठी आवश्यक असलेल्या महत्त्वपूर्ण माहितीचा मुख्य स्रोत म्हणजे तालुका संसाधन केंद्र असल्यामुळे त्यांची स्थापना न केल्याने ग्राम पंचायती कोणत्याही सहाय्यक यंत्रणेच्या गैरहजेरीत नियोजन करीत होत्या.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की (जून 2025), उपलब्ध असलेल्या साधनांच्या आधारे तालुका संसाधन केंद्र स्थापन करण्यासाठी कार्यवाही केली जाईल.

### 3.1.3 वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प तयार करून सादर करण्याची कालमर्यादा

2018-19 ते 2023-24 दरम्यान ग्रामीण विकास मंत्रालयाने दरवर्षी जारी केलेल्या मुख्य परिपत्रकानुसार वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प तयार करून सादर करण्यासाठी निर्धारित केलेली कालमर्यादा तक्ता 3.1 मध्ये दर्शविली आहे

तक्ता 3.1: वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प तयार करून सादर करण्याची कालमर्यादा

| अनु क्र                                                                                    | करावयाची कार्यवाही                                                                                            | कालमर्यादा          |
|--------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------|
| 1                                                                                          | ग्राम पंचायतीद्वारे ग्राम पंचायत स्तरीय आराखडा तालुका पंचायतीला सादर करणे                                     | 5 डिसेंबरपर्यंत     |
| 2                                                                                          | तालुका स्तरीय एकत्रित वार्षिक आराखडा जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक/सहजिल्हा कार्यक्रम समन्वयक यांच्याकडे सादर करणे | 20 डिसेंबरपर्यंत    |
| 3                                                                                          | जिल्हा पंचायतीकडून जिल्हा वार्षिक आराखडा राज्य शासनास सादर करणे.                                              | 31 जानेवारीपर्यंत   |
| 4                                                                                          | राज्य योजना ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकारकडे सादर करणे                                                   | 10 फेब्रुवारीपर्यंत |
| स्त्रोत: ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार यांनी जारी केलेल्या मुख्यपरिपत्रकांमधून संकलित |                                                                                                               |                     |

लेखापरीक्षणाच्या छाननीत पुढील बाबी निदर्शनास आल्या:

- 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीसाठी 240 ग्राम पंचायत स्तरीय, वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पापैकी लेखापरीक्षणासाठी सादर केलेल्या 192 ग्राम पंचायत स्तरीय वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पावरून असे निदर्शनास आले की, 11 ग्राम पंचायतींनी 23 वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प<sup>2</sup> सादर करण्यास विलंब केला. सादर करण्यासाठी झालेला विलंब हा एक दिवस ते 37 दिवसांपर्यंत होता.
- 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीसाठी 60 तालुका स्तरीय वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पापैकी सहा तालुक्यांमध्ये 23 वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प<sup>3</sup> सादर करण्यास विलंब झाला. हा विलंब एक दिवसापासून ते 72 दिवसांपर्यंतचा होता.
- 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीसाठी निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये 30 जिल्हास्तरीय वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पापैकी सादर करण्यात आलेल्या 29 जिल्हास्तरीय वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पाच्या<sup>4</sup> पडताळणीत, चार जिल्ह्यांमध्ये आठ वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प<sup>5</sup> सादर करण्यास विलंब झाल्याचे दिसून आले. हा विलंब सहा दिवसांपासून ते 139 दिवसांपर्यंतचा होता.
- **तक्ता 3.2** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे राज्य मजूर अर्थसंकल्प सादर करण्यास 16 दिवस ते 47 दिवसांचा विलंब झाला.

<sup>2</sup> लेखापरीक्षणास सादर केलेल्या ग्राम पंचायत स्तरावरील 24 वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पामध्ये, वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प तालुक्याकडे पाठविण्याची तारीख उपलब्ध नव्हती.

<sup>3</sup> लेखापरीक्षणास सादर केलेल्या तालुका स्तरावरील नऊ वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पामध्ये वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प जिल्ह्यांकडे पाठविण्याची तारीख उपलब्ध नव्हती.

<sup>4</sup> 2019-20 या वर्षासाठी छत्रपती संभाजीनगर जिल्ह्याचे वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प सादर केले नाहीत.

<sup>5</sup> लेखापरीक्षणास सादर केलेल्या नऊ जिल्हास्तरीय वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पामध्ये वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प राज्य शासनाला सादर केल्याची तारीख उपलब्ध नव्हती.

तक्ता 3.2: ग्रामीण विकास मंत्रालयाकडे वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प सादर करण्यास झालेला विलंब

| वर्ष    | महाराष्ट्र शासनाकडून ग्रामीण विकास मंत्रालयाकडे वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प सादर करण्याची नियत तारीख | वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प ग्रामीण विकास मंत्रालयाकडे सादर करण्याची प्रत्यक्ष तारीख | मजूर अर्थसंकल्प सादर करण्यास झालेला विलंब (दिवसांत) |
|---------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------|
| 2019-20 | 10.02.2019                                                                                                       | 26.02.2019                                                                                       | 16                                                  |
| 2020-21 | 10.02.2020                                                                                                       | 02.03.2020                                                                                       | 21                                                  |
| 2021-22 | 10.02.2021                                                                                                       | 26.02.2021                                                                                       | 16                                                  |
| 2022-23 | 10.02.2022                                                                                                       | 29.03.2022                                                                                       | 47                                                  |
| 2023-24 | 10.02.2023                                                                                                       | 20.03.2023                                                                                       | 38                                                  |

स्त्रोत: नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना) यांनी सादर केलेली माहिती (ऑगस्ट 2024)

चाचणी-तपासणी केलेल्या धाराशिव, छत्रपती संभाजीनगर आणि अमरावती या जिल्ह्यांमध्ये 2020-21, 2021-22 आणि 2023-24 या वर्षांचे जिल्हा वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प राज्याने वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प ग्रामीण विकास मंत्रालयाकडे सादर केल्यानंतर तक्ता 3.3 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे राज्य शासनाला सादर करण्यात आल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले.

तक्ता 3.3: वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प ग्रामीण विकास मंत्रालयाला सादर करण्याच्या तारखेनंतर जिल्हा वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प सादर करणे

| जिल्हा            | वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्पाचे वर्ष | जिल्ह्याद्वारे वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प राज्याकडे सादर करण्याची तारीख | वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प ग्रामीण विकास मंत्रालयाकडे सादर करण्याची तारीख |
|-------------------|-------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|
| धाराशिव           | 2020-21                                         | 19-06-2020                                                                           | 02-03-2020                                                                             |
| छत्रपती संभाजीनगर | 2021-22                                         | 01-04-2021                                                                           | 26-02-2021                                                                             |
| अमरावती           | 2023-24                                         | 24-03-2023                                                                           | 20-03-2023                                                                             |

स्त्रोत: संबंधित जिल्हाधिकारी व नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना) यांनी सादर केलेली माहिती (जुलै 2024)

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (मार्च 2025) की, वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प विहित मुदतीत नरेगासॉफ्टमध्ये सादर केले जातात, मात्र जिल्ह्याच्या सर्वसाधारण सभेत मंजुरीसाठी विलंब होतो. मात्र जिल्हा पंचायतीच्या मान्यतेनंतरच वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प सादर करायचे असल्याने उत्तर स्वीकारार्ह नाही. वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प ग्रामीण विकास मंत्रालयाकडे सादर करण्यास होत असलेल्या विलंबाबाबत आयुक्तांनी नमूद केले की (जून 2025), भविष्यात वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प वेळेत सादर करण्यासाठी खबरदारी घेतली जाईल.

### 3.2 कर्मचाऱ्यांची उपलब्धता

कार्यक्रम अंमलबजावणीसाठी सर्व पातळ्यांवर पुरेशा मनुष्यबळाची तरतूद ही योजनेच्या यशाची गुरुकिल्ली आहे. महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाच्या कलम 6-1ई नुसार योजनेच्या प्रभावी अंमलबजावणीसाठी आवश्यक असणारे कर्मचारी व तांत्रिक सहाय्य राज्य शासनाकडून जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी, सहकार्यक्रम अधिकारी इत्यादींना उपलब्ध करून दिले जातील.

#### 3.2.1 अतिरिक्त जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 4.4.1 नुसार, या योजनेसाठी नेमण्यात आलेल्या पूर्णवेळ अतिरिक्त जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकाने योजनेच्या दैनंदिन कामकाजावर लक्ष ठेवावे आणि जिल्हा स्तरावर कार्यक्रमाच्या अंमलबजावणीचे नेतृत्व करावे.

निवडलेल्या एकाही जिल्ह्यात अतिरिक्त जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक नेमण्यात आला नसल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले. अनुक्रमे परिच्छेद 3.1.1 (ii), 3.1.1 (iii), 3.1.3 आणि 4.3 मध्ये नमूद केल्यानुसार ग्राम पंचायतींच्या वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्पामध्ये प्रकल्पांच्या आराखड्याची अनुपलब्धता, जिल्हा परिप्रेक्ष्य योजना तयार न करणे, वार्षिक कृती आराखडे आणि मजूर अर्थसंकल्प सादर करण्यास विलंब आणि योजनेअंतर्गत पात्र कुटुंबांची ओळख पटविण्यासाठी घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण न करणे हे पूर्ण-वेळ अतिरिक्त जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकाच्या नियुक्तीद्वारे प्रभावीपणे हाताळले जाऊ शकले असते

उत्तरादाखल, आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (मार्च 2025) की, मुख्य कार्यकारी अधिकाऱ्यांना अतिरिक्त जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक म्हणून नियुक्त केले जाते. लेखापरीक्षणाचे असे मत आहे की मुख्य कार्यकारी अधिकारी यापूर्वीच संयुक्त जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक म्हणून नियुक्त केले गेले असल्यामुळे, पूर्णवेळ अतिरिक्त जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक योजनेची अंमलबजावणी सुलभ होऊ शकली असती.

#### 3.2.2 सहाय्यक कार्यक्रम अधिकारी, तांत्रिक सहाय्यक आणि लिपिक-सह-डेटा एंट्री ऑपरेटर यांची नियुक्ती

नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना), महाराष्ट्र शासन यांनी 11 फेब्रुवारी 2013 च्या परिपत्रकाद्वारे, सहाय्यक कार्यक्रम अधिकारी, तांत्रिक सहाय्यक, लिपिक-सह डेटा एंट्री ऑपरेटर अशा कंत्राटी कर्मचाऱ्यांची नेमणूक करण्यासाठी मार्गदर्शक सूचना निश्चित केल्या. नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना), महाराष्ट्र शासन, यांनी नोव्हेंबर 2021 मध्ये जारी केलेल्या शासन निर्णयाद्वारे, सहाय्यक कार्यक्रम अधिकारी आणि लिपिक-सह-डेटा एंट्री ऑपरेटर यांची आवश्यकता मागील आर्थिक वर्षात निर्माण झालेल्या मनुष्यदिवसांच्या आधारावर आणि सक्रिय जॉब कार्डसच्या संख्येनुसार तांत्रिक

सहाय्यकांची आवश्यकता निश्चित केली. तांत्रिक सहाय्यक हा अंदाजपत्रक तयार करणे, कामांची मोजमापे, कामाची गुणवत्ता सुनिश्चित करणे आदी कामांसाठी जबाबदार होता. निवडलेल्या जिल्ह्यांमध्ये सहाय्यक कार्यक्रम अधिकारी, तांत्रिक सहाय्यक आणि लिपिक-सह-डेटा एंट्री ऑपरेटर यांची उपलब्धता तक्ता 3.4 मध्ये दर्शविली आहे.

तक्ता 3.4: निवडलेल्या जिल्ह्यात जुलै 2024 पर्यंत कर्मचाऱ्यांची उपलब्धता

| तपशील                                                                      | पदनाम                       | अहिल्यानगर | अमरावती | छत्रपती संभाजीनगर | धाराशिव | नागपूर | पालघर | एकूण कमतरता (-) / आधिक्य (+) |
|----------------------------------------------------------------------------|-----------------------------|------------|---------|-------------------|---------|--------|-------|------------------------------|
| मंजूर पदे                                                                  | सहाय्यक कार्यक्रम अधिकारी   | 28         | 42      | 40                | 21      | 23     | 27    | 181                          |
|                                                                            | लिपिक-सह-डेटा एंट्री ऑपरेटर | 54         | 51      | 64                | 32      | 26     | 48    | 275                          |
|                                                                            | तांत्रिक सहाय्यक            | 56         | 178     | 87                | 30      | 43     | 54    | 448                          |
| पदांवरील व्यक्ती                                                           | सहाय्यक कार्यक्रम अधिकारी   | 23         | 36      | 32                | 21      | 22     | 14    | 148                          |
|                                                                            | लिपिक-सह-डेटा एंट्री ऑपरेटर | 51         | 87      | 86                | 38      | 42     | 50    | 354                          |
|                                                                            | तांत्रिक सहाय्यक            | 58         | 107     | 75                | 40      | 46     | 34    | 360                          |
| कमतरता (-) / आधिक्य (+)                                                    | सहाय्यक कार्यक्रम अधिकारी   | -5         | -6      | -8                | 0       | -1     | -13   | (-)33                        |
|                                                                            | लिपिक-सह-डेटा एंट्री ऑपरेटर | -3         | 36      | 22                | 6       | 16     | 2     | (+)79                        |
|                                                                            | तांत्रिक सहाय्यक            | 2          | -71     | -12               | 10      | 3      | -20   | (-)88                        |
| स्त्रोत: निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांच्या जिल्हाधिकाऱ्यांनी सादर केलेली माहिती |                             |            |         |                   |         |        |       |                              |

तक्ता 3.4 मधून निदर्शनास आल्याप्रमाणे, धाराशिव वगळता निवडलेल्या जिल्ह्यांमध्ये 33 सहाय्यक कार्यक्रम अधिकाऱ्यांची कमतरता होती. पाच जिल्ह्यांत 82 लिपिक-सह-डेटा एंट्री ऑपरेटर अतिरिक्त कार्यरत होते, तर एका जिल्ह्यात (अहिल्यानगर) तीन लिपिक-सह-डेटा एंट्री ऑपरेटर्सची कमतरता होती. तसेच, तीन जिल्ह्यांत (अमरावती, छत्रपती संभाजीनगर व पालघर) 103 तांत्रिक सहाय्यकांची कमतरता होती, तर तीन जिल्ह्यांत (अहिल्यानगर, धाराशिव व नागपूर) 15 तांत्रिक सहाय्यक अतिरिक्त होते.

अतिरिक्त कर्मचाऱ्यांची नियुक्ती आणि कमतरता असलेल्या जिल्ह्यांमध्ये कर्मचाऱ्यांची नेमणूक न होण्याची कारणे विभागाने स्पष्ट केली नाहीत.

कामांचे मोजमाप करण्याची जबाबदारी तांत्रिक सहाय्यकाकडे होती, तर ग्राम पंचायतीकडून हजेरी पट आणि मजुरी प्रदानास विलंब होणार नाही याची सुनिश्चिती सहाय्यक कार्यक्रम अधिकाऱ्याने करावयाची होती. म्हणूनच, तांत्रिक सहाय्यक आणि सहाय्यक कार्यक्रम अधिकाऱ्याच्या तुटवड्यामुळे मजुरी देयकाच्या प्रदानावर विपरीत परिणाम होतो. मजुरी देण्यास विलंब होण्यामागे कर्मचाऱ्यांची कमतरता हे एक कारण असल्याचे आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी मान्य केले आहे.

### 3.2.3 ग्राम रोजगार सहाय्यक

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 4.1.1 नुसार, जेथे या योजनेतर्गत कामाची मागणी जवळपास अस्तित्वात नाही, अशा ठिकाणांव्यतिरिक्त प्रत्येक ग्राम पंचायतीमध्ये कमीत-कमी एक ग्राम रोजगार सहाय्यक नियुक्त केला जाईल याची सुनिश्चिती राज्याने करावी. जास्त मजूर क्षमता असलेल्या, आणि विखुरलेल्या वस्त्या आणि आदिवासी भाग असलेल्या ग्राम पंचायतींमध्ये एकापेक्षा जास्त ग्राम रोजगार सहाय्यक नियुक्त केले जाऊ शकतात.

नोंदणी प्रक्रिया, जॉब कार्ड्स वितरण, नोकरीच्या अर्जावर तारखेसहित पोचपावतीची तरतूद, अर्जदारांना कामाचे वाटप, ग्राम सभेच्या बैठका व सामाजिक अंकेक्षणाची सोय करणे, मजुरांची उपस्थिती नोंदविणे, कामाच्या ठिकाणी सुविधांची उपलब्धता सुनिश्चित करणे, कामगारांचे जॉब कार्ड्स अद्ययावत करणे, योजनेशी संबंधित सर्व नोंदवह्या तयार ठेवणे इत्यादींवर ग्राम रोजगार सहाय्यकाला देखरेख ठेवावी लागते आणि म्हणूनच ते क्षेत्रपातळीवरील महत्वाचे पदाधिकारी आहेत. ग्राम रोजगार सहाय्यकांच्या भरतीसाठी येणारा खर्च हा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेतर्गत प्रशासकीय खर्चावरील पहिला प्रभार असेल.

राज्यातील 28,279 ग्राम पंचायतींपैकी 2,258 ग्राम पंचायतींमध्ये (आठ टक्के) जेथे कामे हाती घेतली आहेत, तेथे ग्राम रोजगार सहाय्यक नसल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले (ऑगस्ट 2024). निवडलेल्या 12 तालुक्यांमधील, 951 ग्रामपंचायतींपैकी 13 ग्राम पंचायतींमध्ये कामे हाती घेतली होती, त्या ग्राम पंचायतींमध्ये ग्राम रोजगार सहाय्यक नसल्याचेही लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले (ऑगस्ट 2024).

अशाप्रकारे, राज्यातील 2,258 ग्राम पंचायतींमध्ये या योजनेच्या प्रभावी अंमलबजावणीची खात्री करण्यासाठी महत्वाच्या क्षेत्रस्तरीय पदाधिकाऱ्याची नेमणूक करण्यात आली नाही.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (जून 2025) की, उर्वरित ग्राम पंचायतींमध्ये आवश्यकतेनुसार ग्राम रोजगार सहाय्यक नेमण्याच्या सूचना जिल्ह्यांना देण्यात आल्या आहेत.

### 3.2.4 सहकाऱ्यांची नियुक्ती

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 7.11.1 नुसार, कामगारांची हजेरी घेण्यासह कामाच्या ठिकाणी सुविधांचे व्यवस्थापन करण्यासाठी ग्राम रोजगार सहाय्यकाला मदत करण्यासाठी प्रत्येक कामावर एक सहकारी नेमण्यात यावा. कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांमध्ये (परिच्छेद 5.3) कामाचे मोजमाप, कार्यस्थळावरील सुविधा, नोंदींची देखभाल इत्यादींचा समावेश असलेले प्रशिक्षण सुद्धा सहकाऱ्यांसाठी नमूद केले आहे.

आयुक्त, (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी जून 2020 मध्ये एक परिपत्रक जारी केले होते, ज्यामध्ये सहकाऱ्यांच्या नियुक्तीसाठी पात्रता अटी,



नियुक्ती प्रक्रिया आणि 50 अकुशल कामगारांच्या गटासाठी एका सहकाऱ्याची नियुक्ती यासंबंधी तपशील देण्यात आला होता. सहकाऱ्याच्या नियुक्तीसाठीच्या पात्रतेच्या अटीनुसार, ती व्यक्ती या योजनेतर्गत सक्रिय कामगार असावी (किमान 60 दिवस काम केलेली असावी), ग्राम रोजगार सहायक/ सरपंच यांच्याशी नात्याने संबंधित नसावी आणि वाचता-लिहिता येणारी असावी आणि त्या व्यक्तिला अंकगणिताचे मूलभूत ज्ञान असावे. भारत सरकारच्या ग्राम विकास मंत्रालयाने काढलेल्या मुख्य परिपत्रकानुसार (जानेवारी 2022), 20 ते 40 मजुरांची उपस्थिती असलेल्या कामांसाठी प्रत्येक 20 कामगारांमागे एक सहकारी नेमण्याची आणि 41 ते 80 कामगारांची उपस्थिती असलेल्या कामांसाठी पुढील प्रत्येक 10 कामगारांमागे एक वाढीव सहकारी नेमण्याची तरतूद केली आहे. मात्र, फेब्रुवारी 2023 मध्ये महाराष्ट्र शासनाच्या नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना) यांनी भारत सरकारने जारी केलेल्या मुख्य परिपत्रकानुसार सहकाऱ्यांची नियुक्ती करण्याविषयी परिपत्रक जारी करून किमान 50 टक्के महिलांची सहकारी म्हणून नियुक्ती करण्यात यावी असे नमूद केले आहे. तसेच, नोंदणीकृत सहकाऱ्यांना राष्ट्रीय चल संनियंत्रण प्रणाली<sup>6</sup> या भ्रमणध्वनी अनुप्रयोगाच्या वापरासाठी प्रशिक्षण देणे आवश्यक होते.

नोंदणीकृत सहकाऱ्यांची वर्ष-निहाय स्थिती, नोंदणीकृत महिला सहकाऱ्यांची संख्या, रोजगारात असलेल्या महिला सहकाऱ्यांची संख्या आणि राज्यातील सहकाऱ्यांची प्रलंबित देयके तक्ता 3.5 मध्ये दर्शविली आहेत.

तक्ता 3.5: राज्यात 2021-22 ते 2023-24 दरम्यान नोंदणीकृत सहकाऱ्यांची स्थिती

| च्या अखेरीस                                                                        | एकूण नोंदणीकृत सहकाऱ्यांची संख्या | नोंदणीकृत महिला सहकाऱ्यांची संख्या (टक्केवारी) |
|------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------|------------------------------------------------|
| मार्च 2022                                                                         | 13,871                            | 2,680 (19)                                     |
| मार्च 2023                                                                         | 49,008                            | 8,884 (18)                                     |
| मार्च 2024                                                                         | 62,617                            | 11,623 (19)                                    |
| स्त्रोत: नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना) द्वारे सादर केलेली माहिती (सप्टेंबर 2024) |                                   |                                                |

लेखापरीक्षणात खालील बाबी निदर्शनास आल्या:

- कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांमध्ये आणि आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी जून 2020 मध्ये जारी केलेल्या परिपत्रकात तरतुदी असूनही 2020-21 दरम्यान राज्यात सहकाऱ्यांची नेमणूक/नोंदणी झाली नव्हती. निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींपैकी 26 ग्राम पंचायतींमध्ये (54 टक्के) 2021-22 ते 2023-24 दरम्यान सहकाऱ्यांची नेमणूक करण्यात आली नसल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले. सहकाऱ्यांची नेमणूक न झाल्यामुळे, परिच्छेद 5.9 मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे कामाच्या ठिकाणी अपुऱ्या सुविधांची शक्यता नाकारता येत नाही. उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण

<sup>6</sup> राष्ट्रीय चल संनियंत्रण प्रणाली अनुप्रयोगात भ्रमणध्वनी अनुप्रयोगाद्वारे कामाच्या ठिकाणी उपस्थिती नोंदविली जाते

रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की (जून 2025), सहकारी असे कोणतेही निश्चित पद नाही आणि ते केवळ विशिष्ट कामासाठी कामगारांच्या संख्येवर आधारित आहे. हे उत्तर ग्राह्य धरले जात नाही, कारण या 26 पैकी 12 ग्राम पंचायतींमध्ये 2023-24 मध्ये 20 पेक्षा अधिक कामगार असलेल्या कामांची अंमलबजावणी केली गेली परंतु सहकाऱ्यांची नेमणूक न झाल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले.

- लेखापरीक्षणाच्या असेही निदर्शनास आले की, किमान 50 टक्के महिलांची सहकारी म्हणून नेमणूक करण्याचे निर्देश असतानाही तक्ता 3.5 मध्ये दर्शविल्यानुसार 2021-22 ते 2023-24 या कालावधीत महिला सहकाऱ्यांची नोंदणी 18 ते 19 टक्क्यांपर्यंत होती. जिथे सहकाऱ्यांची नेमणूक केलेली आहे, अशा निवडलेल्या 22 ग्राम पंचायतींपैकी 14 ग्राम पंचायतींमध्ये महिला सहकाऱ्यांची नेमणूक झाली नाही, सहा ग्राम पंचायतींमध्ये महिलांची नेमणूक 11 टक्के ते 47 टक्के तर दोन ग्राम पंचायतींमध्ये 50 टक्क्यांपेक्षा जास्त नेमणूक केली गेली. उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (जून 2025) की, सूचनांचे पालन सुनिश्चित केले जाईल.
- सहाय्यक संचालक (रोजगार हमी योजना), नियोजन विभाग यांनी दिलेल्या माहितीनुसार, ऑगस्ट 2024 पर्यंत नेमण्यात आलेल्या 62,782 सहकाऱ्यांपैकी 25,906 (41 टक्के) सहकारी प्रशिक्षित नव्हते. उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (जून 2025) की, अप्रशिक्षित सहकाऱ्यांना प्रशिक्षण देण्यात येईल.
- सप्टेंबर 2025 च्या नरेगासॉफ्टच्या अहवालानुसार, निवडलेल्या 12 तालुक्यांमधील 960 ग्रामपंचायतींपैकी 124 ग्राम पंचायतींमध्ये, 2021-22 ते 2023-24 या कालावधीसाठी सहकाऱ्यांची नोंदणी नसतानाही ₹ 1.99 कोटीचे प्रदान करण्यात आले तर ₹ 4.50 लाखांचे प्रदान प्रलंबित होते. निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींपैकी पाच ग्राम पंचायतींमध्ये, 2021-22 ते 2023-24 या कालावधीसाठी सहकाऱ्यांची नोंदणी नसतानाही ₹ 5.14 लाखांचे प्रदान करण्यात आले होते, तसेच 2023-24 या कालावधीसाठी ₹ 0.10 लाखांचे प्रदान प्रलंबित होते. अशा रीतीने प्रणालीतील त्रुटी दिसून आल्या ज्यामुळे नोंदणीकृत नसलेल्या सहकाऱ्यांना मजुरी देण्याची मुभा मिळाली.

### 3.3 माहिती, शिक्षण आणि संवाद

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 5.4 नुसार, योजनेची प्रभावी अंमलबजावणी सुनिश्चित करण्यासाठी ग्रामीण लोकांमध्ये आणि इतर हितैषींमध्ये, विशेषतः मजुरांमध्ये योजनेच्या तरतुदी तसेच त्यांचे हक्क आणि हक्कांबद्दल जागरूकता निर्माण करणे ही महत्वाची पूर्वशर्त

आहे. माहिती, शिक्षण आणि संवाद उपक्रमांचा उद्देश अधिनियमातील अधिकार-आधारित तरतुदींचा प्रसार सुलभ करणे आणि जेणेकरून मजुरांना त्यांच्या रोजगाराची मागणी करण्याबाबत माहिती मिळणे आणि त्यांच्या गरजेनुसार रोजगारासाठी अर्ज करता यावा यासाठी प्रेरित करणे हा आहे. मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 5.4.2 नुसार, माहिती, शिक्षण आणि संवाद योजनेत राज्य, जिल्हा, तालुका आणि स्थानिक पातळीवरील उपक्रम स्पष्टपणे दर्शविणे आवश्यक आहे. तसेच, भारत सरकारने जारी केलेल्या मुख्य परिपत्रकांनुसार, राज्य शासनाने दरवर्षी माहिती, शिक्षण आणि संवाद आराखडे तयार करून नियमित कालावधीनंतर केंद्र सरकारकडे अहवाल पाठविणे आवश्यक होते.

जरी सहाय्यक संचालक (रोजगार हमी योजना) नियोजन विभाग यांनी नमूद केले (ऑगस्ट 2024) की, माहिती, शिक्षण आणि संवाद आराखडे तयार करण्यात आले होते, तरी त्याच्या प्रती लेखापरीक्षणास सादर केल्या गेल्या नाहीत. 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत राज्याने एकूण ₹ 818.67 कोटींच्या प्रशासकीय खर्चापैकी माहिती, शिक्षण आणि संवादासाठी ₹ 22.86 कोटी (तीन टक्के) खर्च केले होते. 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत, निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांपैकी चार (अमरावती, धारशिव, नागपूर आणि पालघर) जिल्ह्यांमध्ये एक किंवा त्याहून जास्त वर्षांत फलक आणि भित्तिपत्रे, फिरत्या वाहनांद्वारे जनजागृती आदी माहिती, शिक्षण आणि संवाद उपक्रम हाती घेण्यात आले होते परंतु अहिल्यानगर आणि छत्रपती संभाजीनगर जिल्ह्यांमध्ये 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत एकही माहिती, शिक्षण आणि संवाद उपक्रम हाती घेण्यात आला नाही, असे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले.

### 3.3.1 रोजगार दिवस

महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाच्या अनुसूची II च्या परिच्छेद 7 नुसार प्रत्येक प्रभाग आणि ग्राम पंचायत स्तरावर महिन्यातून किमान एकदा 'रोजगार दिवस' (रोजगार हमी दिन) आयोजित करणे आवश्यक आहे, ज्यामुळे मागणीनुसार कामाची तरतूद केली जाईल.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत आयोजित करावयाच्या 2,880 'रोजगार दिवस' (महिन्यातून किमान एकदा) च्या तुलनेत निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींनी दिलेल्या माहितीनुसार, 1,573 'रोजगार दिवस' आयोजित करण्यात आले होते. अशा प्रकारे, 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत 1,307 'रोजगार दिवस' (45 टक्के) आयोजित करण्यात कमतरता होती. यामध्ये 2019-24 या कालावधीत 'रोजगार दिवस' आयोजित न केलेल्या 10 ग्राम पंचायतींचा<sup>7</sup> (निवडलेल्या तीन जिल्ह्यांमध्ये) समावेश आहे.

उत्तरादाखल ग्रामपंचायतींनी नमूद केले की, मार्च 2020 पासून कोविड-19 महामारीमुळे सुरु झालेल्या ताळेबंदीमुळे 'रोजगार दिवस' आयोजित करता आला नाही.

<sup>7</sup> अमरावती जिल्हा भामाडेही, चुरणी, गंगारखेडा, हतरू; धारशिव: बावी, भिकार सारोळा, नितळी, उपळे (माकडाचा) आणि डिकसळ; अहिल्यानगर: सामनगाव.

लेखापरीक्षणाच्या असे निदर्शनास आले की, 2020-21 आणि 2021-22 हे कोविड वर्ष वगळता, 173 'रोजगार दिवस' (2019-20:124; 2022-23:34 आणि 2023-24:15) च्या आयोजनात कमतरता होती.

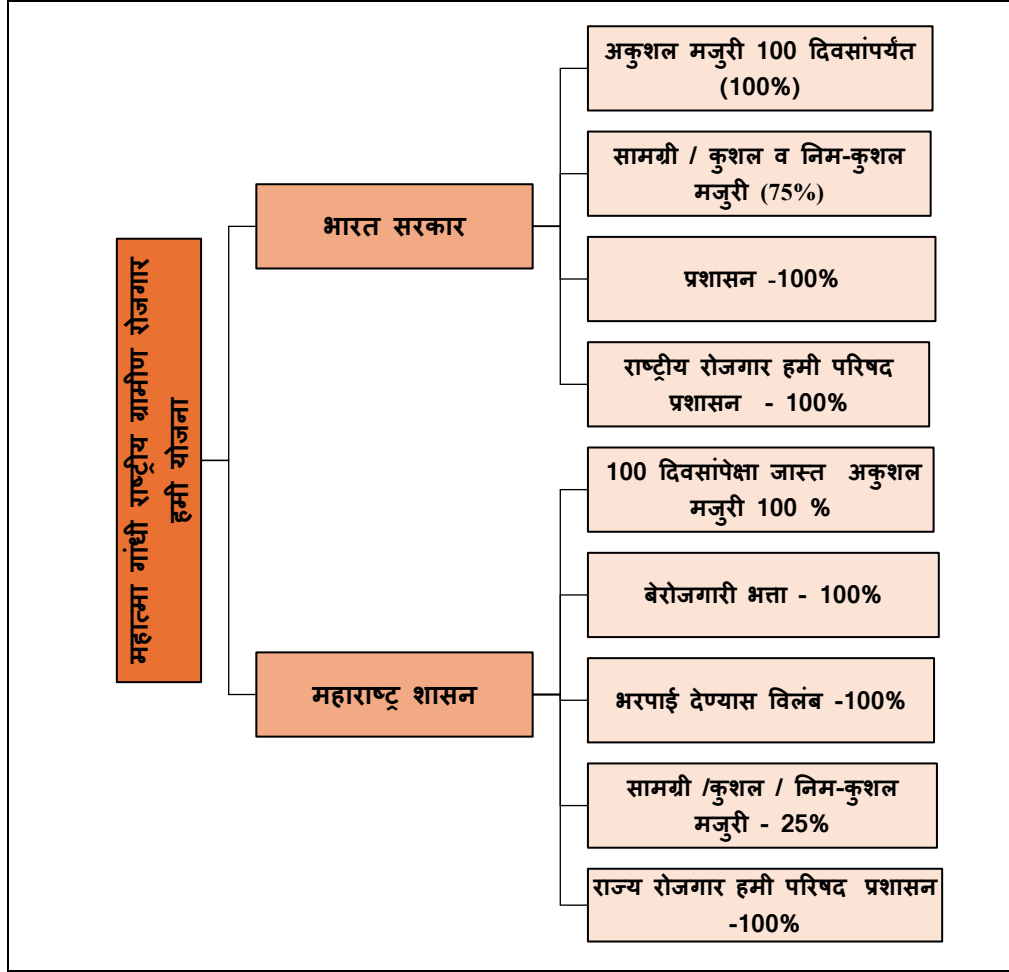
रोजगार दिवसाच्या आयोजनातील कमतरता, जी कामगारांकडून कामासाठी सक्रियपणे अर्ज मागवण्याची एक यंत्रणा आहे, परिच्छेद 4.6.2 मध्ये नमूद केल्यानुसार योजनेतर्गत नोंदणीकृत कुटुंबांच्या कमी सहभागाचे एक कारण असू शकते.

उत्तरादाखल आयुक्त, (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (जून 2025) की, सर्व ग्रामपंचायतींमध्ये 'रोजगार दिवसा'च्या दिनदर्शिकेच्या काटेकोरपणे पालनाची सुनिश्चिती केली जाईल.

### 3.4 वित्तीय व्यवस्थापन

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना ही केंद्र पुरस्कृत योजना म्हणून केंद्र आणि राज्यांमध्ये खर्चवाटणी तत्वावर राबविली जाते. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कलम 22 मध्ये निधी वाटपाच्या रचनेचे स्वरूप दर्शविले आहे. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेच्या कलम 22 नुसार, केंद्र सरकारने अकुशल शारीरिक कामगारांच्या मजुरीचा संपूर्ण खर्च आणि कुशल आणि अकुशल/निम-कुशल कामगारांच्या मजुरीसह साहित्याच्या किंमतीच्या 75 टक्के पर्यंत खर्च करणे आवश्यक होते. प्रशासकीय खर्च (सामाजिक अंकेक्षणावरील खर्चासह एकूण खर्चाच्या सहा टक्क्यांपर्यंत) भारत सरकारने करावयाचा होता. कुशल आणि निम-कुशल कामगारांची मजुरी आणि साहित्य खर्चापैकी 25 टक्के खर्च राज्य शासनाने करणे आवश्यक होते. कामगारांना मजुरीचे प्रदान करण्यास विलंब झाल्यास नुकसान भरपाई भत्ता, मागणीनुसार रोजगार उपलब्ध न झाल्यास बेरोजगारी भत्ता, राज्य रोजगार हमी परिषदेचा प्रशासकीय खर्च आणि 100 दिवसांपेक्षा जास्त काम केलेल्या कामगारांना अकुशल मजुरी यांचा भार राज्य शासनाने उचलणे आवश्यक होते.

या योजनेतर्गत निधीचे प्रारूप आलेख 3.1 मध्ये दर्शविण्यात आले आहे.



महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कलम 21 मधील तरतुदीनुसार राज्य शासनाने अधिसूचनेद्वारे राज्य रोजगार हमी निधी नावाचा निधी स्थापन करावयाचा होता. राज्याने मार्च 2012 मध्ये एक निधी स्थापन केला ज्यामध्ये संकीर्ण जमांसह (उपार्जित व्याज इ.) केंद्र आणि राज्याचे हिस्से जमा केले जाणार होते.

#### 3.4.1 निधीचे वितरण आणि विनियोग

मजूर अर्थसंकल्पाच्या कामाच्या मागणीच्या अंदाजावर केंद्राच्या निधी वितरणाचा हिस्सा आधारित असतो. संपूर्ण वर्षासाठी आवश्यक असलेल्या एकूण निधीच्या जास्तीत जास्त 50 टक्के रकमेच्या अधीन राहून आर्थिक वर्षाच्या पहिल्या सहा महिन्यांच्या गरजा भागविण्यासाठी मजूर अर्थसंकल्पानुसार आनुपातिक निधीच्या आवश्यकतेनुसार केंद्रीय हिश्याचा पहिला हप्ता (आगाऊ रकमेसह) वितरीत केला जातो. दुसऱ्या हप्त्याचे वितरण हे (i) अखर्चित शिल्लक आणि (ii) वर्षभरातील मंजूर मजूर अर्थसंकल्पाच्या तुलनेत प्रत्यक्ष कामगिरी यांवर आधारित आहे.

अकुशल मजुरीसाठीचा निधी भारत सरकारकडून राज्याला दिला जातो परंतु तो केंद्रीय स्तरावर ठेवला जातो. अंमलबजावणी यंत्रणांकडून मजुरी मंजूर झाल्यानंतर आणि इलेक्ट्रॉनिक निधी हस्तांतरण आदेश तयार झाल्यानंतर, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधी

व्यवस्थापन प्रणालीद्वारे थेट लाभ हस्तांतरणाद्वारे कामगारांच्या खात्यात मजुरी जमा केली जाते.

राज्य एकत्रित निधीमध्ये सामग्रीसाठी आणि प्रशासकीय घटकांसाठी/खर्चासाठी निधी वितरीत केला जातो. केंद्राकडून आलेला निधी आणि राज्याच्या कोषागारातून सामग्री खर्चाच्या संदर्भात राज्याचा संबंधित हिस्सा राज्याकडून आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांच्याद्वारे राखल्या जाणाऱ्या संबंधित राज्य रोजगार हमी निधी खात्यात (राज्य एकल खाते) मुक्त केला जातो. नरेगासॉफ्टमधील प्रकल्प अंमलबजावणी यंत्रणांनी तयार केलेल्या इलेक्ट्रॉनिक निधी हस्तांतरण आदेशाच्या आधारे हा निधी थेट विक्रेते, कंत्राटदार इत्यादींना वितरीत केला जातो.

भारत सरकारच्या ग्रामीण विकास मंत्रालयाच्या निधी वितरण आदेशानुसार, राज्याच्या कोषागारातून केंद्रीय निधी आणि त्याच्याशी सुसंगत राज्याचा हिस्सा, हा राज्याच्या कोषागारात केंद्राचा निधी प्राप्त झाल्यापासून जास्तीत जास्त 15 दिवसांच्या आत संबंधित राज्य नोडल खात्यात राज्याने मुक्त करणे आवश्यक आहे.

प्राप्त मागणीनुसार आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांच्याकडून जिल्ह्यांना प्रशासकीय खर्चासाठी निधी मुक्त केला जातो. सामाजिक अंकेक्षणाचा निधी राज्य शासनाकडून थेट संचालक, सामाजिक अंकेक्षण यांना मुक्त केला जातो.

वर्ष 2019-20 ते 2023-24 या वर्षासाठी भारत सरकार आणि महाराष्ट्र शासनाकडून प्राप्त झालेल्या निधीचा तपशील, योजनेतर्गत खर्च आणि अकुशल आणि सामग्री घटकांसाठी दायित्व **परिशिष्ट 3.1** मध्ये दर्शविले आहे.

या योजने अंतर्गत जारी करण्यात आलेला निधी आणि केलेला खर्च यामधून खालील बाबी निदर्शनास आल्या आहेत.

- 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत प्राप्त झालेल्या एकूण ₹ 13,957.47 कोटी निधीच्या तुलनेत (₹ 369.42 कोटींच्या प्रारंभीच्या शिलकीसह) ₹ 13,518.30 कोटी (96.85 टक्के) खर्च केले गेले ज्यामुळे ₹ 439.17 कोटी शिल्लक राहिले.
- 2022-23 (₹ 504.82 कोटी) आणि 2023-24 (₹ 421.69 कोटी) या कालावधीत मुक्त करण्यात आलेल्या ₹ 926.51 कोटींच्या राज्याच्या हिश्यापैकी (साहित्य घटक) ₹ 415.73 कोटी (45 टक्के) मुक्त करण्यास चार दिवसांपासून ते 242 दिवसांपर्यंत विलंब झाला. 2019-20 ते 2021-22 या कालावधीतील केंद्र व राज्याच्या हिश्याचे तारीखनिहाय वितरण आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी लेखापरीक्षास सादर केले नाही. नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना) यांच्याकडून ही माहिती सादर करण्यात आली नाही.

- मार्च 2024 च्या अखेरीस कुशल/अर्ध-कुशल कामगारांसाठी अकुशल मजुरी आणि साहित्य/मजुरीच्या खर्चाची थकबाकी ₹ 1,736.63 कोटी (अकुशल मजुरी: ₹ 761.05 कोटी; कुशल/निम-कुशल कामगारांसाठी साहित्य/मजुरी: ₹ 975.58 कोटी) होती. अकुशल मजुरीप्रती प्रलंबित दायित्वाची कारणे कामगारांची चुकीची आणि निष्क्रिय/बंद खाती इ. होती (परिच्छेद 4.12). कामगार/विक्रेत्यांची चुकीची आणि निष्क्रिय/बंद खाती आणि राज्य शासनाने नमूद केल्याप्रमाणे निधी विलंबाने प्राप्त झाल्यामुळे साहित्य घटकाचे दायित्व प्रलंबित होते. (परिच्छेद 5.13). सप्टेंबर 2025 पर्यंत दायित्व कमी होऊन ₹ 230.72 कोटी झाले (अकुशल वेतन: ₹ 14.04 कोटी, साहित्य/भौतिक घटक: ₹ 216.68 कोटी ज्यात कुशल मजुरीसाठी ₹ 2.24 कोटी समाविष्ट आहेत).

### निष्कर्ष

ग्रामपंचायतींकडून वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्प सादर करण्यात लक्षणीय विलंब झाला. याशिवाय, कामाच्या मागणीचे प्रमाण आणि वेळेचे मूल्यांकन करण्यासाठी महत्वाचे असणारे आधारभूत सर्वेक्षण केले गेले नाही. सादर केलेल्या वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्पानुसार कामाच्या मागणीचे प्रमाण आणि वेळ, पुरविल्या जाणाऱ्या कामाचे वेळापत्रक आणि संभाव्य मागणीनुसार प्राधान्याने प्रकल्पांचा आराखडा यासंबंधी तपशील समाविष्ट नव्हता, ज्याचा योजनेच्या प्रभावी अंमलबजावणीच्या नियोजनावर विपरित परिणाम झाला.

योजनेअंतर्गत कामांची अंमलबजावणी करण्यासाठी आणि कामांवर देखरेख करण्यासाठी ग्रामपंचायतींना सहाय्य करताना महत्वाची भूमिका बजावणाऱ्या ग्राम रोजगार सहाय्यकांची राज्यातील 28,279 ग्रामपंचायतींपैकी 2,258 ग्रामपंचायतींमध्ये नियुक्ती करण्यात आली नाही. याव्यतिरिक्त, 2020-21 या वर्षात कामाच्या ठिकाणी कामावर देखरेख ठेवण्यासाठी जबाबदार असलेल्या सहकाऱ्यांची नोंदणी करण्यात आली नव्हती. या प्रमुख घटकांच्या अनुपस्थितीमुळे योजनेच्या अंमलबजावणीवर परिणाम झाला. राज्य शासनाकडून निधी मुक्त करण्यास विलंब झाला.

### शिफारशी

**शिफारस क्र. 1:** शासनाने वार्षिक कृती आराखडा आणि मजूर अर्थसंकल्पात समाविष्ट केल्या जाणाऱ्या कामांच्या मागणीचे प्रमाण आणि वेळेचे निर्धारण सुनिश्चित करण्याकरिता पायाभूत सर्वेक्षण करण्यासाठी योग्य ती कार्यवाही करावी.

**शिफारस क्र. 2:** शासनाने प्रारंभापासून अंमलबजावणी आणि देखरेख क्षमता मजबूत करण्यासाठी सर्व ग्राम पंचायतींमध्ये ग्राम रोजगार सहाय्यक नियुक्त करण्यासाठी कार्यवाही करावी.

## **प्रकरण IV**

**कामगारांची नोंदणी व मजुरी प्रदाने**





## प्रकरण IV

### कामगारांची नोंदणी व मजुरी प्रदाने

#### 4.1 रोजगार निर्मिती

किमान 100 दिवसांच्या रोजगाराची हमी देऊन आणि ग्रामीण भागातील गरिबांच्या उपजीविकेच्या साधनांचा पाया मजबूत करण्यासाठी अंमलबजावणी करणाऱ्यांनी संभाव्य मजुरी-शोधकांमध्ये जागरूकता निर्माण करण्यावर बारीक लक्ष देणे आणि कामासाठी नोंदणी, जॉब कार्ड जारी करणे आणि कामाच्या मागणीनुसार अर्ज सादर करणे यासाठी यंत्रणा उभारणे आवश्यक आहे. देशाच्या ग्रामीण भागातील गरीब कुटुंबांची उपजीविका सुरक्षा वाढविण्याचे उद्दिष्ट तेव्हाच साध्य होऊ शकते जेव्हा ग्रामीण समाजातील असुरक्षित घटकांवर विशेष लक्ष केंद्रित केले जाईल.

लेखापरीक्षणाने निवडलेले जिल्हे, तालुके आणि ग्राम पंचायतींच्या विदाचे विश्लेषण केले आणि असे निदर्शनास आले की जॉब कार्ड जारी करण्यासाठी अर्ज प्राप्त करणे, जॉब कार्डची पडताळणी आणि रोजगार नोंदवही ठेवणे यांत अंतर्भूत प्रक्रिया मार्गदर्शक सूचनांमध्ये नमूद केल्यानुसार केली गेली नाही. निष्कर्षाची चर्चा पुढील परिच्छेदांमध्ये केली आहे.

#### 4.2 कामगारांची नोंदणी

महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाच्या अनुसूची III च्या परिच्छेद 1 नुसार कोणत्याही ग्रामीण भागात राहणाऱ्या व अकुशल मजुरी करण्यास इच्छुक असलेल्या प्रत्येक कुटुंबातील प्रौढ सदस्याने जॉब कार्ड जारी करण्यासाठी, आपल्या घराच्या नोंदणीकरीता नाव, वय व घराचा पत्ता ज्या ग्राम पंचायतीच्या कार्यक्षेत्रात राहतो त्या ग्राम पंचायतीकडे सादर करावा. घरांची नोंदणी, जॉब कार्डस देणे आणि रोजगार वाटप करण्याची प्रक्रिया खालील **आलेख 4.1** मध्ये दर्शविली आहे:

##### आलेख 4.1: नोंदणी प्रक्रिया, जॉब कार्ड आणि रोजगार वाटप

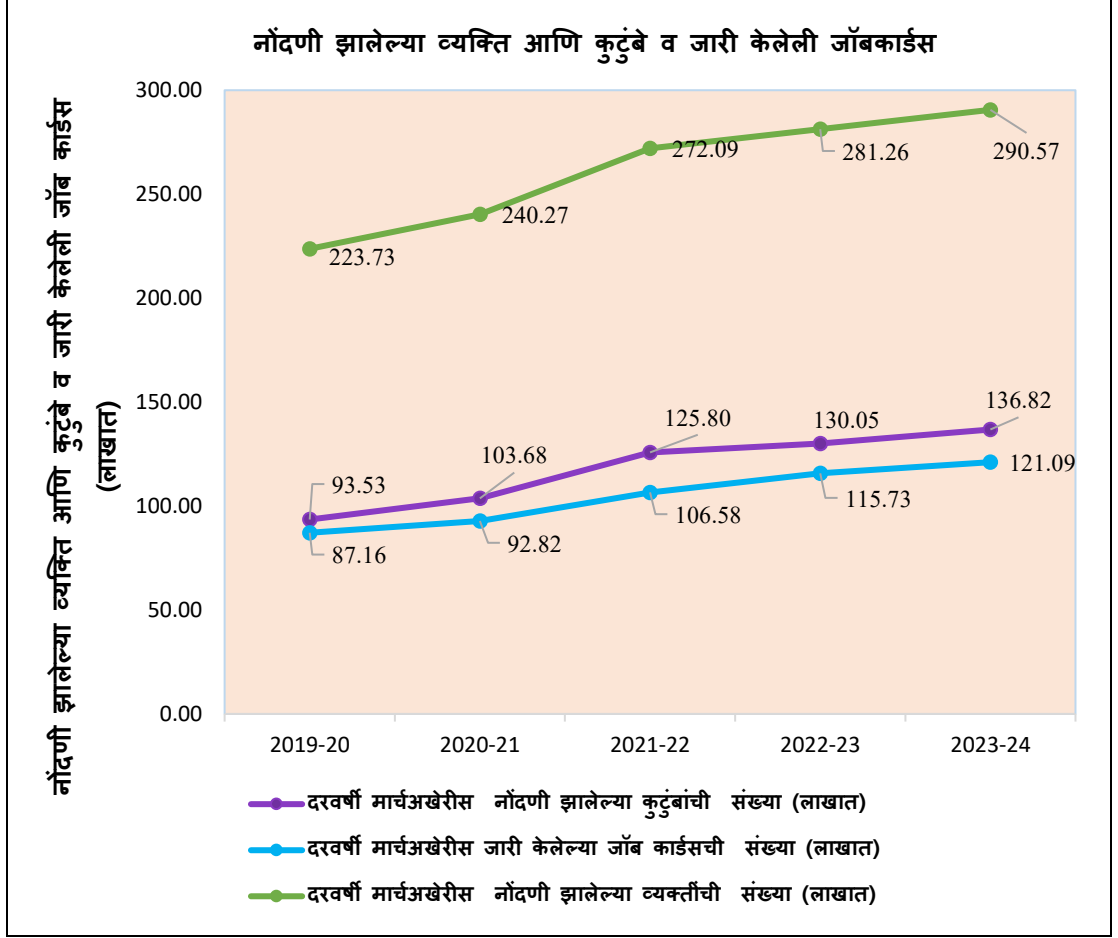
- नोंदणी करण्यास इच्छुक असलेल्या व्यक्ति शोधण्यासाठी ग्राम पंचायतीने घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण करावे
- प्रौढ व्यक्ति ग्राम पंचायत कार्यालयात नोंदणीसाठी अर्ज करू शकतात
- पडताळणीनंतर, नरेगासॉफ्टमध्ये प्रत्येक कुटुंबासाठी विशिष्ट नोंदणी क्रमांक नियुक्त केला जाईल

- नोंदणीसाठी अर्ज प्राप्त झाल्यानंतर पंधरवड्याच्या आत जॉब कार्डस जारी करणे आवश्यक आहे
  - जॉब कार्डवर नोंदणीकृत सदस्यांचे छायाचित्र असणे आवश्यक
  - जॉब कार्ड पाच वर्षासाठी वैध असेल
  - जॉब कार्डमध्ये कामाची मागणी केलेल्या दिवसांची संख्या, काम दिलेल्या दिवसांची संख्या आणि प्रदान मजुरी याचा तपशील असेल
  - जॉब कार्ड कुटुंबाच्या ताब्यात असणे आवश्यक
- 
- कामासाठी अर्ज तोंडी किंवा लेखी असू शकतो आणि तो प्रभाग सदस्याला किंवा ग्राम पंचायतीला किंवा कार्यक्रम अधिकाऱ्याला दिला जाऊ शकतो
  - प्रत्येक अर्जदाराला दिनांकित पावती दिली जाईल
  - अर्ज केल्यापासून 15 दिवसांच्या आत रोजगार द्यावा. तसे न केल्यास बेरोजगारी भत्ता द्यावा लागेल

#### 4.3 नोंदणीकृत कुटुंबे आणि नोंदणीकृत व्यक्ति

राज्यात 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत नोंदणी झालेल्या कुटुंबांची संख्या आलेख 4.2 मध्ये दर्शविली आहे.

आलेख 4.2: मागील वर्षामध्ये नोंदणी झालेल्या व्यक्ति आणि कुटुंबे व जारी केलेली जॉब कार्ड्स



स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून डाउनलोड केलेल्या (सप्टेंबर 2025) विदाच्या आधारे संकलित

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत या योजनेतर्गत राज्यात नोंदणीकृत कुटुंबांच्या संख्येत 46 टक्के वाढ झाली असून निवडलेल्या जिल्ह्यांमध्ये ही वाढ 33 टक्के होती. मार्च 2024 पर्यंत नोंदणीकृत 136.82 लाख कुटुंबांच्या तुलनेत 121.09 लाख कुटुंबांना (89 टक्के) जॉब कार्ड्स जारी करण्यात आली (सप्टेंबर 2025).

#### 4.4 घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण

मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 3.1.1(ii) नुसार प्रत्येक ग्राम पंचायतीने नोंदणीपासून वंचित राहिलेल्या आणि नोंदणी करू इच्छिणाऱ्या पात्र कुटुंबांची ओळख पटवण्यासाठी दरवर्षी घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण करणे आवश्यक आहे. रोजगाराच्या शोधात किंवा इतर कारणांमुळे लोक इतर भागात स्थलांतरित झालेले नसतांना हे सर्वेक्षण केले जाईल हे सुनिश्चित करणे आवश्यक होते.

चाचणी-तपासणी केलेल्या 48 ग्राम पंचायतींनी सादर केलेल्या माहितीनुसार, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान 26 ग्राम पंचायतींनी घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण केल्याचे प्रतिपादित केले, तर 22 ग्राम पंचायतींनी (46 टक्के) घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण केले नसल्याचे सांगितले. मात्र, ज्या ग्राम पंचायतींनी घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण केल्याचे प्रतिपादित केले,

त्यांनी असे सर्वेक्षण केल्याचा कोणताही कागदोपत्री पुरावा सादर केला नाही. घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण केले गेले नाही असे नमूद करणाऱ्या 22 ग्रामपंचायतींपैकी 12 ग्रामपंचायतींनी सर्वेक्षण न करण्याबद्दल कोणतेही उत्तर/कारण दिले नाही. उर्वरित 10 ग्रामपंचायतींनी सर्वेक्षण न करण्याचा संबंध कोविड महामारी आणि राज्य शासन/उच्च अधिकाऱ्यांकडून आदेश न मिळाल्याशी जोडला. राज्य शासन/उच्च अधिकाऱ्यांकडून आदेश न मिळाल्यामुळे सर्वेक्षण केले गेले नाही हे उत्तर स्वीकाराई नाही, कारण कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांमध्ये प्रत्येक ग्राम पंचायतीने दरवर्षी घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण करणे आवश्यक असल्याचे विहित केले होते.

घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण करण्यात अपयशी ठरल्याने कुटुंबांना या योजनेत समाविष्ट न करून घेण्याचा धोका वाढतो. शिवाय, अशा सर्वेक्षणामुळे परिच्छेद 4.5.3 मध्ये चर्चा केल्याप्रमाणे त्याच कुटुंबांना देण्यात आलेल्या दुबार प्रती (डुप्लिकेट) मधील जॉब कार्डस काढून टाकणे सुलभ झाले असते.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद केले (मार्च 2025) की, दरवर्षी घरोघरी जाऊन सर्वेक्षण करण्याच्या सूचना जिल्ह्यांना दिल्या आहेत.

#### 4.5 जॉब कार्डस

महाराष्ट्र रोजगार हमी योजनेच्या अनुसूची III च्या परिच्छेद 2 नुसार नोंदणीसाठी<sup>1</sup>, अर्ज प्राप्त झाल्यापासून 15 दिवसांच्या आत कुटुंबाला जॉब कार्ड देणे हे ग्राम पंचायतीचे कर्तव्य आहे. जॉब कार्डमध्ये घरातील नोंदणीकृत प्रौढ सदस्यांचा तपशील, त्यांची छायाचित्रे, बँक किंवा पोस्ट ऑफिस खाते क्रमांकासह विशिष्ट जॉब कार्ड क्रमांक, आधार क्रमांक वगैरे असेल.

##### 4.5.1 अर्ज नोंदवही ठेवणे

कार्यचालन सूचनांच्या परिच्छेद 10.3.5 नुसार ग्राम पंचायतीने अर्ज नोंदवही ठेवणे आवश्यक होते ज्यामध्ये अर्ज प्राप्त होण्याची तारीख, जारी करण्यात आलेल्या जॉब कार्डसचा तपशील इत्यादि दर्शविलेले असेल. ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकारने देखील सर्व ग्राम पंचायतींना अर्ज नोंदवहीची सक्ती करण्याचे निर्देश (ऑक्टोबर 2016) दिले होते.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींपैकी 47 ग्रामपंचायतींमध्ये जॉब कार्डससाठी अर्ज प्राप्त झाल्याची तारीख दर्शविणारी अर्ज नोंदवही ठेवण्यात आली नव्हती. अर्ज नोंदवहीच्या अभावी प्राप्त झालेले सर्व अर्ज नोंदणी करण्यात आले होते किंवा नाकारले होते याची खात्री लेखापरीक्षेला करता आली नाही.

<sup>1</sup> पडताळणीनंतर पात्र ठरल्यास घराचे सर्व तपशील, नरेगासॉफ्ट मध्ये प्रविष्ट केले आहेत आणि विशिष्ट नोंदणी क्रमांक देण्यात आला आहे.

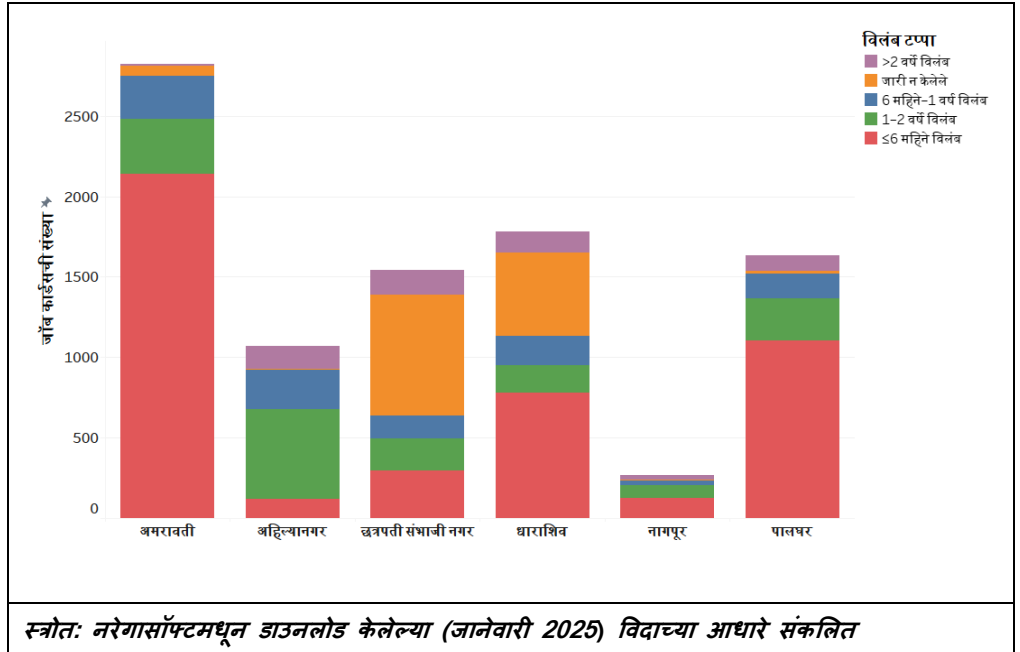
47 ग्रामपंचायतींपैकी 29 ग्रामपंचायतींनी कोणतेही उत्तर दिले नाही. उर्वरित 18 ग्रामपंचायतींपैकी, सहा ग्रामपंचायतींनी नमूद केले की अर्ज नोंदवही ऑनलाइन ठेवली गेली, एका ग्राम पंचायतीने नमूद केले की प्रशिक्षित कर्मचाऱ्यांच्या कमतरतेमुळे नोंदवही ठेवली गेली नाही तर 11 ग्रामपंचायतींनी नोंदवही न ठेवण्याची कारणे नमूद न करता नोंदवही अद्ययावत केली जाईल असे सांगितले.

आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) उत्तरादाखल नमूद केले (जून 2025) की, सर्व ग्राम पंचायतींना तातडीने अर्ज नोंदवही ठेवण्याचे निर्देश दिले गेले आहेत.

#### 4.5.2 जॉब कार्ड्स जारी करण्यातील विलंब

अर्ज मिळाल्यानंतर 15 दिवसांच्या आत लाभार्थ्यांना जॉब कार्ड द्यावयाचे होते. निवडलेल्या 48 ग्रामपंचायतींमध्ये नोंदणीसाठी प्राप्त झालेल्या अर्जांच्या संदर्भात ऑनलाइन विदाची छाननी केली असता 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान झालेल्या 15,077 नोंदणीपैकी आलेख 4.3 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 7,771 जॉब कार्ड्स (52 टक्के) जारी करण्यास विलंब झाल्याचे निदर्शनास आले.

आलेख 4.3: निवडलेल्या ग्राम पंचायतींमध्ये जॉब कार्ड्स जारी करण्यात झालेला विलंब



लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की 7,771 जॉब कार्ड्स जारी करण्यास एक दिवस ते 1,697 दिवसांच्या दरम्यान विलंब झाला, त्यापैकी 2,184<sup>2</sup> जॉब कार्ड्स (28 टक्के) एका वर्षापेक्षा जास्त विलंबानंतर जारी करण्यात आली होती, तर जानेवारी 2025 पर्यंत 1,349 नोंदणीकृत अर्जांना जॉब कार्ड्स जारी करण्यात आली नव्हती.

<sup>2</sup> एक वर्ष ते दोन वर्षे विलंब :1619 + दोन वर्षांहून अधिक विलंब :565

निर्गमन बैठकीत, आयुक्त (महात्मा गांधी रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (मे 2025) की मार्गदर्शक सूचनांचे पालन सुनिश्चित करण्यासाठी क्षेत्रीय कार्यालयांना सूचना दिल्या जातील.

उत्तरात, आयुक्त (महात्मा गांधी रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (मे 2025) की कामगार जॉब कार्डसची मागणी करत नाहीत. उत्तर स्वीकाराई नाही, कारण नोंदणीसाठी अर्ज प्राप्त झाल्यापासून 15 दिवसांच्या आत जॉब कार्डस जारी करणे हे ग्रामपंचायतींचे कर्तव्य असल्याने कामगारांना जॉब कार्ड देण्यासाठी सर्वतोपरी प्रयत्न करायला हवे होते.

जॉब कार्डस मिळण्यास विलंब झाल्यामुळे आणि जॉब कार्डस जारी न झाल्यामुळे लाभार्थी रोजगारापासून वंचित राहण्याची शक्यता नाकारता येत नव्हती.

#### 4.5.3 दुबार जॉब कार्डस

नरेगासॉफ्ट एक अहवाल तयार करते ज्यामध्ये वेगवेगळे अनुक्रमांक असलेले परंतु घरच्या प्रमुखाचे एकच नाव असलेली जॉब कार्डस दर्शविलेली असतात. अहवालानुसार (नोव्हेंबर 2024) राज्यात नोंदणीकृत 4.99 लाख जॉब कार्डसमध्ये त्या कुटुंबाच्या प्रमुखाचे नाव होते ज्यावर जॉब कार्ड आधीच नोंदणीकृत होते.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की निवडलेल्या 48 ग्रामपंचायतींपैकी 44<sup>3</sup> मध्ये 577 जॉब कार्डावर कुटुंबातील प्रमुखाचे नाव होते ज्याच्या नावे एक किंवा अधिक जॉब कार्डसची नोंदणी करण्यात आली होती. या 577<sup>4</sup> जॉब कार्डसच्या तुलनेत 595 अतिरिक्त जॉब कार्डसची नोंदणी करण्यात आली. या 595 अतिरिक्त कार्डसच्या छाननीत असे निदर्शनास आले की 213 जॉब कार्डसची नोंदणी पाच ते 13 वर्षांपूर्वी (ऑक्टोबर 2024 पर्यंत) झाली होती, तर 382 जॉब कार्डसची नोंदणी तीन ते पाच वर्षांपूर्वी (ऑक्टोबर 2024 पर्यंत) झाली होती.

नोंदणीकृत अतिरिक्त जॉब कार्डसचा विदा पुष्टीकरणासाठी 40 ग्राम पंचायतींना देण्यात आला. 29 ग्राम पंचायतींनी प्रतिसाद दिला आणि पुष्टी केली की जारी केलेल्या 319 अतिरिक्त कार्डसपैकी 317 कार्डस दुबार होती (दोन ग्राम पंचायतींनी जारी केलेल्या दोन अतिरिक्त कार्डसमध्ये, जरी नावे समान होती तरी व्यक्ती भिन्न होत्या).

नरेगासॉफ्टकडे आधार क्रमांक सारख्या विशिष्ट अभिज्ञापकांशी नोंदणीची जोडणी(लिंक) करून कुटुंबातील प्रमुखाच्या समान नावाच्या जॉब कार्डसची नोंदणी रोखण्यासाठी तपासणी यंत्रणा नव्हती. जॉबकार्डच्या दुबार नोंदणीमुळे तालुक्याद्वारे जॉब कार्डसच्या नोंदणीमध्ये अपुरे अंतर्गत नियंत्रण दिसून आले.

<sup>3</sup> मांडवी ग्रामपंचायत (कल्लमेश्वर तालुका) मधील आगरा, मोहगाव भदादे आणि नागपूर जिल्ह्यातील थातुरवाडा ग्रामपंचायत(नारखेड तालुका) येथे दुबार जॉब कार्डस दिली नव्हती

<sup>4</sup> 561 कुटुंबांना दुप्पट जॉब कार्डस दिली होती तर 14 कुटुंबांना तिप्पट जॉब कार्डस दिली होती, दोन कुटुंबांना चौपट जॉब कार्डस दिली होती.

दुबार कार्डच्या नोंदणीचा परिणाम म्हणजे दोन्ही कार्डसना एकत्रितपणे एका वर्षात 100 दिवसांपेक्षा जास्त रोजगार मिळाला. एका वर्षात 100 दिवसांपेक्षा जास्त रोजगाराचे वाटप (2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत 36 कामगारांना 2,744 दिवस) 19 कुटुंबांच्या बाबतीत आढळून आले, परिणामी, प्रत्येक कुटुंबाला 100 दिवसांपेक्षा जास्त मजुरी राज्य शासनाद्वारे भरावे लागणार असल्याने केंद्र सरकारच्या निधीतून ₹ 6.53 लाख अनियमित मजुरी देण्यात आली.

आयुक्त (महात्मा गांधी रोजगार हमी योजना) यांनी उत्तरादाखल नमूद केले (जून 2025) की दुबार कार्डच्या मुद्द्याची चौकशी केली जात आहे आणि विदासंचामध्ये आवश्यक दुरुस्त्या केल्या जातील आणि अशा घटना टाळण्यासाठी मार्गदर्शक तत्वांची कडक अंमलबजावणी केली जात आहे. त्यांनी पुढे असेही नमूद केले की, दुबार जॉब कार्ड टाळण्यासाठी पडताळणी व दुरुस्ती मोहीम हाती घेण्याबाबत जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकांना सूचना जारी करण्यात येत आहेत.

#### 4.5.4 जॉब कार्डसमधील कमतरता

ग्रामपंचायतींना जॉब कार्ड हे किती दिवस कामाची मागणी करण्यात आली, किती दिवस काम देण्यात आले, बेरोजगारी भत्ता दिला अथवा कसे, अदा केलेली मजुरी याबाबींसह नियमितपणे अद्ययावत करावे लागते. जारी केलेले जॉब कार्ड हे किमान पाच वर्षांसाठी वैध असेल, त्यानंतर ग्राम पंचायतीद्वारे योग्य पडताळणी नंतर जॉब कार्डचे नूतनीकरण करणे आवश्यक आहे.

लाभार्थी सर्वेक्षणादरम्यान, 480 पैकी 419 लाभार्थ्यांनी लेखापरीक्षण तपासणीकरीता जॉबकार्डस सादर केली. तपासणीत खालील बाबी निदर्शनास आल्या.

i) **जॉब कार्डसमधील छायाचित्र ओळख:** 49 (12 टक्के) जॉब कार्डसवर नोंदणीकृत सदस्यांचे फोटो लावण्यात आले नव्हते.

ii) **जॉब कार्डसमधील तपशील:** 157 (37 टक्के) जॉब कार्डसमध्ये किती दिवसांच्या कामाची मागणी करण्यात आली, किती दिवसांसाठी काम देण्यात आले, किती मजुरी अदा केली याचा तपशील नोंदविण्यात आला नव्हता.

iii) **जॉब कार्डसवर स्वाक्षरी:** लाभार्थ्यांना जारी करण्यात येणाऱ्या जॉब कार्डसवर कुटुंबप्रमुख आणि कार्यक्रम अधिकारी (गट विकास अधिकारी) यांची स्वाक्षरी असणे आवश्यक होते. लेखापरीक्षण तपासणीत 176 जॉब कार्डवर (42 टक्के) कुटुंबप्रमुख किंवा कार्यक्रम अधिकारी यांची स्वाक्षरी नसल्याचे निदर्शनास आले.

#### 4.5.5 जॉब कार्डसची पडताळणी

नरेगासॉफ्टच्या जानेवारी 2025 च्या छाननीत असे निदर्शनास आले की, निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींमध्ये फेब्रुवारी 2006 ते मार्च 2019 दरम्यान जारी करण्यात आलेल्या 23,270 जॉब कार्डसपैकी 1,419 जॉब कार्डसची जानेवारी 2025 पर्यंत ग्राम पंचायतींनी



एकदाही पडताळणी केली नाही. तसेच, जुलै 2011 ते मार्च 2019 दरम्यान 21,692 जॉबकार्डसची (23,270 जॉब कार्डस पैकी) आधी पडताळणी झाली होती आणि ती पुनःपडताळणीसाठी नियत होती, तरी जानेवारी 2025 पर्यंत त्यांची पडताळणी झाली नव्हती. त्यामुळे, 23,270 जॉबकार्डसपैकी 23,211 जॉबकार्डस (99 टक्के) पडताळणीसाठी पाच वर्षांहून अधिक काळ प्रलंबित होती.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद केले (मे 2025) की जॉब कार्डसची योग्य देखभाल व त्यांची पडताळणी करण्यासाठी निर्देश दिले जातील.

#### 4.6 कामाची मागणी

महाराष्ट्र रोजगार हमी योजनेच्या अनुसूची III च्या परिच्छेद 6 नुसार, नोंदणीकृत कुटुंबातील प्रत्येक प्रौढ सदस्य ज्याचे नाव जॉब कार्डवर आहे तो या योजनेअंतर्गत अकुशल अंगमेहनतीच्या कामासाठी अर्ज करण्यास पात्र असेल; आणि अशा प्रत्येक अर्जाची अनिवार्यपणे नोंदणी केली जाईल आणि तारखेसह पावती जारी केली जाईल, जी संगणक प्रणालीत प्रविष्ट केली जाईल. कामाची मागणी, तोंडी किंवा लेखी कोणत्याही जॉबकार्डधारकाच्या आवश्यकतेनुसार नोंदविली जाईल.

##### 4.6.1 रोजगार नोंदवहीची देखभाल

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेच्या कार्यचालन सूचनांच्या परिच्छेद 3.4 (ii) नुसार, विनंती केलेल्या कामाची आणि वाटप केलेल्या कामाची माहिती जॉब कार्ड आणि रोजगार नोंदवहीमध्ये नमूद करणे आवश्यक आहे. ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकारने देखील निर्देश दिले (ऑक्टोबर 2016) होते की जॉब कार्ड-निहाय कामाच्या मागणीची तारीख, कामाची मागणी केलेल्या दिवसांची संख्या, काम केलेल्या दिवसांची संख्या, मजुरी प्रदानाची तारीख, प्रदान मजुरी, प्रदान केलेला बेरोजगारी भत्ता, प्रदान केलेली विलंब भरपाई इत्यादी दर्शविणारी नोंदवही (नोंदवही-III) ग्राम पंचायतीमध्ये हस्तलिखित/मानवी (मॅन्युअली) ठेवावी.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, निवडलेल्या 48 पैकी 15<sup>5</sup> ग्रामपंचायतीमध्ये रोजगार नोंदवही हस्तलिखित स्वरूपात ठेवली जात नव्हती, तर तीन<sup>6</sup> ग्रामपंचायतीमध्ये ती ठेवली जात असूनही अद्ययावत केली जात नव्हती. तसेच, मजुरांकडून प्राप्त कामाच्या अर्जासंदर्भात दिलेली पावती (तारखेसह) नरेगासॉफ्टमध्ये प्रविष्ट करण्याची कोणतीही व्यवस्था नव्हती.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद (जून 2025) केले की, सर्व ग्राम पंचायतींना रोजगार नोंदवही हस्तलिखित स्वरूपात ठेवण्याचे व नियमितपणे अद्ययावत करण्याचे निर्देश देण्यात आले आहेत.

<sup>5</sup> छत्रपती संभाजीनगर: आठ ग्राम पंचायती, अमरावती: सात ग्राम पंचायती

<sup>6</sup> अहिल्यानगर: बालमटाकळी, सामनगाव, ठाकूर निमगाव

#### 4.6.2 कामाची मागणी करणारी कुटुंबे आणि कामाचे वाटप

नोंदणीकृत कुटुंबांची संख्या, नोंदणीकृत कुटुंबांनी मागणी केलेले काम, रोजगार दिलेल्या कुटुंबांची संख्या, रोजगार न दिलेल्या कुटुंबांची संख्या आणि 100 दिवसांचे काम पूर्ण करणाऱ्या कुटुंबांची संख्या तक्ता 4.1 मध्ये दर्शविली आहे.

तक्ता 4.1 : राज्यात 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत केलेली मागणी आणि न दिलेला रोजगार

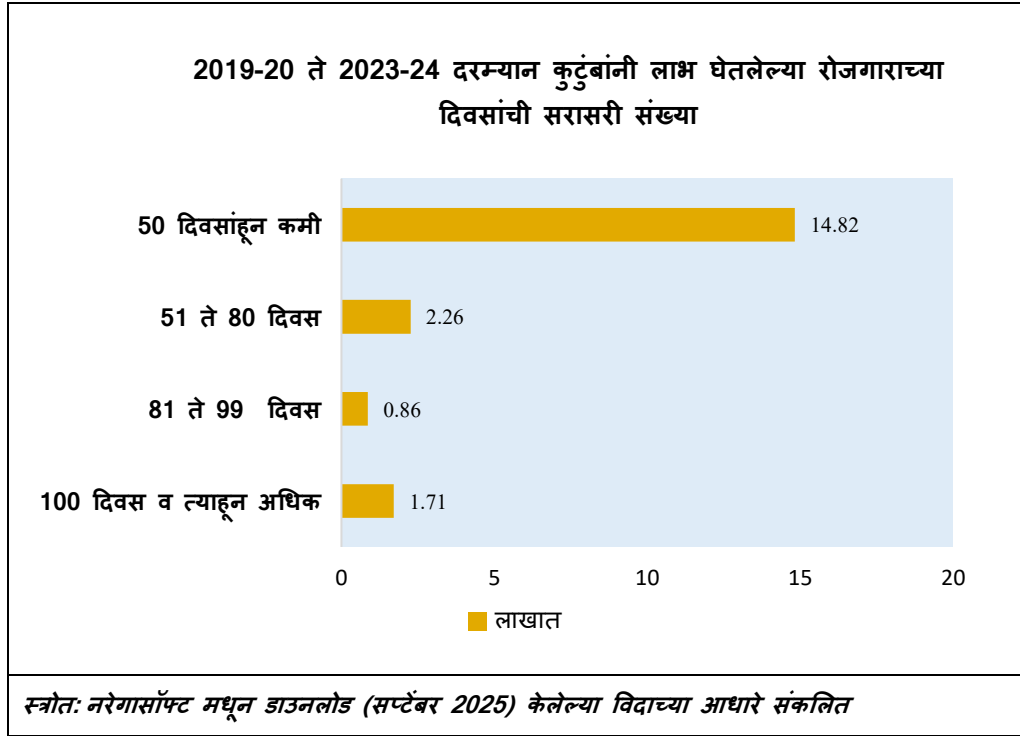
| वर्ष    | नोंदणीकृत कुटुंबांची संख्या | रोजगाराची मागणी करणाऱ्या कुटुंबांची संख्या (टक्केवारी) | रोजगार दिलेल्या कुटुंबांची संख्या | रोजगार न दिलेल्या कुटुंबांची संख्या | रोजगार घेतलेल्या कुटुंबांची संख्या | 100 दिवस पूर्ण केलेल्या कुटुंबांची संख्या (रोजगार प्राप्त केलेल्या कुटुंबांच्या तुलनेत टक्केवारी) | टक्केवारी (7/6*100) |
|---------|-----------------------------|--------------------------------------------------------|-----------------------------------|-------------------------------------|------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------|
|         | (लाखात)                     |                                                        |                                   | संख्या                              | (लाखात)                            |                                                                                                   |                     |
| 1       | 2                           | 3                                                      | 4                                 | 5                                   | 6                                  | 7                                                                                                 | 8                   |
| 2019-20 | 93.53                       | 17.29 (18)                                             | 17.25 (99.77)                     | 3,992                               | 15.37                              | 1.24                                                                                              | 8.07                |
| 2020-21 | 103.68                      | 18.84 (18)                                             | 18.79 (99.73)                     | 4,702                               | 16.84                              | 1.37                                                                                              | 8.14                |
| 2021-22 | 125.80                      | 22.55 (18)                                             | 22.50 (99.78)                     | 5,710                               | 20.36                              | 1.74                                                                                              | 8.55                |
| 2022-23 | 130.05                      | 23.91 (18)                                             | 23.85 (99.75)                     | 6,093                               | 21.21                              | 1.39                                                                                              | 6.55                |
| 2023-24 | 136.82                      | 27.24 (20)                                             | 27.18 (99.78)                     | 6,186                               | 24.46                              | 2.80                                                                                              | 11.44               |
| एकूण    |                             | 109.83                                                 | 109.57 (99.76)                    | 26,683                              |                                    |                                                                                                   |                     |
| सरासरी  | 117.98                      | 21.97(19)                                              | 21.91(99.73)                      |                                     | 19.65                              | 1.71                                                                                              | 8.70                |

स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून डाउनलोड केलेल्या (सप्टेंबर 2025) विदाच्या आधारे संकलित

तक्ता 4.1 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 2019-20 दरम्यान कामाची मागणी करणाऱ्या कुटुंबांची संख्या 17.29 लाख (18 टक्के) होती आणि नोंदणीकृत कुटुंबांच्या संख्येच्या तुलनेत 2023- 24 दरम्यान ती वाढून 27.24 लाख (20 टक्के) झाली होती. 2019-20 ते 2022- 23 दरम्यान सरासरी 19 टक्के कुटुंबांनी कामाची मागणी केली. अशाप्रकारे, मोठ्या संख्येने कुटुंबे कामाची मागणी करत नव्हती. तसेच, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मागणी करणाऱ्या कुटुंबांपैकी 99.76 टक्के कुटुंबांना रोजगार दिला होता.

राज्यात 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान कुटुंबांनी लाभ घेतलेल्या रोजगाराच्या दिवसांची सरासरी संख्या आलेख 4.4 मध्ये दर्शविली आहे.

आलेख 4.4: 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान कुटुंबांनी लाभ घेतलेल्या रोजगाराच्या दिवसांची सरासरी संख्या



**आलेख 4.4** नुसार, 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत 14.82 लाख कुटुंबांनी (75.42 टक्के) सरासरी 50 दिवसांपेक्षा कमी कालावधीच्या रोजगाराचा लाभ घेतला, तर 1.71 लाख कुटुंबांनी (8.70 टक्के) 100 दिवस आणि त्याहून अधिक कालावधीच्या रोजगाराचा लाभ घेतला आहे.

अशाप्रकारे, या योजनेअंतर्गत कामाची मागणी करण्यामध्ये नोंदणीकृत कुटुंबांचा सहभाग तर कमी होताच, शिवाय 100 दिवसांच्या रोजगाराच्या हमीचा लाभ घेणाऱ्या कुटुंबांची संख्याही कमी होती.

480 जॉब कार्डधारकांच्या सर्वेक्षणादरम्यान, 273 लाभार्थ्यांनी (57 टक्के) प्रतिसाद दिला की मजुरीचा दर कमी आहे आणि त्यात वाढ करणे आवश्यक आहे.

#### 4.6.3 बेरोजगारी भत्ता

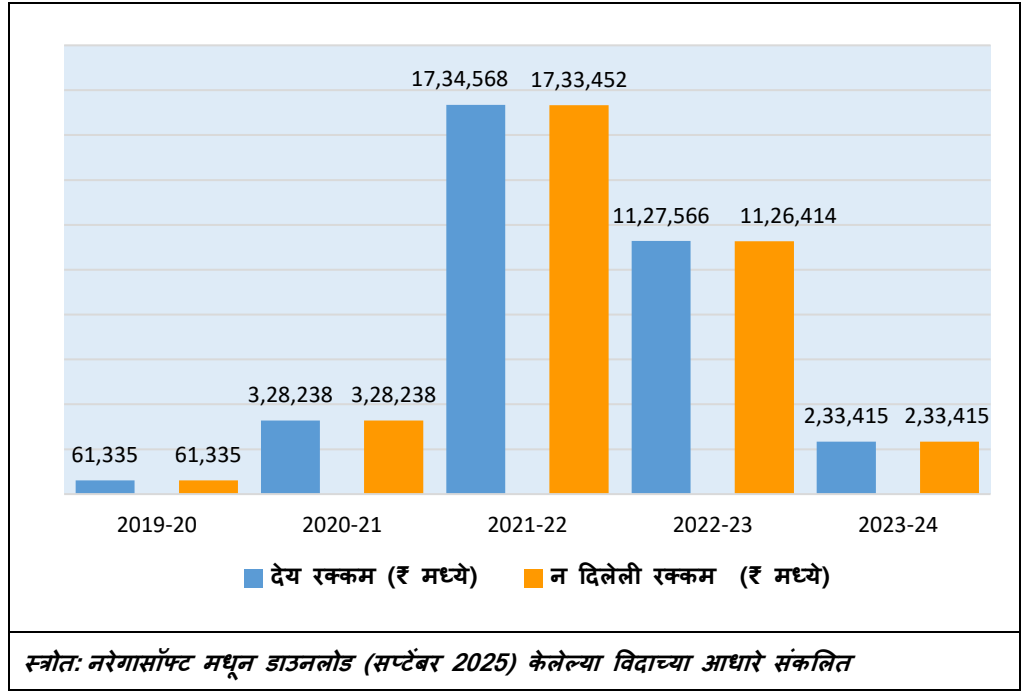
महाराष्ट्र रोजगार हमी योजनेच्या अनुसूची III च्या परिच्छेद 14 नुसार कामाची मागणी नोंदविण्याच्या तारखेपासून किंवा आगाऊ अर्ज केल्यास ज्या तारखेपासून कामाची मागणी करण्यात आली आहे, त्या तारखेपासून जे नंतर असेल त्याच्या 15 दिवसांच्या आत काम देणे बंधनकारक आहे. विहित मुदतीत मागणीनुसार काम देता न आल्यास नोंदणीकृत कुटुंबांना बेरोजगारी भत्ता देण्यात यावा. बेरोजगारी भत्त्याचे प्रदान ज्या तारखेला भत्ता देय झाला त्या तारखेपासून पंधरा दिवसांच्या आत केले जावे. बेरोजगारी भत्ता पहिल्या तीस दिवसांसाठी मजुरी दराच्या एक चतुर्थांशपेक्षा कमी आणि आर्थिक वर्षाच्या उर्वरित कालावधीकरीता मजुरी दराच्या निम्म्यापेक्षा कमी नसेल.

महाराष्ट्र रोजगार हमी योजनेच्या अनुसूची II च्या परिच्छेद 11 (1) नुसार, जर निर्दिष्ट मुदतीत मागणीनुसार काम पुरवले जाऊ शकत नसेल तर संगणक प्रणालीद्वारे स्वयंचलितपणे गणना केल्याप्रमाणे बेरोजगारी भत्ता दिला जाईल. नरेगासॉफ्ट, जे कामाची मागणी नोंदवते, जर निर्धारित कालावधीत रोजगार दिला नाही तर बेरोजगारी भत्त्याचे आपोआप गणन करते.

**तक्ता 4.1** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान 109.83 लाख कुटुंबांनी केलेल्या कामाच्या मागणीच्या तुलनेत राज्याने 109.57 लाख (99.76 टक्के) कुटुंबांना रोजगार उपलब्ध करून दिला. निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान कामाची मागणी करणाऱ्या 4,32,77 (0.18 टक्के) कुटुंबांना रोजगार देण्यात आला नाही.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, राज्यात 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत बेरोजगारी भत्ता म्हणून देय असलेल्या ₹ 34.85 लाख रकमेपैकी **आलेख 4.5** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे केवळ ₹ 2,268 प्रदान केले होते आणि ₹ 34.83 लाख थकीत होते.

**आलेख 4.5: राज्यात प्रदान न केलेला बेरोजगारी भत्ता**



निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांपैकी पाच<sup>8</sup> (अमरावती, छत्रपती संभाजीनगर, धारशिव, नागपूर आणि पालघर) जिल्ह्यांत 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीसाठीचा ₹ 23.45 लाख इतका बेरोजगारी भत्ता प्रदान करण्यात आला नव्हता.

<sup>7</sup> अमरावती: 1,128 कुटुंबे; छत्रपती संभाजीनगर: 1,116 कुटुंबे; धारशिव: 1,132 कुटुंबे; अहिल्यानगर: 341 कुटुंबे; नागपूर: 338 कुटुंबे; पालघर: 272 कुटुंबे

<sup>8</sup> अहिल्यानगर जिल्ह्यात बेरोजगारी भत्ता देय नव्हता.

सप्टेंबर 2025 अखेरीस, देय बेरोजगारी भत्ता ₹ 35.55 लाख होता, ज्यात 2024-25 या कालावधीसाठी देय ₹ 0.62 लाख<sup>9</sup> बेरोजगारी भत्ता समाविष्ट होता.

अशाप्रकारे, महाराष्ट्र रोजगार हमी योजना कायद्याचे उल्लंघन होऊन लाभार्थी केवळ रोजगाराच्या हमीपासूनच नव्हे, तर बेरोजगारी भत्त्यापासूनही वंचित राहिले.

तसेच, महाराष्ट्र रोजगार हमी योजना कायद्याच्या 3-ई (2) नुसार बेरोजगारी भत्ता प्रदान न करणे किंवा विलंबाने देण्याच्या प्रत्येक प्रकरणाची नोंद जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकाने राज्य शासनाला सादर केल्या जाणाऱ्या वार्षिक अहवालात अशा प्रकारे प्रदान न करण्यामागील किंवा विलंबाने देण्यामागील कारणांसह करणे आवश्यक आहे. लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, निवडलेल्या सहा पैकी पाच जिल्ह्यांमधील जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकांनी बेरोजगारी भत्ता प्रदान न करण्यामागील कारणे सांगणारा वार्षिक अहवाल राज्य शासनाला सादर केला नव्हता. यावरून असेही निदर्शनास आले की नरेगासॉफ्टमध्ये प्रतिबिंबित केल्याप्रमाणे मजुरांना बेरोजगारी भत्ता वितरित करण्यासाठी राज्य शासन/आयुक्तांकडून योग्य देखरेखीचा अभाव होता.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद केले (जून 2025) की, मजुरांना काम देण्यात आले, पण ते कामावर हजर झाले नाहीत, त्यामुळे बेरोजगारी भत्ता देय नव्हता. त्यांनी पुढे असेही नमूद केले की, राज्यात बेरोजगारी भत्त्याची एकही प्रकरणे नाहीत आणि नरेगासॉफ्टमध्ये प्रतिबिंबित झालेल्या रोजगार प्रलंबित असल्याच्या नोंदी क्षेत्रीय स्तरावरील कर्मचाऱ्यांनी केलेल्या चुकीच्या संगणकीय नोंदींमुळे आहेत.

उत्तर स्वीकाराई नाही कारण (i) मजुरांना काम देण्यात आले होते परंतु ते कामावर हजर झाले नाहीत हे दर्शविण्यासाठी कोणतीही लेखापरीक्षण यंत्रणा नाही. जर तसे असेल तर नरेगासॉफ्टने देय बेरोजगारी भत्त्याची गणना करायला नको होती. (ii) नरेगासॉफ्टमधील कथित चुकीच्या नोंदी 2019-20 ते 2023-24 दरम्यानच्या आहेत, ज्यामध्ये कोणतीही दुरुस्ती नंतर करण्यात आली नव्हती यावरून त्याची सत्यता दिसून येते. (iii) नरेगासॉफ्टच्या अहवालात ₹ 2,268 इतक्या बेरोजगारी भत्त्याचे प्रदान दर्शविल्यामुळे राज्यात बेरोजगारी भत्त्याची प्रकरणे नाहीत हे उत्तर योग्य नाही.

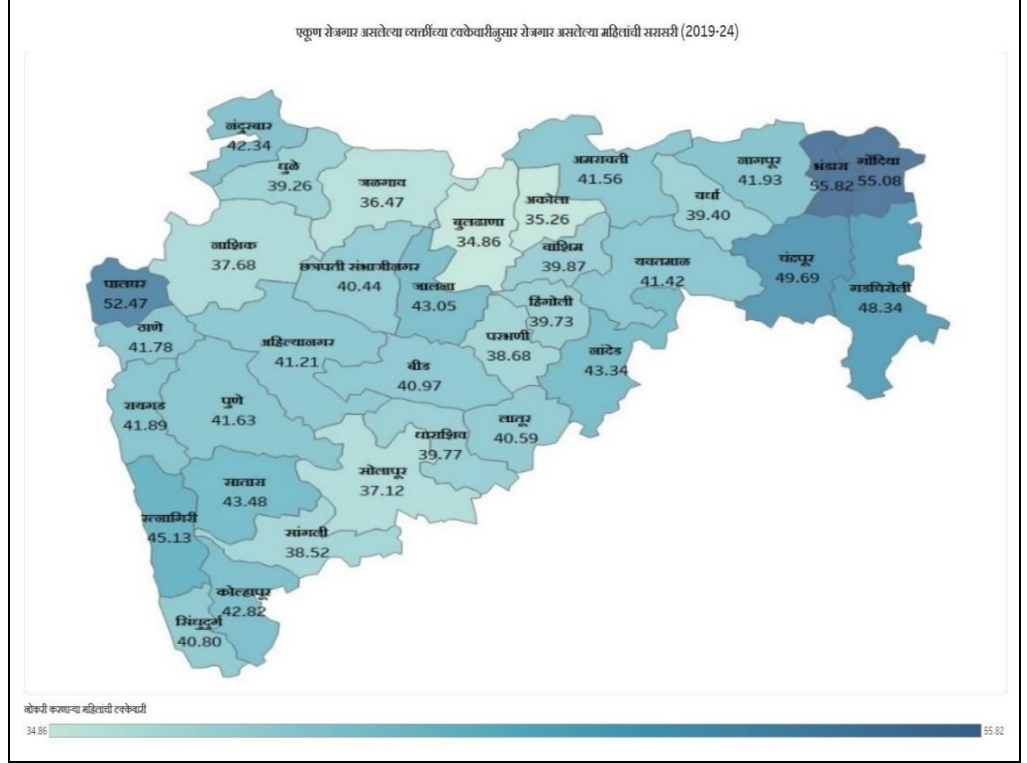
#### 4.7 योजनेतर्गत महिलांचा सहभाग

महाराष्ट्र रोजगार हमी योजना कायद्याच्या अनुसूची III परिच्छेद 15 नुसार ज्या महिलांनी नोंदणी केली आहे व कामाची मागणी केली आहे अशा महिलांना अशा प्रकारे प्राधान्य देण्यात यावे की, लाभार्थ्यांपैकी किमान एक तृतीयांश लाभार्थी महिला असतील. त्यांत एकल महिला व दिव्यांगांचा सहभाग वाढविण्यासाठी प्रयत्न केले जावे, असेही या योजनेत परिकल्पित करण्यात आले होते.

<sup>9</sup> वर्ष 2024-25 साठी ₹ 0.62 लाख पैकी काहीही प्रदान केले नव्हते.

राज्यात 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान या योजनेंतर्गत काम करणाऱ्या महिलांची जिल्हा- निहाय टक्केवारी आलेख 4.6 मध्ये देण्यात आली आहे.

**आलेख 4.6: 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान एकूण कार्यरत व्यक्तींच्या तुलनेत कार्यरत महिला कामगारांची जिल्हा-निहाय (सरासरी) टक्केवारी**



स्रोत: नरेगासॉफ्टच्या संकेतस्थळावरून डाउनलोड (ऑक्टोबर 2024) केलेल्या विदाच्या आधारे संकलित

**आलेख 4.6** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे योजनेत सहभागी होणाऱ्या महिलांची टक्केवारी भंडारा जिल्ह्यात सर्वाधिक म्हणजे 55.82 टक्के इतकी आणि बुलढाणा जिल्ह्यात सर्वात कमी म्हणजे 34.86 टक्के इतकी होती.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, या योजनेअंतर्गत महिलांचे रोजगारातील प्रतिनिधित्व राज्य स्तरावर आणि निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये निर्माण झालेल्या एकूण रोजगाराच्या एक तृतीयांशपेक्षा जास्त होते. निवडलेल्या 21 ग्राम पंचायतींमध्ये महिलांचे प्रतिनिधित्व सर्व पाच वर्षांत (2019-20 ते 2023-24) एकूण निर्माण झालेल्या रोजगाराच्या एक तृतीयांशपेक्षा जास्त होते. निवडलेल्या तीन ग्राम पंचायतींमध्ये<sup>10</sup> महिलांचे प्रतिनिधित्व पाचही वर्षांत (2019-20 ते 2023-24) निर्माण झालेल्या एकूण रोजगाराच्या एक तृतीयांशपेक्षा कमी होते. निवडलेल्यापैकी उर्वरित 24 ग्रामपंचायतींमध्ये महिलांचे प्रतिनिधित्व 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीकरता वेगवेगळ्या वर्षी शून्य टक्के ते 32.98 टक्क्यांदरम्यान होते.

उत्तरात, आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद (जून 2025) केले की, महिला पुरुषांप्रमाणे काम करण्यासाठी पुढे येत नाहीत, तर

<sup>10</sup> हिंगणी मिर्झापूर, इटकी (जिल्हा:अमरावती), आगरा (जिल्हा:नागपूर)

माहिती, शिक्षण आणि संप्रेषणाचा अवलंब करून योजनेतील महिलांचा सहभाग वाढविण्याचा प्रयत्न केला जात आहे.

#### 4.8 दिव्यांग व्यक्तींची ओळख पटविण्यासाठी विशेष मोहीम न राबविणे

महाराष्ट्र रोजगार हमी योजना कायद्याच्या अनुसूची III मधील परिच्छेद 7 नुसार, शासनाने दुर्बल घटकांच्या आवश्यकता पडताळून त्यांना काम उपलब्ध करून द्यावे. मार्गदर्शक सूचनांच्या परिच्छेद 9.3.9 मध्ये असेही नमूद केले आहे की सर्व दिव्यांग व्यक्ती आणि इतर दुर्बल गटातील व्यक्ती (आदिम आदिवासी गट, भटके आदिवासी गट, विमुक्त जमाती, 65 वर्षावरील ज्येष्ठ नागरिक, एचआयव्हीबाधित व्यक्ती, अंतर्गत विस्थापित व्यक्ती, विधवा महिला इ.) ओळखण्यासाठी विशेष मोहीम राबविण्यात यावी, आणि ठराविक कालावधीत प्रत्येक कुटुंबाला 100 दिवसांचे काम उपलब्ध करून द्यावे. मार्गदर्शक सूचनांनुसार, प्रत्येक राज्य शासनाने प्रत्येक जिल्ह्यात एक अधिकारी समन्वयक (दुर्बल गट) म्हणून नियुक्त करणे आवश्यक आहे. समन्वयक (दुर्बल गट) तालुका व ग्रामपंचायत स्तरावरील अधिकाऱ्यांसमवेत अशा अंमलबजावणीच्या प्रगतीचा आढावा घेण्यासाठी मासिक बैठक घेतील आणि त्यानुसार मासिक व त्रैमासिक प्रगती अहवाल जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकांना सादर करतील.

नरेगासॉफ्टच्या सप्टेंबर 2024 पर्यंतच्या अहवालानुसार, या योजनेअंतर्गत नोंदणी केलेल्या दिव्यांग व्यक्तींची संख्या 2019-20 मधील 1.36 लाखांवरून 2023-24 मध्ये 1.24 लाख इतकी कमी झाली. निवडलेल्या 48 ग्रामपंचायतींनी पुरविलेल्या माहितीनुसार, या योजनेअंतर्गत नोंदणी केलेल्या दिव्यांग व्यक्तींची संख्या 2019-20 मधील 187 वरून 2023-24 मध्ये 348 पर्यंत वाढली. लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान 27 ग्रामपंचायतींमध्ये दिव्यांग व्यक्ती आणि इतर दुर्बल गटातील व्यक्तींची ओळख पटविण्यासाठी विशेष मोहीम राबविण्यात आली नव्हती. तसेच, 33 ग्रामपंचायतींमध्ये ना आढावा बैठक घेण्यात आली, ना जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकांना प्रगती अहवाल सादर करण्यात आले.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद केले (मे 2025) की, दिव्यांग व्यक्तींचे प्रश्न हाताळण्यासाठी संपूर्ण राज्यात जिल्हास्तरावर दुर्बल गटासाठी समन्वयक असे पद नाही. त्यांनी पुढे असेही नमूद केले (जून 2025) की, दिव्यांग व्यक्ती आणि इतर दुर्बल गटातील व्यक्तींची ओळख पटविण्यासाठी विशेष मोहीम राबविण्यात येतील.

सप्टेंबर 2025 पर्यंत, या योजनेअंतर्गत नोंदणी केलेल्या दिव्यांग व्यक्तींची संख्या 1.27 लाख होती.

#### 4.9 मजुरी प्रदानासाठी दरपत्रक

महाराष्ट्र रोजगार हमी योजना कायद्याच्या अनुसूची II मधील परिच्छेद 16 नुसार राज्य शासन हे सुनिश्चित करेल की मजुरी ही कोणताही लिंगभेदभाव न करता, कामाच्या



गुणवत्तेवर आणि मोजमापाच्या आधारे ठरवली जाईल तसेच ती ग्रामीण दरपत्रकानुसार जे विविध प्रकारच्या कामासाठी आणि वेगवेगळ्या हंगामांसाठी वेळ आणि वेग अभ्यासानंतर निश्चित केले आहे आणि वेळोवेळी सुधारित केले आहे त्याप्रमाणे दिली जाईल. या योजनेत (महाराष्ट्र रोजगार हमी योजना कायदा अनुसूची II च्या परिच्छेद 17) असे नमूद केले आहे की, महिला, वृद्ध, दिव्यांग आणि दुर्धर आजार असलेल्या लोकांसाठी स्वतंत्र दरपत्रक निश्चित केले जाईल जेणेकरून उत्पादक कार्याद्वारे त्यांचा सहभाग वाढेल. तसेच, महाराष्ट्र रोजगार हमी योजनेच्या अनुसूची II मधील परिच्छेद 18 नुसार विविध अकुशल मजुरांच्या मजुरीचे दरपत्रक असे निश्चित केले जाईल की, आठ तास काम करणाऱ्या प्रौढ व्यक्तीला, ज्यात एक तास विश्रांतीचा समावेश आहे, निर्धारित मजुरी दराइतकी मजुरी मिळेल.

कार्यचालन सूचनांच्या परिच्छेद 7.7.4 मध्ये असे नमूद केले आहे की दरपत्रकाच्या पद्धतशीर पुनरावलोकनासाठी मनुष्य एखाद्या विशिष्ट क्षेत्रात निर्धारित कालावधीत किती काम करू शकतो (एक "कार्य") याचा अंदाज आवश्यक आहे. या अंदाजासाठी काळजीपूर्वक आरेखन केलेला काळ, काम आणि वेग यांचा अभ्यास आवश्यक आहे. याव्यतिरिक्त, कार्यचालन सूचनांच्या परिच्छेद 7.7.6 मध्ये असेही नमूद केले आहे की काळ, काम आणि वेग अभ्यासाने बदलत्या स्थानिक परिस्थिती आणि लोकसंख्येच्या आरोग्य आणि पोषण स्थितीवर अवलंबून कार्यामध्ये प्रादेशिक भिन्नतेस मुभा देणे आवश्यक आहे. विशेषतः स्त्री-पुरुष, वयोवृद्ध मजूर आणि शारीरिकदृष्ट्या विकलांग अशा मजुरांच्या मिश्र गटाची उत्पादकता प्रतिबिंबित झाली पाहिजे.

#### 4.9.1 स्वतंत्र दरपत्रक

कार्यचालन सूचनांच्या परिच्छेद 7.7.8 नुसार, सर्वसामान्य कामांसाठी स्वतंत्र दर पत्रक जिल्हा स्तरावर विकसित करावयाचे होते तर जटिल कामांसाठी स्वतंत्र दर पत्रक त्याच कृषी-हवामान प्रदेशातील जिल्ह्यांच्या गटासाठी विकसित करावयाचे होते. लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) संपूर्ण राज्यासाठी एकसमान दरपत्रक वापरत होते आणि प्रत्येक जिल्हा/जिल्ह्यांच्या समूहासाठी स्वतंत्र दर पत्रक तयार करण्याऐवजी मजुरीच्या दरातील पुनरावलोकनाच्या आधारे त्यात वेळोवेळी सुधारणा करण्यात आली होती.

महिला, वृद्ध, दिव्यांग आणि दुर्धर आजार असलेल्या व्यक्तींसाठी स्वतंत्र दरपत्रक राज्य शासनाने तयार केले नव्हते.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद (जून 2025) केले की, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्था, हैद्राबाद यांचेमार्फत महिला, वृद्ध, दिव्यांग आणि दुर्धर आजार असलेल्या व्यक्तींसाठी दरपत्रक तयार करण्याचा प्रस्ताव राज्य शासन करीत आहे.



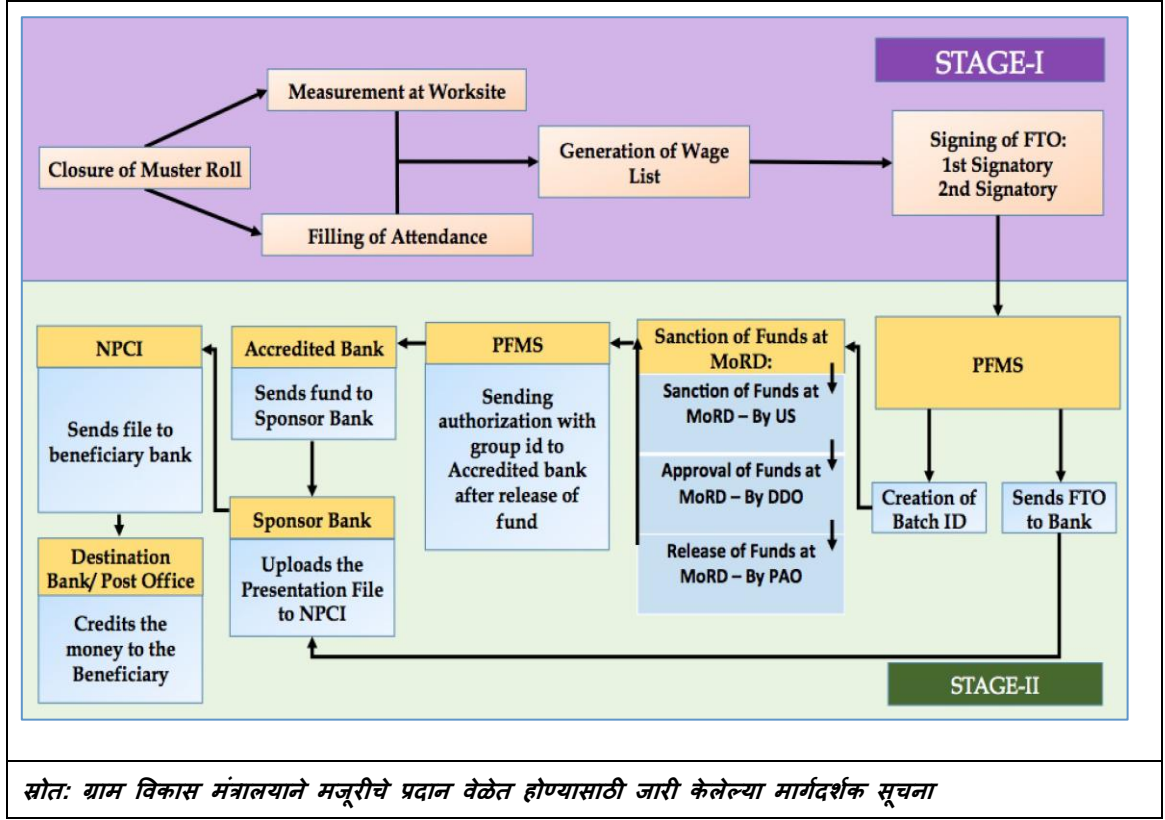
#### 4.10 मजुरी आणि नुकसान भरपाई प्रदाने

महाराष्ट्र रोजगार हमी योजनेच्या कलम 3 नुसार दैनंदिन मजुरीचे वाटप साप्ताहिक तत्वावर किंवा कोणत्याही परिस्थितीत असे काम केल्याच्या तारखेनंतर पंधरवड्याच्या आत केले जाईल. तसेच महाराष्ट्र रोजगार हमी योजनेच्या अनुसूची III च्या परिच्छेद 29 नुसार हजेरी पट बंद झाल्याच्या तारखेपासून पंधरा दिवसांच्या आत मजुरी प्रदान न केल्यास हजेरी पट बंद झाल्याच्या सोळाव्या दिवसानंतर विलंब झाल्यास दररोज थकीत वेतनाच्या 0.05 टक्के दराने मजुरी धारकांना विलंबाची भरपाई देय आहे. नुकसानभरपाई देय झाल्यापासून पंधरा दिवसांच्या कालावधीनंतर नुकसान भरपाई देण्यास विलंब झाल्यास तो मजुरी देण्यास विलंब होण्याप्रमाणेच मानला जाईल.

तसेच, मजुरी देण्यातील उत्तरदायित्व सुनिश्चित करण्याच्या उद्देशाने आणि विविध पदाधिकारी किंवा यंत्रणांच्या दोषारोपणाची गणना करण्याच्या उद्देशाने महाराष्ट्र रोजगार हमी योजनेच्या अनुसूची III च्या परिच्छेद 29 (1) (बी) नुसार, शासन पूर्ण प्रक्रियेची विभागणी करेल, जसे कामाचे मोजमाप, हजेरी पट संगणकीकृत करणे, मजुरी याद्या तयार करणे आणि निधी हस्तांतरण आदेश अपलोड करणे यांसारखी कामे विशिष्ट कार्य पूर्ण करण्यास जबाबदार विविध पदाधिकारी किंवा यंत्रणांकडून टप्पानिहाय ठराविक कमाल वेळ मर्यादेत केली जाऊन मजुरी सुनिश्चित होऊन अदा केली जाईल. राज्य शासनाने विहित केलेल्या कालमर्यादेत योग्य पडताळणी करून नुकसानभरपाई ही मजुरी देयकासोबतच आगाऊ देणे आणि देयकास विलंब होण्यास जबाबदार असलेल्या पदाधिकारी किंवा यंत्रणेकडून नुकसान भरपाईची रक्कम वसूल करणे बंधनकारक होते.

प्रदान प्रक्रियेत सहभागी असलेल्या अभिकरणे/अधिकाऱ्यांसहित विविध टप्पे **आलेख 4.7** मध्ये दर्शविले आहेत.

आलेख 4.7: लाभार्थ्यांना मजुरी प्रदान करण्याचा प्रक्रिया ओघ आलेख



**आलेख 4.7** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे, संपूर्ण प्रक्रिया दोन टप्प्यांमध्ये विभागली गेली आहे. पहिल्या टप्प्या ग्राम पंचायत स्तरावर होणाऱ्या उपक्रमांनी सुरु होतो आणि निधी हस्तांतरण आदेश अपलोड करण्यासाठी दुसऱ्या स्वाक्षरीकर्त्याच्या स्वाक्षरीने समाप्त होतो. दुसऱ्या टप्प्यात गंतव्य बँका/टपाल कार्यालयाद्वारे लाभार्थ्यांच्या खात्यात प्रत्यक्ष रक्कम जमा होईपर्यंतच्या देयकाच्या प्रक्रियेतील सर्व बाबींचा समावेश आहे. पहिल्या टप्प्यात, निधी हस्तांतरण आदेश अपलोड करण्यापर्यंतची प्रक्रिया हजेरी पट बंद झाल्यापासून आठ दिवसांच्या आत पूर्ण करणे आवश्यक आहे, तर दुसऱ्या टप्प्याची प्रक्रिया निधी हस्तांतरण आदेश मिळाल्यापासून सात दिवसांच्या आत पूर्ण करणे आवश्यक आहे.

#### 4.10.1 मजुरी प्रदान करण्यातील विलंब

नरेगासॉफ्टमध्ये उपलब्ध असलेल्या माहिती व्यवस्थापन प्रणालीवरून लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, निधी हस्तांतरण आदेश अपलोड होईपर्यंत प्रणाली भरपाईची गणना करते. दुसऱ्या टप्प्यातील मजुरी मिळण्यास म्हणजेच लाभार्थ्यांच्या खात्यात प्रत्यक्ष मजुरी जमा होईपर्यंत विलंब झाल्यामुळे भरपाईची एकत्रित स्थिती दर्शविणारा कोणताही माहिती व्यवस्थापन प्रणाली अहवाल सार्वजनिक डोमेनवर नव्हता. त्यानंतर गट विकास अधिकारी (संयुक्त कार्यक्रम अधिकारी) प्रदान करावयाची नुकसान भरपाई मंजूर करतात किंवा नाकारतात. प्रत्येक नुकसान भरपाई नाकारण्याची कारणेही नरेगासॉफ्टमध्ये नमूद केली जातात. नाकारलेली नुकसान भरपाई मजुरांना अदा केली जात नाही.

2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मजुरी आणि नुकसान भरपाई देण्यास झालेला विलंब तक्ता 4.2 मध्ये दर्शविला आहे.

तक्ता 4.2 : राज्यात 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मजुरी आणि नुकसान भरपाई प्रदान करण्यास झालेला विलंब

| वर्ष    | मजुरी प्रदानाशी संबंधित एकूण व्यवहार<br>(लाखांमध्ये) | प्रदत्त मजुरी<br>(₹ कोटींमध्ये) | मजुरी प्रदानास विलंब झालेले एकूण व्यवहारांची टक्केवारी<br>(लाखांमध्ये) | विलंबाने प्रदान केलेल्या मजुरीची रक्कम (एकूण मजुरी प्रदानाशी टक्केवारी)<br>(₹ कोटींमध्ये) | गणना केलेली भरपाई | प्रदान भरपाई |
|---------|------------------------------------------------------|---------------------------------|------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|--------------|
| 2019-20 | 110.45                                               | 1,246.91                        | 2.44 (2)                                                               | 27.77 (2)                                                                                 | 0.09              | 0.07         |
| 2020-21 | 119.50                                               | 1,516.64                        | 3.83(3)                                                                | 48.09(3)                                                                                  | 0.45              | 0.26         |
| 2021-22 | 144.02                                               | 1,933.09                        | 8.21(6)                                                                | 102.59(5)                                                                                 | 2.52              | 1.24         |
| 2022-23 | 136.47                                               | 1,900.28                        | 13.57(10)                                                              | 183.50(10)                                                                                | 1.95              | 0.53         |
| 2023-24 | 204.72                                               | 3,007.30                        | 21.05(10)                                                              | 308.03(10)                                                                                | 3.27              | 0.02         |
| एकूण    | 715.16                                               | 9,604.22                        | 49.10(7)                                                               | 669.98(7)                                                                                 | 8.30              | 2.12         |

स्त्रोत: नरेगासॉफ्ट संकेतस्थळावरून डाऊनलोड केलेल्या (डिसेंबर 2024) विदाच्या आधारे संकलित

तक्ता 4.2 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान प्रदान करण्यात आलेल्या एकूण मजुरीच्या सरासरी सात टक्के मजुरी रक्कम विलंबाने देण्यात आली. विलंबाने मजुरी देण्याचं प्रमाण 2019- 20 मधील दोन टक्क्यांवरून 2023-24 मध्ये 10 टक्क्यांपर्यंत वाढले. लेखापरीक्षणात असेही निदर्शनास आले की, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान बीड जिल्ह्यात मजुरीच्या 37 टक्के रक्कम सर्वाधिक विलंबाने प्रदान करण्यात आली होती. 2021- 22 ते 2023-24 दरम्यान निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये सर्वाधिक विलंब अमरावती जिल्ह्यात झाला होता, जिथे 14 टक्के मजुरी विलंबाने दिली गेली होती, तर बुलढाणा हा राज्यातील एकमेव जिल्हा होता जिथे मजुरी प्रदान करण्यास विलंब झाला नव्हता.

लेखापरीक्षणात चाचणी-तपासणी केलेल्या 336 कामांपैकी 241 कामांमध्ये 23,583 लाभार्थ्यांना (3,917 हजेरी पटांमध्ये) मजुरी प्रदान करण्यास एक दिवस ते 857 दिवसांचा विलंब झाला होता, त्यापैकी 317 लाभार्थ्यांना प्रदान करण्यास सहा महिन्यांहून अधिक विलंब झाला होता.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद (मार्च/जून 2025) केले की, मजुरी प्रदानासाठी विलंब होण्यामागे आधार क्रमांकाचे नकाशन (मॅपिंग) न करणे, कार्यक्रम अधिकाऱ्यांच्या बदल्या आणि त्यानंतर डिजिटल स्वाक्षरी प्रमाणपत्राचे नूतनीकरण न होणे, कर्मचाऱ्यांची कमतरता, चुकीच्या आणि निष्क्रिय/बंद खात्यामुळे व्यवहार नामंजूर होणे अशी कारणे आहेत.

कार्यक्रम अधिकाऱ्यांच्या बदल्या आणि डिजिटल स्वाक्षरी प्रमाणपत्राचे नूतनीकरण न केल्यामुळे मजुरी देण्यास होणारा विलंब हा लिंक कार्यभार सांभाळणाऱ्या अधिकाऱ्यांकडून आधीच्या डिजिटल स्वाक्षरी प्रमाणपत्राची मुदत संपण्यापूर्वी त्याचे नूतनीकरण सुनिश्चित करून टाळता येण्याजोगा होता.

**तक्ता 4.2** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे मजुरी प्रदान करण्यास विलंब झाल्यामुळे नुकसान भरपाई देण्यात 2019-20 मधील ₹ 0.09 कोटीवरून 2023-24 मध्ये ₹ 3.27 कोटीपर्यंत वाढ झाली.

राज्यात 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मंजूर करण्यात आलेली व नाकारण्यात आलेली नुकसान भरपाई आणि अदा करण्यात आलेली नुकसान भरपाई **तक्ता 4.3** मध्ये दर्शविली आहे

**तक्ता 4.3: ऑक्टोबर 2024 अखेरीस मजुरी प्रदानास विलंब केल्याबद्दल नुकसान भरपाई**

| अनु.क्र.                                                                             | तपशील                                    | देय नुकसान भरपाई<br>(₹ लाखात) |
|--------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------|-------------------------------|
| 1                                                                                    | गणन केलेली नुकसान भरपाई                  | 829.64                        |
| 2                                                                                    | मंजूर नुकसान भरपाई                       | 225.49                        |
| 3                                                                                    | अद्याप पडताळणी करावयाची नुकसान भरपाई     | 16.27                         |
| 4                                                                                    | नाकारलेली नुकसान भरपाई (अ.क्र.1-2-3)     | 587.88                        |
| 5                                                                                    | मंजूर रकमेतून देण्यात आलेली नुकसान भरपाई | 212.03                        |
| 6                                                                                    | थकीत नुकसान भरपाई (क्र. 2-5)             | 13.46                         |
| <b>स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून डाऊनलोड केलेल्या (ऑक्टोबर 2024) विदाच्या आधारे संकलित</b> |                                          |                               |

या संदर्भात लेखापरीक्षणात खालील गोष्टी आढळून आल्या.

- **तक्ता 4.3** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे ₹ 225.49 लाखांची नुकसानभरपाई मंजूर करण्यात आली होती, त्यापैकी ₹ 212.03 लाख प्रदान करण्यात आले होते, तर ₹ 13.46 लाख प्रदान करणे बाकी होते. उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद केले (जून 2025) की, ₹ 13.46 लाख थकीत रकमेची पडताळणी करण्यात येत असून ती अदा केली जाईल. सप्टेंबर 2025 पर्यंत ₹ 13.96 लाख भरपाई प्रदाने थकीत होती.
- ₹ 587.88 लाख रक्कम (निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांतील ₹ 182.54 लाख सह) संयुक्त कार्यक्रम अधिकाऱ्यांनी नाकारली. नाकारण्यासाठी नरेगासॉफ्टमध्ये नोंदविण्यात आलेली दोन कारणे (i) नैसर्गिक आपत्ती (19.59 लाख मनुष्यदिवस) आणि (ii) अदेय नुकसान भरपाई (825.61 लाख मनुष्यदिवस) ही होती. मात्र, नरेगासॉफ्टमध्ये नमूद केलेल्या कारणांची सत्यता तपासण्यासाठी कोणतेही लेखापरीक्षण माग नव्हते.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद केले (मार्च 2025) की, मुख्य परिपत्रकातील परिच्छेद 9.8.3 मध्ये नैसर्गिक आपत्तीमुळे नुकसान भरपाई न देण्यास मान्यता देण्यात आली आहे. तर निधी उपलब्ध नसल्याने इतर नुकसानभरपाई नाकारली जाते त्यामुळे नुकसान भरपाई न देण्याचा पर्याय कार्यक्रम अधिकारी स्तरावर निवडला जातो. तथापि, विलंब नुकसान भरपाई नाकारलेल्या विशिष्ट प्रकरणांची नोंद ठेवण्याच्या सूचना सर्व कार्यक्रम अधिकाऱ्यांना दिल्या जातील. भारत सरकारच्या मुख्य परिपत्रकामध्ये नैसर्गिक आपत्तीमुळे नुकसान भरपाई न देण्यास मान्यता देण्यात आली आहे आणि निधी उपलब्ध नसल्यामुळे इतर नुकसानभरपाई

नाकारली जाते, हे उत्तर स्वीकाराह नाही कारण परिपत्रकाद्वारे जारी केलेल्या कोणत्याही निर्देशांपेक्षा महाराष्ट्र रोजगार हमी योजनेमधील तरतुदींना प्राधान्य दिले जाते. त्यामुळे कोणत्याही कारणास्तव नुकसान भरपाई नाकारण्यात आली असली तरी शासनाकडून मजुरी देण्यास विलंब होत असल्याने मजुरांना त्यांची कायदेशीर थकबाकी म्हणून नुकसानभरपाई देय होती.

- नुकसान भरपाई नाकारल्यावर मजुरांना नुकसान भरपाई दिली जात नाही. लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की कायद्यात अशी कोणतीही तरतूद नाही ज्याच्या आधारे मजुरांना देय नुकसान भरपाई नाकारली जाऊ शकते. त्यामुळे कोणत्याही कारणास्तव नुकसान भरपाई नाकारण्यात आली असली तरी शासनाकडून मजुरी देण्यास विलंब होत असल्याने मजुरांना त्यांची कायदेशीर थकबाकी म्हणून नुकसानभरपाई देय होती.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद (जून 2025) केले की, पदाधिकारी/कर्मचाऱ्यांमुळे विलंब झाला तरच विलंबाने नुकसान भरपाई दिली जाते आणि पदाधिकारी जबाबदार नसल्यास विलंबाने नुकसान भरपाई देण्याची तरतूद नाही. उत्तर स्वीकाराह नाही कारण मजुरी देण्यास विलंब झाल्यास मजुरी मागणाऱ्याला नुकसान भरपाई मिळण्याचा अधिकार आहे आणि विलंबास पदाधिकारी जबाबदार नसल्यास नुकसान भरपाई न देण्याची कोणतीही तरतूद महाराष्ट्र रोजगार हमी योजना कायद्यामध्ये नाही. सप्टेंबर 2025 पर्यंत, नाकारण्यात आलेली भरपाई ₹ 616.05 लाख इतकी होती.

- महाराष्ट्र रोजगार हमी योजनेच्या अनुसूची III च्या कलम 29 (1) (डी) नुसार देयकासाठी मंजूर केलेली नुकसान भरपाई पदाधिकाऱ्यांकडून वसूल करणे आवश्यक होते. लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान प्रदान करण्यात आलेल्या ₹ 2.12 कोटी नुकसान भरपाईपैकी ₹ 0.69 कोटी पदाधिकाऱ्यांकडून वसूल करण्यात आले, तर मे 2024 पर्यंत ₹ 1.43 कोटींची वसुली प्रलंबित होती. उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद (जून 2025) केले की, जबाबदार अधिकारी/कर्मचाऱ्यांकडून वसूल करावयाच्या रकमेची पडताळणी करून ₹ 1.43 कोटींची वसुली केली जाईल.
- **तक्ता 4.3** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे ₹ 16.27 लाख<sup>11</sup> नुकसानभरपाईची पडताळणी प्रलंबित होती. त्यामुळे, भारत सरकारने जारी केलेल्या मुख्य परिपत्रकानुसार, कार्यक्रम अधिकाऱ्याने नुकसान भरपाई देय झाल्यापासून 15 दिवसांच्या आत निकाली काढली जाण्याची सुनिश्चिती करणे आवश्यक असताना एक ते चार वर्षांहून अधिक काळ लोटल्यानंतरही कामगारांची वैध देय वितरित करण्यात आले नाही. उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी

<sup>11</sup> 2019-20: ₹ 0.99 लाख; 2020-21: ₹ 2.46 लाख; 2021-22: ₹ 2.85 लाख,  
2022-23: ₹ 0.83 लाख; 2023-24: ₹ 9.14 लाख

योजना) नमूद (जून 2025) केले की, रकमेची पडताळणी करून ती मंजूर करण्यात येईल. सप्टेंबर 2025 पर्यंत, पडताळणीसाठी प्रलंबित नुकसान भरपाई ₹ 30.07 लाख होती.

- महाराष्ट्र रोजगार हमी योजना कायद्याच्या अनुसूची III च्या परिच्छेद 29 नुसार नुकसानभरपाई देय झाल्यापासून ती अदा करण्यास पंधरा दिवसांच्या कालावधीपेक्षा अधिक विलंब झाल्यास नुकसान भरपाई देय होती. अशा नुकसानभरपाईची मोजणी करण्याची तरतूद नरेगासॉफ्टकडे नव्हती किंवा अशी नुकसानभरपाई देण्यास विलंब झाल्यास देय रकमेचा विचार राज्य शासनाने केलेला नाही, असे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले. उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद (जून 2025) केले की, नरेगासॉफ्टमध्ये तरतूद करण्याची विनंती ग्रामीण विकास मंत्रालयाला केली जाईल.

#### 4.11 मजुरीचे दायित्व

नरेगासॉफ्टमध्ये उपलब्ध माहितीनुसार, तक्ता 4.4 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान अकुशल मजुरीच्या प्रदानापोटी ₹ 35.32 कोटी इतकी रक्कम थकीत होती.

तक्ता 4.4: राज्यातील मजुरीचे प्रलंबित दायित्व

| वर्ष                                                                          | अकुशल मजुरी (₹ कोटीत) |
|-------------------------------------------------------------------------------|-----------------------|
| 2019-20                                                                       | 2.39                  |
| 2020-21                                                                       | 2.71                  |
| 2021-22                                                                       | 6.29                  |
| 2022-23                                                                       | 7.04                  |
| 2023-24                                                                       | 16.89                 |
| एकूण                                                                          | 35.32                 |
| स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून डाउनलोड केलेल्या (ऑक्टोबर 2024) विदाच्या आधारे संकलित |                       |

तक्ता 4.4 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान ₹ 35.32 कोटी ऑक्टोबर 2024 पर्यंत थकीत होते, त्यापैकी ₹ 18.43 कोटी एक ते चार वर्षांच्या कालावधीसाठी थकीत होते. निवडलेल्या जिल्ह्यांमध्ये 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान ₹ 4.04 कोटी थकीत होते. तसेच, चाचणी-तपासणी केलेल्या 336 कामांपैकी 49 कामांमध्ये 510 कामगारांना ₹ 7.09 लाख मजुरी प्रदान करण्यात आली नव्हती.

अकुशल कामगारांच्या थकीत मजुरीची जिल्हा-निहाय स्थिती परिशिष्ट 4.1 मध्ये दर्शविली आहे. परिशिष्टामध्ये दर्शविल्याप्रमाणे बीड जिल्ह्यात सर्वाधिक ₹ 14.81 कोटी थकीत मजुरी होती. मजुरीचे प्रदान न केल्याने ग्रामीण भारतात राहणाऱ्या दुर्बल लोकांना सामाजिक संरक्षण देण्याचे योजनेचे अंतिम उद्दिष्ट विफल ठरते.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद (मार्च 2025) केले की, शक्य तितक्या लवकर प्रदान केले जाईल.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, 2019-20 ते 2023-24, या कालावधीसाठी दायित्व ऑक्टोबर 2024 मधील ₹ 35.32 कोटी वरून सप्टेंबर 2025 पर्यंत ₹ 14.04 कोटी पर्यंत कमी झाली. त्यापैकी ₹ 13.12 कोटी परिच्छेद 4.12 मध्ये चर्चित्याप्रमाणे नाकारलेले व्यवहार आणि बँक प्रतिसाद प्रलंबित असल्यामुळे प्रलंबित होते.

#### 4.12 सक्रीय कामगारांचे आधार क्रमांक त्यांच्या बँक खात्यासोबत न जोडणे

या योजनेतर्गत थेट लाभ हस्तांतरणाद्वारे मजुरांचे पैसे मजुरांच्या खात्यात जमा केले जातात. पण आधार आधारित प्रदाने करण्यासाठी बँकांनी नॅशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडियाच्या नकाशकावर (मॅपर) आधार जोडणी (सीडिंग) आणि त्याचे नकाशन करणे आवश्यक आहे.

ग्रामीण विकास मंत्रालयाने वेळोवेळी जारी केलेल्या मुख्य परिपत्रकानुसार आधार आधारित प्रदानांसाठी खालील थेट लाभ हस्तांतरण धोरण अवलंबले जाणार होते.

- नरेगासॉफ्टमधील सर्व सक्रिय कामगारांसाठी सर्व महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना कामगारांची आधार अंतर्गत नोंदणी आणि बँक खात्याशी आधार क्रमांक जोडणे आवश्यक आहे.
- कार्यक्रम अधिकाऱ्याद्वारे विशिष्ट ओळख (युआयडी) माहिती हाताळून तपासणी दरम्यान जनसांख्यिकीय प्रमाणीकरणात अपयशी ठरलेल्या सर्व आधार क्रमांकांची प्रत्यक्ष पडताळणी करणे.
- सर्व सक्रिय कामगारांच्या खात्यांची पडताळणी व पुष्टीकरण त्यांना संबंधित बँकेत पाठवून करणे.
- बँक खात्यांमध्ये सत्यापित आधार क्रमांक जोडणे आणि आधार आधारित प्रदानांसाठी नॅशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडियाच्या नकाशकावर ठेवणे.

नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना), महाराष्ट्र शासनाने जानेवारी 2023 मध्ये जारी केलेल्या परिपत्रकाद्वारे सक्रिय जॉब कार्डच्या 100 टक्के आधार जोडणीवर विशेष लक्ष देण्याची आवश्यकता व्यक्त केली होती.

निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये ऑक्टोबर 2024 पर्यंत केलेल्या आधार जोडणीची स्थिती तक्ता 4.5 मध्ये दर्शविली आहे.

तक्ता 4.5: ऑक्टोबर 2024 पर्यंत राज्य आणि निवडलेल्या जिल्ह्यांमधील सक्रिय कामगारांची आधार जोडणी आणि नॅशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडियाच्या नकाशनाची स्थिती

| निवडलेल्या जिल्ह्याचे नाव                                                     | सक्रिय कामगारांची एकूण संख्या | सक्रिय कामगारांची आधार जोडणी पूर्ण | आधार जोडणी पूर्ण झाल्याची टक्केवारी | भारतीय विशिष्ट ओळख प्रमाणीकरण सत्यापन पूर्ण | नॅशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडियाचे नकाशन पूर्ण | नॅशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडियाच्या नकाशनाची टक्केवारी पूर्ण |
|-------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------|------------------------------------|-------------------------------------|---------------------------------------------|---------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------|
| अहिल्यानगर                                                                    | 2,59,614                      | 2,58,415                           | 99.54                               | 2,57,206                                    | 2,41,669                                          | 93.09                                                            |
| अमरावती                                                                       | 3,73,837                      | 3,66,687                           | 98.09                               | 3,60,497                                    | 3,42,407                                          | 91.59                                                            |
| छत्रपती संभाजीनगर                                                             | 4,44,336                      | 4,36,588                           | 98.26                               | 4,24,331                                    | 4,08,649                                          | 91.97                                                            |
| धाराशिव                                                                       | 1,31,275                      | 1,26,498                           | 96.36                               | 1,21,911                                    | 1,14,357                                          | 87.11                                                            |
| नागपूर                                                                        | 1,65,406                      | 1,65,092                           | 99.81                               | 1,63,637                                    | 1,52,394                                          | 92.13                                                            |
| पालघर                                                                         | 2,47,783                      | 2,46,842                           | 99.62                               | 2,40,987                                    | 2,24,733                                          | 90.70                                                            |
| <b>एकूण</b>                                                                   | <b>16,22,251</b>              | <b>16,00,122</b>                   | <b>98.64</b>                        | <b>15,68,569</b>                            | <b>14,84,209</b>                                  | <b>91.49</b>                                                     |
| राज्याची एकंदर स्थिती                                                         | 72,73,401                     | 71,58,175                          | 98.42                               | 70,37,337                                   | 66,65,348                                         | 91.64                                                            |
| स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून डाऊनलोड केलेल्या (ऑक्टोबर 2024) विदाच्या आधारे संकलित |                               |                                    |                                     |                                             |                                                   |                                                                  |

तक्ता 4.5 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे राज्यातील 98.42 टक्के सक्रिय मजुरांचे आधार क्रमांक व बँक खाते यांची जोडणी पूर्ण झाली आहे. निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये आधार क्रमांक व बँक खाते जोडणीचे प्रमाण 96.36 टक्के ते 99.81 टक्के इतके आहे.

राज्यात 91.64 टक्के सक्रिय कामगारांचे नॅशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडियाचे नकाशन पूर्ण झाले होते. निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये नॅशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडियाचे नकाशन 87.11 टक्के ते 93.09 टक्के आहे.

उत्तरात, आयुक्तांनी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) नमूद (मार्च 2025) केले की, सर्व सक्रिय कामगारांचे 100 टक्के आधार क्रमांक बँक खात्याशी जोडणे आणि नॅशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडियाचे नकाशन यासाठी राज्य शासन प्रयत्नशील आहे.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की सप्टेंबर 2025 पर्यंत राज्यातील 99.33 टक्के सक्रिय कामगारांचे आधार क्रमांक जोडणी पूर्ण झाली होती, तर 96.43 टक्के सक्रिय कामगारांचे नॅशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडियाचे नकाशन पूर्ण झाले होते.

आधार आधारित प्रदानांसाठी आधार जोडणीमध्ये राज्य शासनाने भरीव प्रगती केली असली, तरी तक्ता 4.6 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे मजुरी प्रदानासाठी मोठ्या संख्येने नाकारलेले व्यवहार राज्यात प्रलंबित होते.



तक्ता 4.6 : ऑक्टोबर 2024 पर्यंत प्रलंबित मजुरी वितरण

| वर्ष                                                                          | वितरण प्रलंबित असलेली मजुरी                                  |                                                                   |                                                                  |                                                          |                                     |                               |
|-------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|-------------------------------------|-------------------------------|
|                                                                               | पुनरुज्जीवन प्रलंबित असलेल्या नाकारलेल्या व्यवहारांची संख्या | पुनरुज्जीवन प्रलंबित व्यवहारांमध्ये गुंतलेली रक्कम (₹ लाखांमध्ये) | बँकेचा प्रतिसाद प्रलंबित असलेल्या नाकारलेल्या व्यवहारांची संख्या | नाकारलेल्या व्यवहारांमध्ये गुंतलेली रक्कम (₹ लाखांमध्ये) | नाकारलेल्या व्यवहारांची एकूण संख्या | गुंतलेली रक्कम (₹ लाखांमध्ये) |
| 1                                                                             | 2                                                            | 3                                                                 | 4                                                                | 5                                                        | 6                                   | 7                             |
| 2019-20                                                                       | 0                                                            | 0                                                                 | 19,766                                                           | 232.39                                                   | 19,766                              | 232.39                        |
| 2020-21                                                                       | 13                                                           | 0.21                                                              | 16,641                                                           | 223.55                                                   | 16,654                              | 223.76                        |
| 2021-22                                                                       | 128                                                          | 1.82                                                              | 40,858                                                           | 580.43                                                   | 40,986                              | 582.25                        |
| 2022-23                                                                       | 197                                                          | 2.61                                                              | 44,675                                                           | 666.27                                                   | 44,872                              | 668.88                        |
| 2023-24                                                                       | 2,014                                                        | 29.55                                                             | 1,26,245                                                         | 1,930.96                                                 | 1,28,259                            | 1,960.51                      |
| एकूण                                                                          | 2,352                                                        | 34.19                                                             | 2,48,185                                                         | 3,633.60                                                 | 2,50,537                            | 3,667.79                      |
| स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून डाऊनलोड केलेल्या (ऑक्टोबर 2024) विदाच्या आधारे संकलित |                                                              |                                                                   |                                                                  |                                                          |                                     |                               |

तक्ता 4.6 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे ₹ 36.68 कोटी मजुरी प्रदान करावयाचे 2.51 लाख व्यवहार हे चुकीचे खाते क्रमांक, बंद खाते, अवरोधित किंवा गोठवलेले खाते, आधार क्रमांक निष्क्रिय करणे आदी कारणांमुळे फेटाळण्यात आले होते. ₹ 36.68 कोटींपैकी ₹ 17.07 कोटी एक वर्ष ते चार वर्षांपासून प्रलंबित होते. निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये ₹ 4.93 कोटी मजुरी अंतर्भूत असलेले 35,340 व्यवहार फेटाळण्यात आले. या नाकारण्यात आलेल्या व्यवहारांवरील वितरण एकतर पुनरुज्जीवनासाठी<sup>12</sup> (निधी हस्तांतरण आदेश तयार करणे) प्रलंबित होते किंवा पुनरुज्जीवित केले गेले असले तरी बँकेच्या प्रतिसादासाठी<sup>13</sup> प्रलंबित होते.

उत्तरात, सहाय्यक संचालक (लेखा) (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद (जून 2024) केले की, तांत्रिक व इतर कारणांमुळे म्हणजेच लाभार्थ्यांचा चुकीचा खाते क्रमांक आदी कारणांमुळे बँकांनी व्यवहार नाकारले. शिवाय, 2023-24 मध्ये भारत सरकारकडून अधूनमधून निधी मुक्त करण्यात आल्यामुळे मोठ्या प्रमाणात व्यवहार नाकारले गेले. तथापि, व्यवहारांना नकार कमी करण्यासाठी नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना), महाराष्ट्र शासन यांनी (ऑगस्ट 2021) मानक कार्यचालन पद्धती जारी केली आणि जानेवारी 2023 मध्ये जारी केलेल्या परिपत्रकाद्वारे नाकारलेल्या व्यवहारांबाबत प्रत्येक स्तरावरील अधिकाऱ्यांची जबाबदारी निश्चित करण्यात आली.

लेखापरीक्षणाच्या असे निदर्शनास आले की सप्टेंबर 2025 पर्यंत 2019-20 ते 2023- 24 या कालावधीसाठी एकूण प्रलंबित नाकारलेले व्यवहार 87,679 पर्यंत कमी होऊन त्यात ₹ 13.12 कोटी समाविष्ट होते.

<sup>12</sup> पुनरुज्जीवित म्हणजे निधी हस्तांतरण आदेश तयार करणे.

<sup>13</sup> प्रलंबित बँक प्रतिसाद म्हणजे व्यवहाराच्या यश किंवा अपयशाची पोचपावती बँकांकडून प्रतीक्षेत आहे.

#### 4.13 हजेरीपट

या योजनेतर्गत मजुरांची उपस्थिती हजेरीपटावर घेतली जाते. प्रत्येक हजेरीपटामध्ये कामासाठी अर्ज केलेल्या मजुरांच्या यादीसह नरेगासॉफ्टने इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने तयार केलेला एक विशिष्ट ओळख क्रमांक असतो. ग्राम रोजगार सहाय्यकातर्फे दररोज हजेरी नोंदवून कामाच्या ठिकाणी हजेरीपट राखले जातात. कामगाराला देय असलेली दर दिवसाची मजुरी तांत्रिक सहाय्यकाद्वारे मापन पुस्तिकेतील कामाच्या मूल्यावर (कामाचे प्रमाण आणि राज्याच्या दरपत्रकानुसार दर विचारात घेऊन कामाचे मूल्य निश्चित केले गेले होते) आणि कामाच्या अंमलबजावणीसाठी वापरल्या गेलेल्या व्यक्तीदिवसांवर आधारित ठरवले जाते. मोजमाप पुस्तिकेत नोंद असलेल्या कामगाराला देय असलेली रोजची मजुरीही हजेरीपटामध्ये नोंदवली जाते. हजेरीपट बंद झाल्यानंतर, दर आठवड्याच्या शेवटी, मजुर हजेरीपटावर स्वाक्षरी करतात आणि नंतर नरेगासॉफ्टमधील इलेक्ट्रॉनिक हजेरीपटामध्ये उपस्थिती आणि मजुरी दर प्रविष्ट करण्यासाठी कार्यक्रम अधिकाऱ्यांकडे पाठविले जातात. जानेवारी 2023 पासून वैयक्तिक लाभार्थी योजना/प्रकल्प वगळता इतर सर्व कामांच्या संदर्भात एका दिवसात कामांचे दोन समय शिकवे (टाईम स्टॅम्प) आणि भू-स्थानिक जोडणी(जिओ- टॅग) केलेली छायाचित्रे असलेल्या मोबाइल उपयोजनाद्वारे (नॅशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टीम) कामाच्या ठिकाणी उपस्थिती नोंदविण्यास सुरुवात झाली.

##### 4.13.1 हजेरीपट/मोजमाप पुस्तिका यामधील विसंगती

निवडलेल्या 336 कामांच्या संदर्भातील हजेरीपट/मोजमाप पुस्तिकांची छाननी केली असता विविध विसंगती आढळून आल्या.

- नऊ हजेरीपटांमध्ये (जिल्हा: छत्रपती संभाजीनगर, ग्राम पंचायत: गेवराई कुबेर) 11 कामगारांची 66 दिवसांची उपस्थिती हजर वरून गैरहजर करण्यात आली होती किंवा कोणत्याही कारणाशिवाय ग्राम रोजगार सेवकाची नोंद व स्वाक्षरी न घेता रद्द करण्यात आली होती.
- सात हजेरीपटांमध्ये (जिल्हा: अमरावती, ग्राम पंचायत: इतकी शिवार (बु); जिल्हा: छत्रपती संभाजीनगर, ग्राम पंचायत: गेवराई कुबेर) 199 मनुष्यदिवस नोंदविण्यात आले असताना इलेक्ट्रॉनिक हजेरी पटामध्ये 143 मनुष्यदिवसांची नोंद करण्यात आल्याने 32 कामगारांना ₹ 14,221 मजुरी कमी देण्यात आली. त्याचप्रमाणे 16 हजेरीपटांमध्ये (जिल्हा: अमरावती, ग्राम पंचायत: इतकी शिवार(बु, हिंगणी, मिर्झापूर) मानवी/हस्तलिखित हजेरीपटामध्ये नोंद असलेले 508 मनुष्यदिवस इलेक्ट्रॉनिक हजेरीपटामध्ये 574 मनुष्यदिवस म्हणून नोंदविण्यात आल्याने 102 कामगारांना ₹ 15,807 चे अतिरिक्त प्रदान करण्यात आले.
- एका हजेरीपटामध्ये (जिल्हा: छत्रपती संभाजीनगर, ग्राम पंचायत: गेवराई कुबेर) हजेरीपटानुसार एक कामगार गैरहजर असला तरी तो इलेक्ट्रॉनिक हजेरी

पटामध्ये हजर म्हणून समाविष्ट करण्यात आला होता आणि जून 2023 मध्ये ₹ 1,638 चे त्यास मजुरी प्रदान करण्यात आले होते.

- चार हजेरीपटावरील 156 मनुष्यदिवसांऐवजी, 186 मनुष्यदिवसांचा विचार करून कामगारांना देय असलेली रोजची मजुरी मोजमाप पुस्तिकेमध्ये गणन करण्यात आली, परिणामी 17 कामगारांना ₹ 8,112 इतकी कमी मजुरी देण्यात आली.

वरील विसंगतींमुळे मजुरांना मजुरी वितरणासाठी असलेल्या इलेक्ट्रॉनिक हजेरीपटामध्ये अचूक उपस्थिती नमूद करणे आणि मजुरी दराची योग्य नोंद घेणे यासाठी विभागात पुरेसे अंतर्गत नियंत्रण नसल्याचे दिसून आले.

निर्गमन बैठकीमध्ये आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी अंतर्गत नियंत्रण बळकट करण्यासाठी आढावा घेऊन कार्यवाही करण्याचे मान्य केले.

#### 4.13.2 काम पूर्ण झाल्यानंतर हजेरीपट निर्मिती

निवडलेल्या 336 कामांमध्ये समाविष्ट असलेल्या प्रधानमंत्री आवास योजनेच्या कामांच्या 67 हजेरीपटांचे लेखापरीक्षणाने तपासणी केली. याव्यतिरिक्त, लेखापरीक्षणाने निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींमधील 441 प्रधानमंत्री आवास योजनेच्या कामांच्या (यादृच्छिक आधारावर निवडलेल्या) हजेरीपटांची देखील छाननी केली. प्रधानमंत्री आवास योजनेच्या 508 कामांची लेखापरीक्षणात छाननी करण्यात आली. नरेगासॉफ्ट आणि आवाससॉफ्ट पोर्टलमध्ये प्रधानमंत्री आवास योजनेच्या कामासाठी समान कार्य कोड दिला जातो. आवाससॉफ्ट पोर्टलवरील काम पूर्ण झाल्याच्या तारखेची तपासणी केली गेली आणि समान कार्य संहिता असलेल्या या 508 प्रधानमंत्री आवास योजनेच्या कामांच्या संदर्भात नरेगासॉफ्टमध्ये हजेरीपट तयार करण्याच्या तारखांशी तुलना केली गेली. तुलनेतून असे निदर्शनास आले की, 508 कामांपैकी 389 कामांमध्ये प्रधानमंत्री आवास योजनेअंतर्गत काम पूर्ण झाल्याच्या तारखेनंतर हजेरीपट तयार करण्यात आल्याचे या आहे. 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत या 389 कामांसाठी ₹ 51.82 लाख इतका देय रकमेचा खरेपणा संशयास्पद होता.

उत्तरात, आयुक्त (मनरेगा) (जून 2025) म्हणाले की, काम पूर्ण होण्याच्या तारखेपूर्वी किंवा काटेकोरपणे हजेरीपट वेळेवर तयार आणि सत्यापित केले जातील याची खात्री करण्यासाठी सूचना देण्यात आल्या आहेत.

#### निष्कर्ष

निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींपैकी 47 ग्राम पंचायतींमध्ये, जॉब कार्डसाठी अर्ज नोंदवही एकतर ठेवली गेली नाही किंवा अद्ययावत केली गेली नाही. नोंदणीकृत सदस्यांची छायाचित्रे नसणे आणि कामाच्या मागणीचा तपशील नोंदविण्यात अयशस्वी होणे यासह जॉब कार्ड देखभालीतील त्रुटी आढळल्या. याव्यतिरिक्त, निवडलेल्या ग्राम पंचायतींमधील नोंदणीकृत कुटुंबांपैकी, 91 टक्के नोंदणीकृत कुटुंबांना जानेवारी 2025 पर्यंत जॉब कार्डस

देण्यात आली आणि 2019-20 आणि 2023-24 दरम्यान 52 टक्के नोंदणीकृत कुटुंबांना जॉब कार्ड्स देण्यास विलंब झाला. शिवाय, अशा विसंगती टाळण्यासाठी नरेगासॉफ्ट प्रणालीमध्ये तपासणीचा अभाव असल्यामुळे निवडलेल्या 44 ग्राम पंचायतींमध्ये दुबार जॉब कार्ड्स जारी केल्याची उदाहरणे निदर्शनास आली.

महिला, वृद्ध, अपंग आणि दुर्बल आजार असलेल्या लोकांसाठी स्वतंत्र दरपत्रक राज्य शासनाने तयार केले नव्हते. काळ, काम आणि वेगाच्या अभ्यासावर आधारित तयार केलेल्या दरांचे वेळापत्रक राज्य शासनाकडे मंजूर होणे बाकी होते.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत सरासरी सात टक्के मजुरी विलंबाने दिली गेली. ₹ 5.88 कोटी नुकसान भरपाईचे दावे संयुक्त कार्यक्रम अधिकाऱ्यांनी नैसर्गिक आपत्ती आणि अस्वीकारार्हता यांचे कारण देऊन नाकारले, जरी महाराष्ट्र रोजगार हमी कायद्यात नाकारण्याची अशी कोणतीही तरतूद नव्हती. तसेच, नुकसान भरपाईचे वितरण करण्यास विलंब झाल्यास देखील नुकसान भरपाई देय होती; मात्र अशा भरपाईची गणना करण्यासाठी नरेगासॉफ्टमध्ये कार्यात्मकता नवती किंवा राज्य शासनाने देय रकमेचे मूल्यांकन करून देय रक्कम मुक्त केली नव्हती. याव्यतिरिक्त, ऑक्टोबर 2024 पर्यंत ₹ 35.32 कोटी मजुरी देण्यात आली नव्हती, जी वेळेवर मजुरी आणि नुकसान भरपाईच्या वितरणातील पद्धतशीर कमतरता दर्शवते.

प्रधानमंत्री आवास योजनेतर्गत अभिसरण कामांच्या लेखापरीक्षण छाननीत असे निदर्शनास आले की प्रधानमंत्री आवास योजनेची कामे पूर्ण होण्याच्या नोंदलेल्या तारखेनंतरही निवडलेल्या 48 ग्राम पंचायतींमध्ये हजेरी पटाची अनियमित निर्मिती झाली आहे. हे हजेरीपट निर्मितीतील कमकुवत संनियंत्रण दर्शविते.

### शिफारशी

**शिफारस क्र. 3:** शासनाने महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमात नमूद केलेल्या विहित कालावधीत जॉबकार्ड्स देण्याचे निर्देश सर्व ग्राम पंचायतींना द्यावे तसेच नोंदणीकृत दुबार जॉबकार्ड्स वगळण्यासाठी त्वरित कार्यवाही करावी.

**शिफारस क्र. 4:** शासनाने महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमातील तरतुदीनुसार बेरोजगारी भत्ता व मजुरी देण्यास विलंब झाल्यास नुकसान भरपाई देण्याची सुनिश्चिती करावी.

**शिफारस क्र. 5:** शासनाने संनियंत्रण बळकट करावे आणि प्रधानमंत्री आवास योजनेतर्गत कामांच्या पूर्ण होण्याच्या तारखेनंतर हजेरीपट तयार करणे रोखण्यासाठी योग्य यंत्रणा तयार करावी.



**प्रकरण V**

**कामांची अंमलबजावणी**



## प्रकरण V

### कामांची अंमलबजावणी

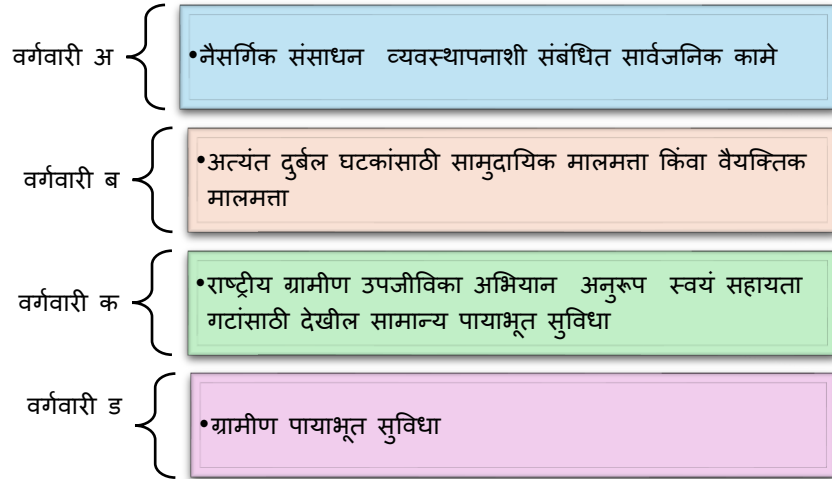
#### 5.1 कामांची अंमलबजावणी

ग्रामीण भागातील प्रत्येक कुटुंबाला मागणीनुसार एका आर्थिक वर्षात 100 दिवसांचा हमी रोजगार उपलब्ध करून देणे, परिणामी विहित गुणवत्तेची आणि टिकाऊ उत्पादक मालमत्ता निर्माण करणे आणि गरिबांच्या उपजीविकेचा स्रोत आधार बळकट करणे हे या योजनेचे मूलभूत उद्दिष्ट आहे.

ही योजना टिकाऊ, स्थानिक पातळीवर संबंधित आणि समाजासाठी हितकारक मालमत्ता तयार करण्यावर लक्ष केंद्रित करते. उपयुक्त मालमत्ता निर्मितीला प्राधान्य देऊन ही योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत करते, कृषी उत्पादकता वाढवते आणि शाश्वत विकासास मदत करते, ज्यामुळे ग्रामीण परिवर्तन आणि सामाजिक उन्नतीसाठी हे एक महत्वपूर्ण साधन बनते. अमूर्त, मोजण्याजोगी नसलेली आणि पुनरावृत्ती स्वरूपाची कामे या योजनेतर्गत समाविष्ट करता येणार नाहीत.

#### 5.2 कामांची वर्गवारी

या योजनेचा भर खालील चार वर्गवारींमध्ये विभागलेल्या कामांवर केंद्रीत आहे.



या योजनेतर्गत या चार श्रेणींची 266 प्रकारच्या अनुज्ञेय कामांमध्ये विभागणी करण्यात आली.

#### 5.3 राज्यातील व निवडलेल्या जिल्ह्यांतील कामांची स्थिती

राज्यात 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मंजूर झालेल्या कामांची स्थिती तक्ता 5.1 मध्ये दर्शविली आहे.



तक्ता 5.1: 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मंजूर झालेल्या कामांची स्थिती

| वर्ष    | मंजूरी मिळालेली नवीन कामे | पूर्ण झालेल्या कामांची संख्या (टक्के) | पूर्ण झालेल्या कामांवर झालेला खर्च (₹ कोटीत) | अपूर्ण कामांची संख्या (टक्के) | अपूर्ण कामांवर झालेला खर्च (₹ कोटीत) | सुरू न झालेल्या कामांची संख्या (टक्के) |
|---------|---------------------------|---------------------------------------|----------------------------------------------|-------------------------------|--------------------------------------|----------------------------------------|
| 2019-20 | 3,20,636                  | 2,61,584 (82)                         | 1,158.87                                     | 13,851(4)                     | 137.80                               | 45,201(14)                             |
| 2020-21 | 4,57,873                  | 3,70,655(81)                          | 1,204.16                                     | 26,827(6)                     | 260.62                               | 60,391(13)                             |
| 2021-22 | 5,28,983                  | 3,20,039(61)                          | 1,913.59                                     | 66,098(12)                    | 764.23                               | 1,42,846(27)                           |
| 2022-23 | 5,08,623                  | 2,28,844(45)                          | 1,244.87                                     | 1,30,094(26)                  | 1,213.86                             | 1,49,685(29)                           |
| 2023-24 | 7,56,314                  | 1,77,428(23)                          | 1,204.16                                     | 2,66,516(35)                  | 2,984.51                             | 3,12,370(41)                           |
| एकूण    | 25,72,429                 | 13,58,550 (52.81)                     | 6,725.65                                     | 5,03,386 (19.57)              | 5,361.02                             | 7,10,493 (27.62)                       |

स्त्रोत: आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी मार्च 2025 मध्ये सादर केलेली माहिती

2019-20 ते 2023-24 दरम्यान सहा जिल्ह्यांमध्ये मंजूर झालेल्या कामांची स्थिती तक्ता 5.2 मध्ये दर्शविली आहे.

तक्ता 5.2: 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांतील मंजूर कामांची स्थिती

| वर्ष    | मंजूरी मिळालेली नवीन कामे | पूर्ण झालेल्या कामांची संख्या (टक्के) | अपूर्ण कामांची संख्या (टक्के) | अपूर्ण कामांवर झालेला खर्च (कोटीत) | सुरू न झालेल्या कामांची संख्या (टक्के) |
|---------|---------------------------|---------------------------------------|-------------------------------|------------------------------------|----------------------------------------|
| 2019-20 | 79,509                    | 64,949(82)                            | 2,922(4)                      | 31.28                              | 11,638(15)                             |
| 2020-21 | 89,404                    | 70,552(79)                            | 4,967(6)                      | 75.60                              | 13,885(16)                             |
| 2021-22 | 95,717                    | 60,252(63)                            | 14,482(15)                    | 209.60                             | 20,983(22)                             |
| 2022-23 | 1,06,073                  | 51,883(49)                            | 28,345(27)                    | 327.27                             | 25,845(24)                             |
| 2023-24 | 1,96,571                  | 42,045(21)                            | 73,571(37)                    | 898.99                             | 80,955(41)                             |
| एकूण    | 5,67,274                  | 2,89,681(51)                          | 1,24,287(22)                  | 1,408.74                           | 1,53,306(27)                           |

स्त्रोत: आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी मार्च 2025 मध्ये सादर केलेली माहिती

### 5.3.1 अपूर्ण कामे

तक्ता 5.1 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे ज्यात 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मंजूर झालेली 5.03 लाख (19.57 टक्के) कामे मार्च 2025 पर्यंत अपूर्ण होती, त्यापैकी 1.07 लाख (21 टक्के) कामे तीन वर्षांहून<sup>1</sup> अधिक काळ प्रलंबित होती. अपूर्ण कामे प्रामुख्याने वैयक्तिक लाभार्थ्यांना<sup>2</sup> सिंचन सुविधा पुरविणे, दुष्काळ निवारणाची कामे, ग्रामीण रस्ते जोडणीची कामे आदींशी संबंधित आहेत. तसेच 2005-06 ते 2018-19 या कालावधीतील 3.03 लाख कामे अपूर्ण आहेत. त्यामुळे 8.06 लाख कामे अपूर्ण होती.

<sup>1</sup> योजनेतर्गत हाती घेतलेली कामे पूर्ण करण्याचा कमाल कालावधी तीन वर्षांचा होता.

<sup>2</sup> या योजनेतर्गत अनुसूचित जाती, अनुसूचित जमाती, भटक्या जमाती, अधिसूचित जमाती इत्यादींशी संबंधित व्यक्तींच्या मालकीच्या जमिनींवर विहीर बांधणे, गुरांसाठी शेड बांधणे, शेत तळी बांधण्यासाठी, रेशीम किड्यांची शेती, फळझाडांची लागवड करणे इत्यादी कामे.

चाचणी तपासणी केलेल्या सहा जिल्ह्यांत (तक्ता 5.2) 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मंजूर झालेली 1.24 लाख (22 टक्के) कामे मार्च 2025 पर्यंत अपूर्ण होती, त्यापैकी 0.22 लाख कामे (18 टक्के) तीन वर्षांहून अधिक काळ प्रलंबित होती.

चाचणी तपासणी केलेल्या 336 कामांचे अभिलेखे पडताळले असता डिसेंबर 2017 ते मार्च 2023 दरम्यान सुरु झालेली ₹ 244.76 लाखांची 64 कामे (19 टक्के) पूर्ण होणे प्रलंबित असल्याचे निदर्शनास आले. या 336 कामांपैकी 39 कामे (12 टक्के) ज्यावर ₹ 1.64 कोटी खर्च झाले आहेत, ती गेल्या 12 महिन्यांपासून ते पाच वर्षांपासून स्थगित असल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले.

उप जिल्हाधिकारी, छत्रपती संभाजी नगर, यांनी नमूद केले की (ऑगस्ट 2024), बहुतेक अपूर्ण कामांवरील खर्च मंजूर झालेल्या खर्चाच्या 30 टक्क्यांपेक्षा कमी होता आणि म्हणूनच नरेगासॉफ्टमध्ये बंद करता येत नाहीत. काही कामे भौतिकदृष्टीने पूर्ण झाली असली तरी मालाची देयके थकीत असल्याने कामे सुरु असल्याचे दर्शविण्यात येते. उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (जून 2025) की, राज्य शासनाच्या निर्देशानुसार (मे 2025) कामे मुदतीत पूर्ण करण्याच्या सूचना जिल्ह्यांना देण्यात आल्या आहेत.

(i) अपूर्ण कामांमध्ये फलोत्पादन कार्यक्रमांतर्गत हाती घेतलेली कामेही समाविष्ट आहेत जी वैयक्तिक लाभार्थ्यांचे<sup>3</sup> उत्पन्न वाढविण्यासाठी आणि त्यांचे राहणीमान उंचाविण्याच्या उद्देशाने हाती घेतली होती. 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांपैकी चार<sup>4</sup> जिल्ह्यांत मंजुरी मिळालेल्या 28,583 फलोत्पादन कार्यक्रमांपैकी 15,009 (52 टक्के) कामे अपूर्ण होती. तसेच, या निवडलेल्या चार जिल्ह्यांत 2019-20 ते 2020-21 दरम्यान 12,218 मंजुरी मिळालेल्या कामांपैकी 4,098 कामे (34 टक्के) कार्यक्रम तीन वर्षांसाठी असून 2023-24 पर्यंत पूर्ण होणे आवश्यक होते तरी अपूर्ण होती.

उप जिल्हाधिकारी (रोजगार हमी योजना), अमरावती यांनी अपूर्ण कामांना तांत्रिक अडचण आणि अकुशल मजुरी व साहित्य घटकांची प्रलंबित देयके कारणीभूत असल्याचे नमूद केले (जून 2025), तर जिल्हा अधीक्षक कृषी अधिकारी, छत्रपती संभाजी नगर (ऑगस्ट 2024) आणि उप जिल्हाधिकारी (रोजगार हमी योजना), धाराशिव (जून 2025) यांनी साहित्य घटकांसाठीच्या प्रलंबित देयकामुळे काम अपूर्ण असल्याचे नमूद केले.

जिल्हा अधीक्षक कृषी अधिकारी, अमरावती व छत्रपती संभाजी नगर आणि उप जिल्हाधिकारी (रोजगार हमी योजना) धाराशिव यांनी नमूद केले की (ऑगस्ट 2025

<sup>3</sup> लाभार्थी म्हणजे उपेक्षित व दुर्बल घटकांपैकी ग्रामीण कुटुंबे (अनुसूचित जाती/ अनुसूचित जमाती/ दारिद्रेषेखालील/ दोन एकरहून कमी जमीन असलेले छोटे शेतकरी) ज्यांची स्वतःच्या मालकीची जमीन आहे आणि लागवड करून तीन ते पाच वर्षांच्या आवश्यक कालावधीसाठी देखरेख करण्यासाठी ते उत्सुक आहेत.

<sup>4</sup> पालघर आणि नागपूर या दोन जिल्ह्यांनी माहिती सादर केली नाही.

व जून 2025), ₹ 17.92 कोटी खर्च झालेली 3,474 कामे<sup>5</sup> बंद करण्यासाठी प्रस्तावित होती.

अश्या रितीने, चार जिल्ह्यांतील अपूर्ण कामांचा परिणाम म्हणजे लाभार्थ्यांचे आर्थिक उत्पन्न व राहणीमान उंचावण्यासाठी आवश्यक अशी टिकाऊ मालमता निर्माण होऊ शकली नाही. याशिवाय, छत्रपती संभाजी नगर, धाराशिव आणि अमरावती जिल्ह्यातील बंद करण्यासाठी प्रस्तावित असलेल्या 3,474 अपूर्ण कामांवर झालेला ₹ 17.92 कोटींचा खर्च निष्फळ ठरणार आहे.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की (जून 2025), सध्या सुरू असलेली सर्व कामे प्राधान्याने पूर्ण करण्यासाठी सर्व सहकार्यक्रम अधिकारी, कार्यक्रम तांत्रिक अधिकारी आणि इतर अधिकाऱ्यांची आढावा बैठक घेण्यात येईल.

### 5.3.2 सुरू न झालेली कामे

तक्ता 5.1 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे राज्यात 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मंजूर झालेली 7.10 लाख कामे (27.62 टक्के) सुरू झाली नाहीत (मार्च 2025 पर्यंत) त्यापैकी 2.48 लाख कामे (35 टक्के) तीन वर्षांहून अधिक काळ उलटून गेला तरी सुरू झालेली नाहीत. निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये (तक्ता 5.2) 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मंजूर झालेली 1.53 लाख कामे (27 टक्के) सुरू (मार्च 2025 पर्यंत) झाली नाहीत त्यापैकी 0.47 लाख कामे (30 टक्के) तीन वर्षांहून अधिक काळ संपल्यावरही सुरू झालेली नाहीत.

उत्तरादाखल उप जिल्हाधिकारी (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की (ऑगस्ट 2024), अंमलबजावणीसाठी मंजूर झालेल्या कामांमध्ये मोठ्या प्रमाणात वैयक्तिक कामे आहेत जी लाभार्थ्यांच्या वैयक्तिक समस्यांमुळे वेळेवर सुरू झाली नाहीत.

### 5.4 नवीन कामांना मंजूरी

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 7.17 मध्ये अपूर्ण कामे पूर्ण करण्यासाठी खालील उपाय सुचवले आहेत.

- ज्या वर्षी कामे प्रस्तावित होती, ते वर्ष पूर्ण झाल्यानंतर एकापेक्षा जास्त आर्थिक वर्षांपासून अपूर्ण कामे आहेत, अशा प्रकल्प अंमलबजावणी अभिकरणांना नवीन कामे घेण्यास मंजूरी देऊ नये.
- ग्राम पंचायतींनी अपूर्ण असलेल्या कामांवर जिथे आवश्यक मजूर रोजगार निर्मितीची क्षमता आहे, अशा कामांचे वाटप प्रथम करावे.

<sup>5</sup> 30 टक्क्यांपेक्षा कमी खर्च झालेली कामे

- अपूर्ण कामे असताना कोणत्याही ग्राम पंचायतीला ठराविक वेळी किती कामे हाती घेता येतील याची मर्यादा घालण्याचे निर्देश जारी करावेत, असे आवाहनही राज्य शासनाला करण्यात आले.

ग्राम पंचायतीत ठराविक वेळेत किती कामे हाती घेता येतील, याची मर्यादा राज्य शासनाने निश्चित केलेली नसल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले. 2023-24 मध्ये मंजूर झालेल्या 7.56 लाख कामांपैकी 4.44 लाख नवीन कामे अंमलबजावणीसाठी हाती घेण्यात आली, जरी 2023-24 च्या प्रारंभी 5.04 लाख कामे अपूर्ण होती.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की चाचणी-तपासणी केलेल्या 48 ग्राम पंचायतीपैकी 15 ग्राम पंचायतीत 2023-24 च्या प्रारंभीच्या कालावधीत 542 कामे अपूर्ण होती तरी 2023-24 मध्ये मंजूरी मिळालेल्या 339 नवीन कामांना सुरुवात करण्यात आली होती. त्यामुळे कोणत्याही ग्रामपंचायतीत ठराविक वेळी किती कामे हाती घेता येतील, याची मर्यादा निश्चित करण्यात अपयश आल्याने निवडलेल्या ग्रामपंचायतींमध्ये हाती घेतलेल्या कामांपेक्षा अपूर्ण कामांची संख्या अधिक असल्याची परिस्थिती निर्माण झाली आहे.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी कामे पूर्ण झाल्यानंतरच नवीन कामे हाती घेण्याच्या सूचना जिल्ह्यांना दिल्या जातील असे नमूद केले (जून 2025).

### 5.5 कृषी व अनुषंगिक कामांवर होणारा खर्च

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या अनुसूची 1 च्या परिच्छेद 4 (जुलै 2014 मधील दुरुस्तीनुसार) च्या उप-परिच्छेद (2) मधील तरतुदीनुसार, जिल्हा कार्यक्रम समन्वयकाने हे सुनिश्चित करावे की, खर्चाच्या दृष्टीने जिल्ह्यात करावयाच्या कामांपैकी कमीतकमी 60 टक्के कामे जमिन, पाणी आणि झाडांच्या विकासाद्वारे कृषी आणि संलग्न उपक्रमांशी थेट संबंधित उत्पादक मालमत्ता तयार करण्यासाठी असतील. जुलै 2014 मध्ये महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमात करण्यात आलेल्या दुरुस्तीचा समावेश राज्य शासनाने महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियम, 1977 मध्ये केलेला नसल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले. त्यामुळे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम आणि महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियम, 1977 मध्ये त्या प्रमाणात विसंगती होती.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान सहा पैकी पाच<sup>6</sup> जिल्ह्यांमध्ये कृषी आणि संलग्न कामांशी संबंधित कामांचा खर्च 60 टक्क्यांपेक्षा कमी होता ज्याचा तपशील **परिशिष्ट 5.1** मध्ये दर्शविला आहे.

**परिशिष्ट 5.1** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान पालघर जिल्ह्यातील खर्च 17 ते 39 टक्क्यांदरम्यान होता.

<sup>6</sup> छत्रपती संभाजी नगर व्यतिरिक्त

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी मे 2025 मधील नागपूर जिल्ह्यात कृषी व संलग्न कामांची टक्केवारी 64.94 टक्के असून उर्वरित जिल्ह्यांमध्ये ही टक्केवारी कायम ठेवण्याचा प्रयत्न केला जाईल, असे नमूद केले (जून 2025).

### 5.6 महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजने सोबत योजनांचे अभिसरण

महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाच्या अनुसूची II च्या परिच्छेद 5 नुसार या योजनेतील कामांचे इतर शासकीय योजना किंवा कार्यक्रमांशी प्रभावी आंतरविभागीय अभिसरण प्रक्रियेद्वारे समन्वयन करून कामांची अंतिम टप्प्यापर्यंत अंमलबजावणी साध्य करण्यासाठी राज्य शासन ठोस पावले उचलेल जेणेकरून मालमतेची गुणवत्ता आणि उत्पादकता सुधारेल आणि दारिद्र्याच्या अनेक परिमाणांना सर्वांगीण आणि शाश्वत पद्धतीने सामोरे जाण्यासाठी समन्वय साधला जाईल.

कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वे (परिच्छेद 15.1.1) नुसार टिकाऊ मालमतेच्या निर्मितीसाठी या योजनेच्या निधीचे, इतर योजनांच्या निधी व स्रोतांसोबत अभिसरण करण्यास अनुमती आहे. अभिसरण अंतर्गत अंगणवाडी/ इतर ग्रामीण पायाभूत सुविधांची उभारणी, वैयक्तिक जमिनीवरील कामे (आवास योजना), दुष्काळ रोधक उपाययोजना, ग्रामीण दळणवळण व ग्रामीण स्वच्छता, जलसंधारण व जलबांधणी, पारंपारिक जलस्रोतांचे नूतनीकरण व दुरुस्ती आदी कामे करण्यात आली

जे प्रकल्प अभिसरण योजना म्हणून निश्चित केले जातात त्यावर ग्राम सभेत चर्चा केली जाते. राज्यात राज्यस्तरीय अभिसरण समिती, जिल्हास्तरीय अभिसरण समिती आणि तालुकास्तरीय अभिसरण समिती<sup>7</sup> स्थापित करण्यात आली आहे. तालुकास्तरीय अभिसरण समिती तालुका अभिसरण योजना तयार करते आणि त्याच्या प्रत्यक्ष अंमलबजावणीसाठी समिती जबाबदार असते. जिल्हास्तरीय अभिसरण समिती<sup>8</sup> अभिसरण कामांसाठी विविध विभागांच्या समन्वयासाठी जबाबदार असते, जिल्हा अभिसरण योजना तयार करते आणि कामांच्या अंमलबजावणीचे संनियंत्रण करते.

2019-20 ते 2023-24 दरम्यान राज्यात हाती घेण्यात आलेल्या अभिसरण प्रकल्पांची संख्या तक्ता 5.3 मध्ये दर्शविण्यात आली आहे.

<sup>7</sup> तहसिलदार या समितीचे अध्यक्ष असतात आणि गट विकास अधिकारी उपाध्यक्ष असतात.

<sup>8</sup> जिल्हाधिकारी या समितीचे अध्यक्ष असतात आणि जिल्हा परिषदेचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपाध्यक्ष असतात.

तक्ता 5.3: अभिसरण अंतर्गत हाती घेतलेले प्रकल्प

| वर्ष                                                                     | अभिसरण अंतर्गत मंजूर प्रकल्प <sup>९</sup> | पूर्ण झालेली अभिसरण कामे | पूर्ण झालेल्या अभिसरण कामांची टक्केवारी |
|--------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------|--------------------------|-----------------------------------------|
| 2019-20                                                                  | 3,26,073                                  | 1,02,000                 | 31                                      |
| 2020-21                                                                  | 2,39,399                                  | 62,590                   | 26                                      |
| 2021-22                                                                  | 1,88,935                                  | 52,175                   | 28                                      |
| 2022-23                                                                  | 2,71,700                                  | 59,175                   | 22                                      |
| 2023-24                                                                  | 4,97,772                                  | 35,329                   | 7                                       |
| एकूण                                                                     | 15,23,879                                 | 3,11,269                 | 20                                      |
| स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून घेतलेल्या (सप्टेंबर 2025) विदाच्या आधारे संकलित. |                                           |                          |                                         |

तक्ता 5.3 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान केवळ 20 टक्के अभिसरणाचे काम पूर्ण झाले आहे.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत मंजूर झालेल्या एकूण 15.24 लाख अभिसरण कामांपैकी 14.97 लाख (98.23 टक्के) कामे प्रधानमंत्री आवास योजनेअंतर्गत तक्ता 5.4 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे होती.

तक्ता 5.4: अभिसरण अंतर्गत मंजूर झालेल्या एकूण प्रकल्पांच्या तुलनेत अभिसरण अंतर्गत मंजूर प्रधानमंत्री आवास योजना प्रकल्प

| वर्ष                                                                          | अभिसरण अंतर्गत मंजूर प्रकल्प | अभिसरण अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना प्रकल्प कामांना मंजुरी | एकूण अभिसरण प्रकल्पांमध्ये प्रधानमंत्री आवास योजना प्रकल्पाच्या कामांची टक्केवारी | प्रधानमंत्री आवास योजना प्रकल्पाची एकूण पूर्ण कामे (टक्के) | अभिसरण अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजनेतर प्रकल्प कामांना मंजुरी | प्रधानमंत्री आवास योजनेतर प्रकल्पाची एकूण पूर्ण कामे (टक्के) |
|-------------------------------------------------------------------------------|------------------------------|---------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------|
| 2019-20                                                                       | 3,26,073                     | 3,25,140                                                      | 99.71                                                                             | 1,01,547(31)                                               | 933                                                             | 453(49)                                                      |
| 2020-21                                                                       | 2,39,399                     | 2,38,339                                                      | 99.56                                                                             | 62,048(26)                                                 | 1,060                                                           | 542(51)                                                      |
| 2021-22                                                                       | 1,88,935                     | 1,87,473                                                      | 99.23                                                                             | 51,597(28)                                                 | 1,462                                                           | 578(40)                                                      |
| 2022-23                                                                       | 2,71,700                     | 2,59,878                                                      | 95.65                                                                             | 58,000(22)                                                 | 11,822                                                          | 1,175(10)                                                    |
| 2023-24                                                                       | 4,97,772                     | 4,86,001                                                      | 97.64                                                                             | 34,771(7)                                                  | 11,771                                                          | 558(5)                                                       |
| एकूण                                                                          | 15,23,879                    | 14,96,831                                                     | 98.23                                                                             | 3,07,963 (21)                                              | 27,388                                                          | 3,306 (12)                                                   |
| स्त्रोत: नरेगासॉफ्टवेयर मधून घेतलेल्या (सप्टेंबर 2025) विदाच्या आधारे संकलित. |                              |                                                               |                                                                                   |                                                            |                                                                 |                                                              |

तक्ता 5.4 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान एकूण अभिसरण प्रकल्प कामांपैकी प्रधानमंत्री आवास योजना अभिसरण प्रकल्प कामांचे प्रमाण 95.65 टक्के (2022-23) ते 99.71 टक्के (2019-20) दरम्यान होते. प्रधानमंत्री आवास योजना कामे मंजूर कामांच्या तुलनेत सात टक्के (2023-24) आणि 31 टक्के (2019-20) दरम्यान पूर्ण झाली तर प्रधान मंत्री आवास योजनेतर कामे पाच टक्के (2023-24) आणि 51 टक्के (2020-21) दरम्यान पूर्ण झाली.

<sup>९</sup> आयुक्त, (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी अभिसरणांतर्गत दर्शविलेले मंजूर प्रकल्प आणि 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मंजूर झालेली एकूण कामे यांच्यातील तफावतीचा ताळमेळ घेतला नाही.

### 5.6.1 प्रधानमंत्री आवास योजनेंतर्गत 90 पेक्षा जास्त मनुष्यदिवसांचा वापर

महाराष्ट्र शासनाच्या नियोजन विभागाने (रोजगार हमी योजना) मे 2015 मध्ये जारी केलेल्या शासन निर्णयाद्वारे प्रधानमंत्री आवास योजनेंतर्गत घरांच्या बांधकामातील अकुशल काम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेच्या अनुषंगाने घेण्याचे निर्देश दिले होते. प्रधानमंत्री आवास योजनेंतर्गत बांधकामासाठी सामान्य भागात जास्तीत जास्त 90 मनुष्यदिवस आणि डोंगराळ भागात 95 मनुष्यदिवस काम केले जावे, अशी अट घालण्यात आली होती.

नरेगासॉफ्टनुसार राज्यात 2019-20 आणि 2023-24 दरम्यान प्रधानमंत्री आवास योजनेंतर्गत हाती घेण्यात आलेल्या अभिसरण कामांच्या विदाचे विश्लेषण केल्यावर असे निदर्शनास आले आहे की, 1,179 कामांमध्ये (31 जिल्ह्यांतील) प्रधानमंत्री आवास योजनेंतर्गत अकुशल कामगारांना नियुक्त केलेल्या दिवसांची संख्या 91 दिवस ते 152 दिवस यांच्या दरम्यान होती जे शासकीय निर्णयाचे उल्लंघन होते. त्यामुळे मनुष्यदिवस मर्यादेपेक्षा जास्त होवू नयेत, यासाठी जिल्ह्यांकडून कोणतेही संनियंत्रण करण्यात आले नाही, तसेच शासन निर्णयात नमूद केलेल्या मनुष्यदिवसांपेक्षा अधिक मनुष्यदिवसांचा वापर रोखण्यासाठी नरेगासॉफ्टमध्ये कोणतेही नियंत्रण नव्हते.

उत्तरादाखल आयुक्त, (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी अनियमितता मान्य करताना नमूद केले की (जून 2025), प्रधानमंत्री आवास योजना अभिसरण कामांतर्गत विहित मनुष्यदिवस मर्यादेचे पालन करण्याच्या सक्त सूचना सर्व अंमलबजावणी अभिकरणांना देण्यात आलेल्या आहेत. मात्र, या मर्यादेचे पालन व्हावे, यासाठी नरेगासॉफ्टमधील तपासणीच्या उत्तराबाबत मौन बाळगण्यात आले.

### 5.7 मजुरी साहित्य गुणोत्तर

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम, 2005 च्या अनुसूची 1 च्या परिच्छेद 20 नुसार (जुलै 2014 मधील दुरुस्तीनुसार) ग्राम पंचायत व इतर अंमलबजावणी यंत्रणांनी योजनेंतर्गत हाती घेतलेल्या सर्व कामांसाठी कुशल व निम-कुशल कामगारांच्या मजुरीसह साहित्य घटकांची किंमत जिल्हास्तरावर 40 टक्क्यांपेक्षा जास्त नसावी. तथापि, महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमानुसार ग्राम पंचायत आणि ग्राम पंचायतेतर इतर अंमलबजावणी अभिकरणांनी हाती घेतलेल्या सर्व कामांसाठी कुशल आणि निम-कुशल कामगारांच्या मजुरीसह साधन-सामग्री घटकांची किंमत अनुक्रमे ग्राम पंचायत स्तरावर आणि तालुका स्तरावर 40 टक्क्यांपेक्षा जास्त असू नये.

तसेच महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाप्रमाणे कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 7.5 नुसार या गुणोत्तराचे उल्लंघन केल्यास होणारा खर्च नामंजूर केला जाईल आणि हा खर्च राज्य शासनाचे दायित्व असेल.

2019-20 ते 2023-24 दरम्यान निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांपैकी तीन जिल्ह्यांनी तक्ता 5.5 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे विहित मजुरी-साहित्य गुणोत्तर राखले नसल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले.

तक्ता 5.5: निवडलेल्या जिल्ह्यांमध्ये विहित मजुरी-साहित्य गुणोत्तर न राखणे

| वर्ष                                                                    | जिल्हा  | मजुरीवरील प्रत्यक्ष खर्च (टक्के) | साहित्यावरील प्रत्यक्ष खर्च (टक्के) | एकूण खर्च | साहित्यावरील विहित खर्च (एकूण खर्चाच्या 40 टक्के) | साहित्यावरील जादा खर्चामुळे राज्यावर येणारे दायित्व (कोटीत) |
|-------------------------------------------------------------------------|---------|----------------------------------|-------------------------------------|-----------|---------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------|
| (₹ कोटीत)                                                               |         |                                  |                                     |           |                                                   |                                                             |
| 1                                                                       | 2       | 3                                | 4                                   | 5         | 6                                                 | 7=4-6                                                       |
| 2019-20                                                                 | धाराशिव | 24.80<br>(54.46)                 | 20.74<br>(45.54)                    | 45.54     | 18.22                                             | 2.52                                                        |
| 2023-24                                                                 | अमरावती | 272.15<br>(56.62)                | 208.53<br>(43.38)                   | 480.68    | 192.27                                            | 16.26                                                       |
|                                                                         | नागपूर  | 48.38<br>(53.17)                 | 42.62<br>(46.83)                    | 91.00     | 36.40                                             | 6.22                                                        |
|                                                                         | एकूण    | 345.33<br>(55.95)                | 271.89<br>(44.05)                   | 617.22    | 246.89                                            | 25.00                                                       |
| स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून घेतलेल्या (जानेवारी 2025) विदाच्या आधारे संकलित |         |                                  |                                     |           |                                                   |                                                             |

तक्ता 5.5 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे जिल्हास्तरावर विहित मजुरी साहित्याचे प्रमाण राखले जात नसल्यामुळे राज्य शासनावर ₹ 25 कोटींचे दायित्व आले.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की (जून 2025), सर्व जिल्ह्यांना मजुरी साहित्य गुणोत्तर राखण्याच्या सूचना देण्यात आल्या असून हे प्रमाण राखण्याची सुनिश्चिती करण्यात येईल.

2019-20 ते 2023-24 दरम्यान निवडलेल्या तालुक्यांमधील<sup>10</sup> मजुरी साहित्याच्या गुणोत्तराचे लेखापरीक्षणाने विश्लेषण केले. विश्लेषणात तक्ता 5.6 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे साहित्यावर अतिरिक्त खर्च निदर्शनास आला.

<sup>10</sup> नरेगासॉफ्टमध्ये ग्राम पंचायत स्तरावरील माहिती उपलब्ध नव्हती.



तक्ता 5.6: निवडलेल्या तालुक्यांमध्ये विहित मजुरी साहित्य गुणोत्तर न राखणे

| वर्ष                                                                  | जिल्ह्याचे नाव    | तालुक्याचे नाव | मजुरांवरील प्रत्यक्ष खर्च (टक्केवारी) | साहित्यावरील प्रत्यक्ष खर्च (टक्के) | एकूण खर्च | साहित्यावरील विहित खर्च (एकूण खर्चाच्या 40 टक्के) | साहित्यावर अतिरिक्त खर्च |
|-----------------------------------------------------------------------|-------------------|----------------|---------------------------------------|-------------------------------------|-----------|---------------------------------------------------|--------------------------|
|                                                                       |                   |                | (₹ लाखात)                             |                                     |           |                                                   |                          |
| 1                                                                     |                   | 2              | 3                                     | 4                                   | 5         | 6                                                 | 7                        |
| 2019-20                                                               | धाराशिव           | कळंब           | 646.16<br>(54.80)                     | 533.01<br>(45.20)                   | 1,179.17  | 471.67                                            | 61.34                    |
| 2021-22                                                               |                   |                | 776.44<br>(50.58)                     | 758.66<br>(49.42)                   | 1,535.1   | 614.04                                            | 144.62                   |
| 2023-24                                                               |                   |                | 1,731.51<br>(49.84)                   | 1,742.93<br>(50.16)                 | 3,474.44  | 1,389.78                                          | 353.15                   |
| 2019-20                                                               |                   | उस्मानाबाद     | 209.74<br>(59.50)                     | 142.75<br>(40.50)                   | 352.49    | 141.00                                            | 1.75                     |
| 2021-22                                                               | अहिल्यानगर        | जामखेड         | 520.15<br>(47.95)                     | 564.64<br>(52.05)                   | 1,084.79  | 433.92                                            | 130.72                   |
| 2022-23                                                               |                   | शेवगाव         | 364.88<br>(55.51)                     | 292.39<br>(44.49)                   | 657.27    | 262.91                                            | 29.48                    |
| 2020-21                                                               | छत्रपती संभाजीनगर | औरंगाबाद       | 243.23<br>(53.71)                     | 209.67<br>(46.29)                   | 452.9     | 181.16                                            | 28.51                    |
| 2022-23                                                               |                   |                | 673.06<br>(41.20)                     | 960.71<br>(58.80)                   | 1,633.77  | 653.51                                            | 307.20                   |
| 2023-24                                                               |                   |                | 2,698.12<br>(57.23)                   | 2,016.16<br>(42.77)                 | 4,714.28  | 1,885.71                                          | 130.89                   |
| 2022-23                                                               |                   | पैठण           | 2,372.23<br>(48.91)                   | 2,478.04<br>(51.09)                 | 4,850.27  | 1,940.11                                          | 537.93                   |
| 2023-24                                                               |                   |                | 4,902.73<br>(52.81)                   | 4,381.40<br>(47.19)                 | 9,284.13  | 3,713.65                                          | 667.75                   |
| 2021-22                                                               | पालघर             | डहाणू          | 432.50<br>(58.60)                     | 305.56<br>(41.40)                   | 738.06    | 295.22                                            | 10.34                    |
| 2022-23                                                               |                   | विक्रमगड       | 5,431.71<br>(57.94)                   | 3,942.78<br>(42.06)                 | 9,374.49  | 3,749.80                                          | 192.98                   |
|                                                                       | एकूण              |                |                                       |                                     |           |                                                   | 2,596.24                 |
| स्त्रोत: नरगासॉफ्टवरून घेतलेल्या (सप्टेंबर 2025) विदावर आधारित संकलित |                   |                |                                       |                                     |           |                                                   |                          |

**तक्ता 5.6** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे, निवडलेल्या 12 पैकी आठ तालुक्यांनी विहित मजुरी-साहित्य गुणोत्तर राखले नाही परिणामी, साहित्यावर ₹ 25.96 कोटी अतिरिक्त खर्च झाला.

### 5.8 जिल्हास्तरीय तांत्रिक समिती

कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 4.4.3 मध्ये अधिनियमाच्या अंमलबजावणीकरीता मार्गदर्शन करण्यासाठी जिल्हास्तरावर जिल्हास्तरीय तांत्रिक समिती स्थापन करण्याची तरतूद आहे. जिल्हास्तरीय तांत्रिक समितीमध्ये संबंधित तांत्रिक विभागाचे जिल्हा अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थांचे प्रतिनिधी आणि शैक्षणिक समुदायाचा समावेश असणे आवश्यक आहे. या समितीच्या कामांमध्ये प्रकल्पांच्या सूचीची तपासणी करणे, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेतर्गत सर्वसामान्य कामांसाठी दरांचे जिल्हानिहाय विशिष्ट दरपत्रक तयार करणे, साहित्यासाठी जिल्ह्याचे दर, गुणवत्तेचे निकष आणि त्या जिल्ह्याकरीता साधनसामग्रीसाठी पुरवठादारांची यादी निश्चित करणे आणि योजनेतर्गत तयार करण्यात येणाऱ्या मालमत्तेची गुणवत्ता सुनिश्चित करण्यासाठी निकष निश्चित करणे यांचा समावेश होता.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की निवडलेल्या जिल्ह्यांत जिल्हास्तरीय तांत्रिक समिती स्थापन करण्यात आली नव्हती.

जिल्हास्तरीय तांत्रिक समिती नसल्यामुळे या योजनेतील सर्वसामान्य कामांसाठी जिल्हाविशिष्ट दरपत्रकाऐवजी सर्वसामान्य राज्य दरपत्रकाच्या आधारे कामांचे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आले जे परिच्छेद 4.9.1 मध्ये चर्चित आहे.

### 5.9 कार्यस्थळी देण्यात येणाऱ्या सुविधा

महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाच्या अनुसूची III च्या परिच्छेद 23 नुसार कामगारांना किमान हक्क म्हणून कामाच्या ठिकाणी पिण्याचे शुद्ध पाणी, मुलांसाठी व विश्रांतीच्या कालावधीसाठी सुरक्षित शेड, किरकोळ जखमा व इतर आरोग्यविषयक व कामावरील आरोग्याशी धोक्यासंबंधी आपत्कालीन उपचारासाठी पुरेसे साहित्य असलेली प्रथमोपचार पेटी उपलब्ध करून देणे आवश्यक आहे. कोणत्याही ठिकाणी काम करणाऱ्या महिलेसोबत असलेल्या पाच वर्षांखालील मुलांची संख्या पाच किंवा त्यापेक्षा जास्त असल्यास अशा मुलांच्या देखभालीसाठी अशा महिला कामगारांपैकी एकाची नेमणूक करण्याची तरतूद करता येईल. अशा प्रकारे नियुक्त केलेल्या व्यक्तीला वेतन दिले जाईल. कार्यस्थळावरील सुविधांवरील सर्व खर्च प्रशासकीय खर्चाचा भाग म्हणून नोंद करायचा होता.

निवडलेल्या 48 ग्रामपंचायतींमधील निवडलेल्या 480 लाभार्थ्यांच्या सर्वेक्षणात खालील बाबी निदर्शनास आल्या.

- 119 लाभार्थ्यांनी (25 टक्के) कामाच्या ठिकाणी प्रथमोपचार पेटी उपलब्ध नसल्याचे नमूद केले;

- 54 लाभार्थ्यांनी (11 टक्के) पिण्याच्या पाण्याची सुविधा उपलब्ध नसल्याचे नमूद केले;
- 91 लाभार्थ्यांनी (19 टक्के) विश्रांतीसाठी आच्छादित जागा/शेड उपलब्ध नसल्याचे नमूद केले आणि
- 182 लाभार्थ्यांनी (38 टक्के) कामाच्या ठिकाणी बालसंगोपनाची सुविधा उपलब्ध नसल्याचे नमूद केले.

कामाच्या ठिकाणी किमान मूलभूत सुविधा उपलब्ध नसणे हे महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाचे उल्लंघन तर होतेच, शिवाय रोजगार करू इच्छिणाऱ्यांसाठी कार्यस्थळाचे वातावरण अधिक खडतर बनले आणि त्यामुळे त्यांच्या कार्यक्षमतेवर आणि परिणामी मिळणाऱ्या मजुरीवर नकारात्मक परिणाम झाला.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की (जून 2025), सर्व अंमलबजावणी यंत्रणांना सर्व कार्यस्थळी प्रथमोपचार पेटी, पिण्याचे पाणी, आच्छादित जागा/शेड आणि बालसंगोपन सुविधा तत्काळ उपलब्ध करून देण्याच्या सूचना देण्यात आल्या आहेत. या सुविधांच्या उपलब्धतेची पडताळणी करण्यासाठी वेळोवेळी क्षेत्रीय पाहणी केली जाईल, असेही नमूद करण्यात आले.

#### 5.10 दर्शक फलक

योजनेच्या परिच्छेद 24 (अ) नुसार (महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाची अनुसूची II) अंमलबजावणीच्या सर्व टप्प्यांवर पारदर्शकता व उत्तरदायित्व सुनिश्चित करण्यासाठी प्रत्येक कामाच्या ठिकाणी कामाचा तपशील, वापरण्यात येणाऱ्या साहित्याचे प्रमाण, अंदाजपत्रकाचा वस्तुनिहाय खर्च यांचा समावेश असलेला नागरिकांसाठीचा दर्शक फलक लावणे आवश्यक आहे.

336 कामांची प्रत्यक्ष पडताळणी केली असता तक्ता 5.7 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 219 कार्यस्थळी (65 टक्के) दर्शक फलक उपलब्ध नसल्याचे लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले.

तक्ता 5.7: कार्यस्थळी दर्शक फलकाची अनुपलब्धता

| अनु. क्र. | जिल्ह्याचे नाव    | एकूण निवडलेली कामे | ज्या कामांच्या ठिकाणी दर्शक फलक उपलब्ध नव्हते |
|-----------|-------------------|--------------------|-----------------------------------------------|
| 1         | अहिल्यानगर        | 56                 | 34                                            |
| 2         | अमरावती           | 56                 | 48                                            |
| 3         | छत्रपती संभाजीनगर | 56                 | 19                                            |
| 4         | धाराशिव           | 56                 | 56                                            |
| 5         | नागपूर            | 56                 | 30                                            |
| 6         | पालघर             | 56                 | 32                                            |
|           | एकूण              | 336                | 219                                           |

स्त्रोत: लेखापरीक्षणाद्वारे केलेल्या संयुक्त प्रत्यक्ष पडताळणीच्या आधारे संकलित

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी कामाचा तपशील असलेला दर्शक फलक लावण्याच्या सूचना जारी करत असल्याचे नमूद केले (जून 2025).

### 5.11 संयुक्त प्रत्यक्ष पडताळणी

लेखापरीक्षण दलाने निवडलेल्या 336 कामांची संयुक्त प्रत्यक्ष पडताळणी केली आणि निदर्शनास आलेल्या त्रुटींची चर्चा पुढील परिच्छेदांमध्ये केली आहे.

#### 5.11.1 रस्त्यांची कामे

(i) जिल्हा : पालघर; तालुका : डहाणू; ग्राम पंचायत : वेती वरोटी

कामाची स्थिती : पूर्ण; झालेला खर्च : ₹ 3.97 लाख;

काम सुरु करण्यात आले ते वर्ष : 2021-22; काम पूर्ण झाले ते वर्ष : 2021-22.

या कामात 410 मीटर खडीच्या रस्त्याचे बांधकाम करण्यात आले. हा रस्ता सूर्या नदीला लागून असून प्रत्यक्ष पडताळणी केली असता सुमारे 100 मीटर रस्ता पाण्याखाली गेल्याचे आढळून आले. त्यामुळे या रस्त्याने गावाला सर्व ऋतूंमध्ये संपर्क करणे अशक्य होते.



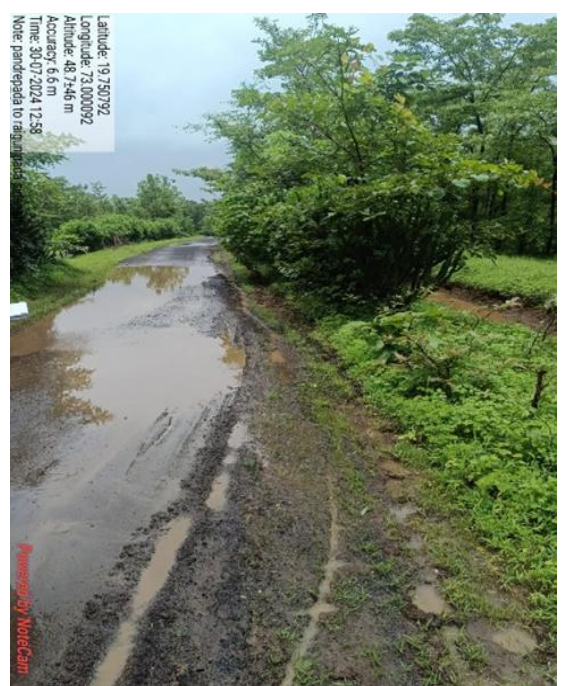
ii) जिल्हा : पालघर; तालुका : विक्रमगड; ग्राम पंचायत : बोरांडा

कामाची स्थिती : चालू; झालेला खर्च : ₹ 8.78 लाख;

काम सुरु केले ते वर्ष : 2022-23.

पांढरेपाडा ते रायगुंजपाडा या सध्याच्या रस्त्याची रुंदी रस्त्याच्या कडेला असलेल्या मालाचा निचरा झाल्यामुळे कमी झाली होती. त्यामुळे हा रस्ता राज्य परिवहनच्या बसेस इत्यादींसाठी सुलभ व्हावा यासाठी रस्ता सुधारणेचे काम हाती घेण्यात आले.

रस्त्याच्या दोन्ही कडेला करण्यात आलेल्या खांद्या बांधणीचे काम (मे 2022 ते एप्रिल 2023 दरम्यान) प्रत्यक्ष पडताळणी दरम्यान दिसून आले नाही. उत्तरादाखल ग्राम पंचायतीने रस्त्याचा खांद्या बांधणीचा बहुतांश भाग गवताने झाकला गेला आहे आणि मुसळधार पावसामुळे काही भागाचे नुकसान झाले आहे, असे नमूद केले.



|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |                                                                                      |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>त्यामुळे टिकाऊ स्वरूपाची खांदाबांधणी पुरविण्याचे उद्दिष्ट एक वर्षाहून अधिक काळ लोटल्यानंतरही साध्य होऊ शकले नाही.</p>                                                                                                                                                                                                                    |                                                                                      |
| <p><b>iii) जिल्हा : पालघर; तालुका : विक्रमगड; ग्राम पंचायत : बोरांडा</b><br/> <b>कामाची स्थिती : चालू (प्रत्यक्ष पूर्ण); झालेला खर्च : ₹ 7.82 लाख;</b><br/> <b>काम सुरू केले ते वर्ष : 2023-24.</b></p>                                                                                                                                     |                                                                                      |
| <p>2023-24 मध्ये 320 मीटर लांबीच्या पाणीबध्द खडी रस्त्याचे (मुख्य रस्ता ते लेलेपाडा) बांधकाम पूर्ण झाले. 65 मीटर लांबीच्या या रस्त्यापैकी पावसामुळे 12 मीटर लांबीचा रस्ता वाहून गेला. त्यामुळे या रस्त्याला सर्व ऋतुत संपर्कासाठी वापर राहिला नाही.</p>                                                                                     |    |
| <p><b>iv) जिल्हा : पालघर; तालुका : डहाणू ; ग्राम पंचायत : चळणी</b><br/> <b>कामाची स्थिती : चालू ; झालेला खर्च : ₹ 1.49 लाख (मंजूर खर्च: ₹ 6.40 लाख);</b><br/> <b>काम सुरू केले ते वर्ष : 2021-22.</b></p>                                                                                                                                   |                                                                                      |
| <p>417 मीटर लांबीच्या खडीच्या रस्त्याचे बांधकाम केवळ मुरुम टाकून करण्यात आले. दाब देवून मजबूतीकरण आणि खडी टाकण्याचे काम बाकी होते. प्रत्यक्ष पडताळणी केली असता पावसामुळे संपूर्ण 417 मीटर रस्ता खराब झाल्याचे निदर्शनास आले. त्यामुळे या रस्त्याचे काम सुरू होऊन दोन वर्षे झाली तरी या रस्त्यामुळे गावाला सर्व ऋतुत संपर्क मिळाला नाही.</p> |  |

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की (जून 2025), जिल्ह्यांना स्पष्टीकरण सादर करण्याचे निर्देश दिले आहेत.



### 5.11.2 रेशीम शेतीचे काम

जिल्हा : धाराशिव; तालुका : कळंब; ग्राम पंचायत : शेळका (धानोरा)  
कामाची स्थिती : अर्धवट सोडून दिलेले; झालेला खर्च : ₹ 2.35 लाख;  
काम सुरु केले ते वर्ष: 2022-23.

2022-23 मध्ये रेशीम पालनाच्या कामाला मंजुरी देण्यात आली. शेतकऱ्यांचे उत्पन्न वाढविणे हा या कामाचा उद्देश होता. लाभार्थ्यांनी तुती रोपांची लागवड करून रेशीम किड्यांचे पालन करून त्यापासून रेशीम मिळविण्यासाठी लागवडीकरीता आपल्या शेतात शेड बांधले. लेखापरीक्षण पथकाने संयुक्त प्रत्यक्ष पडताळणी केली असता, या जागेवर रेशीम किडे उपलब्ध नसल्याचे निदर्शनास आले आणि शिवाय, रेशीम किडे ज्या स्टँडवर ठेवायचे होते, ते शेडखाली उपलब्ध असलेले स्टँड खराब झाले असून वापरण्यायोग्य स्थितीत नव्हते. त्यामुळे लाभार्थ्याला उत्पन्नाचा स्तर वाढविण्यासाठी मदत करण्याकरीता कोणतीही टिकाऊ मालमत्ता उपलब्ध होत नव्हती. उत्तरादाखल ग्राम पंचायतीच्या ग्रामसेवकाने नमूद केले की (ऑगस्ट 2024), लाभार्थ्याने शेड स्वच्छ करून रेशीम किड्याची लागवड केली जाईल असे आश्वासन दिले



### 5.11.3 विहिरीचे बांधकाम

i) जिल्हा : छत्रपती संभाजी नगर. तालुका : पैठण; ग्राम पंचायत : घारेगाव  
कामाची स्थिती : पूर्ण ; झालेला खर्च : ₹ 2.92 लाख;  
काम सुरु केले ते वर्ष : 2021-22; काम पूर्ण झाले ते वर्ष : 2022-23

लेखापरीक्षणात केलेल्या संयुक्त प्रत्यक्ष पडताळणी दरम्यान सिंचन विहिरीची कुंपण भिंत (गट क्रमांक 44) कोसळल्याचे निदर्शनास आले. सिंचन विहिरीचे काम पूर्ण झाल्यापासून एक वर्ष तीन महिन्यांच्या आत कुंपण भिंत कोसळणे हे निकृष्ट दर्जाचे बांधकाम झाल्याचे दर्शविते. कुंपण भिंत नसल्यामुळे मनुष्य आणि प्राण्यांचा जीवही धोक्यात येऊ शकतो.



ii) जिल्हा : छत्रपती संभाजी नगर. तालुका : औरंगाबाद, ग्राम पंचायत : पिंपळ खुटा  
कामाची स्थिती : चालू; खर्च : ₹ 1.87 लाख (मजुरीवर);  
काम सुरु केले ते वर्ष : 2021-22.

काम सुरु होऊन तीन वर्षांहून अधिक कालावधी लोटला तरी विहिरीची कुंपण भिंत (श्री. ज्ञानेश्वर विश्वभर दाभाडे) बांधण्यात आली नसल्याचे संयुक्त पडताळणीत निदर्शनास आले. ग्रामसेवकाने लाभार्थ्याची आर्थिक परिस्थिती बेताची आहे, हे अपूर्ण कामाचे कारण नमूद केले.



#### 5.11.4 मातोश्री पाणंद रस्ता योजना

सध्या अस्तित्वात असलेल्या कच्च्या पाणंद रस्त्यांची दुरुस्ती करणे, अशा रस्त्यांवरील अतिक्रमण हटविणे व कच्चे व पक्के रस्ते संयुक्तपणे बनविणे यासह या योजनेतर्गत रस्त्यांची कामे शेतकऱ्यांना करता यावीत, यासाठी नियोजन विभागाने (रोजगार हमी योजना) ही योजना सुरु केली होती (नोव्हेंबर 2021). मातोश्री पाणंद रस्ते योजनेतर्गत एक किलोमीटर खडबडीत रस्त्याच्या बांधकामासाठी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेतर्गत ₹ 15.05 लाखाचे (अकुशल : ₹ 9.03 लाख; कुशल ₹ 6.01 लाख) आणि राज्य रोजगार हमी योजना निधीतून ₹ 8.80 लाखाचे आर्थिक सहाय्य केले होते.

जिल्हा : छत्रपती संभाजी नगर. तालुका : औरंगाबाद, ग्राम पंचायत: पिंपळ खुटा  
कामाची स्थिती : अपूर्ण; झालेला खर्च : मजुरी वर ₹ 4.83 लाख  
काम सुरु केले ते वर्ष : 2023-24.

ग्राम पंचायत पिंपळखुटा येथील मातोश्री रस्त्याच्या बांधकामासाठी ₹ 23.69 लाख (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेतर्गत ₹ 15.05 लाख आणि राज्य रोजगार हमी योजना निधीतून ₹ 15.05 लाख) मंजूर झाले. हे बांधकाम गवताचे तण काढणे, मातीचे खोदकाम करणे, कडक मुरूम पुरविणे व टाकणे आदी कामे करून करण्यात आले.

प्रत्यक्ष पडताळणी केली असता शेतात सर्वत्र गवत उगवले असून गवताचे तण काढणे, मातीचे खोदकाम करणे हे पुनश्च करावे लागेल.

उत्तरादाखल ग्राम पंचायतीच्या ग्रामसेवकाने साहित्य खरेदीसाठी अपुऱ्या निधीमुळे काम अपूर्ण असल्याचे नमूद केले (ऑगस्ट 2024).



**परिच्छेद 6.5** मध्ये चर्चा केल्याप्रमाणे निदर्शनास आलेल्या त्रुटींसाठी प्रत्येक जिल्ह्यासाठी राज्य गुणवत्ता संनियंत्रकाची जिल्हास्तरावर नेमणूक न करणे हे कारणीभूत ठरले.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की (जून 2025), निधीअभावी काम अपूर्ण असून केंद्र शासनाकडून निधी मिळाल्यानंतर अपूर्ण काम पूर्ण करण्यासाठी संबंधित ग्राम पंचायतींना निधी उपलब्ध करून दिला जाईल.

#### 5.12 कामांचे भौगोलिक चिन्हांकन (जिओ-टॅगिंग)

पारदर्शकता सुधारण्याच्या आणि कार्यक्रम अधिक सुस्पष्ट होण्याच्या उद्देशाने, ग्रामीण विकास मंत्रालयाने भारतीय अंतराळ संशोधन संस्थेच्या (इस्रो) राष्ट्रीय दूरस्थ संवेदन केंद्राच्या भागीदारीत योजनेअंतर्गत तयार केलेल्या मालमतेचे भौगोलिक चिन्हांकन करण्यासाठी जिओ-मनरेगा म्हणजे कामांचे भौगोलिक चिन्हांकन याची महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेअंतर्गत अंमलबजावणी सुरू केली. त्यासाठी राष्ट्रीय दूरस्थ संवेदन केंद्राचे भुवन जिओपोर्टल सानुकूलित करण्यात आले आहे.

भुवन मोबाइल प्लॅटफॉर्मच्या माध्यमातून ॲंड्रॉइड-आधारित मोबाइल ॲपचा वापर करून, क्षेत्रीय स्तरावरील विदा विश्लेषण, मालमतेचे दृश्यांकन आणि अहवाल निर्मिती साधने वापरून भौगोलिक ओळख ठरविली जाते. यामध्ये छायाचित्रांसह मालमतेचे - जागतिक स्थाननिश्चिती प्रणालीद्वारे स्थान नोंदवणे समाविष्ट आहे. 01 नोव्हेंबर 2017 नंतर निर्माण झालेल्या सर्व मालमतांचे (प्रधानमंत्री आवास योजनेअंतर्गत घेतलेली कामे वगळता) जिओ-मनरेगा टप्पा-II अंतर्गत, चिन्हांकन (जिओ टॅगिंग) खालीलप्रमाणे तीन टप्प्यांमध्ये करणे आवश्यक होते:

- टप्पा I भौगोलिक चिन्हांकन (काम सुरू होण्यापूर्वी): ज्या कामांना तांत्रिक व प्रशासकीय मान्यता मिळाली आहे आणि ज्यांचा सविस्तर प्रकल्प अहवाल नरेगासॉफ्ट मध्ये अंतिम (फ्रोजन) केला आहे, अशा कामांवर ही प्रक्रिया करावी लागते.
- टप्पा II भौगोलिक चिन्हांकन (कामादरम्यान): एकदा कामाच्या अंदाजित खर्चाच्या 30 टक्के रक्कम खर्च म्हणून नोंदविल्यावर संबंधित काम टप्पा II भौगोलिक चिन्हांकनासाठी (जिओ-टॅगिंग) उपलब्ध होईल.
- टप्पा III भौगोलिक चिन्हांकन (काम पूर्ण झाल्यानंतर): एकदा काम पूर्ण होऊन नरेगासॉफ्टमध्ये बंद झाल्यानंतर ते टप्पा III भौगोलिक चिन्हांकनासाठी उपलब्ध होते.

निवडलेल्या 12 तालुक्यांमधील तीन टप्प्यांमध्ये भौगोलिक चिन्हांकनाची स्थिती तक्ता 5.8 मध्ये दर्शविली आहे.



तक्ता 5.8: निवडलेल्या 12 तालुक्यांमधील कामांच्या भौगोलिक चिन्हांकनाची स्थिती

| तपशील                                                                                                                   | टप्पा I | टप्पा II | टप्पा III | एकूण (टक्केवारी) |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|----------|-----------|------------------|
| कामांची संख्या                                                                                                          | 89,859  | 65,097   | 20,305    | 1,75,261         |
| भौगोलिक चिन्हांकन पूर्ण झालेल्या कामांची संख्या                                                                         | 75,838  | 33,331   | 13,710    | 1,22,879 (70)    |
| राष्ट्रीय दूरस्थ संवेदन केंद्राच्या भुवन जिओपोर्टलवर सामायिक केलेल्या परंतु भौगोलिक चिन्हांकन न झालेल्या कामांची संख्या | 11,631  | 12,275   | 6,595     | 30,501 (17)      |
| भौगोलिक चिन्हांकनासाठी सामायिक न केलेल्या कामांची संख्या                                                                | 2,390   | 19,491   | -         | 21,881 (13)      |
| स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून घेतलेल्या (ऑगस्ट 2024) विदाच्या आधारे संकलित                                                    |         |          |           |                  |

तक्ता 5.8 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे ऑगस्ट 2024 पर्यंत 30 टक्के कामांचे भौगोलिक चिन्हांकन विविध टप्प्यांवर प्रलंबित होते.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की, तिन्ही टप्प्यांतील प्रलंबित भौगोलिक चिन्हांकन तातडीने पूर्ण करण्याच्या सूचना संबंधित जिल्ह्यांना देण्यात आल्या आहेत.

सप्टेंबर 2025 पर्यंत 27 टक्के कामांचे भौगोलिक चिन्हांकन विविध टप्प्यांवर प्रलंबित असल्याचे लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले.

### 5.13 साहित्य घटकांवरील दायित्व

नरेगासॉफ्टमध्ये उपलब्ध असलेल्या माहितीनुसार, तक्ता 5.9 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे राज्यात 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान, साहित्यावरील (कुशल मजुरी, निम-कुशल मजुरी, साहित्य खर्च आणि कर) ₹ 541.92 कोटीचा खर्च प्रदानाकरीता थकीत होता.

तक्ता 5.9: राज्यातील साहित्यावरील खर्चाचे प्रलंबित दायित्व

| वर्ष                                                                   | कुशल आणि निम-कुशल मजुरी | साहित्याची किंमत | कर    | एकूण      |
|------------------------------------------------------------------------|-------------------------|------------------|-------|-----------|
|                                                                        | (₹ लाखांत)              |                  |       |           |
| 2019-20                                                                | 0.70                    | 858.45           | 0     | 859.15    |
| 2020-21                                                                | 17.74                   | 871.45           | 0     | 889.19    |
| 2021-22                                                                | 65.20                   | 2,523.91         | 0.20  | 2,589.31  |
| 2022-23                                                                | 124.35                  | 6,217.46         | 3.91  | 6,345.72  |
| 2023-24                                                                | 282.85                  | 43,169.66        | 56.46 | 43,508.97 |
| एकूण                                                                   | 490.84                  | 53,640.93        | 60.57 | 54,192.34 |
| स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून घेतलेल्या (ऑक्टोबर 2024) विदाच्या आधारे संकलित |                         |                  |       |           |

तक्ता 5.9 मध्ये निदर्शनास आल्याप्रमाणे, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान ₹ 541.92 कोटी ऑक्टोबर 2024 पर्यंत प्रदानाकरीता थकीत होते, त्यापैकी ₹ 106.83 कोटी एक ते चार वर्षांच्या कालावधीसाठी थकीत होते. गोंदिया जिल्ह्यात सर्वाधिक

₹ 71.08 कोटी (13 टक्के) थकबाकी असल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले. निवडलेल्या जिल्ह्यांमध्ये 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीशी संबंधित ₹ 120.12 कोटींची देयके थकीत होती.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की (जून 2025), साहित्यावरील खर्चासाठी निधी मुक्त करण्यासाठी केंद्र सरकारकडे पाठपुरावा केला जात आहे.

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की, 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीशी संबंधित ऑक्टोबर 2024 पर्यंतचे ₹ 541.92 कोटीचे दायित्व घटून सप्टेंबर 2025 पर्यंत ₹ 216.68 कोटी इतके झाले होते ज्यापैकी ₹ 16.37 कोटी नाकारलेल्या व्यवहारांमुळे आणि बँकांच्या प्रतिसादांसाठी प्रलंबित असलेल्या व्यवहारांमुळे प्रलंबित होते जे परिच्छेद 5.13.1 मध्ये चर्चिते आहे.

#### 5.13.1 साहित्याच्या वितरणाचा प्रलंबित खर्च

राज्यात साहित्याच्या वितरणाचा प्रलंबित खर्च तक्ता 5.10 मध्ये दर्शविण्यात आला आहे.

तक्ता 5.10: प्रलंबित साहित्य वितरण

| वर्ष    | प्रलंबित साहित्य वितरण खर्च                                        |                                                                   |                                                                         |                                                    | नाकारलेल्या व्यवहारांची एकूण संख्या | समविष्ट रक्कम (लाखांत) |
|---------|--------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------|-------------------------------------|------------------------|
|         | पुनर्निर्मितीसाठी प्रलंबित असलेल्या नाकारलेल्या व्यवहारांची संख्या | पुनर्निर्मितीसाठी प्रलंबित व्यवहारांमध्ये समाविष्ट रक्कम (लाखांत) | बँकेच्या प्रतिसादासाठी प्रलंबित असलेल्या नाकारलेल्या व्यवहारांची संख्या | नाकारलेल्या व्यवहारांमध्ये गुंतलेली रक्कम (लाखांत) |                                     |                        |
| 1       | 2                                                                  | 3                                                                 | 4                                                                       | 5                                                  | 6=2+4                               | 7=3+5                  |
| 2019-20 | 120                                                                | 18.94                                                             | 49                                                                      | 5.62                                               | 169                                 | 24.56                  |
| 2020-21 | 890                                                                | 94.41                                                             | 205                                                                     | 28.24                                              | 1,095                               | 122.65                 |
| 2021-22 | 1,937                                                              | 163.23                                                            | 1,343                                                                   | 159.85                                             | 3,280                               | 323.08                 |
| 2022-23 | 1,505                                                              | 210.36                                                            | 1,753                                                                   | 764.31                                             | 3,258                               | 974.67                 |
| 2023-24 | 1,601                                                              | 404.32                                                            | 1,219                                                                   | 335.39                                             | 2,820                               | 739.71                 |
| एकूण    | 6,053                                                              | 891.26                                                            | 4,569                                                                   | 1,293.41                                           | 10,622                              | 2,184.67               |

स्त्रोत: नरेगासॉफ्टवेयरमधून घेतलेल्या (ऑक्टोबर 2024) विदाच्या आधारे संकलित

तक्ता 5.10 मध्ये निदर्शनास आल्याप्रमाणे चुकीचे खाते क्रमांक, बंद खाते, गोठवलेले खाते, आधार क्रमांक निष्क्रिय करणे आदी कारणांमुळे ₹ 21.85 कोटींचे 10,622 व्यवहार फेटाळण्यात आले. ₹ 21.85 कोटींपैकी ₹ 14.45 कोटी एक ते चार वर्षे प्रलंबित होती. निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये ₹ 5.27 कोटीच्या साहित्यावरील खर्चाचे 2,654 व्यवहार फेटाळण्यात आले. या नाकारण्यात आलेल्या व्यवहारांवरील वितरण एकतर

पुनरुज्जीवितासाठी<sup>11</sup> (निधी हस्तांतरण आदेश तयार करणे) प्रलंबित होते किंवा पुनर्निर्मित केले गेले असले तरी बँकेच्या प्रतिसादासाठी<sup>12</sup> प्रलंबित होते.

उत्तरादाखल आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की, साहित्य घटकांसाठी निधी मुक्त करण्यासाठी केंद्र सरकारकडे सातत्याने पाठपुरावा केला जातो.

लेखापरीक्षणाच्या असे निदर्शनास आले की, सप्टेंबर 2025 पर्यंत 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीशी संबंधित ₹ 16.37 कोटींचे 10,917 नाकारलेले व्यवहार वाढले होते.

### निष्कर्ष

2019-20 ते 2023-24 दरम्यान मंजूर झालेल्या कामांपैकी, 19.57 टक्के कामे अपूर्ण होती तर 27.62 टक्के कामे सुरु ही झाली नव्हती. तसेच, 2019-20 पूर्वी मंजूर झालेली 3.03 लाख कामे अपूर्ण होती. ग्राम पंचायतीत एकावेळी किती कामे हाती घेता येतील याच्या मर्यादेचा अभाव असल्यामुळे अपूर्ण कामांची संख्या वाढत गेली आणि कामे सुरु झाली नाहीत जे नियोजनाचा अभाव व कार्यान्वयनावरील नियंत्रणाचा अभाव दर्शवितो.

### शिफारस

**शिफारस क्र. 6: शासनाने ग्राम पंचायतीत नवीन कामे मंजूर करण्यासाठी विहित तरतुदींचे पालन करण्याचे निर्देश द्यावेत.**

<sup>11</sup> पुनरुज्जीवित म्हणजे निधी हस्तांतरण आदेश तयार करणे.

<sup>12</sup> बँकेचा प्रलंबित प्रतिसाद म्हणजे बँकांकडून व्यवहाराच्या यश किंवा अपयशाची पोचपावती प्रतिक्रित असणे.

## **प्रकरण VI**

**संनियंत्रण, सामाजिक अंकेक्षण  
आणि तक्रार निवारण**



## प्रकरण VI

### संनियंत्रण, सामाजिक अंकेक्षण आणि तक्रार निवारण

#### 6.1 संनियंत्रण

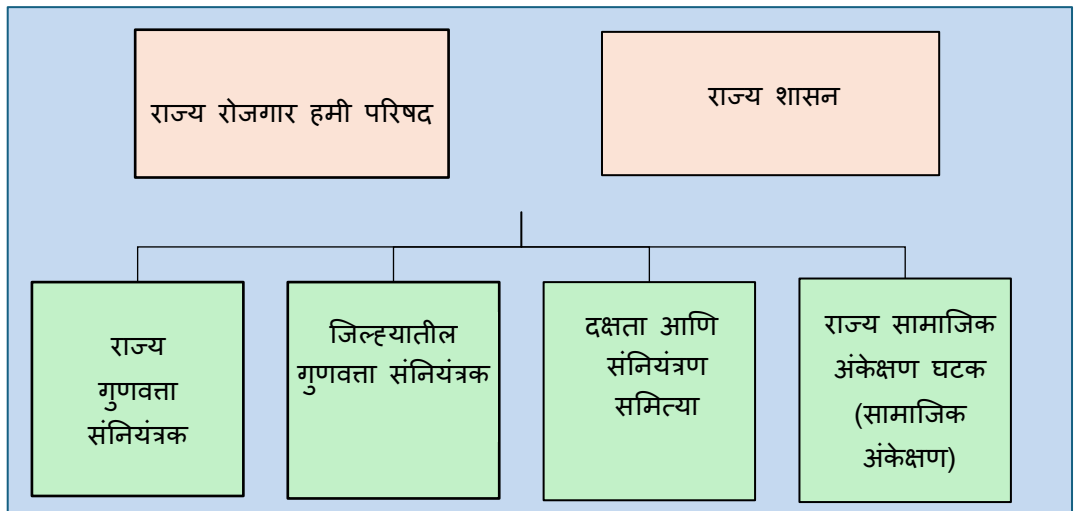
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या प्रकरण 14 मध्ये गुणवत्ता व्यवस्थापन आणि गुणवत्ता संनियंत्रण यंत्रणेचे पैलू स्पष्ट केले आहेत. ही योजना मालमतेच्या निर्मितीशी संबंधित आहे आणि म्हणूनच, निर्माण केलेल्या मालमतेचा टिकाऊपणा सुनिश्चित करण्यासाठी, गुणवत्ता व्यवस्थापन महत्वाचे आहे. गुणवत्ता व्यवस्थापनामध्ये प्रकल्प निवड, जागेची निवड, सर्वेक्षण, प्रकल्प आरेखन अंदाजपत्रक, कामाची अंमलबजावणी, पर्यवेक्षण इत्यादींचा समावेश आहे.

तसेच, कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 14.4 नुसार, गुणवत्ता व्यवस्थापनाचे तीन भिन्न पैलू आहेत जसे की कार्यस्थळावरील गुणवत्ता नियंत्रण, गुणवत्ता पर्यवेक्षण आणि गुणवत्ता संनियंत्रण. गुणवत्ता व्यवस्थापनाव्यतिरिक्त, राज्य रोजगार हमी परिषद, सामाजिक अंकेक्षण, तक्रार निवारण यंत्रणेद्वारे पारदर्शकता आणि जबाबदारी, लोकायुक्ताची व्यवस्था यांसारखे इतर पैलू देखील महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेच्या संनियंत्रणाचा भाग आहेत.

#### 6.2 संनियंत्रण यंत्रणा

राज्यातील योजनेचे संनियंत्रण राज्य, जिल्हा आणि गाव पातळीवरील विविध अधिकाऱ्यांवर सोपविले जाते जसे की **आलेख 6.1** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे राज्य रोजगार हमी परिषद, महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण आणि पारदर्शकता सोसायटी, दक्षता आणि संनियंत्रण समित्या, राज्य गुणवत्ता संनियंत्रण, जिल्हा गुणवत्ता संनियंत्रण.

आलेख 6.1: योजने अंतर्गत संनियंत्रण चौकट



योजनेतर्गत संनियंत्रण, मूल्यांकन आणि पुनरावलोकनाशी संबंधित लेखापरीक्षण निष्कर्षांची पुढील परिच्छेदांमध्ये चर्चा केली आहे.

### 6.3 राज्य रोजगार हमी परिषद

महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाच्या कलम 4 नुसार, राज्य शासन एक राज्य रोजगार हमी परिषद स्थापन करेल. परिषदेची कर्तव्ये आणि कार्ये यांत इतर गोष्टींबरोबरच अधिनियम आणि योजनेच्या अंमलबजावणीवर संनियंत्रण ठेवणे हे देखील गृहीत आहे.

महाराष्ट्र शासनाच्या नियोजन विभागाने (रोजगार हमी योजना) जानेवारी 2006 मध्ये महाराष्ट्र राज्य रोजगार हमी परिषद<sup>1</sup> स्थापन केली, ज्याची ऑक्टोबर 2011 मध्ये पुनर्रचना करण्यात आली. प्राधान्याची कामे निश्चित करणे, संनियंत्रण आणि निवारण यंत्रणेचा आढावा घेणे आणि सुधारणांची शिफारस करणे, माहितीच्या प्रसारास प्रोत्साहन देणे, अंमलबजावणीवर संनियंत्रण ठेवणे इत्यादी कामांसाठी महाराष्ट्र राज्य रोजगार हमी परिषद जबाबदार होती. तसेच, महाराष्ट्र राज्य रोजगार हमी परिषदेने वर्षातून किमान दोनवेळा बैठक घेऊन राज्य शासनाद्वारे राज्य विधिमंडळासमोर मांडण्यासाठी वार्षिक अहवाल तयार करणे बंधनकारक होते.

वार्षिक अहवाल तयार करणे आणि राज्य विधिमंडळासमोर सादर करणे वगळता महाराष्ट्र राज्य रोजगार हमी परिषदेने वरील जबाबदाऱ्या पार पाडल्या आहेत की नाही हे लेखापरीक्षणात निश्चित करता आले नाही, कारण लेखापरीक्षणात कोणतेही अभिलेख सादर केले गेले नाहीत.

उत्तरादाखल, नियोजन विभागाचे सहाय्यक संचालक (रोजगार हमी योजना) यांनी असे नमूद केले (ऑगस्ट 2024) की, नियमित बैठका घेतल्या गेल्या नाहीत आणि परिषदेने कोणत्याही सूचना दिल्या नाहीत.

### 6.4 दक्षता व संनियंत्रण समिती

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 13.6.1 नुसार, या अधिनियमाच्या अंमलबजावणीतील अनियमितता शोधून काढण्यासाठी आणि सामाजिक अंकेक्षणादरम्यान आढळलेल्या अनियमितता आणि गैरप्रकारांचा पाठपुरावा करण्यासाठी आणि दोषींना शिक्षा होईल आणि चुकीच्या पद्धतीने खर्च केलेल्या निधीची वसुली होईल याची खात्री करण्यासाठी राज्याने त्रिस्तरीय दक्षता यंत्रणेची व्यवस्था करावी. मुख्य दक्षता अधिकारी आणि स्थापत्य अभियंता आणि लेखापरीक्षक यांच्या सहकार्याने राज्यस्तरीय दक्षता कक्ष स्थापन करणे आवश्यक होते. त्याचप्रमाणे जिल्हास्तरीय अधिकाऱ्याचा समावेश असलेला आणि अभियंता व

<sup>1</sup> अध्यक्ष: मुख्यमंत्री, उपाध्यक्ष: उपमुख्यमंत्री, कार्यकारी अध्यक्ष: मंत्री (रोजगार हमी योजना), सदस्य सचिव: राज्यमंत्री (रोजगार हमी योजना), सदस्य: मंत्री (ग्रामीण विकास), मंत्री (जलसंधारण), मंत्री (कृषी), प्रधान सचिव (ग्रामीण विकास, रोजगार हमी योजना, नियोजन, कृषी), आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना).

लेखापरीक्षकांच्या सहाय्याने जिल्हास्तरीय दक्षता कक्ष स्थापन करणे आवश्यक होते. तसेच, ग्राम पंचायत स्तरावर दहा सदस्यांची दक्षता व संनियंत्रण समिती स्थापन करणे आवश्यक होते.

महाराष्ट्र शासनाच्या नियोजन विभागाने (रोजगार हमी योजना) दिलेल्या माहितीनुसार, राज्यस्तरीय दक्षता कक्षाची स्थापना करण्यात आली होती. तथापि, राज्यस्तरीय दक्षता कक्षाच्या स्थापनेला समर्थन देणारे कागदोपत्री पुरावे लेखापरीक्षणाला सादर करण्यात आले नाहीत. शिवाय, निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांपैकी तीन (नागपूर, पालघर आणि छत्रपती संभाजीनगर) मध्ये जिल्हा दक्षता समिती स्थापन करण्यात आली नव्हती.

#### 6.5 राज्य/जिल्हा गुणवत्ता संनियंत्रकांद्वारे गुणवत्ता नियंत्रण

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 14.7 नुसार, बाह्य संनियंत्रकांद्वारे गुणवत्ता संनियंत्रणामध्ये दोन भाग असतील (i) मंत्रालयाने सूचीबद्ध केलेले राष्ट्रीय पातळीवरील संनियंत्रक आणि (ii) राज्यातील प्रत्येक जिल्ह्यासाठी राज्य गुणवत्ता संनियंत्रक आणि राज्यातील सर्व राज्य गुणवत्ता संनियंत्रणाच्या कामात समन्वय साधण्यासाठी राज्य स्तरावर एक संचालक (गुणवत्ता संनियंत्रक) यांचा समावेश असलेले राज्य गुणवत्ता संनियंत्रण घटक. तांत्रिक बाबींच्या अनुषंगाने कामांची पाहणी/मोजमाप आणि विश्लेषण राज्य गुणवत्ता संनियंत्रकांकडून केले जाईल. भेट दिलेल्या प्रत्येक कामासाठी कामाच्या रचनेच्या आणि अंमलबजावणीच्या विविध पैलूंचे वर्गीकरण राज्य गुणवत्ता संनियंत्रकांकडून वस्तुनिष्ठपणे केले जाईल. किमान पाच टक्के कामे पूर्ण झाल्यानंतर एक वर्षाच्या आत त्यांची तपासणी करणे, मालमतेची गुणवत्ता आणि उपयुक्तता व देखभाल बाबींचे मूल्यमापन करणे आणि किमान पाच टक्के कामे प्रगतीपथावर असताना त्यांची तपासणी करणे, सुधारात्मक उपाययोजना करण्यासाठी प्रक्रियेच्या गुणवत्तेच्या पैलूंचे मूल्यमापन करणे आवश्यक आहे, असेही मार्गदर्शक तत्वांमध्ये नमूद करण्यात आले आहे.

नियोजन विभागाने (रोजगार हमी योजना) सादर केलेल्या माहितीनुसार, संचालक (गुणवत्ता संनियंत्रक) यांची नियुक्ती 2022 मध्ये करण्यात आली होती. मात्र, जिल्ह्यातील राज्य गुणवत्ता संनियंत्रक नियुक्त करण्यात आले नव्हते. नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले की नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना) यांनी राज्य गुणवत्ता संनियंत्रक नियुक्तीसाठी सादर केलेल्या प्रस्तावाला (जून 2022) वित्त विभाग, महाराष्ट्र शासनाने मान्यता न दिल्याने जिल्हास्तरावर राज्य गुणवत्ता संनियंत्रकाची नियुक्ती करण्यात आली नाही. पुढे असे नमूद करण्यात आले की, 2022-23 मध्ये चार आदिवासी जिल्ह्यांमध्ये म्हणजेच अमरावती, गडचिरोली, नंदुरबार आणि पालघरमध्ये गुणवत्ता नियंत्रण आणि संनियंत्रणासाठी प्रायोगिक तत्वावर तृतीय पक्ष निरीक्षक अभिकरणे नियुक्त करण्यात आली होती. तथापि, आतापर्यंत चार



जिल्ह्यांपैकी अमरावती जिल्ह्यात तृतीय पक्ष निरीक्षक अभिकरणाद्वारे निरीक्षण केले गेले नव्हते.

अश्याप्रकारे, जिल्ह्यात राज्य गुणवत्ता संनियंत्रकांची नेमणूक न होणे, तृतीय पक्ष निरीक्षक अभिकरण नेमलेल्या एका जिल्ह्यात तपासणी न होणे या कारणांमुळे या योजनेतर्गत निर्माण झालेल्या मालमतेचा दर्जा, उपयुक्तता आणि देखभालीची खातरजमा करण्याचे महत्वाचे कार्य राज्यात होत नव्हते.

## 6.6 सामाजिक अंकेक्षण

या योजनेतर्गत ग्रामीण रोजगाराची हमी देण्याच्या सर्व अटींची अंमलबजावणी आणि महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमांतर्गत सर्व खर्चासह मजुरांच्या किमान हक्कांच्या तरतुदींचे दर सहा महिन्यांनी किमान एकदा केंद्र सरकारने विहित केलेल्या पद्धतीने सामाजिक अंकेक्षण केले जाईल.

त्यानुसार, महाराष्ट्र शासनाच्या नियोजन विभागाने (रोजगार हमी योजना) सामाजिक अंकेक्षण प्रक्रियेची जागरूकता निर्माण करण्यासाठी आणि बळकटीकरण करण्यासाठी, नियोजन, अंमलबजावणी आणि संनियंत्रणासाठी एक स्वतंत्र सामाजिक अंकेक्षण संचालनालय (सप्टेंबर 2013) आणि महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटी ही स्वतंत्र संस्था (डिसेंबर 2017) स्थापन केली. महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटी मध्ये सर्वसाधारण सभा, नियामक मंडळ आणि कार्यकारी समितीचा समावेश होता.

### 6.6.1 सामाजिक अंकेक्षणासाठी निधी

ग्रामीण विकास मंत्रालयाने 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान जारी केलेल्या वार्षिक मुख्य परिपत्रकांनुसार, प्रशासकीय खर्चाच्या सहा टक्के राज्याच्या अनुज्ञेयतेतून राज्याच्या सामाजिक अंकेक्षणासाठी 0.5 टक्के पर्यंत राखीव ठेवले होते.

सामाजिक अंकेक्षण कार्यालयासाठी लागणारा निधी मंत्रालयाकडून संबंधित राज्य शासनार्फत सामाजिक अंकेक्षण कार्यालयाच्या स्वतंत्र बँक खात्यात पाठवला जातो.

राज्य शासनाने 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान सामाजिक अंकेक्षणासाठी दिलेला निधी तक्ता 6.1 मध्ये दर्शविला आहे.

तक्ता 6.1: सामाजिक अंकेक्षणासाठी निधी उपलब्ध करून देणे

| वर्ष                                                                                                                         | प्रशासकीय खर्चासाठी मिळालेला निधी (एकूण खर्चाच्या सहा टक्के) | प्राप्त निधीच्या 0.5 टक्के रक्कम विचारात घेता सामाजिक अंकेक्षणासाठी प्राप्त होणारा निधी | सामाजिक अंकेक्षणासाठी मिळालेला निधी | सामाजिक अंकेक्षणासाठी निधीचे कमी वाटप |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------|---------------------------------------|
| 1                                                                                                                            | 2                                                            | 3                                                                                       | 4                                   | 5(3-4)                                |
| (₹ कोटीत)                                                                                                                    |                                                              |                                                                                         |                                     |                                       |
| 2019-20                                                                                                                      | 167.85                                                       | 13.99                                                                                   | 10.51                               | 3.48                                  |
| 2020-21                                                                                                                      | 38.63                                                        | 3.22                                                                                    | 0                                   | 3.22                                  |
| 2021-22                                                                                                                      | 128.37                                                       | 10.70                                                                                   | 4.42                                | 6.28                                  |
| 2022-23                                                                                                                      | 86.70                                                        | 7.22                                                                                    | 0                                   | 7.22                                  |
| 2023-24                                                                                                                      | 160.28                                                       | 13.36                                                                                   | 7.04                                | 6.32                                  |
| एकूण                                                                                                                         | 581.83                                                       | 48.49                                                                                   | 21.97                               | 26.52                                 |
| स्त्रोत: नियोजन विभाग (रोजगार हमी योजना) आणि महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटी यांनी सादर केलेली माहिती |                                                              |                                                                                         |                                     |                                       |

तक्ता 6.1 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 2020-21 ते 2023-24 दरम्यान महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटीद्वारे सामाजिक अंकेक्षणासाठी प्राप्त निधी एकूण खर्चाच्या 0.5 टक्के या विहित मर्यादेपेक्षा कमी होता आणि ₹ 26.52 कोटी कमी प्राप्त झाले.

**परिच्छेद 6.6.3** मध्ये चर्चा केल्यानुसार सामाजिक अंकेक्षणासाठी लागणारा निधी कमी प्रमाणात मुक्त केल्यामुळे सामाजिक अंकेक्षण कमी प्रमाणात करण्यात आले.

#### 6.6.2 राज्य शासनाकडून सामाजिक अंकेक्षण कार्यालयाला निधी उपलब्ध करून देणे

भारत सरकारच्या ग्रामीण विकास मंत्रालयाने वेळोवेळी जारी केलेल्या वार्षिक मुख्य परिपत्रकांनुसार, राज्य शासनाने निधी प्राप्त झाल्यापासून 15 कामकाज दिवसांच्या आत सामाजिक अंकेक्षण कार्यालयाच्या बँक खात्यात निधी हस्तांतरित होईल याची खात्री करणे आवश्यक आहे.

तसेच, भारत सरकारच्या ग्रामीण विकास मंत्रालयाने 2019-20 मध्ये जारी केलेल्या निधी मुक्तता आदेशानुसार (28 जानेवारी 2020) असे नमूद करण्यात आले होते की, जर 15 कामकाज दिवसांच्या आत सामाजिक अंकेक्षण कार्यालयाच्या बँक खात्यात निधी हस्तांतरित केला गेला नाही, तर राज्य शासन विलंबाच्या कालावधीसाठी वार्षिक @12 टक्के व्याज देण्यास जबाबदार असेल.

2019-20 ते 2023-24 दरम्यान राज्य शासनाने महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटीला निधी देण्यास केलेला विलंब तक्ता 6.2 मध्ये दर्शविला आहे.

तक्ता 6.2: महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटीला निधी देण्यास विलंब

| वर्ष                                                                                 | निधीची रक्कम (₹ कोटीत) | ग्रामीण विकास मंत्रालयाद्वारे निधी मुक्त करण्याची तारीख | सामाजिक अंकेक्षण कार्यालयाच्या खात्यात जमा केल्याची तारीख | विलंब दिवसात | विलंब झालेली रक्कम (₹ कोटीत) |
|--------------------------------------------------------------------------------------|------------------------|---------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------|--------------|------------------------------|
| 2019-20                                                                              | 4.55                   | 14.03.2019                                              | 05.04.2019                                                | -निरंक-      | -                            |
|                                                                                      | 5.96                   | 28.01.2020                                              | 16.03.2020                                                | 19 दिवस      | 5.96                         |
| 2020-21                                                                              | -निरंक-                | -निरंक-                                                 | -निरंक-                                                   | -निरंक-      | -                            |
| 2021-22                                                                              | 4.42                   | 31.03.2021                                              | 29.07.2021                                                | 69 दिवस      | 4.42                         |
| 2022-23                                                                              | -निरंक-                | -निरंक-                                                 | -निरंक-                                                   | -निरंक-      | -                            |
| 2023-24                                                                              | 3.52                   | 14.09.2023                                              | 20.09.2023                                                | -निरंक-      |                              |
|                                                                                      | 3.52                   | 15.02.2024                                              | 28.03.2024                                                | 12 दिवस      | 3.52                         |
| एकूण                                                                                 | 21.97                  |                                                         |                                                           |              | 13.90                        |
| स्त्रोत: महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटीने सादर केलेली माहिती |                        |                                                         |                                                           |              |                              |

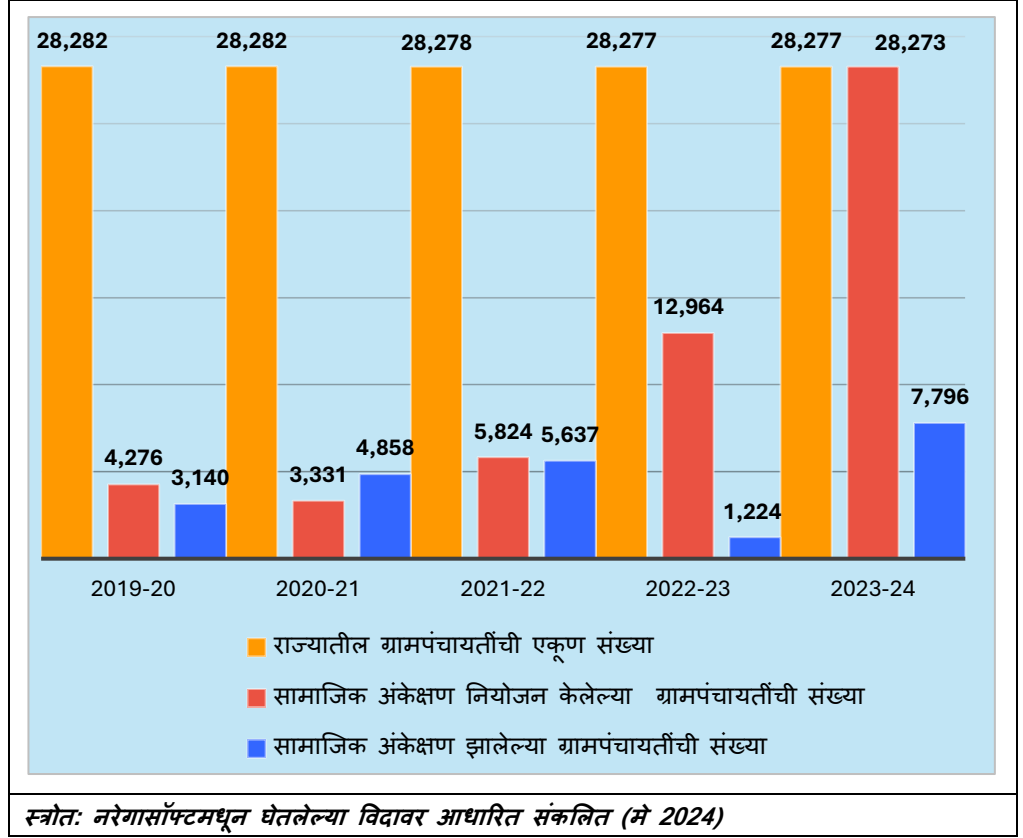
तक्ता 6.2 वरून पाहिल्याप्रमाणे, राज्य शासनाने मुक्त केलेल्या ₹ 21.97 कोटीपैकी ₹ 13.90 कोटी विलंबाने मुक्त झाले आणि हा विलंब 12 दिवसांपासून ते 69 दिवसांपर्यंत होता. तसेच, 2019-20 मध्ये मुक्तता आदेशानुसार ₹3.72 लाख व्याज राज्य शासनाने महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटीला दिले नाही.

#### 6.6.3 सामाजिक अंकेक्षणाचे आयोजन

योजनेच्या परिच्छेद 24 (सी) (महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाच्या अनुसूची II) नुसार प्रत्येक ग्राम पंचायतीचे दर सहा महिन्यांनी किमान एक सामाजिक अंकेक्षण करण्यात यावे.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत नियोजित आणि केलेल्या सामाजिक अंकेक्षणाचा तपशील आलेख 6.2 मध्ये दर्शविला आहे.

आलेख 6.2: नियोजित केलेल्या सामाजिक अंकेक्षणाच्या तुलनेत केलेले सामाजिक अंकेक्षण



2019-2020 ते 2023-24 दरम्यान सामाजिक अंकेक्षणासाठी नियोजित ग्राम पंचायतींची संख्या वाढली आहे. तथापि, नियोजित सामाजिक अंकेक्षणाच्या तुलनेत सामाजिक अंकेक्षण आयोजित केलेल्या ग्राम पंचायतींची संख्या 9.44 टक्के (2022-23) आणि 145.84 टक्के (2020-21) होती, तर 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान ग्राम पंचायतीच्या एकूण संख्येच्या तुलनेत ग्राम पंचायतीच्या आयोजित केलेल्या सामाजिक अंकेक्षणांमध्ये कमतरता 72.43 टक्के आणि 95.67 टक्के दरम्यान होती.

तसेच, निवडलेल्या 48 ग्रामपंचायतींमध्ये, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान आवश्यक 480 सामाजिक अंकेक्षणाच्या ऐवजी, फक्त 25 सामाजिक अंकेक्षण (21 ग्राम पंचायतींमध्ये) करण्यात आले, असेही निदर्शनास आले. अहिल्यानगर जिल्ह्यातील निवडलेल्या आठ ग्राम पंचायतींपैकी कोणत्याही ग्राम पंचायतीमध्ये 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान सामाजिक अंकेक्षण करण्यात आले नाही.

उत्तरादाखल, संचालक, सामाजिक अंकेक्षण कार्यालय यांनी नमूद केले (जून 2024) की, सामाजिक अंकेक्षण करण्यासाठी भारत सरकारकडून मिळालेला निधी प्रत्यक्षात वर्षासाठी आवश्यक असलेल्या निधीच्या एक तृतीयांशपेक्षा कमी आहे, ज्यामुळे सामाजिक अंकेक्षण नियोजित सामाजिक अंकेक्षणापेक्षा कमी झाले. अशाप्रकारे, सामाजिक अंकेक्षण करण्यासाठी भारत सरकारकडून मिळणारा निधी केवळ अपुरा नव्हता तर परिच्छेद 6.6.1 मध्ये चर्चा केल्याप्रमाणे राज्य शासनाने सामाजिक अंकेक्षण कार्यालयाला हस्तांतरित केलेला निधीही कमी होता.

अशाप्रकारे, प्रकल्पांच्या अंमलबजावणीमध्ये सार्वजनिक जबाबदारी सुनिश्चित करण्यासाठी योजनेची सतत सार्वजनिक दक्षता घेण्यासाठी एक संस्थात्मक यंत्रणा असलेली सामाजिक अंकेक्षण, निधीच्या कमतरतेमुळे अडचणीत आली.

#### 6.6.4 सामाजिक अंकेक्षणाची अभिक्षणे

योजनेच्या परिच्छेद 24 सी (ix) नुसार (महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाची अनुसूची II), सामाजिक अंकेक्षणाच्या अहवालांवर पद्धतशीर पाठपुरावा कार्यवाही आणि गैरव्यवहार झालेल्या रकमेची वसुली पूर्ण करणे, सामाजिक अंकेक्षणात आढळलेल्या अनियमिततेवर योग्य शिस्तभंगाची किंवा फौजदारी कारवाई पूर्ण करणे हे सामाजिक अंकेक्षण केल्याच्या तारखेपासून सहा महिन्यांच्या आत करणे आवश्यक आहे.

2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटीने नोंदवलेल्या मुद्द्यांची संख्या आणि बंद केलेल्या मुद्द्यांची संख्या तक्ता 6.3 मध्ये दर्शविली आहे.

तक्ता 6.3 : राज्यातील सामाजिक अंकेक्षण अभिक्षणांची प्रलंबितता

| कालावधी | नोंदवलेल्या मुद्द्यांची एकूण संख्या | बंद झालेल्या एकूण मुद्द्यांची संख्या | प्रलंबित मुद्द्यांची संख्या | प्रलंबित प्रकरणांची टक्केवारी |
|---------|-------------------------------------|--------------------------------------|-----------------------------|-------------------------------|
| 2019-20 | 5,038                               | 3,253                                | 1,785                       | 35                            |
| 2020-21 | 7,698                               | 4,704                                | 2,994                       | 39                            |
| 2021-22 | 9,918                               | 7,600                                | 2,318                       | 23                            |
| 2022-23 | 1,772                               | 1,077                                | 695                         | 39                            |
| 2023-24 | 12,172                              | 6,802                                | 5,370                       | 44                            |
| एकूण    | 36,598                              | 23,436                               | 13,162                      | 36                            |

स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून घेतलेल्या विदेवर आधारित संकलित (सप्टेंबर 2024).

तक्ता 6.3 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे, महाराष्ट्र राज्य सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटीने नोंदवलेल्या 36,598 मुद्द्यांपैकी 23,436 मुद्दे बंद करण्यात आले आणि 13,162 (36 टक्के) मुद्दे निकाली निघणे प्रलंबित होते. निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये, 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत सामाजिक अंकेक्षणा दरम्यान 5,473 अभिक्षणे निदर्शनास आली होती, त्यापैकी 3,045 अभिक्षणे बंद करण्यात आली तर 2,428 अभिक्षणे (44 टक्के) सप्टेंबर 2024 पर्यंत प्रलंबित होती.

राज्यात निपटारा करण्यासाठी प्रलंबित अभिक्षणे 3,636 पर्यंत कमी झाली असून, सहा निवडलेल्या जिल्ह्यांमध्ये सप्टेंबर 2025 पर्यंत प्रलंबित अभिक्षणे 233 पर्यंत कमी झाली.

राज्यात 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान सामाजिक अंकेक्षणादरम्यान निदर्शनास आणून देण्यात आलेली आर्थिक गैरव्यवहाराची प्रकरणे, निर्णय घेतलेली प्रकरणे आणि प्रलंबित वसुलीची रक्कम तक्ता 6.4 मध्ये दर्शविली आहे.

तक्ता 6.4: राज्यातील आर्थिक गैरव्यवहाराची प्रलंबित वसुली

| वर्ष                                                                   | महाराष्ट्र राज्य-सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटीने निदर्शनास आणून दिलेल्या आणि निर्णय दिलेल्या प्रकरणांची संख्या (रक्कम ₹ लाखांत) | कारवाई अहवाल अपलोड केलेल्या प्रकरणांची संख्या (रक्कम ₹ लाखांत) | वसुली झालेल्या कारवाई अहवाल प्रकरणांची संख्या (रक्कम लाखांत) | वसुलीची आवश्यकता नसलेल्या कारवाई अहवाल प्रकरणांची संख्या (रक्कम लाखांत) | अपलोड केलेल्या परंतु प्रलंबित असलेल्या कारवाई अहवाल प्रकरणांची संख्या (रक्कम लाखांत) | कारवाई अहवाल प्रकरणे अपलोड न झालेल्या प्रकरणांची संख्या (रक्कम ₹ लाखांत) | एकूण प्रलंबित प्रकरणे (रक्कम लाखांत) | प्रलंबित प्रकरणांची टक्केवारी |
|------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------|-------------------------------|
| 1                                                                      | 2                                                                                                                                       | 3                                                              | 4                                                            | 5                                                                       | 6=3-4-5                                                                              | 7=2-3                                                                    | 8=6+7                                | 9= (8/2*100)                  |
| 2019-20                                                                | 226<br>(194.50)                                                                                                                         | 226<br>(194.50)                                                | 57<br>(28.99)                                                | 165<br>(162.51)                                                         | 4<br>(3.00)                                                                          | -                                                                        | 04<br>(3.00)                         | 1.77                          |
| 2020-21                                                                | 152<br>(118.56)                                                                                                                         | 131<br>(107.63)                                                | 27<br>(7.48)                                                 | 52<br>(62.06)                                                           | 52<br>(38.09)                                                                        | 21<br>(10.93)                                                            | 73<br>(49.02)                        | 48.03                         |
| 2021-22                                                                | 223<br>(136.61)                                                                                                                         | 184<br>(128.14)                                                | 44<br>(25.48)                                                | 93<br>(85.05)                                                           | 47<br>(17.61)                                                                        | 39<br>(8.47)                                                             | 86<br>(26.08)                        | 38.57                         |
| 2022-23                                                                | 130<br>(173.18)                                                                                                                         | 122<br>(164.13)                                                | 16<br>(2.09)                                                 | 49<br>(97.64)                                                           | 57<br>(64.40)                                                                        | 8<br>(9.05)                                                              | 65<br>(73.45)                        | 50.00                         |
| 2023-24                                                                | 353<br>(499.35)                                                                                                                         | 252<br>(184.84)                                                | 50<br>(18.26)                                                | 102<br>(67.46)                                                          | 100<br>(99.12)                                                                       | 101<br>(314.51)                                                          | 201<br>(413.63)                      | 56.94                         |
| एकूण                                                                   | 1,084<br>(1,122.20)                                                                                                                     | 915<br>(779.24)                                                | 194<br>(82.30)                                               | 461<br>(474.72)                                                         | 260<br>(222.22)                                                                      | 169<br>(342.96)                                                          | 429<br>(565.18)                      | 39.58                         |
| स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून घेतलेल्या विदेवर आधारित संकलित (जानेवारी 2025) |                                                                                                                                         |                                                                |                                                              |                                                                         |                                                                                      |                                                                          |                                      |                               |

तक्ता 6.4 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे, 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान महाराष्ट्र राज्य-सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटीने निदर्शनास आणलेल्या 1,084 प्रकरणांमध्ये वसूल करावयाच्या ₹ 11.22 कोटींपैकी, कारवाई केलेल्या 429 प्रकरणांतील ₹ 5.65 कोटींची वसुली प्रलंबित होती. 2019-20 या कालावधी पासून महाराष्ट्र राज्य-सामाजिक अंकेक्षण व पारदर्शकता सोसायटीने निदर्शनास आणलेल्या प्रकरणांमध्ये गैरव्यवहाराची रक्कम वसूल न करणे हे महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाचे उल्लंघन होते, ज्यामध्ये सामाजिक अंकेक्षणाद्वारे दर्शविलेली वसुलीची रक्कम सामाजिक अंकेक्षणाच्या तारखेपासून सहा महिन्यांच्या आत वसूल करावी असे नमूद केले होते.

उत्तरादाखल, आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी नमूद केले (जून 2025) की, गैरव्यवहार झालेल्या रकमेची वसुली कालबद्ध पद्धतीने करण्याचे निर्देश देण्यात आले आहेत.

सप्टेंबर 2025 पर्यंत, ₹ 4.44 कोटी रकमेच्या 314 प्रकरणांवर वसुली कारवाई प्रलंबित होती.

## 6.7 तक्रार निवारण यंत्रणा

महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाच्या कलम 6-1 एफ नुसार, राज्य शासन, योजनेच्या अंमलबजावणीसंदर्भात कोणत्याही व्यक्तीच्या तक्रारीचा निपटारा करण्यासाठी तालुका स्तरावर आणि जिल्हा स्तरावर योग्य तक्रार निवारण यंत्रणा नियमाद्वारे निश्चित करून अशा तक्रारींचा निपटारा करण्याची कार्यपद्धती निश्चित करेल. तसेच, महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाच्या कलम 12 ब (5) नुसार तक्रारींचा निपटारा सात दिवसांच्या आत करणे आवश्यक आहे.

कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 13.13.1(xi) मध्ये, प्राप्त झालेल्या आणि निपटारा केलेल्या तक्रारींबाबतचा मासिक अहवाल ग्राम पंचायतीकडून कार्यक्रम अधिकारी, जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक आणि राज्य शासन यांच्यामार्फत भारत सरकारकडे पाठविणे आवश्यक आहे. हे सारे संकेतस्थळावर ठेवणे आवश्यक आहे.

विभागाने तक्रारी स्वीकारण्याचे अनेक मार्ग स्थापित केले होते जसे की लेखी तक्रारी, दूरध्वनी, मदत संपर्क क्रमांक, संकेतस्थळ इत्यादी.

निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान प्राप्त झालेल्या आणि निकाली काढलेल्या तक्रारींची स्थिती तक्ता 6.5 मध्ये दर्शविली आहे.

तक्ता 6.5: 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान प्राप्त झालेल्या आणि निपटारा केलेल्या तक्रारींची स्थिती

| जिल्ह्याचे नाव                                                                          | एकूण तक्रारींची संख्या | निकाली काढलेल्या | प्रलंबित |
|-----------------------------------------------------------------------------------------|------------------------|------------------|----------|
| अहिल्यानगर                                                                              | 210                    | 150              | 60       |
| अमरावती                                                                                 | 285                    | 273              | 12       |
| छत्रपती संभाजीनगर                                                                       | 57                     | 16               | 41       |
| धाराशिव                                                                                 | 11                     | 11               | 0        |
| नागपूर                                                                                  | 22                     | 22               | 0        |
| पालघर                                                                                   | 4                      | 4                | 0        |
| एकूण                                                                                    | 589                    | 476              | 113      |
| स्त्रोत: निवडलेल्या जिल्ह्यांच्या उपजिल्हाधिकारी (रोजगार हमी योजना) यांनी दिलेली माहिती |                        |                  |          |

तक्ता 6.5 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे, प्राप्त 589 तक्रारींपैकी 476 तक्रारी निकाली काढण्यात आल्या, तर 113 तक्रारी (19 टक्के) प्रलंबित होत्या. या 113 प्रलंबित तक्रारींपैकी 62<sup>2</sup> तक्रारी (55 टक्के) 2023-24 पूर्वीच्या कालावधीतील होत्या.

480 लाभार्थ्यांच्या सर्वेक्षणादरम्यान, 233 लाभार्थ्यांनी (49 टक्के) असे उत्तर दिले की त्यांना कार्यक्रम अधिकारी आणि जिल्हा कार्यक्रम समन्वयक स्तरावर उपलब्ध असलेल्या तक्रार निवारण यंत्रणेबद्दल माहिती नव्हती.

उत्तरादाखल, आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी असे नमूद केले (जून 2025) की, संबंधित जिल्ह्यांना तक्रार निवारण यंत्रणेबाबत जनजागृती करण्याचे निर्देश देण्यात आले आहेत.

<sup>2</sup> 2019-20:15; 2020-21: 4; 2021-22:19, 2022-23: 24

### 6.7.1 लोकायुक्तांची नियुक्ती

महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमाच्या अनुसूची II च्या परिच्छेद 29 नुसार, प्रत्येक जिल्ह्यासाठी जारी केलेल्या मार्गदर्शक तत्वांनुसार तक्रारी प्राप्त करण्यासाठी, चौकशी करण्यासाठी आणि निवाडे मंजूर करण्यासाठी एक लोकायुक्त असेल.

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या कार्यचालन मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 13.14.1 नुसार, पारदर्शकता आणि जबाबदारीच्या तत्वांचे पालन करून, राज्य शासन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजनेच्या अंमलबजावणीबाबतच्या तक्रारींचे जलद निवारण करण्यासाठी सर्व जिल्ह्यांमध्ये लोकायुक्त कार्यालयाची स्थापना करण्यात येईल.

तसेच, मार्गदर्शक तत्वांच्या परिच्छेद 13.14.3 नुसार लोकायुक्तांचा मासिक आणि वार्षिक अहवाल आणि मंजूर निवाड्यांची यादी मुख्य सचिव आणि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या प्रभारी सचिवांना पाठविला जाईल. या अहवालात, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियमाच्या दोषी अधिकाऱ्यांच्या कारवाईवर लोकायुक्त प्रकाश टाकतील.

आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी अधिनियम) यांनी दिलेल्या माहितीवरून लेखापरीक्षणात ही योजना कार्यान्वित असलेल्या 34 जिल्ह्यांपैकी केवळ 25 जिल्ह्यांत लोकायुक्तांची नेमणूक करण्यात आली असून उर्वरित नऊ<sup>3</sup> जिल्ह्यांमध्ये लोकायुक्त नेमणूक करण्यात आले नसल्याचे निदर्शनास आले. तसेच, जिल्हा लोकायुक्तांनी मंजूर केलेल्या निवाड्यांच्या यादीसह मासिक व वार्षिक अहवाल, लेखापरीक्षणासाठी सादर करण्यात आले नाहीत.

निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये 2019-20 ते 2023-24 दरम्यान लोकायुक्ताचे पद रिक्त होते त्या कालावधीची माहिती तक्ता 6.6 मध्ये दर्शविली आहे.

तक्ता 6.6: लोकायुक्ताचे पद रिक्त असलेले कालांतर

| जिल्ह्याचे नाव                                                           | 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत लोकायुक्ताचे पद रिक्त असलेले कालांतर |
|--------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------|
| अहिल्यानगर                                                               | 8 महिने, 3 महिने आणि 6 महिने                                        |
| अमरावती                                                                  | 9 महिने आणि 6 महिने,                                                |
| छत्रपती संभाजीनगर                                                        | 17 महिने आणि 12 महिने                                               |
| धाराशिव                                                                  | 10 महिने आणि एक महिना                                               |
| नागपूर                                                                   | 34 महिने आणि 5 महिने                                                |
| पालघर                                                                    | 34 महिने आणि 5 महिने                                                |
| स्त्रोत: निवडलेल्या जिल्ह्यांच्या उपजिल्हाधिकाऱ्यांनी सादर केलेली माहिती |                                                                     |

<sup>3</sup> धुळे, नंदुरबार, छत्रपती संभाजीनगर, रायगड, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सांगली, सातारा आणि कोल्हापूर.



तक्ता 6.6 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे, निवडलेल्या सहा जिल्ह्यांमध्ये लोकायुक्ताचे पद तीन महिन्यांपासून 34 महिन्यांपर्यंत रिक्त होते.

शिवाय, सर्वेक्षणात सहभागी झालेल्या 480 लाभार्थ्यांपैकी 350 लाभार्थ्यांनी (73 टक्के) तक्रार निवारणासाठी लोकायुक्त असल्याचे माहित नव्हते असे उत्तर दिले.

उत्तरादाखल, आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी असे नमूद केले (मे 2025) की, सध्या राज्यात 12 लोकायुक्त कार्यरत असून रिक्त पदे लवकरात लवकर भरण्याची विनंती विभागाला करण्यात येत आहे.

### 6.8 योजनेचा प्रभाव अभ्यास

या योजनेच्या उद्दिष्टांमध्ये ग्रामीण भारतातील सर्वात असुरक्षित लोकांसाठी रोजगाराच्या संधी उपलब्ध करून सामाजिक संरक्षण, टिकाऊ मालमत्ता निर्माण करून गरिबांसाठी उपजीविका सुरक्षा प्रदान करणे, सुधारित पाणी सुरक्षा इत्यादींचा समावेश होता.

या योजनेचा उपजीविका सुरक्षा, उत्पन्न पातळी वाढवण्यावर होणाऱ्या प्रभावाचे मूल्यांकन करण्यासाठी राज्य शासनाने मूल्यांकन अभ्यास केला नसल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले.

उत्तरादाखल, आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी असे नमूद केले (जून 2025) की, मूल्यांकन अभ्यास केला जाईल.

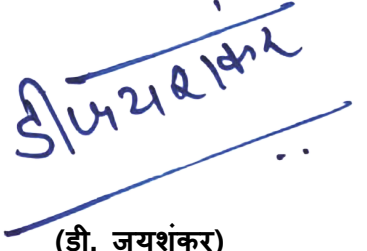
### निष्कर्ष

अधिनियम आणि योजनेच्या अंमलबजावणीवर संनियंत्रण ठेवण्यासाठी नियुक्त केलेल्या महाराष्ट्र राज्य रोजगार हमी परिषदेने नियमितपणे बैठका घेतल्या नाहीत. गुणवत्ता संनियंत्रणासाठी, राज्य पातळीवर राज्य गुणवत्ता संनियंत्रण संचालक नियुक्त केले गेले असताना, जिल्ह्यांसाठी राज्य गुणवत्ता संनियंत्रक नियुक्त केले गेले नाहीत. 2019-20 ते 2023-24 या कालावधीत ग्राम पंचायतींमध्ये 72.43 टक्के ते 95.67 टक्के कमतरतेसह सामाजिक संकेक्षणात उणीव होती. शिवाय, सामाजिक संकेक्षण कार्यालयाने निदर्शनास आणून दिलेल्या 1,084 गैरव्यवहार प्रकरणांमध्ये वसुलीसाठी शोधून काढलेल्या ₹ 11.22 कोटीपैकी, ₹ 4.44 कोटींच्या 314 प्रकरणांमध्ये वसुलीची कारवाई अद्याप प्रलंबित आहे. या त्रुटी कमकुवत संनियंत्रण आणि अनियमिततेचा अपुरा पाठपुरावा अधोरेखित करतात.

शिफारशी

शिफारस क्र. 7: शासनाने सर्व जिल्ह्यांमध्ये राज्य गुणवत्ता नियंत्रकांची नियुक्ती जलद गतीने करावी.

शिफारस क्र. 8: शासनाने विहित निकषांनुसार सामाजिक अंकेक्षण करावे आणि महाराष्ट्र रोजगार हमी अधिनियमातील तरतुदीनुसार सामाजिक अंकेक्षण कार्यालयाने निदर्शनास आणून दिलेल्या आर्थिक गैरव्यवहाराची वसुली जलद गतीने करावी.



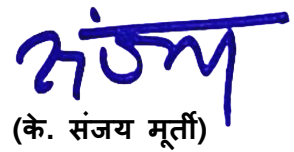
(डी. जयशंकर)

प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-I,  
महाराष्ट्र, मुंबई

मुंबई

दिनांक: 03 फेब्रुवारी 2026

प्रतिहस्ताक्षरीत



(के. संजय मूर्ती)

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक

नवी दिल्ली

दिनांक: 05 फेब्रुवारी 2026



**परिशिष्टे**



## परिशिष्ट 2.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.3)

निवडलेले जिल्हे, तालुका आणि ग्राम पंचायतींची नावे

| अनु. क्र. | जिल्हा            | तालुका     | ग्राम पंचायती    |
|-----------|-------------------|------------|------------------|
| 1         | अहिल्यानगर        | जामखेड     | बावी             |
|           |                   |            | हळगाव            |
|           |                   |            | कवडगाव           |
|           |                   |            | राजुरी           |
|           |                   | शेवगाव     | बालमटाकळी        |
|           |                   |            | सामनगाव          |
|           |                   |            | ठाकुर निमगाव     |
|           |                   |            | ठाकुर पिंपळगाव   |
| 2         | अमरावती           | चिखलदरा    | भामाडेही         |
|           |                   |            | चुरणी            |
|           |                   |            | गांगरखेडा        |
|           |                   |            | हतूरू            |
|           |                   | दर्यापूर   | इटकी             |
|           |                   |            | हिंगणी मिर्झापूर |
|           |                   |            | शिवीर बुद्रुक    |
|           |                   |            | येवदा            |
| 3         | छत्रपती संभाजीनगर | औरंगाबाद   | आडगाव खुर्द      |
|           |                   |            | चारठा            |
|           |                   |            | गेवराई कुबेर     |
|           |                   |            | पिंपळ खुटा       |
|           |                   | पैठण       | अंतरवाली खाडी    |
|           |                   |            | धनगाव            |
|           |                   |            | घारेगाव          |
|           |                   |            | विहामांडवा       |
| 4         | धाराशिव           | कळंब       | डिकसळ            |
|           |                   |            | एकुरका           |
|           |                   |            | मंगरुळ           |
|           |                   |            | शेलका (धानोरा)   |
|           |                   | उस्मानाबाद | बावी             |
|           |                   |            | भिकार सारोळा     |
|           |                   |            | नितळी            |
|           |                   |            | उपळे (माकडाचा)   |

| अनु. क्र. | जिल्हा | तालुका   | ग्राम पंचायती  |
|-----------|--------|----------|----------------|
| 5         | नागपूर | नरखेड    | आग्रा          |
|           |        |          | मोहगाव भदाडे   |
|           |        |          | पेठ इस्माईलपूर |
|           |        |          | थातुरवाडा      |
|           |        | कळमेश्वर | लोणारा         |
|           |        |          | मांडवी         |
|           |        |          | उबळी           |
|           |        |          | उपरवाही        |
| 6         | पालघर  | विक्रमगड | आंबिवली        |
|           |        |          | बोरांडा        |
|           |        |          | औंदे           |
|           |        |          | सवादे          |
|           |        | डहाणू    | चळणी           |
|           |        |          | धामणगाव        |
|           |        |          | शेणसरी         |
|           |        |          | वेती वरोती     |

## परिशिष्ट 3.1

(संदर्भ: परिच्छेद 3.4.1)

2019-20 ते 2023-24 दरम्यान या योजनेतर्गत प्राप्त निधी आणि झालेला खर्च

(₹ कोटीत)

| वर्ष                                                                                                                                 | आरंभीची शिल्लक | प्राप्त निधी      |                 |          |                     |                 | केलेला खर्च |             |            |             |                | अखेरीची शिल्लक | प्रलंबित दायित्व |         |            |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|-------------------|-----------------|----------|---------------------|-----------------|-------------|-------------|------------|-------------|----------------|----------------|------------------|---------|------------|
|                                                                                                                                      |                | केंद्राचा हिस्सा* | राज्याचा हिस्सा | मजुरी    | व्याज / संकीर्ण जमा | एकूण            | साहित्य     | वेतन/ मजुरी | प्रशासन ** | संकीर्ण जमा | एकूण           |                | मजुरी            | साहित्य | एकूण       |
| 1                                                                                                                                    | 2              | 3                 | 4               | 5        | 6                   | (3+4+5+6)<br>=7 | 8           | 9           | 10         | 11          | (8+9+10+11)=12 | (2+7-12)=13    | 14               | 15      | (14+15)=16 |
| 2019-20                                                                                                                              | 369.42         | 572.65            | 141.44          | 1,260.43 | 24.09               | 1,998.61        | 463.95      | 1,305.62    | 105.68     | 58.49       | 1,933.74       | 434.29         | 127.03           | 130.07  | 257.1      |
| 2020-21                                                                                                                              | 434.29         | 248.63            | 69.99           | 1,570.15 | 20.49               | 1,909.26        | 383         | 1,594.86    | 107.48     | 43.1        | 2,128.44       | 215.11         | 36.73            | 132.52  | 169.25     |
| 2021-22                                                                                                                              | 215.11         | 405.07            | 106.40          | 1,915.33 | 23.80               | 2,450.60        | 391.89      | 1,865.74    | 146.66     | 45.69       | 2,449.98       | 215.73         | 66.22            | 459.6   | 525.82     |
| 2022-23                                                                                                                              | 215.73         | 640.76            | 504.82          | 2,072.15 | 13.78               | 3,231.51        | 887.68      | 1,940.35    | 185.89     | 41.65       | 3,055.57       | 391.67         | 17.47            | 108.27  | 125.74     |
| 2023-24                                                                                                                              | 391.67         | 1,241.93          | 421.69          | 2,313.74 | 20.71               | 3,998.07        | 1,174.12    | 2,403.64    | 342.37     | 30.44       | 3,950.57       | 439.17         | 761.05           | 975.58  | 1,736.63   |
| एकूण                                                                                                                                 |                | 3,109.04          | 1,244.34        | 9,131.80 | 102.87              | 13,588.05       | 3,300.64    | 9,110.21    | 888.08     | 219.37      | 13,518.30      |                |                  |         |            |
| स्त्रोत: आयुक्त (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना) यांनी तयार केलेल्या उपयोगिता प्रमाणपत्रामधून संकलित केलेली माहिती |                |                   |                 |          |                     |                 |             |             |            |             |                |                |                  |         |            |
| * केंद्राच्या हिश्यामध्ये प्रशासकीय शुल्काचाही समावेश.                                                                               |                |                   |                 |          |                     |                 |             |             |            |             |                |                |                  |         |            |
| ** प्रशासकीय खर्चामध्ये राज्य शासनाद्वारे प्रदान केलेला अतिरिक्त निधी समाविष्ट आहे.                                                  |                |                   |                 |          |                     |                 |             |             |            |             |                |                |                  |         |            |



परिशिष्ट 4.1

(संदर्भ: परिच्छेद 4.11)

2019-20 ते 2023-24 दरम्यान अकुशल कामगारांच्या न दिलेल्या मजुरीची जिल्हानिहाय स्थिती

| अनु.क्र.                                                             | जिल्ह्यांचे नाव   | अकुशल कामगारांची न दिलेली मजुरी<br>(₹ लाखात) |
|----------------------------------------------------------------------|-------------------|----------------------------------------------|
| 1                                                                    | अहिल्यानगर        | 17                                           |
| 2                                                                    | अकोला             | 20                                           |
| 3                                                                    | अमरावती           | 42                                           |
| 4                                                                    | बीड               | 1,481                                        |
| 5                                                                    | भंडारा            | 1                                            |
| 6                                                                    | बुलढाणा           | 18                                           |
| 7                                                                    | चंद्रपूर          | 15                                           |
| 8                                                                    | छत्रपती संभाजीनगर | 114                                          |
| 9                                                                    | धाराशिव           | 152                                          |
| 10                                                                   | धुळे              | 36                                           |
| 11                                                                   | गडचिरोली          | 8                                            |
| 12                                                                   | गोंदिया           | 5                                            |
| 13                                                                   | हिंगोली           | 82                                           |
| 14                                                                   | जळगाव             | 41                                           |
| 15                                                                   | जालना             | 306                                          |
| 16                                                                   | कोल्हापूर         | 15                                           |
| 17                                                                   | लातूर             | 43                                           |
| 18                                                                   | नागपूर            | 5                                            |
| 19                                                                   | नांदेड            | 179                                          |
| 20                                                                   | नंदुरबार          | 34                                           |
| 21                                                                   | नाशिक             | 107                                          |
| 22                                                                   | पालघर             | 74                                           |
| 23                                                                   | परभणी             | 339                                          |
| 24                                                                   | पुणे              | 31                                           |
| 25                                                                   | रायगड             | 16                                           |
| 26                                                                   | रत्नागिरी         | 14                                           |
| 27                                                                   | सांगली            | 55                                           |
| 28                                                                   | सातारा            | 25                                           |
| 29                                                                   | सिंधुदुर्ग        | 4                                            |
| 30                                                                   | सोलापूर           | 88                                           |
| 31                                                                   | ठाणे              | 7                                            |
| 32                                                                   | वर्धा             | 18                                           |
| 33                                                                   | वाशिम             | 57                                           |
| 34                                                                   | यवतमाळ            | 82                                           |
|                                                                      | एकूण              | 3,532                                        |
| स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून संकलित केलेल्या विदावर आधारित (ऑक्टोबर 2024) |                   |                                              |

## परिशिष्ट 5.1

(संदर्भ: परिच्छेद 5.5)

निवडलेल्या जिल्ह्यांमध्ये कृषी आणि कृषी संलग्न कामांवर झालेला खर्च

| जिल्हा             | आर्थिक वर्ष | एकूण खर्च | कृषी आणि कृषी संलग्न कामांवर झालेला एकूण खर्च | टक्केवारी |
|--------------------|-------------|-----------|-----------------------------------------------|-----------|
|                    |             | (₹ लाखात) |                                               |           |
| अहिल्यानगर         | 2019-20     | 6,274.73  | 3,330.14                                      | 53.07     |
|                    | 2020-21     | 7,355.03  | 5,288.1                                       | 71.9      |
|                    | 2021-22     | 8,106.19  | 5,463.61                                      | 67.4      |
|                    | 2022-23     | 7,290.16  | 4,350.45                                      | 59.68     |
|                    | 2023-24     | 11,304.65 | 8,327.14                                      | 73.66     |
| अमरावती            | 2019-20     | 17,505.97 | 10,862.52                                     | 62.05     |
|                    | 2020-21     | 24,221.87 | 13,747.84                                     | 56.76     |
|                    | 2021-22     | 31,311.1  | 13,727.41                                     | 43.84     |
|                    | 2022-23     | 28,923.17 | 11,697.32                                     | 40.44     |
|                    | 2023-24     | 48,059.28 | 17,690.82                                     | 36.81     |
| छत्रपती संभाजी नगर | 2019-20     | 5,013.04  | 4,085.59                                      | 81.5      |
|                    | 2020-21     | 4,365.45  | 3,252.84                                      | 74.51     |
|                    | 2021-22     | 10,996.1  | 8,003.72                                      | 72.79     |
|                    | 2022-23     | 14,505.71 | 9,774.47                                      | 67.38     |
|                    | 2023-24     | 45,820.2  | 34,646.17                                     | 75.61     |
| धाराशिव            | 2019-20     | 4,553.92  | 4,083.98                                      | 89.68     |
|                    | 2020-21     | 3,997.96  | 3,191.01                                      | 79.82     |
|                    | 2021-22     | 5,210.35  | 3,022.45                                      | 58.01     |
|                    | 2022-23     | 4,503.72  | 2,642.02                                      | 58.66     |
|                    | 2023-24     | 8,916.56  | 5,521.63                                      | 61.93     |
| नागपूर             | 2019-20     | 4,302.6   | 3,241.75                                      | 75.34     |
|                    | 2020-21     | 6,271.22  | 4,855.94                                      | 77.43     |
|                    | 2021-22     | 8,070.31  | 5,539.56                                      | 68.64     |
|                    | 2022-23     | 8,784.33  | 4,693.04                                      | 53.43     |
|                    | 2023-24     | 9,093.98  | 5,402.99                                      | 59.41     |
| पालघर              | 2019-20     | 6,538.22  | 2,564.92                                      | 39.23     |
|                    | 2020-21     | 13,639.25 | 3,757.59                                      | 27.55     |
|                    | 2021-22     | 22,354.09 | 3,734.49                                      | 16.71     |
|                    | 2022-23     | 19,080.18 | 3,657.33                                      | 19.17     |
|                    | 2023-24     | 20,423.08 | 4,352.78                                      | 21.31     |

स्त्रोत: नरेगासॉफ्टमधून संकलित केलेल्या विदावर आधारित (सप्टेंबर 2024).





© भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक  
[www.cag.gov.in](http://www.cag.gov.in)

<https://cag.gov.in/ag/mumbai-i/en>





SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA  
लोकहितार्थं सत्यनिष्ठा  
Dedicated to Truth in Public Interest

**Report of the  
Comptroller and Auditor General of India  
on  
Mahatma Gandhi National Rural Employment  
Guarantee Scheme, Government of Maharashtra**



**Government of Maharashtra  
Report No. 7 of 2025  
(Performance Audit - Civil)**



**Report of the  
Comptroller and Auditor General of India  
on  
Mahatma Gandhi National Rural Employment  
Guarantee Scheme, Government of Maharashtra**

**Government of Maharashtra  
Report No. 7 of 2025**





## TABLE OF CONTENTS

|                                                        | Reference |          |
|--------------------------------------------------------|-----------|----------|
|                                                        | Paragraph | Page No. |
| <b>Preface</b>                                         |           | vii      |
| <b>Executive Summary</b>                               |           | ix       |
| <b>Chapter - I</b>                                     |           |          |
| <b>Introduction</b>                                    |           |          |
| Introduction                                           | 1.1       | 1        |
| Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act | 1.2       | 1        |
| Goals of MGNREGA                                       | 1.3       | 1        |
| Adoption of MGNREGA in the State of Maharashtra        | 1.4       | 2        |
| Overview of the Scheme                                 | 1.5       | 2        |
| Organisational Structure                               | 1.6       | 3        |
| Roles and responsibilities                             | 1.7       | 4        |
| Funding pattern                                        | 1.8       | 5        |
| Management Information System (NREGASoft)              | 1.9       | 6        |
| GeoMGNREGA                                             | 1.10      | 6        |
| Trend of households availing employment in the State   | 1.11      | 7        |
| <b>Chapter - II</b>                                    |           |          |
| <b>Audit Framework</b>                                 |           |          |
| Audit objectives                                       | 2.1       | 9        |
| Audit criteria                                         | 2.2       | 9        |
| Audit Scope and Methodology                            | 2.3       | 9        |
| Previous Audit Findings on MGNREGS                     | 2.4       | 11       |
| Acknowledgement                                        | 2.5       | 11       |

|                                                                            | Reference |          |
|----------------------------------------------------------------------------|-----------|----------|
|                                                                            | Paragraph | Page No. |
| Structure of the Report                                                    | 2.6       | 11       |
| <b>Chapter - III</b><br><b>Planning and Financial Management</b>           |           |          |
| Planning                                                                   | 3.1       | 13       |
| Availability of staff                                                      | 3.2       | 16       |
| Information Education and Communication                                    | 3.3       | 20       |
| Financial Management                                                       | 3.4       | 21       |
| <b>Chapter - IV</b><br><b>Registration of workers and payment of wages</b> |           |          |
| Employment Generation                                                      | 4.1       | 25       |
| Registration of workers                                                    | 4.2       | 25       |
| Registered households and registered persons                               | 4.3       | 26       |
| Door-to-door survey                                                        | 4.4       | 26       |
| Job cards                                                                  | 4.5       | 27       |
| Demand for work                                                            | 4.6       | 30       |
| Participation of women under the Scheme                                    | 4.7       | 34       |
| Non-conduct of special drive to identify specially abled persons           | 4.8       | 35       |
| Schedule of rates for wage payment                                         | 4.9       | 36       |
| Payment of wages and compensation                                          | 4.10      | 36       |
| Liability towards wages                                                    | 4.11      | 40       |
| Seeding of Aadhaar numbers of active workers                               | 4.12      | 41       |
| Muster Rolls                                                               | 4.13      | 43       |

|                                                         | Reference |          |
|---------------------------------------------------------|-----------|----------|
|                                                         | Paragraph | Page No. |
| <b>Chapter - V</b>                                      |           |          |
| <b>Execution of works</b>                               |           |          |
| Execution of works                                      | 5.1       | 47       |
| Category of works                                       | 5.2       | 47       |
| Status of works in the State and selected districts     | 5.3       | 47       |
| Sanction of New Works                                   | 5.4       | 50       |
| Expenditure on agricultural and allied activities       | 5.5       | 50       |
| Convergence of schemes with MGNREGS                     | 5.6       | 51       |
| Wage Material Ratio                                     | 5.7       | 53       |
| District level Technical Committee                      | 5.8       | 54       |
| Worksite facilities                                     | 5.9       | 55       |
| Display Boards                                          | 5.10      | 55       |
| Joint physical verification                             | 5.11      | 56       |
| Geo-tagging of works                                    | 5.12      | 59       |
| Liability towards material component                    | 5.13      | 60       |
| <b>Chapter - VI</b>                                     |           |          |
| <b>Monitoring, Social Audit and Grievance redressal</b> |           |          |
| Monitoring                                              | 6.1       | 63       |
| Monitoring Mechanism                                    | 6.2       | 63       |
| State Employment Guarantee Council                      | 6.3       | 63       |
| Vigilance and Monitoring Committee                      | 6.4       | 64       |
| Quality Control by State /District Quality Monitors     | 6.5       | 64       |
| Social Audit                                            | 6.6       | 65       |
| Grievance Redressal Mechanism                           | 6.7       | 69       |
| Impact Study of the Scheme                              | 6.8       | 70       |

| <b>APPENDICES</b>                                                                           | <b>Reference</b> |                 |
|---------------------------------------------------------------------------------------------|------------------|-----------------|
|                                                                                             | <b>Appendix</b>  | <b>Page No.</b> |
| Names of selected Districts, Blocks and Gram Panchayats                                     | 2.1              | 73              |
| Funds received and Expenditure incurred under the Scheme during 2019-20 to 2023-24          | 3.1              | 74              |
| District-wise status of unpaid wages of unskilled workers for the period 2019-20 to 2023-24 | 4.1              | 75              |
| Expenditure incurred on agricultural and allied works in selected districts                 | 5.1              | 76              |
| Glossary of abbreviations                                                                   | --               | 77              |

## *Preface*



## **Preface**

This Report for the year ended 31 March 2024 has been prepared for submission to the Governor of Maharashtra under Article 151 of the Constitution of India.

The Report covering the period 2019-20 to 2023-24 contains the results of the Performance Audit on “Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme, Government of Maharashtra”.

The audit has been conducted in conformity with the Auditing Standards issued by the Comptroller and Auditor General of India.





## *Executive Summary*



## Executive Summary

The National Rural Employment Guarantee Act, 2005, was notified in September 2005, by Government of India (GoI), which was subsequently renamed as the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA) in 2009. The mandate of the Act is to enhance the livelihood of rural population by providing at least 100 days of guaranteed wage employment in a financial year to every rural household, whose adult members volunteer to do unskilled manual work.

In Maharashtra, the Employment Guarantee Act was enacted in 1977, with the objective of securing the right to work by guaranteeing employment to all adults who volunteered to do unskilled manual work in rural areas in the State of Maharashtra.

In terms of Section 28 of MGNREGA, the Government of Maharashtra (GoM) amended the Maharashtra Employment Guarantee Act, 1977 (MEGA) from time to time to make it consistent with the provisions of MGNREGA. The Employment Guarantee Scheme (EGS) formulated (January 1979) under MEGA was renamed (July 2011) as Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme (Scheme).

The objectives of the Performance Audit were to review the adequacy of planning process and financial management practices, employment generated, creation and maintenance of durable and useful assets while ensuring convergence with other programmes/schemes. The Performance Audit also assessed the adequacy of monitoring, social audit and grievance redressal system. Audit examined the records of six selected districts viz. Ahilyanagar, Amravati, Chhatrapati Sambhajnagar (CSN), Dharashiv, Nagpur and Palghar, 12 Blocks (two Blocks from each districts) and 48 Gram Panchayats (Four GPs from each Block) for the year 2019-20 to 2023-24.

The results of the Performance Audit on Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme in Maharashtra including important findings and recommendations have been narrated in brief in the following paragraphs.

### **Planning and Financial Management**

There were delays in the submission of Annual Action Plan and Labour Budgets. The Annual Action Plan and Labour Budgets did not include details about the quantum and timing of the demand for work. Baseline survey to assess the quantum and timing of demand for employment in the Gram Panchayat was to be done once in every five years. Government of Maharashtra had not conducted any baseline survey.

Gram Rozgar Sahayaks (GRS) to assist the Gram Panchayat (GP) in executing the works at Gram Panchayat level were not appointed in 2,258 GPs out of 28,279 GPs in the State. As per Operational Guidelines, for helping the GRS in managing worksite facilities including attendance of the workers a Mate should be appointed for each work. Out of the selected 48 GPs, mates were not appointed in 26 GPs during 2021-22 to 2023-24.

Out of total funds of ₹13,957.47 crore received (including opening balance) during the year 2019-20 to 2023-24, an expenditure of ₹13,518.30 crore was incurred on the scheme. The release of State's share amounting to ₹415.73 crore (45 *per cent*), out of ₹926.51 crore released during 2022-23 and 2023-24 was delayed between four days and 242 days.

### **Registration of workers and payment of wages**

During the period 2019-20 to 2023-24, there was 46 *per cent* increase in the number of households registered under the Scheme. Out of registered households of 117.98 lakh (average), only 21.97 lakh (19 *per cent*) of the households demanded employment. Out of 21.97 lakh (average of the five years) households, which demanded employment, 21.91 lakh (99.73 *per cent*) households were offered employment during the period 2019-20 to 2023-24. However, out of 19.65 lakh households (average of the five years) which availed employment during 2019-20 to 2023-24, only 1.71 lakh households (8.70 *per cent*) have availed employment of 100 days and above. Door to door surveys to identify households under the Scheme were not conducted in 22 (46 *per cent*) out of the 48 test-checked GPs. Application register showing the date of receipt of application for job cards, details of job cards issued *etc.* was not maintained/updated in 47 out of 48 selected GPs. Deficiencies in the maintenance of job cards such as the absence of photos of registered members, non-recording of details of demand for work *etc.*, were noticed.

Out of 15,077 registered households during 2019-20 to 2023-24 in the 48 selected GPs, 13,728 (91 *per cent*) registered households were issued job cards till January 2025. Further, there were delays in the issue of 7,771 job cards (52 *per cent*) during 2019-20 to 2023-24 in the selected GPs. In 44 out of 48 selected GPs, 577 job cards had the name of the head of household for which a job card had already been issued. The NREGASoft, a web-enabled application, did not have checks to prevent registration of job cards having the same name of the head of the household.

Out of total unemployment allowance of ₹34.85 lakh computed by NREGASoft, for inability to provide employment during the period 2019-20 to 2023-24, only ₹2,268 was paid. The representation of women in employment under the Scheme at the State level and in six selected districts was more than one-third of the total employment generated. In 21 out of 48 selected GPs, special drives were conducted to identify persons with disability and other vulnerable persons during the period 2019-20 to 2023-24.

Separate Schedule of Rates for women, the elderly, people with disabilities and people with debilitating ailments were not prepared by the State Government as stipulated in Maharashtra Employment Guarantee Act.

On an average, seven *per cent* of the wages paid during the period 2019-20 to 2023-24 was delayed. Compensation to workers for delayed payment of wages amounting to ₹5.88 crore was rejected by the Joint Program Officers on account of natural calamities and compensation not due, though there was no provision under Maharashtra Employment Guarantee Act for such rejection. Compensation was also payable for any delay in payment of compensation for delay in payment of wages. However, neither NREGASoft had provision to

calculate such compensation nor did the State Government work out the amount payable on delay in payment of such compensation.

Wages to unskilled workers amounting to ₹35.32 crore for the period 2019-20 to 2023-24 were pending for payment (October 2024). Aadhar number seeding of 99.33 *per cent* of the active workers in the State was completed as of September 2025 while NPCI (National Payments Corporation of India) mapping of 96.43 *per cent* of active workers was completed for making Aadhaar based payments. Audit scrutiny of convergence work revealed generation of muster rolls and payment of ₹51.82 lakh to workers even after the date of completion of works under Pradhan Mantri Awaas Yojana in the selected 48 Gram Panchayats.

### **Execution of works**

Out of 25.72 lakh works approved during 2019-20 to 2023-24 in the State, 5.03 lakh works (19.57 *per cent*) were incomplete while work had not commenced in respect of 7.10 lakh works (27.62 *per cent*). In addition, 3.03 lakh works pertaining to the period prior to 2019-20 were incomplete. The State Government had not fixed the cap on the number of works that could be taken up at any given time in the GPs.

During physical verification of 336 works, Audit noticed that display Boards containing the details of works were not available at 219 works sites (65 *per cent*). Geo-tagging of 30 *per cent* of the works were pending as of August 2024. The pending liability towards payment of skilled wages, material cost and taxes for the period 2019-20 to 2023-24 was ₹541.92 crore (October 2024).

### **Monitoring, Social Audit and Grievance redressal**

The Maharashtra State Employment Guarantee Council was constituted for monitoring the implementation of the Act and the Scheme. However, regular meetings of the Council were not held. For quality monitoring of the works, the Director, State Quality Monitoring was appointed at the State level, however, State Quality Monitors (SQM) for each district were not appointed. The shortfall in conducting Social Audit with respect to the total number of GPs ranged between 72.43 *per cent* and 95.67 *per cent* during 2019-20 to 2023-24. Out of ₹11.22 crore to be recovered in 1,084 misappropriation cases pointed out by the Social Audit Unit during 2019-20 to 2023-24, action for recovery in 314 cases amounting to ₹4.44 crore was pending. Evaluation study to assess the impact of the Scheme on enhancing livelihood security, income level was not conducted by the State Government.

### **Recommendations:**

- *Government may take appropriate action to conduct baseline survey to ensure assessment of quantum and timing of demand of works to be included in the Annual action plan and labour budget.*
- *The Government may take action to appoint Gram Rozgar Sahayaks in all Gram Panchayats, to strengthen the execution and monitoring capacity at the grassroots level.*
- *The Government may issue directions to all the Gram Panchayats to issue job cards as per the time specified in Maharashtra Employment*

*Guarantee Act and also take prompt action to delete duplicate job cards registered.*

- *The Government may ensure that the unemployment allowance, compensation for delay in payment of wages is paid as per the provisions of Maharashtra Employment Guarantee Act.*
- *The Government may strengthen monitoring and set up a suitable mechanism to prevent generation of muster rolls after completion date of works under Pradhan Mantri Awaas Yojna.*
- *The Government may issue directions to follow the prescribed provisions for sanctioning of new works in Gram Panchayats.*
- *The Government may expedite the appointment of State Quality Monitors in all districts.*
- *The Government may conduct Social Audits as per prescribed norms and may expedite the recovery of financial misappropriation pointed out by the Social Audit Unit as per the provisions of Maharashtra Employment Guarantee Act.*

# ***CHAPTER I***

## ***Introduction***





## **Chapter I-Introduction**

### **1.1 Introduction**

The Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act, through guaranteed employment, ensures that the most vulnerable sections of society have access to opportunities for income and self-reliance, thereby promoting economic and social justice. The Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act is vital in ensuring that work is not just a privilege but a right for all.

### **1.2 Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act**

The National Rural Employment Guarantee Act, 2005 was notified in September 2005, by the Government of India (GoI), which was subsequently renamed as the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA) in 2009. The mandate of the Act is to enhance the livelihood of the rural population by providing at least 100 days of guaranteed wage employment in a financial year to every rural household, whose adult members volunteer to do unskilled manual work. As per Section 3 of MGNREGA, every State Government was required to formulate an employment guarantee scheme for rural areas to give effect to the guarantee specified in the Act.

The MGNREGA was notified in 200 districts in the country in the first phase with effect from February 02, 2006, which was extended to an additional 130 districts in the financial Year 2007-08. The MGNREGA covered the entire country with effect from 01 April 2008, except for districts that had a hundred *per cent* urban population.

MGNREGA has been recognised by the GoI as the ‘core of the core’ Scheme for achieving the Sustainable Development Goal (SDG) -1- No poverty.

### **1.3 Goals of MGNREGA**

The goals of the MGNREGA are as under:

- Social protection for the most vulnerable people living in rural India by providing employment opportunities;
- Livelihood security for the poor through creation of durable assets, improved water security, soil conservation and higher land productivity;
- Drought-proofing and flood management in rural India;
- Empowerment of the socially disadvantaged, especially women, Schedule Castes (SCs) and Schedule Tribes (STs), through the processes of a rights-based legislation;
- Strengthening decentralised, participatory planning through convergence of various anti-poverty and livelihoods initiatives;
- Deepening democracy at the grassroots by strengthening Panchayati Raj Institutions;
- Effecting greater transparency and accountability in governance.

#### **1.4 Adoption of MGNREGA in the State of Maharashtra**

As per Section 28 of MGNREGA, the State Government had the option of implementing its existing enactment to provide employment guarantee for unskilled manual work to rural households, provided the same was consistent with the provisions of MGNREGA.

In Maharashtra, the Maharashtra Employment Guarantee Act was enacted in 1977, with the objective of securing the right to work by guaranteeing employment to all adult persons who volunteered to do unskilled manual work in rural areas in the State of Maharashtra.

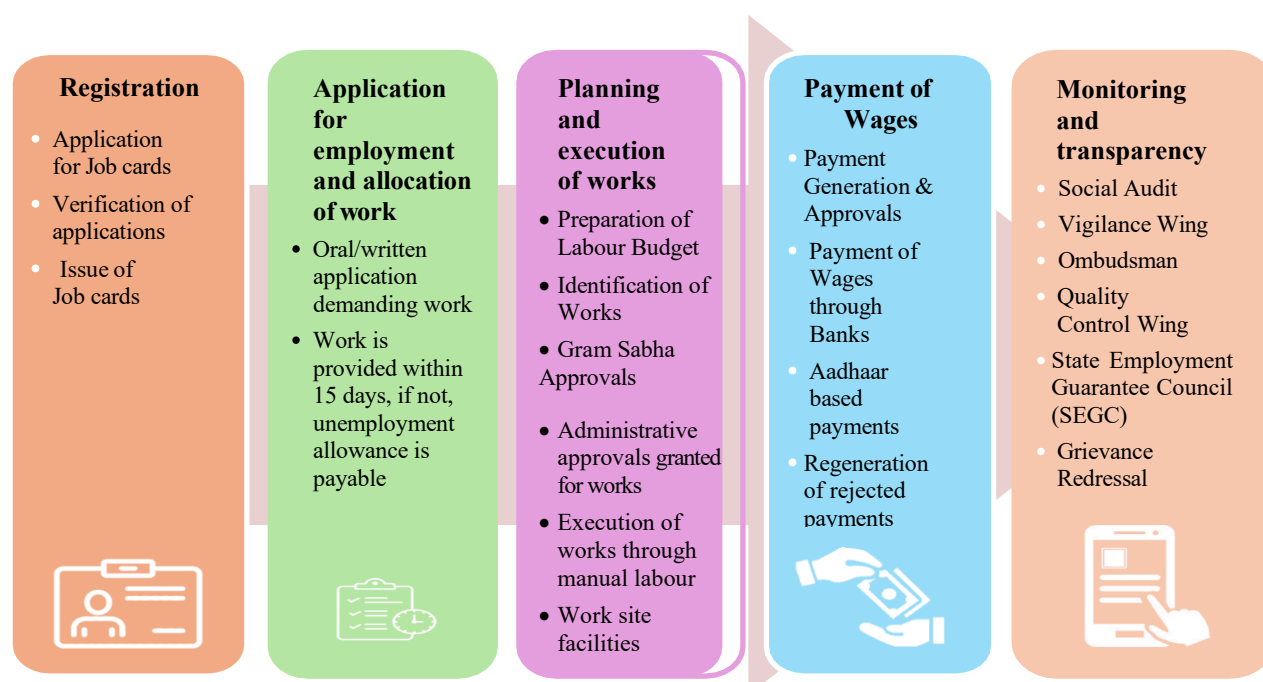
In terms of Section 28 of MGNREGA, the Government of Maharashtra (GoM) amended the Maharashtra Employment Guarantee Act, 1977, from time to time to make it consistent with the provisions of MGNREGA. The amended Act is called the Maharashtra Employment Guarantee (Amendment) Act, 2014 (MEGA). The Employment Guarantee Scheme (EGS) formulated (January 1979) under MEGA, was renamed (July 2011) as Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme (Scheme).

Out of 36 districts, the Scheme was implemented in 34 districts in the State, excluding the fully urbanised districts of Mumbai and Mumbai Suburban. Ministry of Rural Development, GoI guarantees at least 100 days of employment in a financial year to every rural household whose adult members volunteer to do unskilled manual work, while GoM guarantees unskilled employment to labourers over and above 100 days, through State funds.

#### **1.5 Overview of the Scheme**

The overview of the Scheme implementation is given in **Chart 1.1**.

**Chart 1.1: Overview of the Scheme implementation in the State**

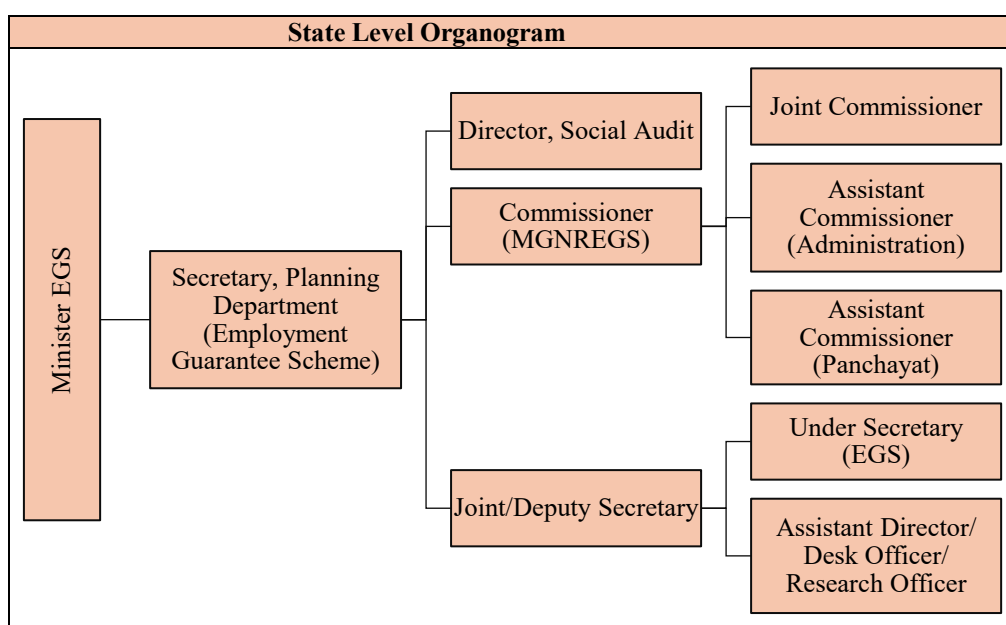


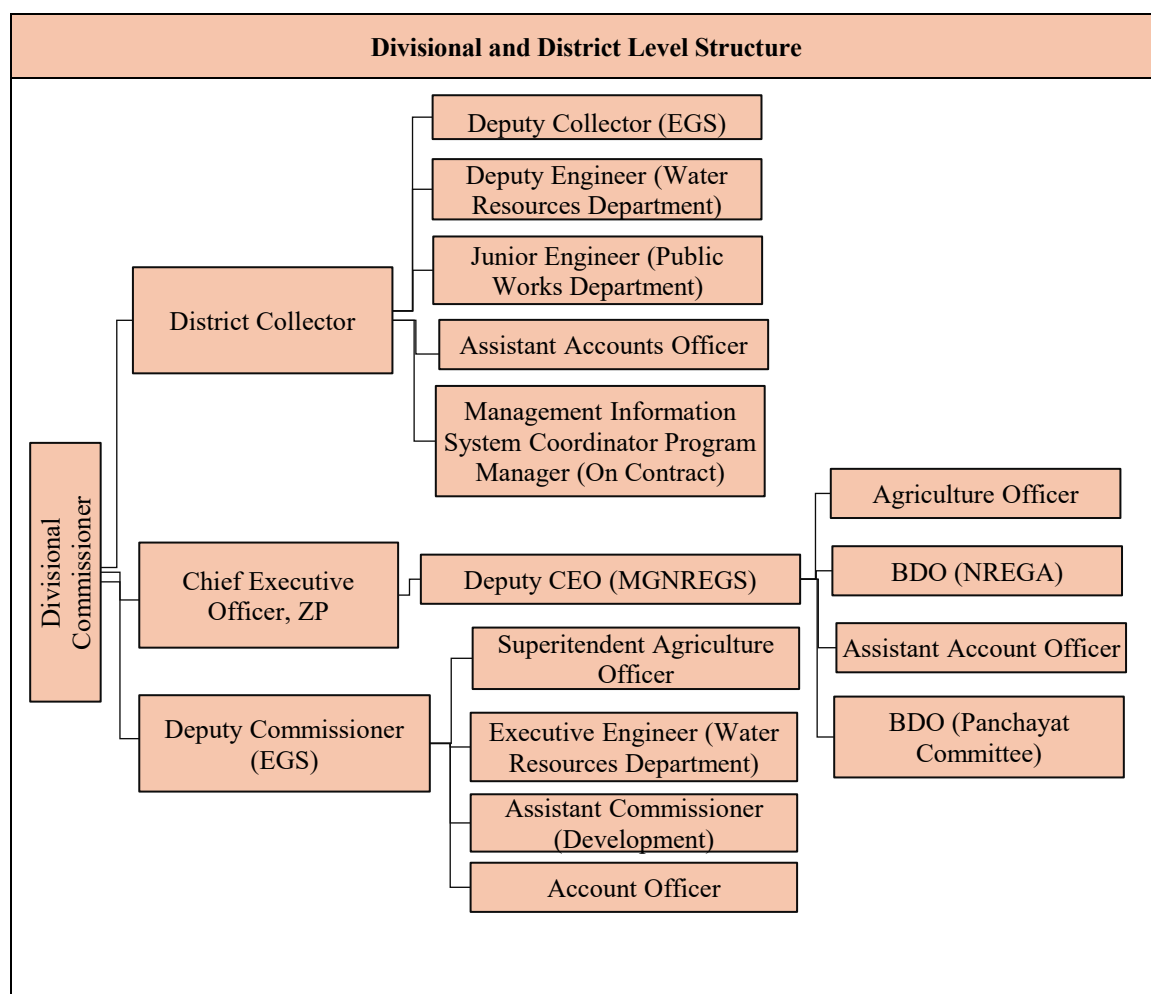
## 1.6 Organisational Structure

The Planning Department (EGS), Government of Maharashtra, is the Administrative Department which implements the Scheme in the State through the Commissioner, Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme (MGNREGS), at Nagpur. The Director, Social Audit functioning under the Principal Secretary (EGS) was responsible for Social Audit of Gram Panchayats. The Divisional Commissioner at divisional level, District Collector at the district, Tahsildar at taluka, Chief Executive Officer of Zilla Parishad (ZP), Block Development Officer and Gram Sevak of Gram Panchayat (GP) were involved in the implementation and monitoring of the Scheme.

The Organizational structure at the State, District and Block level is represented in **Chart 1.2**

**Chart 1.2: Organisational structure for implementation of the Scheme**





### **1.7 Roles and responsibilities**

The State Government designated (October 2006) the Collectors as District Programme Coordinators (DPCs) and the Chief Executive Officers (CEO) of Zilla Parishads as Joint DPCs for the implementation of the Scheme in the districts.

The important roles and responsibilities of the key stakeholders are given in **Table 1.1**.

**Table 1.1: Roles and responsibilities of key stakeholders**

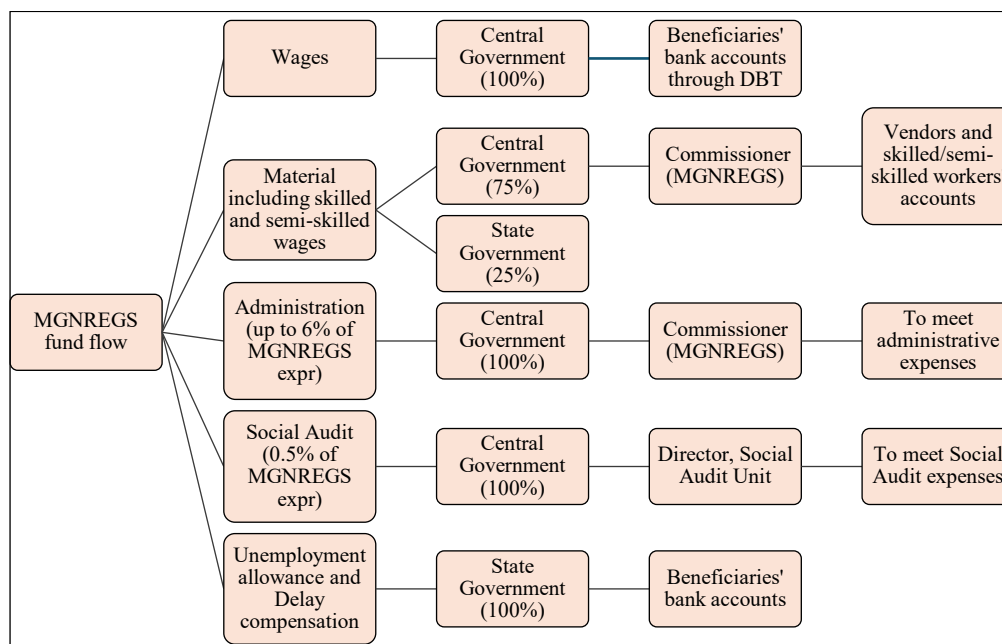
| Level | Designated Officers                                | Roles and responsibilities                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|-------|----------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| State | Secretary (EGS),<br>Employment<br>Guarantee Scheme | To constitute State Council for regular monitoring and review of the implementation of the Act, establish employment guarantee fund, to make available necessary staff and technical staff to District Programme Co-ordinator and the Programme Officer, issue orders for release of funds, issue instructions for the implementation of the Scheme. |
|       | Commissioner,<br>(MGNREGS),<br>Nagpur              | Co-ordinates with DPC, consolidates district Annual Action plan and Labour Budget, maintains accounts of employment guarantee                                                                                                                                                                                                                        |

| Level               | Designated Officers                                                                                                                                                                                                                                                      | Roles and responsibilities                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|---------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|                     |                                                                                                                                                                                                                                                                          | fund, furnishes utilisation certificate to Government of India.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| District            | District Collector                                                                                                                                                                                                                                                       | Responsible for implementation of the Scheme at district level as per the Scheme, assist Zilla Parishad in discharging its functions under the Scheme, redress the grievances of the applicants.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|                     | Chief Executive Officer (CEO) of Zilla Parishad (ZP)                                                                                                                                                                                                                     | To assist the DPC in implementation of the Scheme, approval to Annual Action plan and Labour Budget, to supervise and monitor the projects taken up at the Block level and District level.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| Block/Taluka        | Block Development Officer and Tahsildar are designated as Joint Programme Officer and Programme Officer. The Deputy Engineer, Public Works Department, Taluka Agriculture Officer, Range Forest Officer and officers of the Social Forestry were also designated as POs. | The Programme Officer and Joint Programme Officer assist the Panchayat Samiti in discharging its functions under the Scheme, monitor the projects taken up at Gram Panchayat and by other implementing agencies. The Block Development Officer and Tahsildar are responsible for payment of unemployment allowance to the eligible households, ensuring prompt and fair payment of wages to all labourers employed under the Scheme, taking prompt action on the objections raised in the social audit, dealing promptly with all complaints that may arise in the implementation of the Scheme. |
| Gram Panchayat (GP) | Village Development Officer/ Gram Sevak                                                                                                                                                                                                                                  | Responsible for identification of the projects in GP considering the recommendations of Gram Sabha, prepare a development plan and maintain a shelf of possible works, allocate work to the applicant, and issue of job cards.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|                     | Gram Rojgar Sahayak (GRS)                                                                                                                                                                                                                                                | To oversee the process of registration, distribution of job cards, providing dated receipts against job applications, allocation of work to applicants, facilitating gram sabha meetings and social audits, recording attendance of labourers, updating job cards.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |

### 1.8 Funding pattern

The Scheme is implemented as a Centrally Sponsored Scheme on a cost-sharing basis between the Government of India and the State Government. The GoI bears the entire cost of wages for unskilled manual workers, and up to 75 *per cent* of the cost of materials including wages for skilled and semi-skilled workers (material component). The State Government bears 25 *per cent* of the cost of material component. The State Government also bears the total expenditure of compensation allowance for delayed payment of the wages to the workers, unemployment allowances and administrative expenses of the State Employment Guarantee Councils (SEGC). The funding pattern under the Scheme between Government of India and State Government is exhibited in **Chart 1.3**.

Chart 1.3: Funding pattern under the Scheme between Government of India and State Government



During the period 2019-20 to 2023-24, an expenditure of ₹13,518.30 crore was incurred under the Scheme in the State.

## 1.9 Management Information System (NREGASoft)

National Informatics Centre (NIC) in collaboration with the Ministry of Rural Development has developed a workflow based, web-enabled application known as NREGASoft which provides for recording of all transaction and details of different processes in the implementation of the Scheme. The NREGASoft captures details of workers such as name, address, bank account number *etc.*, job card details, work execution details such as work estimates, physical progress of works, expenditure on materials and labour, wages payable, unemployment allowance payable, *etc.*

NREGASoft also generates alerts for the implementing agencies informing them of important transactions, various apparent irregularities *etc.* and it is the responsibility of the implementing agencies to take necessary corrective action expeditiously.

## 1.10 GeoMGNREGA

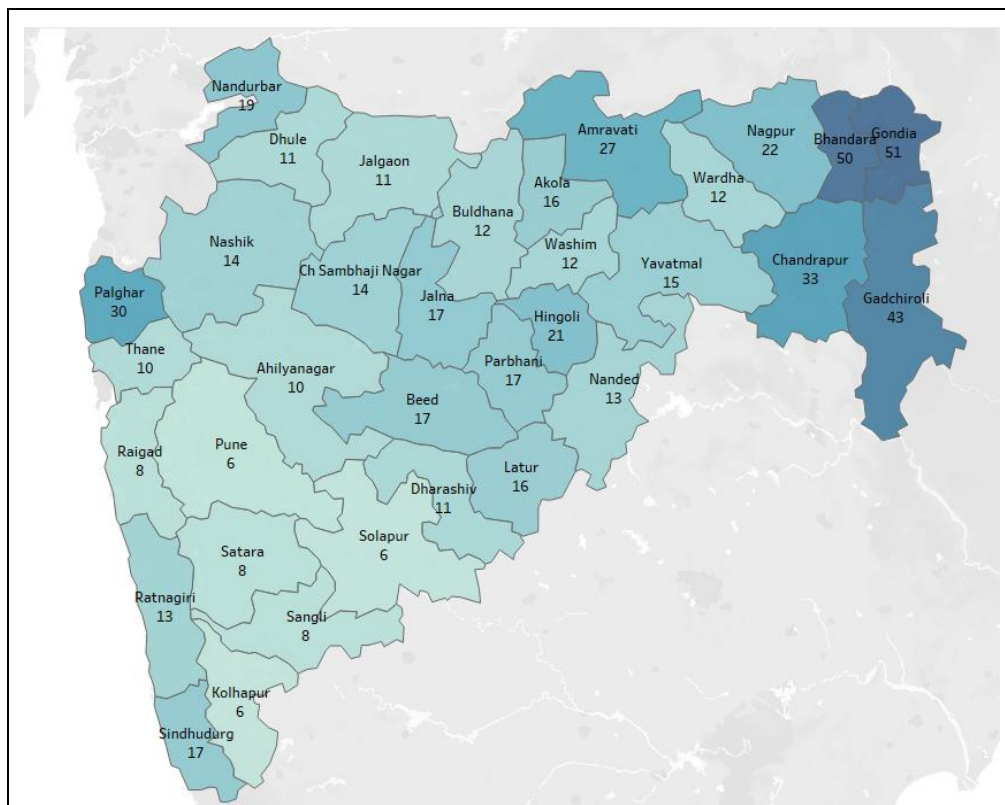
With an objective to improve the transparency and to enhance the visibility of the programme, the Ministry of Rural Development started implementation of GeoMGNREGA for geotagging of assets created under the Scheme in partnership with National Remote Sensing Centre (NRSC) of Indian Space Research Organisation (ISRO). GeoMGNREGA follows a systematic creation of database on assets using technological interventions like mobile based photo geo-tagging and a GIS based information system for online recording and monitoring. The BHUVAN geoportal of NRSC has been customized for this purpose. The location of each asset is geotagged along with two photographs. Assets are geotagged in three stages *i.e.* before work starts, (stage-I), during

work (stage II) and after completion (stage III). Operating procedure has been established to enable a smooth exchange of data as services between NREGASoft and Bhuvan geoportal, while ensuring data integrity and security.

### 1.11 Trend of households availing employment in the State

A general trend of the percentage of households that availed employment *vis-à-vis* households registered in Maharashtra during the period 2019-24 is shown in **Chart 1.4**.

**Chart 1.4: District-wise trend of percentage of households which availed employment *vis-a-vis* households registered**



*Source: Compiled based on data downloaded (October 2024) from NREGASoft*

As seen from **Chart 1.4**, the Scheme is more popular in eastern Maharashtra, with the percentage of households that availed employment *vis-à-vis* households registered being highest in Gondia district, whereas Pune was the lowest at six *per cent*.





## ***CHAPTER II***

### ***Audit Framework***



## Chapter II

### Audit Framework

#### 2.1 Audit objectives

The Performance Audit on the implementation of the Scheme in the State of Maharashtra was conducted to ascertain whether:

- Planning process and financial management practices were adequately geared towards achieving the goals of the Act while adhering to relevant rules and regulations;
- Fair access to employment opportunities was achieved, as well as employment adequately generated, leading to social protection and livelihood security as envisaged;
- Durable and useful assets were created and maintained in compliance with rules and regulations while ensuring convergence with other programmes/schemes; and
- Appropriate and adequate monitoring, social audit and grievance redressal systems were in place and functioning as envisaged to achieve greater transparency and accountability.

#### 2.2 Audit criteria

Audit criteria evaluating the Performance Audit were derived from:

- Maharashtra Employment Guarantee Act and amendments thereon;
- Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act, 2005, amendments thereon, and Rules issued under the Act;
- MGNREGA Operational Guidelines, 2013;
- Annual Master Circulars issued by the Ministry of Rural Development (MoRD), GoI from time to time;
- Government Resolutions, circulars and instructions issued by the State Government and MoRD, GoI.

#### 2.3 Audit Scope and Methodology

The performance audit was conducted from June 2024 to August 2024, covering the period 2019-20 to 2023-24, through a test-check of records at Planning Department (EGS), Commissioner (MGNREGS), Director, Social Audit besides the selected Districts, Zilla Parishads, and Gram Panchayats.

Out of 34 districts implementing the Scheme in the State, six districts viz. Ahilyanagar, Amravati, Chhatrapati Sambhajinagar (CSN), Dharashiv, Nagpur and Palghar were selected using stratified random sampling method based on the total expenditure of the districts during the period 2019-20 to 2023-24. Further, 12 Blocks (two Blocks from each district) were selected using stratified random sampling method based on the total expenditure of the Block during the period 2019-20 to 2023-24, as shown in **Appendix 2.1**. From each Block, four GPs were selected using Probability Proportional to Size without

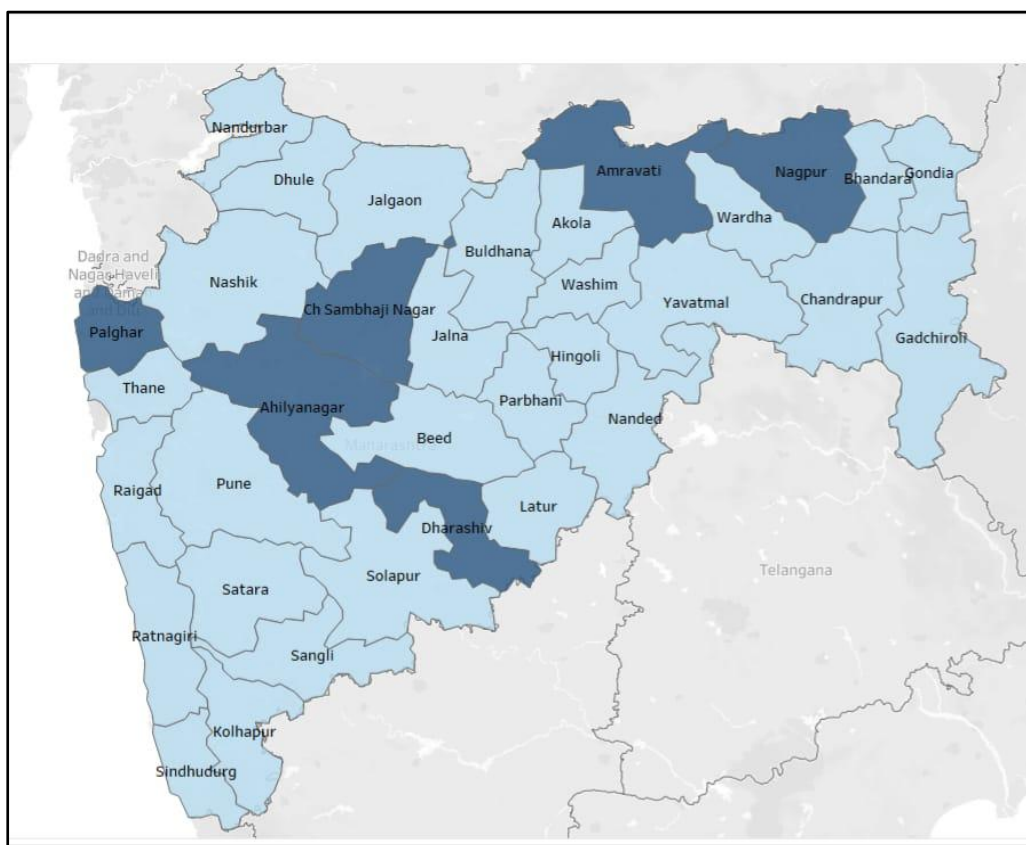
Replacement, with size being the expenditure during 2019-20 to 2023-24 in the GPs. Thus, 48 GPs as shown in **Appendix 2.1** were selected.

Audit also conducted joint physical verification of 336 work sites (seven ongoing or completed work sites were selected on random basis from each selected GP), with the officials of the concerned GPs. Audit also test-checked muster rolls, measurement books, and wage bills in respect of these 336 works. Further, Audit also conducted a survey of 480 job card holders (10 beneficiaries from each selected GP) to ascertain whether the job card holders were aware of the Scheme, received their wages on time, received the entitled unemployment allowance, provided worksite facilities *etc.*

An Entry Conference was held in July 2024 with the Principal Secretary, Planning Department (EGS), wherein audit objectives, audit criteria, audit scope and methodology were discussed. An Exit Conference was held in May 2025, with the Commissioner (MGNREGS) to discuss the audit findings. Replies wherever received (June 2025) from the Commissioner (MGNREGS) have been incorporated in the Report.

The geographical presentation of sampled districts (six out of 34 districts) is shown in **Chart 2.1**.

**Chart 2.1: Geographical presentation of sampled districts**



## **2.4 Previous Audit Findings on MGNREGS**

Audit findings on the implementation of the Scheme in the State were included in paragraph 2.1 of the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended March 2012 on Local Bodies, Government of Maharashtra (Report No. 6 of the year 2013). Recommendations of the Public Accounts Committee on the Report were awaited (August 2025).

## **2.5 Acknowledgement**

Audit acknowledges the cooperation and assistance extended by the Planning Department (EGS), Commissioner (MGNREGS), the Director, Social Audit, Collectors, Chief Executive Officer, Zilla Parishad, and other field functionaries during the conduct of audit.

## **2.6 Structure of the Report**

The Report structure is detailed below:

|                  |                                                  |
|------------------|--------------------------------------------------|
| <b>Chapter 1</b> | Introduction                                     |
| <b>Chapter 2</b> | Audit Framework                                  |
| <b>Chapter 3</b> | Planning and Financial Management                |
| <b>Chapter 4</b> | Registration of workers and payment of wages     |
| <b>Chapter 5</b> | Execution of works                               |
| <b>Chapter 6</b> | Monitoring, Social Audit and Grievance redressal |



## ***CHAPTER III***

# ***Planning and Financial Management***





## Chapter III

### Planning and Financial Management

#### 3.1 Planning

Gram panchayat is the pivotal body for planning and implementation of the Scheme. It is a demand driven public wage employment programme, where the works are opened on demand, and jobs are offered.

The meeting of demand for work and supply of work is the process of planning under the Scheme and has to be achieved through the preparation of labour budget. This involves, prior assessment of the quantum of work likely to be demanded and the timing of such demand while simultaneously preparing a shelf of projects prioritised to meet this demand. The shelf of projects to be taken up as part of labour budget should emerge from the development plan<sup>1</sup>.

##### 3.1.1 Annual Action Plan and Labour Budget

The Annual Action Plan and Labour Budget (AAP&LB) was prepared at GP level, which was consolidated at the Block and Zilla Parishad level. As per para 6.1.3 of the Operational guidelines, the DPC has to ensure strict adherence to the principles of bottom-up approach from planning to approval of the selected shelf of projects by each of the Gram Sabhas in the district. Labour Budget should comprise a month-wise anticipated quantum of demand for work along with a plan that outlines the quantum and schedule of work to be provided for those who demand work. This involves identification of projects and preparation of Labour Budget (LB) estimates. After approval of Labour budget by the Zilla Parishad, the same is submitted to the Collector for onward submission to the Commissioner (MGNREGS). Commissioner (MGNREGS) consolidates and submits the State Labour Budget to GoI.

Audit observed various shortcomings in preparation of labour budget and perspective plan as discussed in the succeeding paragraphs.

##### (i) *Baseline survey*

As per para 6.2 of the MGNREGA Operational Guidelines, GP is required to mandatorily conduct a survey of job card holders in order to prepare a baseline to assess the quantum and timing of demand for employment in the GP. The survey had to elicit information on the seasonal demand for labour from each job card holder in the GP. The baseline survey was to be reassessed once every five years to account for changes in the local pattern of livelihoods and opportunities for work in production activities.

The guidelines also provided that expert institutions could be empanelled to finalise the framework and methodology for the pilots for the baseline survey and once the methodology is finalised, these institutions would train teams from each District to conduct the surveys. The guidelines also provided that leading Civil Society Organizations (CSOs) could also assist in this process.

---

<sup>1</sup> The development plan is an annual plan prepared by matching the prioritised needs with the resources available.

Scrutiny in audit revealed that the GoM had neither empanelled any expert institution/Civil Society Organisations to finalise the framework and methodology for conducting baseline survey nor conducted any baseline survey.

As per para 6.1.1 of MGNREGA Operational Guidelines, a labour budget must include (i) anticipated quantum of demand for work, (ii) timing of the demand for work and (iii) a plan that outlines the quantum and schedule of work to be provided to those who demand work.

Scrutiny of AAP&LB in six selected districts revealed that the labour budget included taluka-wise number of works to be undertaken by various implementing agencies, total estimated cost of works, percentage of the cost of works for unskilled and skilled component portion, expected person days. However, the anticipated quantum and timing of the demand for work and a plan outlining the quantum and schedule of work to be provided to the wage seekers were not included in the labour budget. Thus, the AAP&LB did not consider the demand for work in the absence of baseline survey to match the work to be provided to those who demand work. Audit noticed that in 192 AAP&LBs furnished by GPs, the quantum and timing of demand for employment were not available.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that instructions are given to the districts for conducting baseline survey by carrying door to door survey while preparing Labour budget.

***(ii) Shelf of projects***

Audit scrutinised AAP&LB in 48 selected GPs for the year 2019-20 to 2023-24. As against 240 AAP&LB, which were required for scrutiny, only 192 AAP&LB were produced for audit scrutiny. Scrutiny of 192 AAP&LB revealed that the shelf of projects was not included in 153 (80 per cent) AAP&LB.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (March 2025) that 153 GPs might not have furnished the shelf of projects in AAP&LB but they have submitted the same to their respective districts through block level authority. It was further stated that the shelf of projects would be furnished to Audit. The absence of shelf of project is fraught with the risk of selection of works under the Scheme in an adhoc manner.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that the annual action plan includes individual and community works and in future, precaution would be taken to take work on shelf.

***(iii) District Perspective Plan***

Para 15.3.1.1 of Operational Guidelines, 2013 provides that for implementation of convergence, a District Perspective Plan (DPP) should be prepared by the Districts which identifies the needs and gaps in the districts in all the sectors. This plan is a multi-year plan for different departmental projects.

Scrutiny of records revealed that the DPP was not prepared in any of the six selected districts, though the convergence works had been included in Labour budget. In the absence of the District Perspective Plan, the needs and gaps in

the works to be taken up in the district in all sectors were not identified thereby facilitating convergence of work.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that the State Government has given instructions to prepare a 10 year plan to selected GPs in every district of the State and necessary action would be taken.

### 3.1.2 Block Resource Centre

As per para 4.3.2 of MGNREGA Operational Guidelines, Block Resource Centre (BRC) was required to be set up for (i) providing technical inputs for planning, (ii) maintaining database on local natural resource endowment (*viz.* groundwater, rainfall, soils, *etc.*) needed for planning (iii) ensuring convergence between MGNREGS and other production-oriented schemes of the government.

As per the information furnished (August 2024) by the Planning Department (EGS), GoM, BRCs were not set up in the State. As BRC was the prime source of vital information required for planning, non-setting-up of BRC had left the GPs without any support system required for planning.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that action would be taken to establish Block Resource Centre with available resources.

### 3.1.3 Timeline for preparation and submission of Annual Action Plan and Labour Budget

The timeline stipulated for the preparation and submission of AAP&LB as per the master circular issued by the MoRD each year during 2018-19 to 2023-24 is given in **Table 3.1**.

**Table 3.1: Timeline for preparation and presentation of Annual Action Plan and Labour Budget**

| Sr. No.                                                           | Action to be taken                                                                                                        | Time                         |
|-------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------|
| 1                                                                 | Submission of GP level Plan by GP to the Block Panchayat                                                                  | By 5 <sup>th</sup> December  |
| 2                                                                 | Submission of Block Level consolidated Annual Plan to District Programme Coordinator/Joint District Programme Coordinator | By 20 <sup>th</sup> December |
| 3                                                                 | Submission of District Annual Plan by the District Panchayat to State Government.                                         | By 31 <sup>st</sup> January  |
| 4                                                                 | Submission of State Plan to MoRD, GoI                                                                                     | By 10 <sup>th</sup> February |
| <i>Source: Compiled from Master Circulars issued by MoRD, GoI</i> |                                                                                                                           |                              |

Scrutiny in Audit revealed the following:

- Out of 240 GP level AAP&LBs for the period 2019-20 to 2023-24, 192 GP level AAP&LBs was furnished to Audit. Scrutiny of 192 GP level AAP&LBs revealed delays in the submission of 23 AAP&LBs<sup>2</sup> in respect of 11 GPs. The delays in submission ranged between one day and 37 days.

<sup>2</sup> In 24 GP level AAP&LBs furnished to Audit, the date of forwarding the AAP&LBs to Blocks was not available.

- Out of 60 Block level AAP&LBs during 2019-20 to 2023-24, there were delays in the submission of 23 AAP&Bs<sup>3</sup> in six blocks. The delays ranged between one day and 72 days.
- Scrutiny of 29 district level AAP&LBs<sup>4</sup>, furnished in the six selected districts out of 30 district level AAP&LBs during 2019-20 to 2023-24, revealed delays in the submission of eight AAP&LBs<sup>5</sup> in four districts. The delays ranged between six days and 139 days.
- There were delays in the submission of the State Labour budget ranging between 16 days and 47 days, as shown in **Table 3.2**.

**Table 3.2: Delay in submission of AAP&LBs to MoRD**

| Year    | Due date for submission of AAP&LB to MoRD by GoM | Actual date of submission of AAP&LB to MoRD | Delays in submission of LB (in days) |
|---------|--------------------------------------------------|---------------------------------------------|--------------------------------------|
| 2019-20 | 10.02.2019                                       | 26.02.2019                                  | 16                                   |
| 2020-21 | 10.02.2020                                       | 02.03.2020                                  | 21                                   |
| 2021-22 | 10.02.2021                                       | 26.02.2021                                  | 16                                   |
| 2022-23 | 10.02.2022                                       | 29.03.2022                                  | 47                                   |
| 2023-24 | 10.02.2023                                       | 20.03.2023                                  | 38                                   |

*Source: Information furnished (August 2024) by Planning Department (EGS)*

Audit noticed that in the test-checked district of Dharashiv, CSN and Amravati, the District AAP&LBs for the years 2020-21, 2021-22 and 2023-24 were submitted to the State Government after the State AAP&LBs were submitted to MoRD, as shown in **Table 3.3**.

**Table 3.3: Submission of district AAP&LB after the date of submission of AAP&LB to MoRD**

| District                  | AAP&LB year | Date of submission AAP&LB by district to State | Date of submission of AAP&LB to MoRD |
|---------------------------|-------------|------------------------------------------------|--------------------------------------|
| Dharashiv                 | 2020-21     | 19-06-2020                                     | 02-03-2020                           |
| Chhatrapati Sambhajinagar | 2021-22     | 01-04-2021                                     | 26-02-2021                           |
| Amravati                  | 2023-24     | 24-03-2023                                     | 20-03-2023                           |

*Source: Information furnished (July 2024) by respective district Collectors and Planning Department (EGS)*

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (March 2025) that AAP &LBs are submitted in NREGASoft within the prescribed time. However, districts took time for approval in their General Body Meeting. The reply is not acceptable as the AAP &LB is to be submitted only after the approval by the district panchayats. As regards the delay in submission of AAP&LBs to MoRD, the Commissioner stated (June 2025) that precaution would be taken in future to submit on time.

### **3.2 Availability of staff**

The provision of adequate human resources at all levels of programme implementation holds the key to the success of the Scheme. As per Section

<sup>3</sup> In nine Block level AAP&LBs furnished to Audit, the dates of forwarding the AAP&LBs to District were not available.

<sup>4</sup> AAP&LB of CSN district for the year 2019-20 was not furnished.

<sup>5</sup> In nine District level AAP&LBs furnished to Audit, the dates of forwarding the AAP&LBs to the State Government was not available.

6-1E of MEGA, the State Government shall make available to the District Programme Co-ordinator (DPC), the Programme Officer, Joint Programme Officer, *etc.*, the necessary staff and technical support as may be necessary for effective implementation of the Scheme.

### 3.2.1 Additional District Programme Coordinator

As per para 4.4.1 of the MGNREGA operational guidelines, a full-time Additional DPC exclusively appointed for the Scheme should look into the day-to-day operations of the Scheme and provide leadership in programme implementation at the district level.

Audit observed that Additional DPCs were not appointed in any of the selected districts. The absence of shelf of project in the AAP&LB of GPs, non-preparation of District Perspective Plan, delay in submission of AAP&LB and non-conduct of door-to-door survey to identify eligible households under the Scheme as commented in paragraphs 3.1.1(ii), 3.1.1(iii), 3.1.3 and 4.3 respectively could have been addressed effectively with the appointment of full-time Additional DPC.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (March 2025) that the Chief Executive Officers are designated as Additional District Programme Coordinators. Audit is of the view that since the Chief Executive Officers are already designated as Joint District Programme Coordinators, a full-time Additional DPC would have facilitated implementation of the Scheme.

### 3.2.2 Appointment of Assistant Programme Officer, Technical Assistant and Clerk-cum Data Entry Operator

The Planning Department (EGS), GoM, vide circular dated 11 February 2013, laid down guidelines for hiring of contractual staff such as Assistant Programme Officer (APO), Technical Assistant (TA), Clerk-cum Data Entry Operator (CDEO). The Planning Department (EGS), GoM, vide GR issued in November 2021, fixed the requirement of APO and CDEO on the basis of person days generated during the last financial year and requirement of Technical Assistance on the basis of number of active job cards. The TA was responsible for the preparation of estimates, measurement of works, ensuring work quality *etc.*

The availability of APO, TA and CDEO in the selected districts is shown in **Table 3.4**.

**Table 3.4: Availability of staff in the selected district as of July 2024**

| Particulars                                                                          | Designation | Ahilyanagar | Amravati | CSN | Dharashiv | Nagpur | Palghar | Total shortfall (-)/excess (+) |
|--------------------------------------------------------------------------------------|-------------|-------------|----------|-----|-----------|--------|---------|--------------------------------|
| Sanctioned Strength                                                                  | APO         | 28          | 42       | 40  | 21        | 23     | 27      | 181                            |
|                                                                                      | CDEO        | 54          | 51       | 64  | 32        | 26     | 48      | 275                            |
|                                                                                      | TA          | 56          | 178      | 87  | 30        | 43     | 54      | 448                            |
| Person-in-position                                                                   | APO         | 23          | 36       | 32  | 21        | 22     | 14      | 148                            |
|                                                                                      | CDEO        | 51          | 87       | 86  | 38        | 42     | 50      | 354                            |
|                                                                                      | TA          | 58          | 107      | 75  | 40        | 46     | 34      | 360                            |
| Shortfall (-)/Excess (+)                                                             | APO         | -5          | -6       | -8  | 0         | -1     | -13     | (-33)                          |
|                                                                                      | CDEO        | -3          | 36       | 22  | 6         | 16     | 2       | (+79)                          |
|                                                                                      | TA          | 2           | -71      | -12 | 10        | 3      | -20     | (-88)                          |
| <i>Source: Information furnished by the Collectors in the six selected districts</i> |             |             |          |     |           |        |         |                                |

As seen from **Table 3.4**, there was a shortfall of 33 APOs in the selected districts except Dharashiv. There were 82 excess CDEOs in five districts while there was shortage of three CDEOs in one district (Ahilyanagar). Similarly, there was shortage of 103 TA in three districts (Amravati, Chhatrapati Sambhajinagar and Palghar) and excess of 15 TAs in three districts (Ahilyanagar, Dharashiv and Nagpur).

The reasons for the appointment of excess staff and the non-posting of staff in the districts having shortage were not furnished by the Department.

The TA was responsible *inter alia* for the measurement of works while the APO had to ensure that there is no delay in receipt of muster roll from Gram Panchayat and payment of wages. The shortage of TA and APO would therefore have an adverse impact on the payment of wage bill. The Commissioner (MGNREGS) has accepted shortage of staff as one of the reasons for the delay in the payment of wages.

### **3.2.3 Gram Rozgar Sahayaks**

As per para 4.1.1 of MGNREGA Operational Guidelines, the State may ensure that at least one Gram Rozgar Sahayak (GRS) is deployed in every GP, except in GPs where demand for work under the Scheme is almost non-existent. More than one GRS may be deployed in GPs that have high labour potential and GPs with scattered habitations and tribal areas.

A GRS has to oversee the process of registration, distribution of job cards, provision of dated receipts against job applications, allocation of work to applicants, facilitating Gram Sabha meetings and social audits, recording attendance of labourers, ensuring availability of worksite facilities, updating job cards of the workers, maintaining all Scheme related registers *etc.*, and is therefore an important field level functionary. The cost towards the recruitment of GRS is the first charge on the administrative expenditure under MGNREGS.

Audit noticed that out of 28,279 GPs in the State, 2,258 GPs (eight *per cent*) in which works were executed did not have GRS (August 2024). Audit also noticed that 13 GPs out of 951 GPs in the selected 12 blocks, where works were executed, did not have GRS (August 2024).

Thus, an important field-level functionary was not appointed in 2,258 GPs in the State to ensure effective implementation of the Scheme.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that instructions have been issued to the districts to appoint GRS in the remaining GPs as per requirement.

### **3.2.4 Appointment of Mates**

As per para 7.11.1 of MGNREGA Operational Guidelines, for helping the GRS in managing worksite facilities including taking attendance of the workers, a Mate should be appointed for each work. The Operational Guidelines also stipulated (para 5.3) training for Mates covering measurement of work, worksite facilities, maintenance of records *etc.*

The Commissioner (MGNREGS) had issued a circular in June 2020, *inter alia* detailing the eligibility conditions for appointment of Mate, appointment procedure, and engagement of one Mate for a group of 50 unskilled

workers. As per the eligibility condition for appointment of Mate, the person should be an active worker under the Scheme (should have worked for at least 60 days), should not be related to GRS/ Sarpanch and should be able to read and write and have basic knowledge of arithmetic.

The MoRD, GoI vide its master circular issued (January 2022), stipulated the appointment of one Mate for every 20 workers for works having 20 to 40 worker's attendance and for works having 41 to 80 workers attendance, an additional Mate for every 10 worker. However, it was only in February 2023, that the Planning Department (EGS), GoM issued a circular stipulating the appointment of Mates as specified in the master circular issued by GoI, appointment of minimum 50 *per cent* women as Mates. Further, the registered Mates were required to be trained for usage of National Mobile Monitoring System Application<sup>6</sup> mobile app.

The year-wise status of Mates registered, number of women Mates registered, number of women Mates employed and payment pending to Mates in the State are shown in **Table 3.5**.

**Table 3.5: Status of Mates registered during 2021-22 to 2023-24 in the State**

| As of                                                                           | Total no. of Mates registered | No. of women Mates registered (Percentage) |
|---------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------|--------------------------------------------|
| March 2022                                                                      | 13,871                        | 2,680 (19)                                 |
| March 2023                                                                      | 49,008                        | 8,884 (18)                                 |
| March 2024                                                                      | 62,617                        | 11,623 (19)                                |
| Source: Information furnished (September 2024) by the Planning Department (EGS) |                               |                                            |

Audit observed the following:

- Despite the provisions in the Operational Guidelines and circular issued by the Commissioner, MGNREGS in June 2020, Mates were not appointed/registered in the State during 2020-21. Out of the selected 48 GPs, audit noticed that in 26 GPs (54 *per cent*), Mates were not appointed during 2021-22 to 2023-24. Inadequate work site facilities as discussed in **paragraph 5.9** could not be ruled out due to non-appointment of Mates. In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that there is no designated post of Mates and is solely based on the number of workers for a particular work. The reply is not acceptable as in 12 out of these 26 GPs, audit noticed that works having more than 20 workers were executed during 2023-24 but no Mates were appointed.
- Audit also noticed that despite instructions to appoint minimum 50 *per cent* Mates from women, the registration of women Mates ranged from 18 *per cent* to 19 *per cent* during 2021-22 to 2023-24 as shown in **Table 3.5**. Out of 22 selected GPs, where Mates were appointed, women Mates were not appointed in 14 GPs. In six GPs the appointment of women ranged between 11 *per cent* and 47 *per cent* while in two GPs it was above 50 *per cent*. In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that compliance to the instructions would be ensured.

<sup>6</sup> National Mobile Monitoring System Application captures attendance at worksite through mobile application.



- Information furnished by the Assistant Director of the Planning Department (EGS) revealed that out of 62,782 Mates appointed till August 2024, 25,906 Mates (41 *per cent*) were not trained. In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that training would be provided to untrained Mates.
- As per the NREGASoft report for the month of September 2025, in 124 GPs out of 960 GPs in the selected 12 blocks, ₹ 1.99 crore was paid though no Mates were registered while ₹ 4.50 lakh was pending payment for the period 2021-22 to 2023-24. In five out of 48 selected GPs, ₹ 5.14 lakh was paid for the period 2021-22 to 2023-24 though no Mates were registered while ₹ 0.10 lakh was pending payment for the period 2023-24. This indicated a flaw in the system which allowed payment of wages to unregistered Mates.

### **3.3 Information Education and Communication**

As per para 5.4 of the MGNREGA Operational Guidelines, an important precondition to ensure effective implementation of the Scheme is the creation of awareness among rural people and other stakeholders, particularly workers in respect of the Scheme provisions as well as their rights and entitlements. Information Education and Communication (IEC) activities should aim at facilitating dissemination of right-based provisions of the Act to ensure that the workers know their right to demand wage employment and exercise their right by applying for jobs as per their need. As per para 5.4.2 of the guidelines, the IEC plan should clearly indicate State, District, Block and local level activities. Further, as per the master circulars issued by GoI, the State Government was required to prepare IEC plans every year and send reports at regular intervals to the Ministry.

Though the Assistant Director of the Planning Department (EGS) stated (August 2024) that IEC plans were prepared, copies of the IEC plans were not furnished to Audit. During 2019-20 to 2023-24, the State had incurred an expenditure of ₹22.86 crore (three *per cent*) towards IEC out of the total administrative expenditure of ₹ 818.67 crore. Audit noticed that IEC activities such as banner and wall painting, public awareness through moving vehicles *etc.*, were taken up in four (Amravati, Dharashiv, Nagpur and Palghar) out of the six selected districts in one or more years during 2019-20 to 2023-24, while in Ahilyanagar and CSN districts, no IEC activity was taken up during 2019-20 to 2023-24.

#### **3.3.1 Rozgar Diwas**

As per para 7 of Schedule II of MEGA ‘Rozgar Diwas’ (Employment Guarantee Day) has to be conducted at every Ward and Gram Panchayat level at least once a month, leading to provisions of work as per demand.

As per the information furnished by the 48 selected GPs, as against 2,880 ‘Rozgar Diwas’ (at least once a month) to be conducted during 2019-20 to 2023-24, 1,573 ‘Rozgar Diwas’ were conducted. Thus, there was shortfall in the conduct of 1,307 ‘Rozgar Diwas’ (45 *per cent*) during 2019-20 to

2023-24. This included 10 GPs<sup>7</sup> (in three selected districts) where 'Rozgar Diwas' was not conducted during the period 2019-24.

In reply, the GPs stated that because of lockdown due to covid-19 pandemic from March 2020, the 'Rozgar Diwas' could not be conducted.

Audit however noticed that even excluding the Covid year of 2020-21 and 2021-22, there was shortfall in conduct of 173 'Rozgar Diwas' (2019-20:124; 2022-23:34 and 2023-24:15).

The shortfall in conduct of 'Rozgar Diwas' which is a mechanism to pro-actively invite applications for work from workers could be one of the reasons for low participation of registered households under the Scheme as discussed in paragraph 4.6.2.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that strict adherence to the calendar for 'Rozgar Diwas' in all GPs would be ensured.

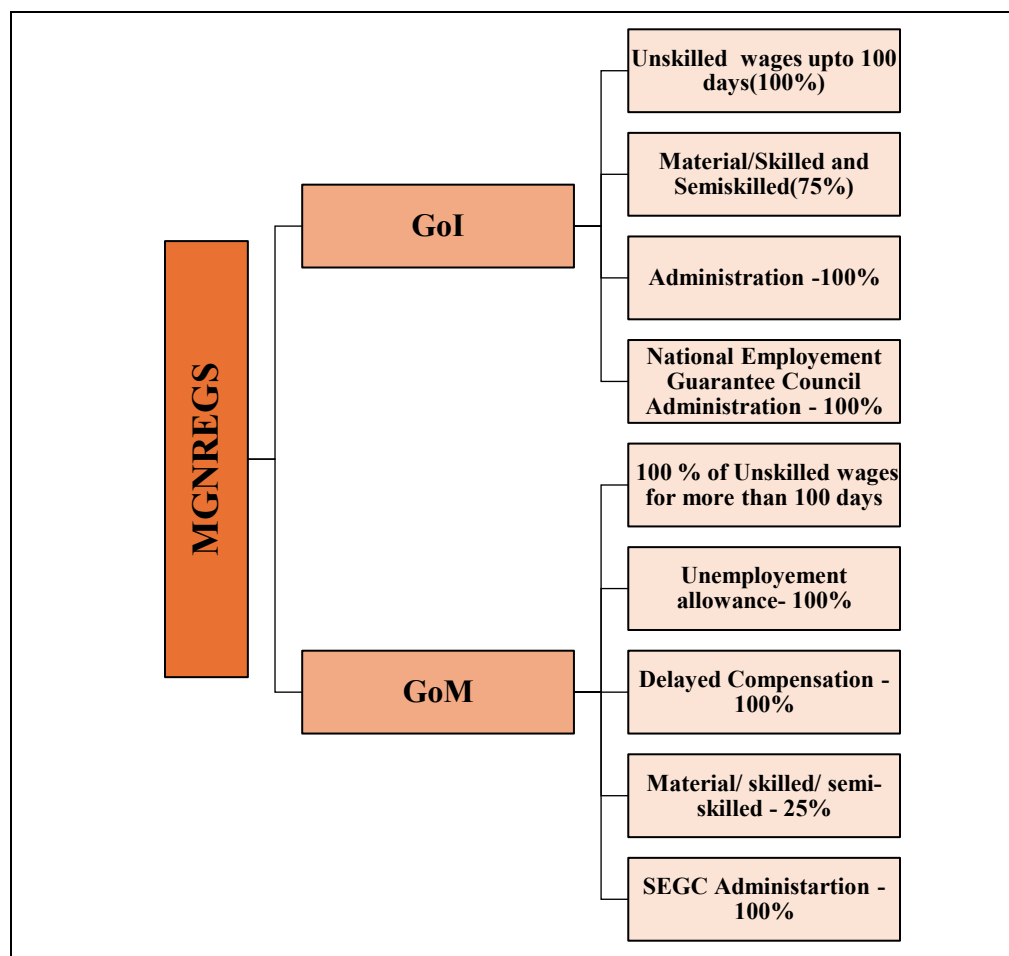
### **3.4 Financial Management**

MGNREGS is implemented as a Centrally Sponsored Scheme on a cost-sharing basis between the Centre and the States. Section 22 of the MGNREGA provides for the framework for the funding pattern. As per Section 22 of the MGNREGA, GoI had to bear the entire cost of wages for unskilled manual workers and up to 75 *per cent* of the cost of material, including wages for skilled and semi-skilled workers. Administrative expenses (up to six *per cent* of total expenditure including expenditure on Social Audit) had to be borne by the GoI. The State Government had to bear 25 *per cent* of the cost of material and wages for skilled and semi-skilled workers. The State Government had to bear the compensation allowance for the delay in payment of wages to the workers, unemployment allowance for inability to provide employment on demand, administrative expenses of the State Employment Guarantee Council and unskilled wages to the workers for work done beyond 100 days.

---

<sup>7</sup> Amravati district: Bhamadehi, Churni, Gangarkheda, Hatru; Dharshiv: Bavi, Bhikar Sarol, Nitali, Upala (Makdacha) and Diksal; Ahilyanagar: Samangaon.

The funding pattern under the Scheme is shown in **Chart 3.1**.



As per the provisions of Section 21 of the MGNREGA, the State Government, was to establish, by a Notification, a fund called State Employment Guarantee Fund. The State established a fund in March 2012 wherein the Central and State shares including miscellaneous receipts (interest accrued *etc.*), were to be credited.

#### 3.4.1 Release and utilisation of funds

The release of Central Share of funds is based on the projection of labour demand in Labour Budget. The release of the 1st tranche (including upfront money) of central share is based on proportionate fund requirement as per the Labour budget, to take care of requirements for the first six months of the financial year, subject to a maximum of 50 *per cent* of the total fund required for a whole year. The release of the 2nd tranche is based on (i) unspent balances and (ii) actual performance against the agreed LB during the year.

The funds for unskilled wages are allocated by GoI to the State but retained centrally. Once the wages are approved by the implementing agencies and electronic fund transfer order is generated, the wages are directly credited through National Electronic Fund Management System to workers account via Direct Benefit Transfer (DBT).

Funds for material and administrative components are released to the State Consolidated Fund. The Central Funds and the corresponding State share in

respect of material component, from the State treasury is released by the State to the concerned State Employment Guarantee Fund Account (State Nodal account) maintained by the Commissioner (MGNREGS). Based on the electronic fund transfer orders generated by the project implementing agencies in NREGASoft, the funds are disbursed directly to vendors, contractors *etc.*

As per the fund release orders of the MoRD, GoI, the Central funds and corresponding State share, from the State treasury is to be released by the State to the concerned State Nodal Account within a maximum period of 15 days from the receipt of Central fund in the State treasury.

Funds for administrative expenditure are released by the Commissioner (MGNREGS) to the districts, based on demand received. Funds for social audit are released by the State Government directly to the Director, Social Audit.

The details of funds received from GoI and GoM for the years 2019-20 to 2023-24, the expenditure under the Scheme and the liability towards unskilled and material components are given in **Appendix 3.1**.

The fund released and expenditure incurred under the Scheme revealed the following:

- As against total fund of ₹ 13,957.47 crore (including opening balance of ₹ 369.42 crore) received during the period 2019-20 to 2023-24, the expenditure incurred was ₹ 13,518.30 (96.85 *per cent*) crore leaving a balance of ₹ 439.17 crore.
- There was delay ranging between four days and 242 days in the release of ₹ 415.73 crore (45 *per cent*), out of State's share of ₹ 926.51 crore (material component) released during 2022-23 (₹ 504.82 crore) and 2023-24 (₹ 421.69 crore). The date-wise release of Central and State's share from 2019-20 to 2021-22 was not furnished to Audit by the Commissioner (MGNREGS). The information was also not furnished by the Planning Department (EGS).
- The pending liability towards cost of unskilled wages and material/ wages for skilled/semi-skilled was ₹ 1,736.63 crore (Unskilled wages: ₹ 761.05 crore; material/wages for skilled / semi-skilled workers: ₹ 975.58 crore) as at the end of March 2024. The reasons for pending liability towards unskilled wages were wrong and dormant/closed accounts of the workers *etc.* (paragraph 4.12). The pending liability towards material component was due to wrong and dormant/closed accounts of workers/vendors and late receipt of funds as stated by the State Government (paragraph 5.13). The liability decreased to ₹ 230.72 crore as of September 2025 (unskilled wages: ₹ 14.04 crore, material component: ₹ 216.68 crore including ₹ 2.24 crore towards skilled wages).

### **Conclusion**

There were significant delays in the submission of Annual Action Plans and Labour Budgets by the Gram Panchayats. Moreover, baseline survey, critical for assessing the anticipated quantum and timing of demand for work, was not conducted. The submitted annual action plans and labour budgets did not include details about the quantum and timing of the demand for work, schedule of work to be provided and shelf of projects duly prioritised aligned with potential demand which adversely impacts planning for effective implementation of the Scheme.

Gram Rozgar Sahayaks (GRSs), who play a critical role in supporting the Gram Panchayats in the execution and monitoring of the works under the Scheme, were not appointed in 2,258 out of 28,279 Gram Panchayats in the State. Additionally, mates responsible for supervising work at the worksite were not registered during the year 2020-21. The absence of these key functionaries affects the implementation of the Scheme activities. There were delays in release of funds by the State Government.

### **Recommendations**

***Recommendation No. 1: Government may take appropriate action to conduct baseline survey to ensure assessment of quantum and timing of demand of works to be included in the Annual action plan and labour budget.***

***Recommendation No. 2: The Government may take action to appoint Gram Rozgar Sahayaks in all Gram Panchayats, to strengthen the execution and monitoring capacity at the grassroots level.***

## ***CHAPTER IV***

### ***Registration of workers and payment of wages***



## Chapter IV

### Registration of workers and payment of wages

#### 4.1 Employment Generation

Provision of minimum 100 days of guaranteed wage employment and strengthening the livelihood resource base of rural poor require that the implementers pay close attention to generating awareness among potential wage-seekers and set up systems that facilitate and rigorously record registration for work, issuance of job cards and applications on demand for work. Further, the objective of enhancing the livelihood security of the poor households in rural areas of the country can be met only if special attention is focused on vulnerable sections of the rural society.

Audit analysed the data of selected districts, blocks and GPs and observed that the process involved in receipt of applications for issue of job card, verification of job card and maintenance of employment register were not done as prescribed in the guidelines. The findings are discussed in the succeeding paragraphs.

#### 4.2 Registration of workers

As per para 1 of schedule III of MEGA, an adult member of every household residing in any rural area and willing to do unskilled manual work may submit the names, age and address of the household to the Gram Panchayat in whose jurisdiction they reside for registration of their household for issuance of job card. The process for registration of households, issue of job cards and employment allocation is detailed in **Chart 4.1** below:

**Chart 4.1: Registration process, Job card and Employment allocation**

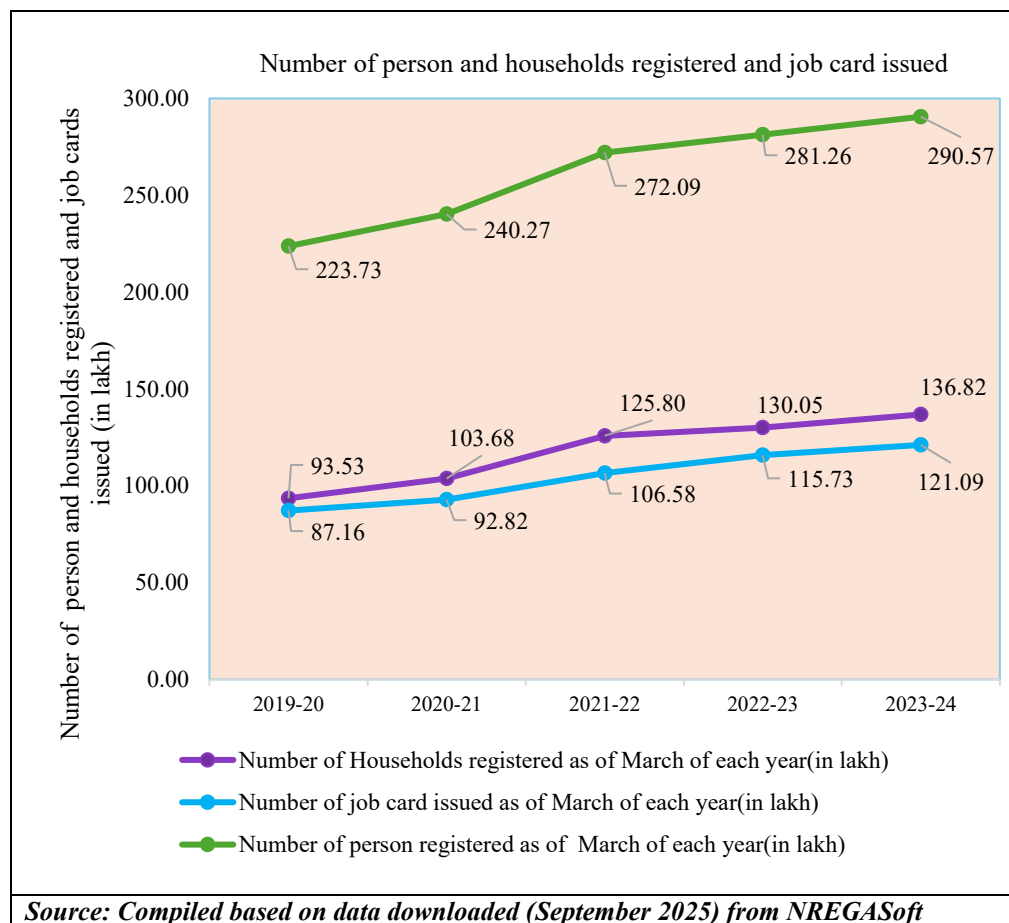
- |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"><li>• Door-to-Door survey to be conducted by GP for identifying people willing to register</li><li>• Adults can apply for registration at GP office</li><li>• After verification, unique registration number for each household is assigned in NREGASoft</li></ul>                                                                                                                               |
| <ul style="list-style-type: none"><li>• Job card to be issued within a fortnight of receipt of application for registration</li><li>• Job card to contain photo of registered members</li><li>• Job card is valid for five years</li><li>• Job card to contain details of number of days for which work demanded, number of days for which work allotted and wages paid</li><li>• Job card to be in custody of household</li></ul> |
| <ul style="list-style-type: none"><li>• Application for work can be oral or written and made to the Ward member or to the Gram Panchayat or to the Programme Officer</li><li>• Dated receipt to be issued to each applicant</li><li>• Employment to be given within 15 days of application. If not, unemployment allowance to be paid</li></ul>                                                                                    |



### 4.3 Registered households and registered persons

The number of households which were registered during 2019-20 to 2023-24 in the State is shown in **Chart 4.2**.

**Chart 4.2: Number of persons and households registered and job card issued over the years**



Source: Compiled based on data downloaded (September 2025) from NREGASoft

During the period 2019-20 to 2023-24, there was 46 *per cent* increase in the number of households registered under the Scheme in the State and in the selected districts, the increase was 33 *per cent*. As against 136.82 lakh households registered up to March 2024, job cards were issued (September 2025) to 121.09 lakh households (89 *per cent*).

### 4.4 Door-to-door survey

As per para 3.1.1(ii) of Operational Guidelines, a door-to-door survey should be undertaken by each GP every year to identify eligible households who have been missed out and wish to be registered. It was to be ensured that the survey is held at that time of the year when people have not migrated to other areas in search of employment or for other reasons.

As per the information furnished by 48 test-checked GPs, 26 GPs reported that door-to-door survey was conducted while 22 GPs (46 *per cent*) stated that door to door survey was not conducted during 2019-20 to 2023-24. However, the GPs which reported of having conducted the door to door survey did not furnish any documentary evidence of having conducted such survey. Out of 22 GPs

which stated that door-to-door survey was not conducted, 12 GPs did not furnish any reply/reason for not conducting the survey. The remaining 10 GPs, attributed non-conduct of survey to Covid pandemic and lack of orders from State Government/higher authorities. The reply that survey was not conducted due to lack of orders from the State Government/higher authorities is not acceptable as Operational Guidelines stipulated that door-to-door survey should be undertaken by each GP every year.

Failure to conduct door-to-door survey increases the risk of households not being covered under the Scheme. Further, such survey would have facilitated the deletion of duplicate job cards issued to the same households as discussed in **paragraph 4.5.3**.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (March 2025) that instructions are given to the districts for conducting door to door survey every year.

#### **4.5 Job cards**

As per para 2 of schedule III of MEGA, it is the duty of GP to issue a job card to the household within 15 days from the date of receipt of applications for registration<sup>1</sup>, containing a unique job card number with details of the registered adult members of the household, their photos, bank or post office account number, Aadhaar number *etc.*

##### **4.5.1 Maintenance of application register**

As per para 10.3.5 of the Operational Guidelines, an application register showing the date of receipt of application, details of job cards issued *etc.* was to be maintained by the GPs. MoRD, GoI had also directed (October 2016) mandatory maintenance of application register by all the GPs.

Audit noticed that the application register showing the date of receipt of application for job cards was not maintained/updated in 47 out of 48 selected GPs. In the absence of the application register, Audit could not ensure that all the applications received were registered or rejected.

Out of 47 GPs, 29 GPs did not furnish any reply. Out of the remaining 18 GPs, six GPs stated that application register was maintained online, one GP stated that register was not maintained due to shortage of trained staff while 11 GPs without specifying the reasons for non-maintenance of register stated that register will be updated. In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that instructions have been issued to all the GPs to immediately maintain the application register.

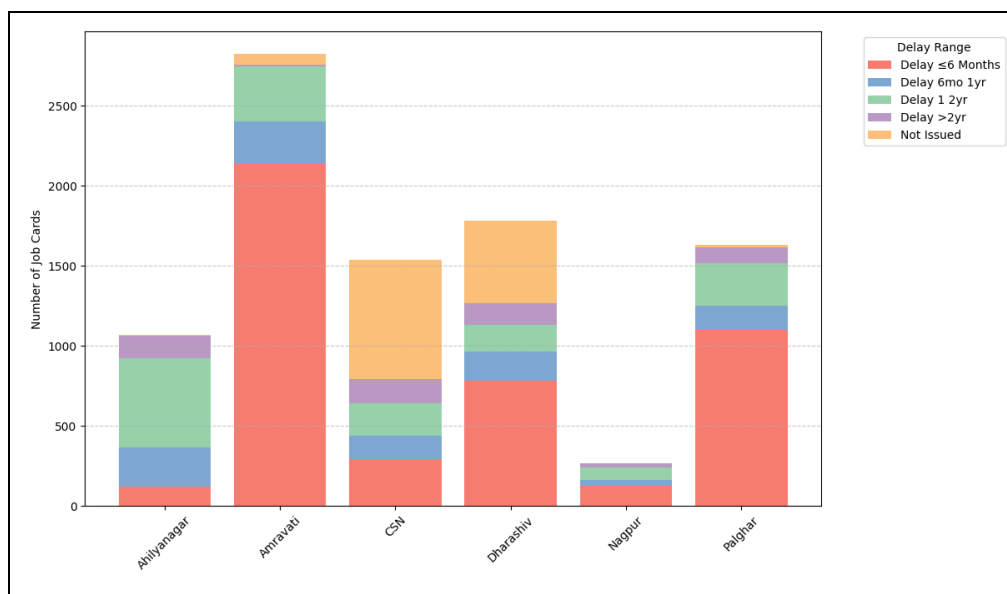
##### **4.5.2 Delay in issue of job cards**

Job card was to be issued to the beneficiaries within 15 days of receipt of application. Scrutiny of online data in respect of applications received for registration in the selected 48 GPs, revealed that out of 15,077 registrations done during 2019-20 to 2023-24, there were delays in the issue of 7,771 job cards (52 per cent) as shown in **Chart 4.3**.

---

<sup>1</sup> All particulars of a household if found to be eligible after verification, are entered in NREGASoft and a unique registration number is assigned.

Chart 4.3: Delay in issue of job cards in the selected GPs



Source: Compiled based on data downloaded (January 2025) from NREGASoft

Audit noticed that the delay in issue of 7,771 job cards ranged between one day and 1,697 days of which 2,184 job cards<sup>2</sup> (28 per cent) were issued after a delay of more than one year while 1,349 registered applications were not issued job cards till January 2025.

In the Exit Conference, the Commissioner (MGNREGS) stated (May 2025) that instructions would be issued to field offices to ensure compliance with the guidelines.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (May 2025) that workers may not demand job cards. The reply is not acceptable as all efforts should have been made to issue the job card to the workers as it is the duty of GPs to issue job cards within 15 days from the date of receipt of applications for registration.

The possibility of the beneficiaries being deprived of employment due to delay and non-issue of job cards could not be ruled out.

#### 4.5.3 Duplicate job cards

NREGASoft generates a report showing job cards with different serial numbers but with the same name of the head of the household. As per the report (November 2024), 4.99 lakh job cards registered in the State, had the name of the head of the household against which a job card had already been registered.

Audit noticed that in 44<sup>3</sup> out of 48 selected GPs, 577 job cards had the name of the head of household for which one or more job cards had been registered. As against these 577<sup>4</sup> job cards, 595 additional job cards were registered. Scrutiny of these 595 additional cards revealed that 213 job cards were registered five to

<sup>2</sup> Delay over one year to two years: 1619 + Delay over two years: 565.

<sup>3</sup> In Mandvi GP (Kalmeshwar Block), Agara, Mohagaon Bhadade and Thaturwada GPs (Narkhed Block) in Nagpur district, duplicate cards were not issued.

<sup>4</sup> Double job cards were issued to 561 households; triple job cards were issued to 14 households and quadruple job cards were issued to two households.

13 years earlier (as of October 2024) while 382 job cards were registered three months to five years earlier (as of October 2024).

The data of additional job cards registered were issued to 40 GPs for confirmation. 29 GPs responded and confirmed that out of 319 additional cards issued, 317 cards were duplicate (in two additional cards issued by two GPs, though the names were same the persons were different).

NREGASoft did not have checks to prevent registration of job cards having the same name of the head of the household by linking registration with unique identifiers like Aadhaar number. The registration of duplicate job cards also indicated inadequate internal control in the registration of job cards by the Blocks.

The impact of registration of duplicate cards was the allotment of more than 100 days of employment in a year to both cards put together. Allotment of more than 100 days of employment in a year (2,744 days to 36 workers during 2019-20 to 2023-24) was noticed in respect of 19 households, resulting in irregular wage payment of ₹ 6.53 lakh out of GoI funds since wages for more than 100 days per households were to be borne by the State Government.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that issue of duplicate cards is being investigated and necessary corrections would be made in the database and guidelines are being reinforced to prevent such occurrences. It was further stated that instructions are being issued to DPCs regarding verification and rectification drive would be undertaken to avoid duplicate job cards.

#### **4.5.4 Deficiencies in job cards**

The job card has to be updated regularly by the GPs with the number of days for which the work was demanded, the number of days of work allocated, unemployment allowance paid, if any, wages paid *etc.* The job card issued shall be valid for at least five years, after which the job card has to be renewed after due verification by the GPs.

During beneficiary survey, 419 out of 480 beneficiaries produced job cards for audit scrutiny. Scrutiny revealed the following:

**i) Photo identity in job Cards:** In 49 (12 *per cent*) job cards, photos of registered members were not affixed.

**ii) Details in the job cards:** In 157 (37 *per cent*) job cards, the details of the number of days for which work was demanded, the number of days for which work was allotted, and wages paid were not recorded in the job cards.

**iii) Signature on job cards:** The job cards issued to the beneficiaries had to be signed by the Head of the family and the programme officer (Block Development Officer). Audit scrutiny revealed that 176 job cards (42 *per cent*) were not signed either by the Head of the family or the programme officer.

#### **4.5.5 Verification of job cards**

Scrutiny of NREGASoft report as of January 2025, revealed that in 48 selected GPs, out of 23,270 job cards issued between February 2006 and March 2019 and which were due for verification, 1,419 job cards had not been verified by the GPs even once till January 2025. Further, 21,692 job cards (out of 23,270 job cards), though verified between July 2011 and March 2019 and had become due for verification, were not verified till January 2025. Thus, 23,111 job cards (99 per cent) out of 23,270 job cards were pending for verification for more than five years.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (May 2025) that instructions will be issued to ensure proper maintenance of job cards and their verification.

#### **4.6 Demand for work**

As per para 6 of schedule III of MEGA, every adult member of a registered household whose name appears on the job card shall be entitled to apply for unskilled manual work under the Scheme; and every such application shall be compulsorily registered, and a receipt issued with the date, which shall be entered in the computer system. The demand for work, either oral or written, shall be registered as and when required by any job card holder.

##### **4.6.1 Maintenance of employment register**

As per para 3.4 (ii) of MGNREGA Operational Guidelines, the information on work requested and work allotted is required to be mentioned in the job card and Employment Register. MoRD, GoI had also directed (October 2016) that a register (Register-III) showing job card-wise date of demand for work, number of days for which work was demanded, number of days worked, date of wage payment, wages paid, unemployment allowance paid, delayed compensation paid *etc.* should be manually maintained in GPs.

Audit observed that in 15<sup>5</sup> out of 48 selected GPs, the Employment Register was not being maintained manually whereas in three<sup>6</sup> GPs, though maintained, it was not being updated. Further, there was no system to enter the receipt issued (with the date) in respect of application for work received from workers, in NREGASoft.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that instructions have been issued to all GPs to immediately maintain and regularly update manual employment register.

##### **4.6.2 Households demanding work and allocation of work**

The number of households registered, work demanded by registered households, number of households which were offered employment, households not provided employment and households which completed 100 days of work are shown in **Table 4.1**.

---

<sup>5</sup> CSN: Eight GPs, Amravati: Seven GPs

<sup>6</sup> Ahilyanagar: Balamtakli, Samangaon and Thakur Nimgaon

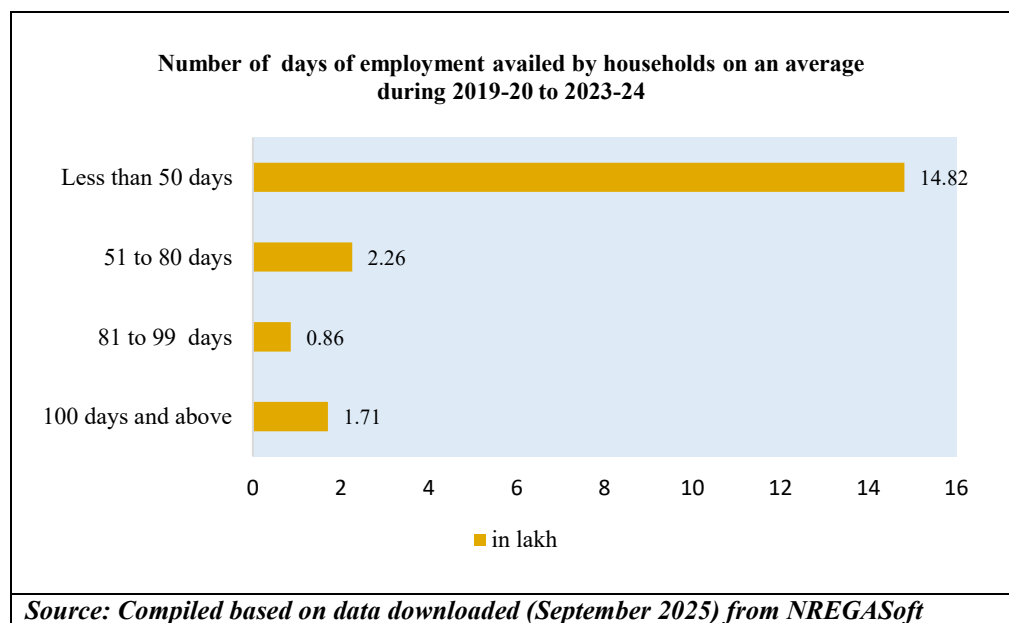
Table 4.1: Employment demanded and not provided during 2019-20 to 2023-24 in the State

| Year                                                                      | No. of Registered households | No. of households which demanded employment<br>(per cent) | No. of households which were offered employment<br>(per cent) | No. of house holds not provided employment | No. of households which availed employment | No. of households which completed 100 days<br>(percentage<br>vis-à-vis households which availed employment) |                       |
|---------------------------------------------------------------------------|------------------------------|-----------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------|--------------------------------------------|--------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------|
|                                                                           |                              |                                                           |                                                               |                                            |                                            |                                                                                                             | Per cent<br>(7/6*100) |
|                                                                           | (in lakh)                    |                                                           |                                                               | Number                                     | (in lakh)                                  |                                                                                                             |                       |
| 1                                                                         | 2                            | 3                                                         | 4                                                             | 5                                          | 6                                          | 7                                                                                                           | 8                     |
| 2019-20                                                                   | 93.53                        | 17.29 (18)                                                | 17.25<br>(99.77)                                              | 3,992                                      | 15.37                                      | 1.24                                                                                                        | 8.07                  |
| 2020-21                                                                   | 103.68                       | 18.84 (18)                                                | 18.79<br>(99.73)                                              | 4,702                                      | 16.84                                      | 1.37                                                                                                        | 8.14                  |
| 2021-22                                                                   | 125.80                       | 22.55 (18)                                                | 22.50<br>(99.78)                                              | 5,710                                      | 20.36                                      | 1.74                                                                                                        | 8.55                  |
| 2022-23                                                                   | 130.05                       | 23.91 (18)                                                | 23.85<br>(99.75)                                              | 6,093                                      | 21.21                                      | 1.39                                                                                                        | 6.55                  |
| 2023-24                                                                   | 136.82                       | 27.24 (20)                                                | 27.18<br>(99.78)                                              | 6,186                                      | 24.46                                      | 2.80                                                                                                        | 11.44                 |
| Total                                                                     |                              | 109.83                                                    | 109.57<br>(99.76)                                             | 26,683                                     |                                            |                                                                                                             |                       |
| Average                                                                   | 117.98                       | 21.97(19)                                                 | 21.91<br>(99.73)                                              |                                            | 19.65                                      | 1.71                                                                                                        | 8.70                  |
| Source: Compiled based on data downloaded (September 2025) from NREGASoft |                              |                                                           |                                                               |                                            |                                            |                                                                                                             |                       |

As seen from **Table 4.1**, the number of households which demanded work during 2019-20 was 17.29 lakh (18 *per cent*) and had increased to 27.24 lakh (20 *per cent*) during 2023-24 *vis-à-vis* the number of households registered. On an average, 19 *per cent* of the households demanded work during the period 2019-20 to 2022-23. Thus, a significant number of households did not demand work. Further, 99.76 *per cent* of the households which demanded employment during 2019-20 to 2023-24 were offered employment.

The number of days of employment availed by households on an average during 2019-20 to 2023-24 in the State is shown in **Chart 4.4**.

**Chart 4.4: Number of days of employment availed by households on an average during 2019-20 to 2023-24**



As seen from **Chart 4.4**, 14.82 lakh households (75.42 *per cent*) on an average availed employment of less than 50 days during 2019-20 to 2023-24 while 1.71 lakh households (8.70 *per cent*) have availed employment of 100 days and above.

Thus, there was not only low participation of registered households in demanding work under the Scheme but the number of households which availed 100 days of guaranteed employment was also low.

During survey of 480 job card holders, 273 beneficiaries (57 *per cent*) responded that the wage rate was low and required to be increased.

#### **4.6.3 Unemployment allowance**

As per para 14 of schedule III of MEGA, the work has to be provided within 15 days from the date of registration of demand for work or the date from which the work has been demanded in case of advance application, whichever is later. In case the work could not be provided as per demand within the specified time-limit, unemployment allowance should be paid to the registered households. Every payment of unemployment allowance shall be made not later than fifteen days from the date on which it became due for payment. The unemployment allowance will not be less than one-fourth of the wage rate for the first thirty days and not less than one-half of the wage rate for the remaining period of the financial year.

As per para 11(1) of schedule II of MEGA, in case work could not be provided as per demand within the specified time-limit, unemployment allowance shall be paid, as calculated automatically by the computer system. The NREGASoft, which captures the demand for work, computes the unemployment allowance automatically if jobs are not provided within the stipulated period.

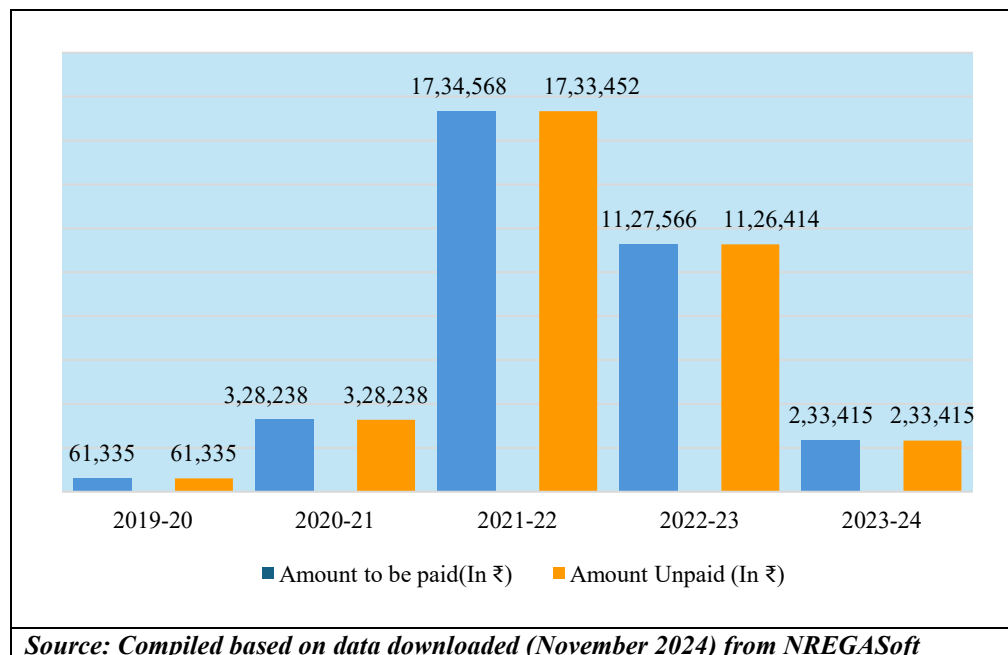
As seen from **Table 4.1**, as against the demand for work made by 109.83 lakh households during 2019-20 to 2023-24, the State provided employment to



109.57 lakh (99.76 *per cent*) households. In the six selected districts, 4,327 (0.18 *per cent*) households<sup>7</sup> who had demanded work during 2019-20 to 2023-24 were not provided work.

Audit observed that out of an amount of ₹ 34.85 lakh due as unemployment allowance during the period 2019-20 to 2023-24 in the State, only an amount of ₹ 2,268 was paid and ₹ 34.83 lakh was unpaid as shown in **Chart 4.5**.

**Chart 4.5: Unpaid unemployment allowance in the State**



*Source: Compiled based on data downloaded (November 2024) from NREGASoft*

In five<sup>8</sup> (Amravati, CSN, Dharashiv, Nagpur and Palghar) out of the six selected districts, unemployment allowance of ₹ 23.45 lakh pertaining to the period 2019-20 to 2023-24 was not paid.

As of September 2025, the unemployment allowance payable was ₹ 35.55 lakh including ₹ 0.62 lakh<sup>9</sup> unemployment allowance to be paid for the period 2024-25.

Thus, the beneficiaries were not only deprived of guaranteed employment but also of unemployment allowance in violation of the MEGA.

Further, as per Section 3-E (2) of MEGA, every case of non-payment or delayed payment of unemployment allowance shall be reported in the annual report submitted by the District Programme Co-ordinator to the State Government along with the reasons for such non-payment or delayed payment. Audit noticed that the District Programme Co-ordinators in the five out of six selected districts did not furnish annual report intimating the reasons for non-payment of unemployment allowance to the State Government. This also indicated lack of proper monitoring by the State Government/Commissioner (MGNREGS) to

<sup>7</sup> Amravati: 1,128 households; CSN: 1,116 households; Dharashiv: 1,132 households; Ahilyanagar: 341 households; Nagpur: 338 households; Palghar: 272 households.

<sup>8</sup> No unemployment allowance was payable in Ahilyanagar district.

<sup>9</sup> No payment was done against ₹ 0.62 lakh payable for the year 2024-25.



ensure disbursement of unemployment allowance to the workers as reflected in NREGASoft.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that work was provided to the labourers but they did not report for work hence no unemployment allowance was payable. It was further stated that there are no cases of unemployment allowance in the State and the pending entries reflected in NREGASoft are due to incorrect data entries made by field level employees.

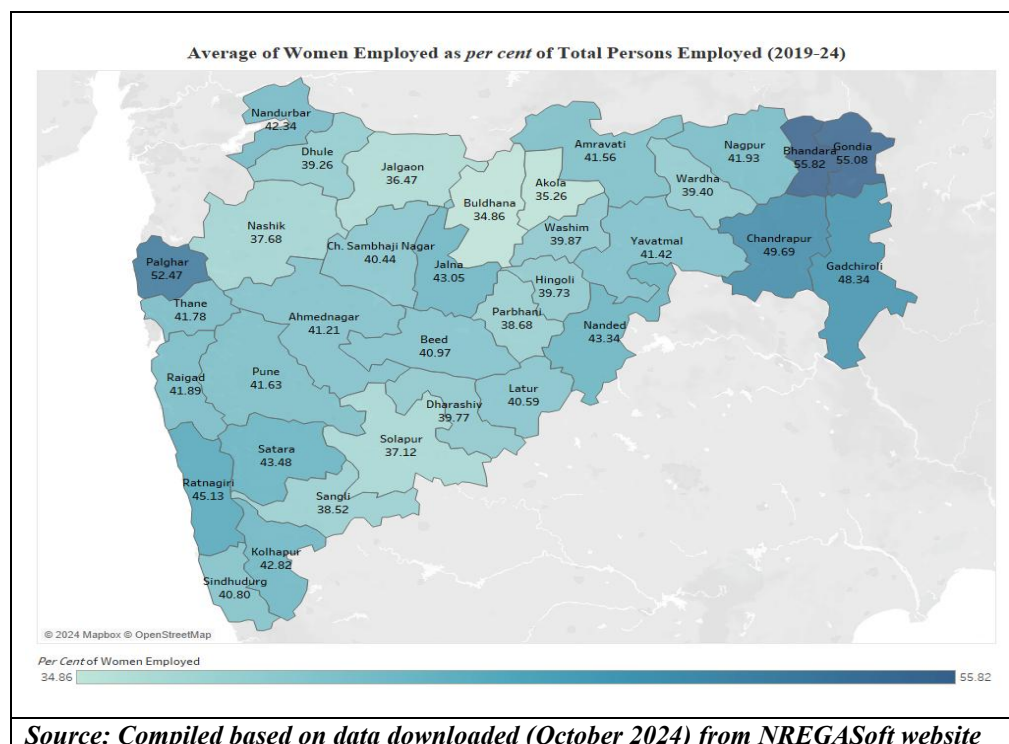
The reply is not acceptable as (i) there is no audit trail to show that the work was offered to the labourers but they did not report for work. In such an event NREGASoft should not have computed the unemployment allowance payable (ii) the fact that the purported incorrect entries in NREGASoft pertained to the period 2019-20 to 2023-24, without any rectification indicates the correctness of the same (iii) the reply that there are no cases of unemployment allowance in the State is not correct as the report from NREGASoft, showed payment of unemployment allowance amounting to ₹ 2,268.

#### **4.7 Participation of women under the Scheme**

As per para 15 of schedule III of MEGA, priority shall be given to women in such a way that at least one-third of the beneficiaries shall be women who have registered and requested for work. The Scheme also envisaged efforts to be made to increase participation of single women and the disabled.

The district-wise percentage of women employed under the Scheme during 2019-20 to 2023-24 in the State is given in **Chart 4.6**.

**Chart 4.6: District-wise (average) percentage of women workers employed to total persons employed during 2019-20 to 2023-24**



**Source: Compiled based on data downloaded (October 2024) from NREGASoft website**

As seen from **Chart 4.6**, the percentage of women participating in the Scheme was highest in Bhandara district at 55.82 *per cent* and lowest in Buldhana at 34.86 *per cent*.

Audit observed that the representation of women in employment under the Scheme at the State level and in six selected districts was more than one-third of the total employment generated. The representation of women in 21 selected GPs was more than one-third of the total employment generated during all the five years (2019-20 to 2023-24). In three selected GPs<sup>10</sup>, the representation of women was less than one-third of the total employment generated during all the five years (2019-20 to 2023-24). In the remaining 24 selected GPs, the representation of women ranged between zero *per cent* to 32.98 *per cent* during different years for the period 2019-20 to 2023-24.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that women do not come forward to work like men, but attempts are being made to increase the share of women in the Scheme by adopting IEC.

#### **4.8 Non-conduct of special drive to identify specially abled persons**

As per para 7 of schedule III of MEGA, the State shall proactively verify the requirements of the vulnerable groups and provide them work. Para 9.3.9 of Operational Guidelines, also stipulated that there should be a special drive to identify all persons with disability and other vulnerable persons (primitive tribal groups, nomadic tribal groups, de-notified tribes, senior citizens above 65 years of age, HIV positive persons, internally displaced persons, widowed women *etc.*) and provide 100 days of work to each of the households within a specified timeframe. As per Operational Guidelines, each State Government should designate one officer in each district as Coordinator (Vulnerable Groups). The Co-ordinator (Vulnerable Groups) shall hold a monthly meeting to review the progress of such implementation with Block and Gram Panchayat level officials and submit monthly and quarterly progress reports to the DPC.

As per NREGASoft report as of September 2024, the number of specially abled persons registered under the Scheme, decreased from 1.36 lakh in 2019-20 to 1.24 lakh in 2023-24. As per the information provided by 48 selected GPs, the number of specially abled persons registered under the Scheme, increased from 187 in 2019-20 to 348 in 2023-24. Audit observed that in 27 GPs, special drives were not conducted to identify the persons with disability and other vulnerable persons during the period 2019-20 to 2023-24. Further, in 33 GPs, neither any review meeting was conducted, nor any progress report was submitted to DPC.

In reply, the Commissioner, (MGNREGS) stated (May 2025) that there was no post of Coordinator of Vulnerable Group at the district level in the entire State to handle the issues of disabled persons. It was further stated (June 2025) that special drives will be conducted to identify person with disability and other vulnerable persons.

As of September 2025, the number of specially abled persons registered under the Scheme was 1.27 lakh.

---

<sup>10</sup> Hingani Mirzapur, Etki (District: Amravati); Agara (District: Nagpur).

#### **4.9 Schedule of rates for wage payment**

As per para 16 of schedule II of MEGA, the State Government shall link the wages, without any gender bias, based on the quality and the quantity of work done and it shall be paid according to the rural Schedule of Rates (SoRs) fixed after time and motion studies for different types of work and different seasons and revised periodically. The Scheme (para 17 of schedule II of MEGA) stipulated that a separate SoR shall be finalized for women, the elderly, people with disabilities and people with debilitating ailments so as to improve their participation through productive work. Further, para 18 of schedule II of MEGA, the Schedule of rates of wages for various unskilled labourers shall be so fixed that an adult person working for eight hours, which includes an hour of rest will earn a wage which is equal to the stipulated wage rate.

Para 7.7.4 of the Operational Guidelines stipulates that a systematic revision of SoRs requires an estimation of the amount of work (a “Task”), a human being can perform in a given area in the prescribed period of time. This estimation requires carefully designed Work Time and Motion Studies (WT&MS). Further, Para 7.7.6 of the Operational Guidelines also stipulates that WT&MS should also allow for regional variations in tasks, depending on the variable local conditions and the health and nutrition status of the population. In particular, it must reflect the productivity of a mixed group of workers including both men and women, elderly workers and those who are physically challenged.

##### **4.9.1 Separate schedule of rates**

As per para 7.7.8 of Operational Guidelines, SoR for common tasks was to be developed at the level of the district whereas the SoRs for the complex tasks was to be developed for a group of districts within the same agro-climatic region. Audit noticed that the Commissioner (MGNREGS) was using a uniform SoR for the entire State and the same was revised from time to time based on revision in wage rates instead of preparing SoR for each district/group of districts.

Separate SoR for women, the elderly, people with disabilities and people with debilitating ailments were also not prepared by the State Government.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that the State is preparing a proposal to make SoR for women, the elderly, people with disabilities and people with debilitating ailments through National Institute of Rural Development and Panchayati Raj (NIRDPR), Hyderabad.

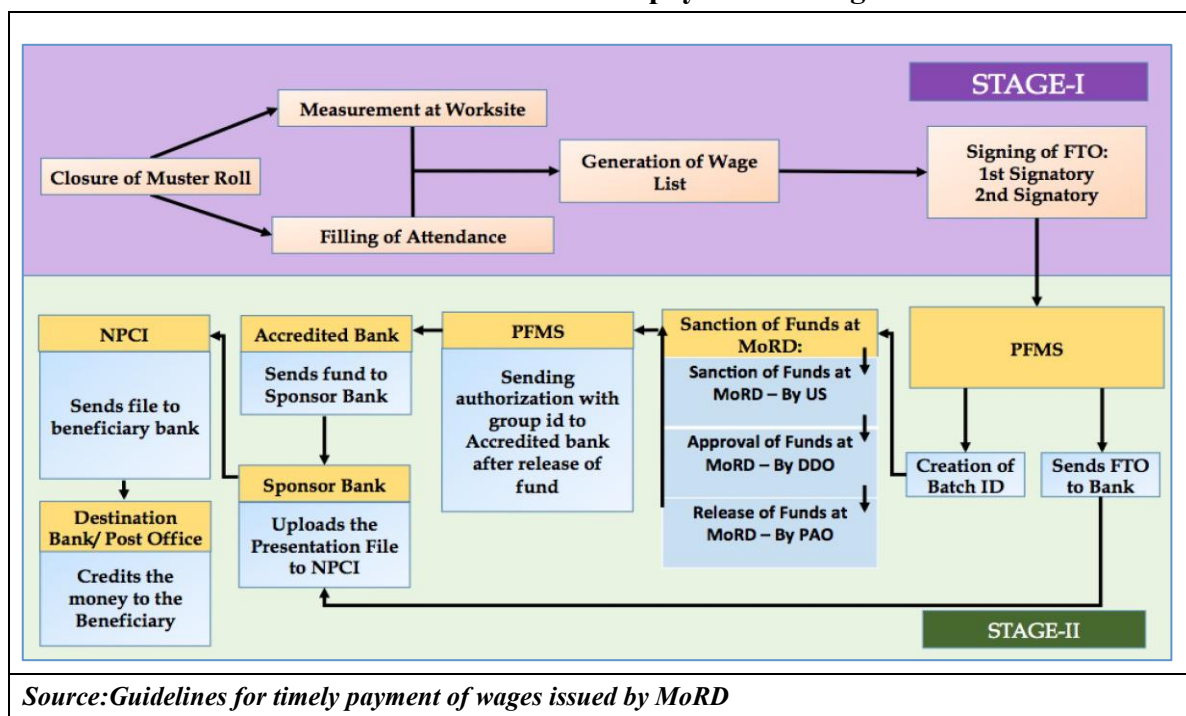
#### **4.10 Payment of wages and compensation**

As per Section 3 of MEGA, the disbursement of daily wages shall be made on a weekly basis or in any case not later than a fortnight after the date on which such work was done. Further, as per para 29 of schedule III of MEGA, in case the payment of wages is not made within fifteen days from the date of closure of the muster roll, the wage seekers shall be entitled to receive compensation for the delay, at the rate of 0.05 *per cent* of the unpaid wages per day of delay beyond the sixteenth day of closure of muster roll. Any delay in payment of compensation beyond a period of fifteen days from the date it becomes payable, shall be considered in the same manner as the delay in payment of wages.

Further, as per para 29 (1) (b) of schedule III of MEGA for the purpose of ensuring accountability in payment of wages and to calculate culpability of various functionaries or agencies, the States shall divide the processes leading to determination and payment of wages into various stages such as measurement of work, computerizing muster roll, generation of wage lists and uploading Fund Transfer Orders and specify stage-wise maximum time-limits along with the functionary or agency which is responsible for discharging the specific function. The State Government was also required to pay the compensation upfront after due verification within the time-limits as specified and recover the compensation amount from the functionaries or agencies who are responsible for the delay in payment.

The various steps along with the agencies/officials involved in the payment process is indicated in **Chart 4.7**.

**Chart 4.7: Process flow chart for payment of wages to beneficiaries**



As seen from **Chart 4.7**, the entire process is subdivided into two stages. Stage I covers activities commencing at GP level and ending with signature of the second signatory for uploading FTO. Stage II covers all activities in processing the payment till the actual credit to the account of beneficiaries by the destination banks/post office. Stage I process ending with uploading of FTOs is required to be completed within eight days from the closure of muster roll while Stage II process is required to be completed within seven days from the date of receipt of FTO.

#### 4.10.1 Delay in payment of wages

Audit noticed from the MIS available in NREGASoft that the system computes the compensation till uploading of Fund Transfer Order. There were no MIS reports in public domain which gives the consolidated status of compensation due to delay in payment of wages up to Stage-II *i.e.* till the actual credit of

wages to the beneficiaries' account. The BDO (Joint Program Officer) thereafter approves or rejects the compensation to be paid. Reasons for rejection of each compensation are also entered in NREGASoft. The compensation rejected is not paid to the workers.

The delay in payment of wages and compensation paid during the period 2019-20 to 2023-24, is shown in **Table 4.2**.

**Table 4.2: Delay in payment of wages and compensation paid during the period 2019-20 to 2023-24 in the State**

| Year         | Total transactions involving wage payment | Wages paid      | Total transactions involving delay in wage payment (percentage to total transactions) | Amount of delayed wage payment (percentage to total wage payment) | Compensation computed | Compensation paid |
|--------------|-------------------------------------------|-----------------|---------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------|-----------------------|-------------------|
|              | (in lakh)                                 | (₹ in crore)    | (in lakh)                                                                             | (₹ in crore)                                                      |                       |                   |
| 2019-20      | 110.45                                    | 1,246.91        | 2.44 (2)                                                                              | 27.77 (2)                                                         | 0.09                  | 0.07              |
| 2020-21      | 119.50                                    | 1,516.64        | 3.83(3)                                                                               | 48.09(3)                                                          | 0.45                  | 0.26              |
| 2021-22      | 144.02                                    | 1,933.09        | 8.21(6)                                                                               | 102.59(5)                                                         | 2.52                  | 1.24              |
| 2022-23      | 136.47                                    | 1,900.28        | 13.57(10)                                                                             | 183.50(10)                                                        | 1.95                  | 0.53              |
| 2023-24      | 204.72                                    | 3,007.30        | 21.05(10)                                                                             | 308.03(10)                                                        | 3.27                  | 0.02              |
| <b>Total</b> | <b>715.16</b>                             | <b>9,604.22</b> | <b>49.10(7)</b>                                                                       | <b>669.98(7)</b>                                                  | <b>8.30</b>           | <b>2.12</b>       |

*Source: Compiled based on data downloaded (December 2024) from NREGASoft website*

As seen from **Table 4.2**, on an average, seven *per cent* of the wages paid during the period 2019-20 to 2023-24 was delayed. The percentage of delayed wage payment has increased from two *per cent* in 2019-20 to 10 *per cent* in 2023-24. Audit also noticed that the maximum delay was in Beed district where 37 *per cent* of the wages paid were delayed during the period 2019-20 to 2023-24. In the selected six districts the maximum delay was in Amravati district where 14 *per cent* of the wages were paid with delay, while Buldhana was the only district in the State where there was no delay in payment of wages during the period 2021-22 to 2023-24.

In 241 out of 336 works test-checked in audit, there were delays ranging from one day to 857 days in payment of wages to 23,583 beneficiaries (in 3,917 muster rolls) of which there was delay of more than six months in payment to 317 beneficiaries.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (March/June 2025) that the few reasons for delay in payment of wages were non-mapping of Aadhaar number, transfer of Programme Officers and non-renewal of Digital Signature Certificate, shortfall of staff, rejection of transactions due to wrong and dormant/closed account.

The delay in payment of wages due to transfer of Programme Officers and non-renewal of Digital Signature Certificate was avoidable by handing over the charge to an official holding link charge and ensuring the renewal of Digital Signature Certificate before its expiry.



As seen from **Table 4.2**, there has been increase in the compensation payable from ₹ 0.09 crore in 2019-20 to ₹ 3.27 crore in 2023-24, due to delay in payment of wages.

The compensation approved and rejected during 2019-20 to 2023-24 in the State and the compensation paid are shown in **Table 4.3**.

**Table 4.3: Compensation for delay in payment of wages as of October 2024**

| Sr. No.                                                                        | Particulars                         | Compensation payable<br>(₹ in lakh) |
|--------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------|-------------------------------------|
| 1                                                                              | Compensation computed               | 829.64                              |
| 2                                                                              | Compensation approved               | 225.49                              |
| 3                                                                              | Compensation yet to be verified     | 16.27                               |
| 4                                                                              | Compensation rejected (Sr.No.1-2-3) | 587.88                              |
| 5                                                                              | Compensation paid out of approved   | 212.03                              |
| 6                                                                              | Compensation unpaid (Sr. No. 2-5)   | 13.46                               |
| <i>Source: Compiled based on data downloaded (October 2024) from NREGASoft</i> |                                     |                                     |

In this regard Audit observed the following:

- As seen from **Table 4.3**, compensation of ₹ 225.49 lakh was approved for payment of which ₹ 212.03 lakh was paid while ₹ 13.46 lakh was pending payment. In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that the pending amount of ₹ 13.46 lakh is being verified and would be paid. As of September 2025, the compensation pending payment was ₹ 13.96 lakh.
- An amount of ₹ 587.88 lakh was rejected (including ₹ 182.54 lakh in selected six districts) by the Joint Program Officers. Two reasons were mentioned in the NREGASoft for such rejections viz. (i) natural calamities (19.59 lakh persondays) and (ii) compensation not due (825.61 lakh persondays). However, there was no audit trail to check the correctness of the reasons entered in NREGASoft.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (March 2025) that para 9.8.3 of the master circular approves non-payment of compensation due to natural calamity. Whereas other compensations are rejected due to non-availability of fund and so the option of compensation not due is selected at PO level. However, all POs would be instructed to maintain the record for specific rejection of delay in payment of compensation. The reply that the master circular of GoI approves non-payment of compensation due to natural calamity and other compensations are rejected due to non-availability of fund is not acceptable as the provisions in the MEGA takes precedence to any instruction issued vide a circular. Therefore, notwithstanding the rejection of compensation for any reason, the compensation was payable to the workers as their legitimate dues for the delay in payment of wages by the Government.

- On rejection of compensation, no compensation is paid to the workers. Audit noticed that the Act did not have any provision based on which the compensation payable to the workers could be rejected. Therefore, notwithstanding the rejection of compensation for any reason, the compensation was payable to the workers as their legitimate dues for the delay in payment of wages by the Government.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that delayed compensation is being paid only if the delay is caused by functionaries/staff

and there is no provision for delayed compensation if the functionaries are not responsible. The reply is not acceptable since for any delay in payment of wages, the wage seeker is entitled to receive compensation and MEGA does not have any provision for not paying the compensation if the functionaries are not responsible for delay. As of September 2025, the compensation rejected amounted to ₹ 616.05 lakh.

- As per section 29 (1) (d) of Schedule III of MEGA, the compensation approved for payment was required to be recovered from the functionaries. Audit noticed that during the period 2019-20 to 2023-24, out of ₹ 2.12 crore compensation paid, ₹ 0.69 crore was recovered from the functionaries, while ₹ 1.43 crore was pending recovery as of May 2024. In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that ₹ 1.43 crore would be recovered after verifying the amount to be recovered from the responsible functionaries/staff.
- As seen from **Table 4.3**, compensation of ₹ 16.27 lakh<sup>11</sup> was pending verification. Thus, even after lapse of more than one to four years, legitimate dues of the workers were not disbursed though as per the Master circular issued by GoI, the Programme Officer has to ensure that compensation is settled within 15 days of it becoming due. In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that the amount would be verified and cleared. As of September 2025, the compensation pending verification was ₹ 30.07 lakh.
- As per para 29 of schedule III of MEGA, compensation was also payable for any delay in payment of compensation beyond a period of fifteen days from the date it becomes payable. Audit noticed that neither NREGASoft had provision to calculate such compensation nor did the State Government work out the amount payable on delay in payment of such compensation. In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that MoRD would be requested to make provision in NREGASoft.

#### **4.11 Liability towards wages**

As per the information available in NREGASoft, an amount of ₹ 35.32 crore was pending payment on account of unskilled wages for the period 2019-20 to 2023-24 as shown in in **Table 4.4**.

**Table 4.4: Pending liability of wages in the State**

| <b>Year</b>                                                                    | <b>Unskilled wages (₹ in crore)</b> |
|--------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------|
| 2019-20                                                                        | 2.39                                |
| 2020-21                                                                        | 2.71                                |
| 2021-22                                                                        | 6.29                                |
| 2022-23                                                                        | 7.04                                |
| 2023-24                                                                        | 16.89                               |
| <b>Total</b>                                                                   | <b>35.32</b>                        |
| <i>Source: Compiled based on data downloaded (October 2024) from NREGASoft</i> |                                     |

As seen from **Table 4.4**, out of ₹ 35.32 crore pending liability pertaining to the period 2019-20 to 2023-24, an amount of ₹ 18.43 crore was pending for a period

<sup>11</sup> 2019-20: ₹ 0.99 lakh; 2020-21: ₹ 2.46 lakh; 2021-22: ₹ 2.85 lakh ;2022-23: ₹ 0.83 lakh; 2023-24: ₹ 9.14 lakh.

ranging from one to four years as of October 2024. In the selected districts, ₹ 4.04 crore pertaining to the period 2019-20 to 2023-24 was pending payment. Further, in 49 out of 336 test-checked works, wages amounting to ₹ 7.09 lakh were not paid to 510 workers.

District-wise status of unpaid wages of unskilled workers is shown in **Appendix 4.1**. As seen from the appendix, Beed district had the highest pending wages of ₹ 14.81 crore, whereas the lowest pending wages of ₹ one lakh was in Bhandara District. Non-payment of wages defeats the ultimate goal of the Scheme to provide social protection for the vulnerable people living in rural India.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that payment would be done as soon as possible.

Audit noticed that the liability for the period 2019-20 to 2023-24 reduced from ₹ 35.32 crore as of October 2024 to ₹ 14.04 crore as of September 2025 out of which ₹ 13.12 crore was pending due to rejected transactions and transactions pending bank response as discussed in paragraph 4.12.

#### **4.12 Seeding of Aadhaar numbers of active workers**

Under the Scheme, payments to the workers are credited into the accounts of the workers by Direct Benefit Transfer (DBT). But to make Aadhaar Based Payments (ABP), there is a need for Aadhaar seeding and its mapping at National Payments Corporation of India (NPCI) mapper by the banks.

As per the master circulars issued by MoRD from time to time, the following DBT strategy was to be followed for ABP:

- All the MGNREGS workers are to be enrolled under Aadhaar and seeding of Aadhaar numbers for all active workers in NREGASoft.
- Manual verification of all Aadhaar numbers that failed demographic authentication by the Program Officer with the UID data.
- Verification and confirmation of the accounts of all the active workers by referring them to the Banks concerned.
- Seeding of the verified Aadhaar number in the bank accounts and placing them on NPCI Mapper for making Aadhaar based payments.

The Planning Department (EGS), GoM, vide circular issued in January 2023, also emphasised the need to give special attention for 100 *per cent* Aadhaar seeding of active job cards.

The status of Aadhaar seeding done in the six selected districts as of October 2024 is given in **Table 4.5**.



**Table 4.5: Aadhaar seeding and NPCI mapping status of active workers in the State and selected districts as of October 2024**

| Name of the selected district                                                   | Total number of active workers | Aadhaar seeding of active workers completed | Percentage of Aadhaar seeding completed | UIDAI authentication completed | NPCI mapping completed | Percentage of NPCI mapping completed |
|---------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------|---------------------------------------------|-----------------------------------------|--------------------------------|------------------------|--------------------------------------|
| Ahilyanagar                                                                     | 2,59,614                       | 2,58,415                                    | 99.54                                   | 2,57,206                       | 2,41,669               | 93.09                                |
| Amravati                                                                        | 3,73,837                       | 3,66,687                                    | 98.09                                   | 3,60,497                       | 3,42,407               | 91.59                                |
| Chhatrapati Sambhajanagar                                                       | 4,44,336                       | 4,36,588                                    | 98.26                                   | 4,24,331                       | 4,08,649               | 91.97                                |
| Dharashiv                                                                       | 1,31,275                       | 1,26,498                                    | 96.36                                   | 1,21,911                       | 1,14,357               | 87.11                                |
| Nagpur                                                                          | 1,65,406                       | 1,65,092                                    | 99.81                                   | 1,63,637                       | 1,52,394               | 92.13                                |
| Palghar                                                                         | 2,47,783                       | 2,46,842                                    | 99.62                                   | 2,40,987                       | 2,24,733               | 90.70                                |
| <b>Total</b>                                                                    | <b>16,22,251</b>               | <b>16,00,122</b>                            | <b>98.64</b>                            | <b>15,68,569</b>               | <b>14,84,209</b>       | <b>91.49</b>                         |
| <b>Overall State</b>                                                            | <b>72,73,401</b>               | <b>71,58,175</b>                            | <b>98.42</b>                            | <b>70,37,337</b>               | <b>66,65,348</b>       | <b>91.64</b>                         |
| <i>Source: Compiled based on data downloaded ( October 2024) from NREGASoft</i> |                                |                                             |                                         |                                |                        |                                      |

As seen from **Table 4.5**, Aadhaar number seeding of 98.42 *per cent* of the active workers in the State has been completed. In the six selected districts, Aadhaar number seeding ranged from 96.36 *per cent* to 99.81 *per cent*.

The NPCI mapping of 91.64 *per cent* active workers was completed in the State while in the six selected districts, NPCI mapping ranged from 87.11 *per cent* to 93.09 *per cent*.

In reply, the Commissioner(MGNREGS) stated (March 2025) that the State is trying for 100 *per cent* Aadhaar number seeding and NPCI mapping of all active workers.

Audit noticed that Aadhaar number seeding of 99.33 *per cent* of the active workers in the State was completed as of September 2025 while the NPCI mapping of 96.43 *per cent* active workers was completed.

Though the State Government achieved substantial progress in Aadhaar seeding for Aadhaar Based Payments, a large number of rejected transactions towards wage payment were still pending disbursement in the State as shown in **Table 4.6**.

**Table 4.6: Pending wage disbursement as of October 2024**

| Year                                                                           | Wages pending disbursement                        |                                                                  |                                                    |                                                      |                                   |                             |
|--------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------|------------------------------------------------------|-----------------------------------|-----------------------------|
|                                                                                | No. of rejected transactions pending regeneration | Amount involved in transactions pending regeneration (₹ in lakh) | No. of rejected transactions pending bank response | Amount involved in rejected transactions (₹ in lakh) | Total no. of rejected transaction | Amount involved (₹ in lakh) |
| 1                                                                              | 2                                                 | 3                                                                | 4                                                  | 5                                                    | 6                                 | 7                           |
| 2019-20                                                                        | 0                                                 | 0                                                                | 19,766                                             | 232.39                                               | 19,766                            | 232.39                      |
| 2020-21                                                                        | 13                                                | 0.21                                                             | 16,641                                             | 223.55                                               | 16,654                            | 223.76                      |
| 2021-22                                                                        | 128                                               | 1.82                                                             | 40,858                                             | 580.43                                               | 40,986                            | 582.25                      |
| 2022-23                                                                        | 197                                               | 2.61                                                             | 44,675                                             | 666.27                                               | 44,872                            | 668.88                      |
| 2023-24                                                                        | 2,014                                             | 29.55                                                            | 1,26,245                                           | 1,930.96                                             | 1,28,259                          | 1,960.51                    |
| <b>Total</b>                                                                   | <b>2,352</b>                                      | <b>34.19</b>                                                     | <b>2,48,185</b>                                    | <b>3,633.60</b>                                      | <b>2,50,537</b>                   | <b>3,667.79</b>             |
| <i>Source: Compiled based on data downloaded (October 2024) from NREGASoft</i> |                                                   |                                                                  |                                                    |                                                      |                                   |                             |

As seen from the **Table 4.6**, 2.51 lakh transactions were rejected due to wrong account number, closed account, blocked or frozen account, deseeding of Aadhaar number *etc.* involving wages payment of ₹ 36.68 crore. Out of ₹ 36.68 crore, an amount of ₹ 17.07 crore was pending for one year to four years. In the six selected districts, 35,340 transactions involving wages of ₹ 4.93 crore were rejected. Disbursements against these rejected transactions were pending either for regeneration<sup>12</sup> (generation of Fund Transfer Order) or though regenerated were pending for bank response<sup>13</sup>.

In reply, the Assistant Director (Accounts), MREGS stated (June 2024) that due to technical and other issues *i.e.* incorrect account number of beneficiaries *etc.*, the transactions were rejected by the bankers. Further, due to the intermittent release of funds by GoI, the bulk rejection of transactions has occurred during 2023-24. However, to minimise the rejection of transactions, the Planning Department (EGS), GoM has issued (August 2021) Standard Operating Procedure (SOP) and responsibility for officials at every level of rejection has been fixed by a circular issued in January 2023.

Audit noticed that the total pending rejected transactions for the period 2019-20 to 2023-24 reduced to 87,679 involving an amount of ₹ 13.12 crore as of September 2025.

#### **4.13 Muster Rolls**

The attendance of labourers under the Scheme is taken on muster roll. Each muster roll has a unique identity number electronically generated by the NREGASoft along with the list of workers who applied for work. This electronically generated muster rolls are maintained at the work site and attendance marked on it daily by Gram Rozgar Sahayak. The per day wages payable to the worker is worked out in the measurement book by the Technical Assistant based on the value of work (value of work was worked out considering the quantity of work executed and the rates as per the SoR of the State) and the person-days utilised for the execution of the work. The per day wages payable to the worker recorded in the measurement book is also entered in the muster roll. After the closure of the muster roll, at the end of each week, the workers sign the muster roll which is then sent to the Programme Officers for entering the attendance and wage rate in the electronic muster roll in NREGASoft. With effect from January 2023, capturing of attendance at worksite through a mobile app (National Mobile Monitoring System) with two time-stamped and geo-tagged photographs of the works in a day has commenced in respect of all works except individual beneficiary schemes/projects.

##### **4.13.1 Discrepancies in muster roll/measurement books**

Scrutiny of muster rolls/measurement books in respect of 336 selected works revealed various discrepancies as discussed below.

- In nine muster rolls (District: CSN, GP: Gevrai Kuber) attendance of 11 workers for 66 days was changed from present to absent or struck off without any reason being recorded duly signed by Gram Rozgar Sahayak.

<sup>12</sup> Regeneration means generation of Fund Transfer Order.

<sup>13</sup> Pending bank response means acknowledgement regarding success or failure of transaction is awaited from banks.

- In seven muster rolls (District: Amravati, GP Etki, Shivar Bu.; District: CSN, GP: Gevrai Kuber), as against 199 persondays recorded in manual muster rolls, 143 persondays were posted in the electronic muster rolls resulting in short payment of wages amounting to ₹ 14,221 to 32 workers. Similarly, in 16 muster rolls (District: Amravati, GP Etki Shivar Bu., Hingani, Mirzapur), 508 persondays recorded in manual muster rolls were posted as 574 persondays in electronic muster rolls resulting in excess payment of ₹ 15,807 to 102 workers.
- In one muster roll (District: CSN, GP: Gevrai Kuber), though a worker was absent as per the muster roll, the same was posted in the electronic muster roll and payment of ₹ 1,638 made in June 2023.
- The per day wage payable to the workers was worked out in the measurement book considering 186 persondays instead of 156 persondays as per four muster rolls (District: CSN, GP: Gevrai Kuber), resulting in short payment of wages amounting to ₹ 8,112 to 17 workers.

The above discrepancies indicated lack of adequate internal controls in the department to ensure proper recording of attendance and wage rate in the electronic muster roll for disbursement of wages to the workers.

In the exit conference, the Commissioner (MGNREGS) agreed to review and take action to strengthen the internal control.

#### **4.13.2 Muster roll generation after completion of work**

Audit scrutinised muster rolls of 67 Pradhan Mantri Awaas Yojna (PMAY) works included in the 336 selected works. Additionally, Audit also scrutinised muster rolls of 441 PMAY works (selected on random basis) in the selected 48 GPs. Thus, muster rolls of 508 PMAY works were scrutinised in audit. Identical work code is given to PMAY work in NREGASoft and AwaasSoft portal. Audit checked the date of completion of work in AwaasSoft portal and compared with the dates of generation of muster roll in NREGASoft in respect of these 508 PMAY works having the same work code. The comparison revealed that in 389 out of 508 works, muster rolls were generated after the date of completion of work under PMAY. The genuineness of the payment made against these 389 works amounting to ₹ 51.82 lakh during the period 2019-20 to 2023-24 was doubtful.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that instructions have been issued to ensure that muster rolls are prepared and verified in a timely manner, strictly before or on the date of work completion.

#### **Conclusion**

In 47 out of 48 selected Gram Panchayats, the application register for job cards was either not maintained or not updated. Deficiencies in job card maintenance were observed, including the absence of photographs of registered members and the failure to record details of work demand. Additionally, out of registered households in the selected GPs, 91 *per cent* of registered households were issued job cards till January 2025 and there were delays in issuing job cards to 52 *per cent* of registered households between 2019-20 and 2023-24. Moreover,

instances of issue of duplicate job cards were noticed in 44 selected GPs as the NREGASoft system lacked checks to prevent such discrepancies.

Separate Schedule of Rates for women, the elderly, people with disabilities and people with debilitating ailments were not prepared by the State Government. Schedule of Rates prepared based on work Time and Motion Studies was pending approval with the State Government.

During 2019-20 to 2023-24, on an average seven *per cent* of wages paid were delayed. Compensation claims amounting to ₹5.88 crore were rejected by Joint Programme Officers citing natural calamities and non-admissibility, although the Maharashtra Employment Guarantee Act contained no such provision for rejection. Further, compensation was also payable for delays in disbursing compensation itself; however, neither NREGASoft provided functionality to compute such compensation nor did the State Government assess and release the payable amounts. In addition, wages worth ₹35.32 crore remained unpaid as of October 2024, reflecting systemic deficiencies in timely wage and compensation disbursement.

Audit scrutiny of convergence works under Pradhan Mantri Awaas Yojna (PMAY) revealed irregular generation of muster rolls in 48 selected Gram Panchayats even after the recorded date of completion of PMAY works. This indicated weak monitoring in the generation of muster rolls.

#### Recommendations

***Recommendation No. 3: The Government may issue directions to all the Gram Panchayats to issue job cards as per the time specified in Maharashtra Employment Guarantee Act and also take prompt action to delete duplicate job cards registered.***

***Recommendation No. 4: The Government may ensure that the unemployment allowance, compensation for delay in payment of wages is paid as per the provisions of Maharashtra Employment Guarantee Act.***

***Recommendation No. 5: The Government may strengthen monitoring and set up a suitable mechanism to prevent generation of muster rolls after completion date of works under Pradhan Mantri Awaas Yojana.***



## ***CHAPTER V***

### ***Execution of Works***



## Chapter V

### Execution of works

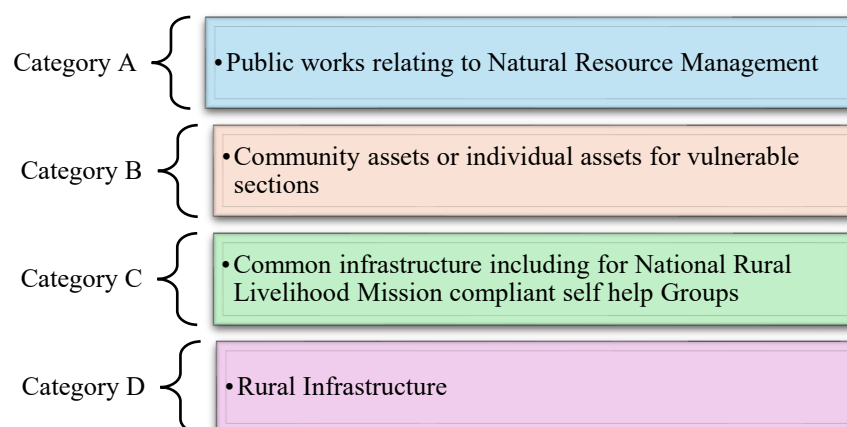
#### 5.1 Execution of works

The core objective of the Scheme aims to provide 100 days of guaranteed employment in a financial year to every household in rural areas as per demand, resulting in creation of productive assets of prescribed quality and durability while strengthening the livelihood resource base of the poor.

The Scheme focusses on building assets that are durable, locally relevant, and beneficial to the community. By prioritizing useful asset creation, the Scheme strengthens rural economies, enhances agricultural productivity, and supports sustainable development, making it a vital tool for rural transformation and social upliftment. Works which are non-tangible, not measurable and repetitive in nature are not to be taken up under the Scheme.

#### 5.2 Category of works

The focus of the Scheme is on works which are divided into following four categories:



These four categories were further divided into 266 types of permissible works under the Scheme.

#### 5.3 Status of works in the State and selected districts

The status of works approved during 2019-20 to 2023-24 in the State is shown in **Table 5.1**.



**Table 5.1: The status of works approved during 2019-20 to 2023-24**

| Year                                                                         | New works approved | No. of works completed (per cent) | Expenditure on completed works (₹ in crore) | No. of incomplete works (per cent) | Expenditure on incomplete works (₹ in crore) | No. of works not started (per cent) |
|------------------------------------------------------------------------------|--------------------|-----------------------------------|---------------------------------------------|------------------------------------|----------------------------------------------|-------------------------------------|
| 2019-20                                                                      | 3,20,636           | 2,61,584 (82)                     | 1,158.87                                    | 13,851(4)                          | 137.80                                       | 45,201(14)                          |
| 2020-21                                                                      | 4,57,873           | 3,70,655(81)                      | 1,204.16                                    | 26,827(6)                          | 260.62                                       | 60,391(13)                          |
| 2021-22                                                                      | 5,28,983           | 3,20,039(61)                      | 1,913.59                                    | 66,098(12)                         | 764.23                                       | 1,42,846(27)                        |
| 2022-23                                                                      | 5,08,623           | 2,28,844(45)                      | 1,244.87                                    | 1,30,094(26)                       | 1,213.86                                     | 1,49,685(29)                        |
| 2023-24                                                                      | 7,56,314           | 1,77,428(23)                      | 1,204.16                                    | 2,66,516(35)                       | 2,984.51                                     | 3,12,370(41)                        |
| <b>Grand Total</b>                                                           | <b>25,72,429</b>   | <b>13,58,550 (52.81)</b>          | <b>6,725.65</b>                             | <b>5,03,386 (19.57)</b>            | <b>5,361.02</b>                              | <b>7,10,493 (27.62)</b>             |
| <i>Source: Information furnished by Commissioner (MGNREGS) in March 2025</i> |                    |                                   |                                             |                                    |                                              |                                     |

The status of works approved during 2019-20 to 2023-24 in the six test-checked districts is shown in **Table 5.2**.

**Table 5.2: Status of approved works in six selected districts during 2019-20 to 2023-24**

| Year                                                                         | New works approved | No. of works completed (per cent) | No. of incomplete works (per cent) | Expenditure on incomplete works (₹ in crore) | No. of works not started (per cent) |
|------------------------------------------------------------------------------|--------------------|-----------------------------------|------------------------------------|----------------------------------------------|-------------------------------------|
| 2019-20                                                                      | 79,509             | 64,949(82)                        | 2,922(4)                           | 31.28                                        | 11,638(15)                          |
| 2020-21                                                                      | 89,404             | 70,552(79)                        | 4,967(6)                           | 75.60                                        | 13,885(16)                          |
| 2021-22                                                                      | 95,717             | 60,252(63)                        | 14,482(15)                         | 209.60                                       | 20,983(22)                          |
| 2022-23                                                                      | 1,06,073           | 51,883(49)                        | 28,345(27)                         | 327.27                                       | 25,845(24)                          |
| 2023-24                                                                      | 1,96,571           | 42,045(21)                        | 73,571(37)                         | 898.99                                       | 80,955(41)                          |
| <b>Grand Total</b>                                                           | <b>5,67,274</b>    | <b>2,89,681(51)</b>               | <b>1,24,287(22)</b>                | <b>1,408.74</b>                              | <b>1,53,306(27)</b>                 |
| <i>Source: Information furnished by Commissioner (MGNREGS) in March 2025</i> |                    |                                   |                                    |                                              |                                     |

### 5.3.1 Incomplete works

As seen from **Table 5.1**, 5.03 lakh (19.57 per cent) works approved during 2019-20 to 2023-24 were incomplete in the State as of March 2025, of which 1.07 lakh (21 per cent) were pending completion for more than three years<sup>1</sup>. The incomplete works mainly related to providing irrigation facilities to individual beneficiaries<sup>2</sup>, drought proofing work, rural connectivity works *etc.* Further, 3.03 lakh works pertaining to the period 2005-06 to 2018-19 were also incomplete. Thus, 8.06 lakh works were incomplete.

In the six test-checked districts (**Table 5.2**), 1.24 lakh (22 per cent) works approved during 2019-20 to 2023-24, were incomplete as of March 2025 of which 0.22 lakh works (18 per cent) were pending completion for more than three years.

<sup>1</sup> The maximum completion period for the works executed under the Scheme was three years.

<sup>2</sup> Works such as construction of well, cattle sheds, farms ponds, sericulture work, plantation of fruit bearing trees *etc.* are executed on land owned by households belonging to scheduled castes, scheduled tribes, nomadic tribes, denotified tribes *etc.* under the Scheme.

Scrutiny of records of 336 test-checked works, revealed that 64 works (19 *per cent*) involving an amount of ₹ 244.76 lakh which had started between December 2017 and March 2023 were pending completion. Audit also noticed that 39 works (12 *per cent*) out of these 336 works on which an expenditure of ₹ 1.64 crore was incurred were stopped since last 12 months to five years.

The Deputy Collector, CSN stated (August 2024) that in majority of the incomplete works, the expenditure on the works was less than 30 *per cent* of the sanctioned cost and therefore cannot be closed in NREGASoft. It was further stated that some of the works are physically completed but due to pending payments of bills of materials, the works are shown as ongoing. In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that as per the direction (May 2025) of State Government, instructions are given to the districts for completion of works in a time bound manner.

(i) The incomplete works also included works taken up under horticulture programme which was taken up with a view to help individual beneficiaries<sup>3</sup> to increase their income and raise their standard of living. Out of 28,583 horticulture programme approved during 2019-20 to 2023-24, in four<sup>4</sup> out of six selected districts, 15,009 (52 *per cent*) works were incomplete. Further, out of 12,218 works approved during 2019-20 to 2020-21, in these four selected districts, 4,098 works (34 *per cent*) works were incomplete, though these works were required to be completed by 2023-24, as the programme was for three years.

Deputy Collector (EGS), Amravati attributed (June 2025) the incomplete works to technical problems and pending unskilled wages and pending payment towards material component while the District Superintendent Agriculture Officer, CSN (August 2024) and Deputy Collector (EGS), Dharashiv (June 2025) stated that the work was incomplete because of pending payment towards material component.

The District Superintendent Agriculture Officer of Amravati and CSN and Deputy Collector (EGS), Dharashiv stated (August 2025 and June 2025) that 3,474 works<sup>5</sup> on which an expenditure of ₹ 17.92 crore has been incurred are proposed for closure.

Thus, the incomplete works in the four districts resulted in non-creation of durable assets for increasing the income and standard of living of the beneficiaries. Besides, the proposed closure of 3,474 incomplete works in CSN, Dharashiv and Amravati district on which an expenditure of ₹ 17.92 crore was incurred would prove wasteful.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that a review meeting of all APO, Programme Technical Officer and other officers would be taken to complete all the ongoing works on priority.

<sup>3</sup> Beneficiaries are rural households from marginalised and vulnerable sections (SC/ST/BPL/small farmer having below two hectares land) who own land and willing to maintain plantation for required duration of three to five years.

<sup>4</sup> Two districts viz. Palghar and Nagpur did not furnish information.

<sup>5</sup> Works on which less than 30 *per cent* expenditure was incurred.

### 5.3.2 Works not commenced

As seen from **Table 5.1**, 7.10 lakh works (27.62 *per cent*) approved during 2019-20 to 2023-24 in the State was not started (as of March 2025), of which 2.48 lakh works (35 *per cent*) were not started for more than three years. In the six selected districts (**Table 5.2**), 1.53 lakh works (27 *per cent*) approved during 2019-20 to 2023-24 were not started (as of March 2025) of which 0.47 lakh works (30 *per cent*) were not started for more than three years.

In reply, the Deputy Collector, CSN stated (August 2024) that the works approved for execution contained a huge number of individual works which were not started on time due to personal problems of the beneficiaries.

### 5.4 Sanction of New Works

Para 7.17 of MGNREGA Operational Guidelines *inter alia* suggested the following measures to deal with incomplete works:

- Project Implementing Agencies that have incomplete works for more than one fiscal year, after the year in which the works were proposed, sanction for new works should not be given.
- The GPs should first allocate works that are incomplete and have the required labour employment potential.
- State Governments were also urged to issue necessary directions capping the number of works that can be opened up in any GP at a given time while there are incomplete works.

Scrutiny in audit revealed that the State Government had not fixed the cap on the number of works that could be opened up at any given time in a GP. Audit noticed that as against 7.56 lakh works approved during 2023-24, 4.44 lakh new works were opened/taken up for execution, though 5.04 lakh works were lying incomplete at the beginning of 2023-24.

In 15 out of 48 test-checked GPs, Audit noticed that 339 new works approved during 2023-24 were opened/taken up, though 542 works were lying incomplete at the beginning of 2023-24 *i.e.* number of incomplete works was more than the works taken up in the selected GPs. Thus, the failure to fix a cap on the number of works which can be opened up in any GP at a given time has led to a situation where the number of incomplete works was more than the works taken up in the selected GPs.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that instructions would be issued to districts to take new works only after completion of incomplete works.

### 5.5 Expenditure on agricultural and allied activities

The proviso below sub-para (2) of para 4 (as per amendment in July 2014) of Schedule 1 of the MGNREGA, stipulates that the District Programme Coordinator shall ensure that at least 60 *per cent* of the works to be taken up in a district, in terms of cost, shall be for creation of productive assets directly linked to agriculture and allied activities through development of land, water and trees. Audit noticed that the amendment done in July 2014 in the MGNREGA was not incorporated in the Maharashtra Employment Guarantee Act, 1977 by the State

Government. Thus, there was inconsistency in the MGNREGA and MEGA to that extent.

Audit observed that during 2019-20 to 2023-24, in five<sup>6</sup> out of six selected districts, the cost of works related to agricultural and allied activities was below 60 *per cent*, as detailed in **Appendix 5.1**.

As seen from **Appendix 5.1**, in the Palghar district, the expenditure ranged between 17 *per cent* and 39 *per cent* during 2019-20 to 2023-24.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that the percentage of agriculture and allied works in Nagpur districts in May 2025 was 64.94 *per cent* and efforts would be made to maintain the percentage in the remaining districts also.

### **5.6 Convergence of schemes with MGNREGS**

As per para 5 of schedule II of the MEGA Act, the State Government shall take concrete steps to achieve effective inter-departmental convergence till the last mile implementation level of the works under the Scheme with other Government Schemes or programmes so as to improve the quality and productivity of assets and bring in synergy to holistically address the multiple dimensions of poverty in a sustainable manner.

The Operational Guidelines (Para 15.1.1) allows convergence of the Scheme funds with funds from other schemes and sources, for creation of durable assets. The works undertaken under convergence included construction of Anganwadi/ other rural infrastructure, works on individual land (Awas Yojana), drought proofing, rural connectivity and rural sanitation, water conservation and water harvesting, renovation of traditional water bodies *etc.*

The projects which were identified for convergence are discussed in the Gram Sabhas. State level Convergence Committee, District level Convergence Committee, and Taluka level Convergence Committee has been constituted in the State. The Taluka level Convergence Committee<sup>7</sup> prepares the Taluka Convergence Plan and is responsible for its actual implementation. The District level Convergence Committee<sup>8</sup> is responsible for coordination between various departments for convergence works, prepare district convergence plan and monitor the implementation of works.

During the period 2019-20 to 2023-24, the number of convergence projects taken up in the State is given in **Table 5.3**.

<sup>6</sup> Except Chhatrapati Sambhajnagar.

<sup>7</sup> Is headed by Tahsildar as President and BDO as Vice President.

<sup>8</sup> Is Headed by District Collector as President and CEO of ZP as Vice President.

Table 5.3: Projects taken up under convergence

| Year         | Projects approved under convergence <sup>9</sup> | Convergence works which are completed | Percentage of completed convergence works |
|--------------|--------------------------------------------------|---------------------------------------|-------------------------------------------|
| 2019-20      | 3,26,073                                         | 1,02,000                              | 31                                        |
| 2020-21      | 2,39,399                                         | 62,590                                | 26                                        |
| 2021-22      | 1,88,935                                         | 52,175                                | 28                                        |
| 2022-23      | 2,71,700                                         | 59,175                                | 22                                        |
| 2023-24      | 4,97,772                                         | 35,329                                | 7                                         |
| <b>Total</b> | <b>15,23,879</b>                                 | <b>3,11,269</b>                       | <b>20</b>                                 |

Source: Compiled based on data downloaded (September 2025) from NREGASoft

As seen from Table 5.3, during the period 2019-20 to 2023-24, only 20 per cent of the convergence work was completed.

Audit also observed that out of the total 15.24 lakh convergence works approved during 2019-20 to 2023-24, 14.97 lakh (98.23 per cent) works were under Pradhan Mantri Awaas Yojna (PMAY), as shown in Table 5.4.

Table 5.4: PMAY projects approved under convergence vis-à-vis total projects approved under convergence

| Year         | Projects approved under convergence | PMAY convergence works approved | Percentage of PMAY works to total convergence projects | Total PMAY works completed (percentage) | Other than PMAY convergence work approved | Other than PMAY convergence work completed (percentage) |
|--------------|-------------------------------------|---------------------------------|--------------------------------------------------------|-----------------------------------------|-------------------------------------------|---------------------------------------------------------|
| 2019-20      | 3,26,073                            | 3,25,140                        | 99.71                                                  | 1,01,547(31)                            | 933                                       | 453(49)                                                 |
| 2020-21      | 2,39,399                            | 2,38,339                        | 99.56                                                  | 62,048(26)                              | 1,060                                     | 542(51)                                                 |
| 2021-22      | 1,88,935                            | 1,87,473                        | 99.23                                                  | 51,597(28)                              | 1,462                                     | 578(40)                                                 |
| 2022-23      | 2,71,700                            | 2,59,878                        | 95.65                                                  | 58,000(22)                              | 11,822                                    | 1,175(10)                                               |
| 2023-24      | 4,97,772                            | 4,86,001                        | 97.64                                                  | 34,771(7)                               | 11,771                                    | 558(5)                                                  |
| <b>Total</b> | <b>15,23,879</b>                    | <b>14,96,831</b>                | <b>98.23</b>                                           | <b>3,07,963 (21)</b>                    | <b>27,388</b>                             | <b>3,306 (12)</b>                                       |

Source: Compiled based on data downloaded (September 2025) from NREGASoft

As seen from Table 5.4, the proportion of PMAY convergence work to total convergence work during 2019-20 to 2023-24, ranged between 95.65 per cent (2022-23) to 99.71 per cent (2019-20). The PMAY works completed vis-à-vis the approved works ranged between seven per cent (2023-24) and 31 per cent (2019-20) while completion of works other than PMAY ranged between five per cent (2023-24) and 51 per cent (2020-21).

### 5.6.1 Utilisation of more than 90 persondays under PMAY

The Planning Department (EGS), GoM, vide Government Resolution issued in May 2015, had directed that unskilled work in the construction of houses under PMAY should be taken under convergence with the MGNREGA Scheme. It was also stipulated that a maximum 90 persondays of work in normal areas and 95 persondays of work in hilly areas were to be utilized for construction under PMAY.

Analysis of data of convergence work taken up under PMAY for the period 2019-20 and 2023-24 in the State as per NREGASoft, revealed that in 1,179 works (in 31 districts), the number of days for which unskilled workers were

<sup>9</sup> The variation in the approved project shown under convergence and total works approved during 2019-20 to 2023-24 was not reconciled by the Commissioner (MGNREGS).

employed under PMAY ranged between 91 days to 152 days in violation of Government Resolution. Thus, there was neither any monitoring by the districts to ensure that the persondays are not exceeded, nor was there any check in NREGASoft to prevent utilization of persondays above that stipulated in Government Resolution.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) while acknowledging the irregularity stated (June 2025) that strict instructions have been issued to all implementing agencies to adhere to the prescribed personday limit under PMAY convergence works. The reply was however, silent about the checks in NREGASoft to ensure adherence to the limit.

### 5.7 Wage Material Ratio

As per Para 20 of schedule I to the MGNREG Act, 2005 (as per amendment in July 2014), for all works taken up under the Scheme, by the Gram Panchayat and other implementing agencies, the cost of the material component, including the wages of the skilled and semi-skilled workers shall not exceed 40 *per cent* at the district level. However, as per the MEGA for all works taken up by the GPs and implementing agencies other than GPs, the cost of the material component including the wages of the skilled and semi-skilled workers, shall not exceed 40 *per cent* at the GP level and block level respectively.

Further, as per Para 7.5 of the MGNREGA Operational Guidelines, the expenditure in violation of the ratio would be disallowed and the expenditure would be treated as a liability of the State Government.

Audit observed that during 2019-20 and 2023-24, three out of the six selected districts did not maintain the prescribed wage-material ratio as shown in **Table 5.5**.

**Table 5.5: Non-maintenance of prescribed wage-material ratio in selected districts**

| Year         | District     | Actual expenditure on Labour<br>(per cent) | Actual expenditure on material<br>(per cent) | Total expenditure | Prescribed expenditure on material<br>(40 per cent of total expenditure) | State liability due to excess expenditure on material |
|--------------|--------------|--------------------------------------------|----------------------------------------------|-------------------|--------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------|
| (₹ in crore) |              |                                            |                                              |                   |                                                                          |                                                       |
| 1            | 2            | 3                                          | 4                                            | 5                 | 6                                                                        | 7=4-6                                                 |
| 2019-20      | Dharashiv    | 24.80 (54.46)                              | 20.74 (45.54)                                | 45.54             | 18.22                                                                    | 2.52                                                  |
| 2023-24      | Amravati     | 272.15 (56.62)                             | 208.53 (43.38)                               | 480.68            | 192.27                                                                   | 16.26                                                 |
|              | Nagpur       | 48.38 (53.17)                              | 42.62 (46.83)                                | 91.00             | 36.40                                                                    | 6.22                                                  |
|              | <b>Total</b> | <b>345.33 (55.95)</b>                      | <b>271.89 (44.05)</b>                        | <b>617.22</b>     | <b>246.89</b>                                                            | <b>25.00</b>                                          |

*Source: Compiled based on data downloaded (January 2025) from NREGASoft*

As seen from **Table 5.5**, due to non-maintenance of the prescribed wage material ratio at the district level, there was a liability of ₹ 25 crore on the State Government.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that instructions have been issued to all districts to maintain wage material ratio and the maintenance of the ratio would be ensured.

Audit analysed the wage material ratio in the selected Blocks<sup>10</sup> for the period 2019-20 to 2023-24. Analysis revealed excess expenditure on material as shown in **Table 5.6**.

**Table 5.6: Non-maintenance of prescribed wage-material ratio in selected Blocks**

| Year                                                                      | Name of districts          | Name of blocks | Actual expenditure on Labour (per cent) | Actual expenditure on material (per cent) | Total expenditure | Prescribed expenditure on material (40 per cent of total expenditure) | Excess expenditure on material |
|---------------------------------------------------------------------------|----------------------------|----------------|-----------------------------------------|-------------------------------------------|-------------------|-----------------------------------------------------------------------|--------------------------------|
|                                                                           |                            |                | (₹ in lakh)                             |                                           |                   |                                                                       |                                |
| 2019-20                                                                   | Dharashiv                  | Kalamab        | 646.16<br>(54.80)                       | 533.01<br>(45.20)                         | 1,179.17          | 471.67                                                                | 61.34                          |
| 2021-22                                                                   |                            |                | 776.44<br>(50.58)                       | 758.66<br>(49.42)                         | 1,535.10          | 614.04                                                                | 144.62                         |
| 2023-24                                                                   |                            |                | 1,731.51<br>(49.84)                     | 1,742.93<br>(50.16)                       | 3,474.44          | 1,389.78                                                              | 353.15                         |
| 2019-20                                                                   | Ahilya-Nagar               | Osmanabad      | 209.74<br>(59.50)                       | 142.75<br>(40.50)                         | 352.49            | 141.00                                                                | 1.75                           |
| 2021-22                                                                   |                            | Jamkhed        | 520.15<br>(47.95)                       | 564.64<br>(52.05)                         | 1,084.79          | 433.92                                                                | 130.72                         |
| 2022-23                                                                   |                            | Shevgaon       | 364.88<br>(55.51)                       | 292.39<br>(44.49)                         | 657.27            | 262.91                                                                | 29.48                          |
| 2020-21                                                                   | Chhatrapati Sambhaji nagar | Aurangabad     | 243.23<br>(53.71)                       | 209.67<br>(46.29)                         | 452.90            | 181.16                                                                | 28.51                          |
| 2022-23                                                                   |                            |                | 673.06<br>(41.20)                       | 960.71<br>(58.80)                         | 1,633.77          | 653.51                                                                | 307.20                         |
| 2023-24                                                                   |                            |                | 2,698.12<br>(57.23)                     | 2,016.16<br>(42.77)                       | 4,714.28          | 1,885.71                                                              | 130.89                         |
| 2022-23                                                                   |                            | Paithan        | 2,372.23<br>(48.91)                     | 2,478.04<br>(51.09)                       | 4,850.27          | 1,940.11                                                              | 537.93                         |
| 2023-24                                                                   |                            |                | 4,902.73<br>(52.81)                     | 4,381.40<br>(47.19)                       | 9,284.13          | 3,713.65                                                              | 667.75                         |
| 2021-22                                                                   | Palghar                    | Dahanu         | 432.50<br>(58.60)                       | 305.56<br>(41.40)                         | 738.06            | 295.22                                                                | 10.34                          |
| 2022-23                                                                   |                            | Vikramgad      | 5,431.71<br>(57.94)                     | 3,942.78<br>(42.06)                       | 9,374.49          | 3,749.80                                                              | 192.98                         |
|                                                                           | Total                      |                |                                         |                                           |                   |                                                                       | 2,596.24                       |
| Source: Compiled based on data downloaded (September 2025) from NREGASoft |                            |                |                                         |                                           |                   |                                                                       |                                |

*Source: Compiled based on data downloaded (September 2025) from NREGASoft*

As seen from **Table 5.6**, eight out of the 12 selected blocks did not maintain the prescribed wage-material ratio resulting in excess expenditure on material amounting to ₹ 25.96 crore.

## **5.8 District level Technical Committee**

Para 4.4.3 of Operational Guidelines, provides that a District-level Technical Committee may be formed at district-level to guide the implementation of the Act. The District Level Technical Committee must comprise district officers from the relevant technical departments, representatives of NGOs and the academic community. The functions of the Committee *inter alia* included examining shelf of project, preparation of district specific schedule of rates for common tasks under MGNREGS, determining the rates, quality parameters and list of suppliers for the district for the material, and laying down norms to ensure quality of assets being created under the Scheme.

<sup>10</sup> Information at GP level was not available in NREGASoft.



Audit observed that the District level Technical Committee was not formed in any selected district.

In the absence of a District Level Technical Committee, the estimate of works was prepared based on common State Schedule of Rates instead of district specific schedule of rates for common tasks under the Scheme as discussed in paragraph 4.9.1.

### 5.9 Worksite facilities

As per Para 23 of schedule III of MEGA, facilities for safe drinking water, shade for children and period of rest, first aid box with adequate material for emergency treatment for minor injuries and other health hazards connected with the work being performed have to be provided at the work site as minimum entitlement for the labourers. In case, the number of children below the age of five years accompanying the woman working at any site is five or more, provisions shall be made to depute one of such women workers to look after such children. The person so deputed shall be paid wages. All expenditure on worksite facilities was to be booked as part of administrative expenditure.

Survey of 480 selected beneficiaries in 48 selected GPs revealed the following:

- 119 beneficiaries (25 *per cent*) stated that first-aid box was not available at the work site;
- 54 beneficiaries (11 *per cent*) stated that drinking water facilities were not available;
- 91 beneficiaries (19 *per cent*) stated that shade was not available; and
- 182 beneficiaries (38 *per cent*) stated that childcare facility was not available at the worksite.

Non-availability of minimum entitled basic facilities at the work site was not only a violation of the MEGA but also rendered the work environment more arduous for the job seekers negatively affecting their output and thereby the wages.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that instructions have been issued to all implementing agencies to ensure that first-aid boxes, drinking water, shed, and childcare facilities are made available at all worksites with immediate effect. It was further stated that field inspection would be conducted periodically to verify the availability of these facilities.

### 5.10 Display Boards

As per para 24 (a) of the Scheme (schedule II of MEGA), for ensuring transparency and accountability at all levels of implementation, a citizens' Information Board containing the details of the work, quantities of materials to be used, item-wise cost of the estimate, should be displayed at each work site.

During physical verification of 336 works, Audit noticed that display boards were not available in 219 works sites (65 *per cent*) as shown in **Table 5.7**.



**Table 5.7: Non-availability of work site display board**

| Sr. No.                                                                    | Name of the District     | Total selected works | No. of works where display boards were not available |
|----------------------------------------------------------------------------|--------------------------|----------------------|------------------------------------------------------|
| 1                                                                          | Ahilyanagar              | 56                   | 34                                                   |
| 2                                                                          | Amravati                 | 56                   | 48                                                   |
| 3                                                                          | Chhatrapati Sambhajnagar | 56                   | 19                                                   |
| 4                                                                          | Dharashiv                | 56                   | 56                                                   |
| 5                                                                          | Nagpur                   | 56                   | 30                                                   |
| 6                                                                          | Palghar                  | 56                   | 32                                                   |
|                                                                            | <b>Total</b>             | <b>336</b>           | <b>219</b>                                           |
| <i>Source: Compiled based on joint physical verification done by Audit</i> |                          |                      |                                                      |

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that instructions are being issued to affix display board containing the details of work.

### **5.11 Joint physical verification**

Audit conducted joint physical verification of 336 selected works and deficiencies noticed are discussed in the succeeding paragraphs.

#### **5.11.1 Road works**

**(i) District: Palghar; Block : Dahanu; GP: Vetli Varoti**  
**Status of work: completed; Expenditure incurred : ₹ 3.97 lakh;**  
**Commencement year: 2021-22; Completion year: 2021-22.**

The work involved construction of 410 metres of gravel road. The road was adjacent to Surya river and about 100 metres of the road was found submerged during physical verification.

Thus, the road did not provide all-weather access to the village.



**ii) District: Palghar; Block : Vikramgad; GP: Boranda**  
**Status of work: Ongoing; Expenditure incurred : ₹ 8.78 lakh;**  
**Commencement year: 2022-23.**

The existing road from Pandharepada to Rayagunjpada had lost its width due to draining of road side materials. Hence to make the road accessible by State Transport buses etc. improvement work was undertaken.

The side shoulder work of the road which was executed (between May 2022 to April 2023) on the road was not visible during physical verification. The GP attributed the same to side shoulder being covered with grass for most of the stretch of road and damage to some part due to heavy rains.

Thus, the objective of providing side shoulder of durable nature was not fulfilled even after a lapse of more than one year.



**iii) District: Palghar; Block : Vikramgad; GP: Boranda**  
**Status of work: Ongoing (physically completed); Expenditure incurred : ₹ 7.82 lakh;**  
**Commencement year: 2023-24.**

Construction of Water Bound Macadam (WBM) road (from main road to Lelepada) of 320 metres was completed in 2023-24. Beyond chainage of 65 metres, the road having length of 12 metres was washed out due to rains.

Thus, the road did not have all-weather connectivity.



**iv) District: Palghar; Block : Dahanu ; GP: Chalani**  
**Status of work: Ongoing ; Expenditure incurred : ₹ 1.49 lakh (Sanction cost: ₹ 6.40 lakh); Commencement year: 2021-22.**

The construction of a gravel road having a length of 417 metres was executed by laying only murrum. Compaction and laying of gravel were pending. During physical verification, it was noticed that the entire 417 metres of road was damaged due to rain.

Thus, the road did not provide all-weather access to the village even after a lapse of two years from the commencement of the work.



In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that districts are being directed to submit the explanation.



### 5.11.2 Sericulture work

**District: Dharashiv; Block: Kalamb; GP: Shelaka (Dhanora)**  
**Status of work: Abandoned ; Expenditure incurred : ₹ 2.35 lakh;**  
**Commencement year: 2022-23.**

Sericulture work was sanctioned during 2022-23. The objective of the work was to raise income of the farmer. The beneficiary carried out plantation of 'Tuti plants' (Mulberry plant) and constructed a shed on his farm for the cultivation of silkworms. During joint physical verification Audit noticed that no silkworms were available on site and further, the stands available under the erected shed on which silkworms were to be kept were damaged and not in usable condition.

Thus, no durable assets were available to aid the beneficiary in increasing the income level.

In reply, Gram Sevak of the GP stated (August 2024) that the beneficiary assured to clean the shed and cultivation of silkworms would be done.



### 5.11.3 Construction of Well

**i) District: Chatrapati Sambhaji Nagar; Block: Paithan; GP: Gharegaon**  
**Status of work: Completed ; Expenditure incurred : ₹ 2.92 lakh;**  
**Commencement year: 2021-22; Completion year: 2022-23.**

During joint physical verification, Audit noticed that the RCC Ring/boundary sidewall of the irrigation well (Gat no. 44) had collapsed.

The collapse of RCC Ring/boundary sidewall of the irrigation well within one year and three months from its completion indicated poor quality of work. The absence of a boundary wall can also endanger the lives of humans and animals.



**ii) District: Chatrapati Sambhaji Nagar; Block : Aurangabad ; GP: Pimpal Khuta**  
**Status of work: Ongoing; Expenditure : ₹ 1.87 lakh (on wages);**  
**Commencement year: 2021-22.**

During joint verification, it was noticed that the RCC ring/boundary sidewall of the well (Shri Dynaeshwar Vishvbhar Dabhade) was not constructed despite a lapse of more than three years from the commencement of the work.

The Gram Sevak attributed the incomplete work to financial crisis of the beneficiary.

#### 5.11.4 Matoshree Panand Raste Yojana

The Scheme was introduced (November 2021) by the Planning Department (EGS), to facilitate the farmers to take road works under the Scheme including improvisation of existing *kuchha shet/panand* roads and removing encroachment on such roads and making *kuchha* and *pucca* roads jointly. The financing for construction of one kilometer rubble road under Matoshree Panand Raste Yojana was ₹ 15.05 lakh (unskilled: ₹ 9.03 lakh; skilled: ₹ 6.01 lakh) under MGNREGS and ₹ 8.80 lakh from State EGS fund.

**District: Chatrapati Sambhaji Nagar; Block : Aurangabad ; GP: Pimpal Khuta**  
**Status of work: Incomplete; Expenditure incurred: ₹ 4.83 lakh on wages**  
**Commencement year: 2023-24.**

Construction of Matoshri Road in GP Pimpalkhuta sanctioned at a cost of ₹ 23.69 lakh (MGNREGS: ₹ 15.05 lakh, State EGS: ₹ 15.05 lakh) was carried out by enrooting grass weeds, excavation of soil work, supplying and laying of hard murrum.

During physical verification it was noticed that grass had grown all over the field and the enrooting of grass and levelling would have to be redone.

In reply, the Gram Sevak of the GP stated (August 2024) that the work was incomplete due to insufficient funds for the purchase of materials.



The deficiencies noticed could be attributed to non-appointment of State Quality Monitors for each district as discussed in **paragraph 6.5**.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that due to shortfall in fund, the work is incomplete and after receiving the fund from GoI, funds would be provided to concerned GPs to complete the incomplete work.

#### 5.12 Geo-tagging of works

With an objective to improve the transparency and to enhance the visibility of the Scheme, MoRD started the implementation of GeoMGNREGA for geo-tagging of assets created under the Scheme in partnership with National Remote Sensing Centre (NRSC) of Indian Space Research Organisation (ISRO). The BHUVAN geoportal of NRSC has been customized for this purpose.

Geo-tagging is done through Bhuvan mobile platform using android-based mobile app for field-level data capturing, as well as asset visualization capabilities & report generation tools. This includes capturing of GPS location of the asset, along with photographs. Under GeoMGNREGA Phase-II, which was rolled out for geo-tagging of all assets (except works taken under PMAY) created after 01 November 2017, Geo-tagging was required to be carried out in three stages as detailed below:

- Stage 1 Geo-tagging (Before the Start of Work): It has to be carried out on works with technical and administrative sanctions that have the Detailed Project Report (DPR) frozen in NREGASoft.

- Stage 2 Geo-tagging (During the Work): Once 30 *per cent* of the estimated cost of the work is booked as expenditure, then the said work will be available for Stage 2 geo-tagging.
- Stage 3 Geo-tagging (After Completion of Work): Once the work is completed and closed at NREGASoft, it is available for Stage 3 Geo-tagging.

The Status of Geo-tagging in the three stages in the 12 selected Blocks is shown in **Table 5.8**.

**Table 5.8: Status of Geo-tagging of works in the 12 selected Blocks**

| Particulars                                                                           | Stage I | Stage II | Stage III | Total (percentage) |
|---------------------------------------------------------------------------------------|---------|----------|-----------|--------------------|
| Number of works                                                                       | 89,859  | 65,097   | 20,305    | 1,75,261           |
| Number of works in which geo-tagging was completed                                    | 75,838  | 33,331   | 13,710    | 1,22,879 (70)      |
| Number of works which are shared with the BHUVAN geoportal of NRSC but not geo-tagged | 11,631  | 12,275   | 6,595     | 30,501 (17)        |
| Number of works which are not shared for geo-tagging                                  | 2,390   | 19,491   | -         | 21,881 (13)        |

**Source: Compiled based on data downloaded (August 2024) from NREGASoft**

As seen from **Table 5.8**, Geo-tagging of 30 *per cent* of the works was pending at various stages as of August 2024.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that the concerned districts have been instructed to ensure immediate completion of pending geo-tagging across all three stages.

Audit noticed that Geo-tagging of 27 *per cent* of the works was pending at various stages as of September 2025.

### **5.13 Liability towards material component**

As per the information available in NREGASoft, an amount of ₹ 541.92 crore was pending for payment on account of material component (skilled wages, semi-skilled wages, material cost and taxes) for the period 2019-20 to 2023-24 in the State as shown in **Table 5.9**.

**Table 5.9: Pending liability of material component in the State**

| Year         | Skilled and semi-skilled wages | Material cost    | Tax          | Total            |
|--------------|--------------------------------|------------------|--------------|------------------|
| (₹ in lakh)  |                                |                  |              |                  |
| 2019-20      | 0.70                           | 858.45           | 0            | 859.15           |
| 2020-21      | 17.74                          | 871.45           | 0            | 889.19           |
| 2021-22      | 65.20                          | 2,523.91         | 0.20         | 2,589.31         |
| 2022-23      | 124.35                         | 6,217.46         | 3.91         | 6,345.72         |
| 2023-24      | 282.85                         | 43,169.66        | 56.46        | 43,508.97        |
| <b>Total</b> | <b>490.84</b>                  | <b>53,640.93</b> | <b>60.57</b> | <b>54,192.34</b> |

**Source: Compiled based on data downloaded (October 2024) from NREGASoft**

As seen from **Table 5.9**, ₹ 541.92 crore pertaining to the period 2019-20 to 2023-24 was pending payment as of October 2024, of which ₹ 106.83 crore was pending payment for a period ranging from one to four years. Audit noticed that the maximum liability of ₹ 71.08 crore (13 *per cent*) was pending in Gondia district. In the selected districts, payments of ₹ 120.12 crore pertaining to the period 2019-20 to 2023-24 was pending.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that follow up is being done with Central Government to release fund towards material component.

Audit noticed that the liability for the period 2019-20 to 2023-24 reduced from ₹ 541.92 crore as of October 2024 to ₹ 216.68 crore as of September 2025 out of which ₹ 16.37 crore was pending due to rejected transactions and transactions pending bank response as discussed in paragraph 5.13.1.

### 5.13.1 Pending disbursement of cost of material component

The cost of material component pending disbursement in the State is shown in Table 5.10.

Table 5.10: Material component pending disbursement

| Year    | Material component pending disbursement           |                                                                  |                                                    |                                                      | Total no. of rejected transactions | Amount involved (₹ in lakh) |
|---------|---------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------|------------------------------------------------------|------------------------------------|-----------------------------|
|         | No. of rejected transactions pending regeneration | Amount involved in transactions pending regeneration (₹ in lakh) | No. of rejected transactions pending bank response | Amount involved in rejected transactions (₹ in lakh) |                                    |                             |
| 1       | 2                                                 | 3                                                                | 4                                                  | 5                                                    | 6=2+4                              | 7=3+5                       |
| 2019-20 | 120                                               | 18.94                                                            | 49                                                 | 5.62                                                 | 169                                | 24.56                       |
| 2020-21 | 890                                               | 94.41                                                            | 205                                                | 28.24                                                | 1,095                              | 122.65                      |
| 2021-22 | 1,937                                             | 163.23                                                           | 1,343                                              | 159.85                                               | 3,280                              | 323.08                      |
| 2022-23 | 1,505                                             | 210.36                                                           | 1,753                                              | 764.31                                               | 3,258                              | 974.67                      |
| 2023-24 | 1,601                                             | 404.32                                                           | 1,219                                              | 335.39                                               | 2,820                              | 739.71                      |
| Total   | 6,053                                             | 891.26                                                           | 4,569                                              | 1,293.41                                             | 10,622                             | 2,184.67                    |

*Source: Compiled based on data downloaded (October 2024) from NREGASoft*

As seen from Table 5.10, 10,622 transactions were rejected which were due to wrong account number, closed account, blocked or frozen account *etc.* involving payment of ₹ 21.85 crore. Out of ₹ 21.85 crore, an amount of ₹ 14.45 crore was pending for one year to four years. In the six selected districts, 2,654 transactions involving cost of material valuing ₹ 5.27 crore were rejected. Disbursements against these rejected transactions were pending either for regeneration<sup>11</sup> (generation of Fund Transfer Order) or though regenerated were pending for bank response<sup>12</sup>.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that constant follow up is done with Central Government to release the fund towards material component.

Audit noticed that the total pending rejected transaction for the period 2019-20 to 2023-24 increased to 10,917 involving an amount of ₹ 16.37 crore as of September 2025.

<sup>11</sup> Regeneration means generation of Fund Transfer Order.

<sup>12</sup> Pending bank response means acknowledgement regarding success or failure of transaction is awaited from banks.

### **Conclusion**

Out of total works sanctioned during 2019-20 to 2023-24, 19.57 *per cent* remained incomplete, while 27.62 *per cent* had not even commenced. Further, 3.03 lakh works sanctioned prior to 2019-20 also remained incomplete. The absence of a cap on the number of works that could be simultaneously opened in Gram Panchayats contributed to accumulation of incomplete and not started works, indicating weak planning and execution controls.

### **Recommendation**

***Recommendation No. 6: The Government may issue directions to follow the prescribed provisions for sanctioning of new works in Gram Panchayats.***



## ***CHAPTER VI***

### ***Monitoring, Social Audit and Grievance redressal***





## Chapter VI

### Monitoring, Social Audit and Grievance redressal

#### 6.1 Monitoring

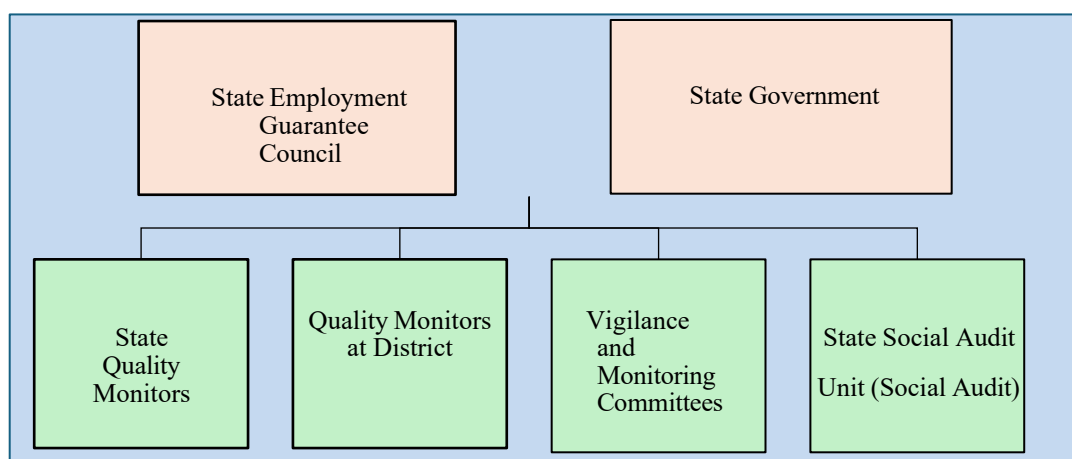
Chapter 14 of the MGNREGA Operational Guidelines, specifies the aspects of quality management and quality monitoring mechanisms. The Scheme deals with the creation of assets and hence, to ensure that the assets created are durable, quality management is important. Quality Management includes project selection, site selection, survey, project design estimates, work execution, supervision, *etc.*

Further, as per para 14.4 of the Operational Guidelines, Quality Management has three distinct aspects such as quality control at site, quality supervision and quality monitoring. Besides quality management, other aspects such as State Employment Guarantee Council, Social Audit, transparency and accountability through grievance redressal mechanism, system of ombudsperson also forms the part of monitoring of MGNREGS.

#### 6.2 Monitoring Mechanism

The monitoring of the Scheme in the State is fixed on various authorities at State, district and village levels such as the State Employment Guarantee Council, Social Audit by Maharashtra State –Society for Social Audit and Transparency (MS-SSAT), Vigilance and Monitoring Committees, State Quality Monitors, District Quality Monitors as shown in **Chart 6.1**.

**Chart 6.1: Monitoring framework under the Scheme**



Audit findings relating to monitoring, evaluation and review under the Scheme are discussed in succeeding paragraphs.

#### 6.3 State Employment Guarantee Council

As per Section 4 of MEGA, the State Government shall constitute a State Employment Guarantee Council. The duties and functions of the Council *inter alia* envisaged monitoring of the implementation of the Act and the Scheme.

Planning Department (EGS), GoM, constituted the Maharashtra State Employment Guarantee Council<sup>1</sup> (MSEGC) in January 2006, which was reconstituted in October 2011. MSEGC was responsible for determining the preferred works, reviewing the monitoring and redressal mechanism and recommending improvements, promoting dissemination of information, monitoring the implementation *etc.* Further, MSEGC was required to meet at least twice a year and prepare an annual report to be laid before the State Legislature by the State Government

Audit could not ascertain whether MSEGC discharged the above responsibilities except for the preparation of annual reports and its placement before the State Legislature, as no records were produced to Audit.

In reply, the Assistant Director of the Planning Department (EGS) stated (August 2024) that regular meetings were not held and no suggestions were given by the Council.

#### **6.4 Vigilance and Monitoring Committee**

As per para 13.6.1 of the MGNREGA Operational Guidelines, the State shall make an arrangement for a three-tier vigilance mechanism to proactively detect irregularities in the implementation of the Act and to follow up detected irregularities and malfeasance, including those identified during social audit, and ensure that the guilty are punished and recoveries of misspent funds duly made. The State level Vigilance Cell consisting of a Chief Vigilance Officer (CVO) and supported by a Civil Engineer and an Auditor was required to be set up. Similarly, a district level Vigilance Cell consisting of a district level officer and supported by an Engineer and an Auditor was also required to be set up. Further, at the GP level, Vigilance and Monitoring Committee (VMC), consisting of ten members, were required to be constituted.

As per the information furnished by the Planning Department (EGS), GoM, the State level Vigilance Cell was constituted. However, documentary evidence in support of the constitution of State level Vigilance Cell was not furnished to Audit. Further, in three (Nagpur, Palghar and CSN) out of six selected districts, District vigilance committee was not constituted.

#### **6.5 Quality Control by State /District Quality Monitors**

As per para 14.7 of the MGNREGA Operational Guidelines, Quality monitoring by external monitors will comprise of two parts (i) The National level Monitors (NLMs) empanelled by the Ministry and (ii) State Quality Monitoring Unit comprising of State Quality Monitors (SQM) for each district in the State and a Director (Quality Monitor) at the State level to coordinate the work of all SQM in the State. The inspection/ measurement and analysis of works with respect to technical aspects would be done by SQM. Different aspects of work design and execution had to be graded objectively by the SQMs, for each work visited. The guidelines also stipulated that at least five *per cent* of the works are to be inspected within one year of completion, to assess asset quality and utility and maintenance aspects and at least five *per cent* of the works are to be inspected while they are still in progress, to assess process quality aspects for taking corrective measures.

---

<sup>1</sup> Chairman: Chief Minister, Vice-Chairman: Deputy Chief Minister, Executive Chairman: Minister (EGS), Member Secretary: Minister of State (EGS), Members: Minister (Rural Development), Minister (Water Conservation), Minister (Agriculture), Principal Secretary (Rural Development, EGS, Planning, Agriculture), Commissioner (MGNREGS).

As per the information furnished by the Planning Department (EGS), the Director (QM) was appointed in 2022. However, SQMs at the district were not appointed. The Planning Department (EGS) stated that SQMs at the district level were not appointed, as the proposal submitted (June 2022) by the Planning Department (EGS) for the appointment of SQMs, was not approved by the Finance Department, GoM. It was further stated that Third Party Inspection (TPI) Agencies were appointed in four Tribal districts *viz.* Amravati, Gadchiroli, Nandurbar and Palghar, in 2022-23 on a pilot basis for quality control and monitoring. However, out of the four districts, inspections were not conducted in Amravati district by the TPI so far.

Thus, a crucial aspect of ascertaining the quality, utility and maintenance of assets created under the Scheme was not being carried out in the State due to non-appointment of SQM in districts, non-conduct of inspection in one district where TPI was appointed.

## 6.6 Social Audit

Implementation of all conditions for guaranteed rural employment under the Scheme and provision of minimum entitlements of labourers, including all expenditure under MEGA, shall be subjected to social audit, in the manner prescribed by Central Government, at least once every six months.

Accordingly, the Planning Department (EGS), GoM, established (September 2013) an independent Directorate of Social Audit and established (December 2017) an independent society *viz.* Maharashtra State Society for Social Audit and Transparency (MS-SST) for creating awareness and strengthening, planning, implementation and monitoring of Social Audit process. The MS-SST consisted of General Body, Governing Body and Executive Committee.

### 6.6.1 Funds for Social Audit

As per the annual master circulars issued by MoRD during 2019-20 to 2023-24, up to 0.5 *per cent* of funds shall be earmarked for the State's Social Audit from the State's entitlement of six *per cent* towards Administrative Expenditure (AE).

The funds for the Social Audit Unit (SAU) are released from the Ministry to the SAU's independent bank account through the State Government.

The funds released by the State Government for Social Audit (SA) during 2019-20 to 2023-24 is shown in **Table 6.1**.

**Table 6.1: Release of funds for Social Audit**

| Year                                                                             | Funds received for AE (six <i>per cent</i> of total expenditure) | Funds receivable for SA considering 0.5 <i>per cent</i> of fund received | Fund received for SA | Less release of funds for SA |
|----------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------|----------------------|------------------------------|
| 1                                                                                | 2                                                                | 3                                                                        | 4                    | 5(3-4)                       |
|                                                                                  | (₹ in crore)                                                     |                                                                          |                      |                              |
| 2019-20                                                                          | 167.85                                                           | 13.99                                                                    | 10.51                | 3.48                         |
| 2020-21                                                                          | 38.63                                                            | 3.22                                                                     | 0                    | 3.22                         |
| 2021-22                                                                          | 128.37                                                           | 10.70                                                                    | 4.42                 | 6.28                         |
| 2022-23                                                                          | 86.70                                                            | 7.22                                                                     | 0                    | 7.22                         |
| 2023-24                                                                          | 160.28                                                           | 13.36                                                                    | 7.04                 | 6.32                         |
| <b>Total</b>                                                                     | <b>581.83</b>                                                    | <b>48.49</b>                                                             | <b>21.97</b>         | <b>26.52</b>                 |
| <i>Source: Information furnished by the Planning Department (EGS) and MS-SST</i> |                                                                  |                                                                          |                      |                              |

As seen from **Table 6.1**, the funds received for SA by MS-SST was less than the prescribed ceiling of 0.5 *per cent* of the total expenditure and an amount of ₹ 26.52 crore was short received on account of Social Audit during 2020-21 to 2023-24.

The short release of funds for SA resulted in shortfall in the conduct of SA, as discussed in **paragraph 6.6.3**.

#### **6.6.2 Release of funds to SAU by the State Government**

As per annual master circulars issued by MoRD, GoI, from time to time, the State Government shall ensure the transfer of funds to the bank account of SAU within 15 working days of the receipt of funds.

Further, as per the fund release order issued (28 January 2020) by the MoRD, GoI, for the year 2019-20, it was stipulated that if the fund are not transferred to the bank Account of SAU within 15 working days of the receipt of funds, the State Government would be liable to pay interest @12 *per cent* per annum for the period of delay.

The delay in release of funds by the State Government to MS-SST during 2019-20 to 2023-24 is shown in **Table 6.2**.

**Table 6.2: Delay in the release of funds to MS-SST**

| Year                                           | Amount of fund (₹ in crore) | Date of release of fund by MoRD | Date of credit in the account of SAU | Delay in days | Amount delayed |
|------------------------------------------------|-----------------------------|---------------------------------|--------------------------------------|---------------|----------------|
| 2019-20                                        | 4.55                        | 14.03.2019                      | 05.04.2019                           | -Nil-         | -              |
|                                                | 5.96                        | 28.01.2020                      | 16.03.2020                           | 19 days       | 5.96           |
| 2020-21                                        | -Nil-                       | -Nil-                           | -Nil-                                | -Nil-         | -              |
| 2021-22                                        | 4.42                        | 31.03.2021                      | 29.07.2021                           | 69 days       | 4.42           |
| 2022-23                                        | -Nil-                       | -Nil-                           | -Nil-                                | -Nil-         | -              |
| 2023-24                                        | 3.52                        | 14.09.2023                      | 20.09.2023                           | -Nil-         | -              |
|                                                | 3.52                        | 15.02.2024                      | 28.03.2024                           | 12 days       | 3.52           |
| <b>Total</b>                                   | <b>21.97</b>                |                                 |                                      |               | <b>13.90</b>   |
| <b>Source: Information furnished by MS-SST</b> |                             |                                 |                                      |               |                |

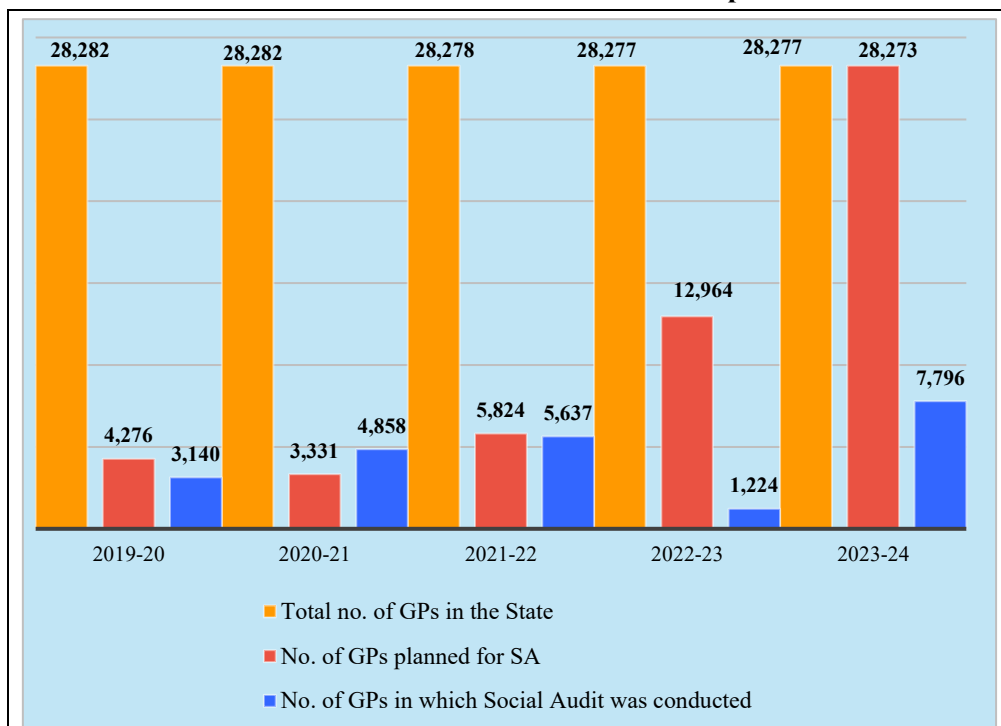
As seen from **Table 6.2**, there was delay in release of ₹ 13.90 crore out of ₹ 21.97 crore released by the State Government and the delay ranged from 12 days to 69 days. Further, interest as per the release order for the year 2019-20 amounting to ₹ 3.72 lakh was not released by the State Government to MS-SST.

#### **6.6.3 Conduct of Social Audit**

As per para 24 (c) of the Scheme (schedule II of MEGA) at least one Social Audit in each Gram Panchayat should be conducted every six months.

The details of social audits planned and conducted during 2019-20 to 2023-24 is given in **Chart 6.2**.

Chart 6.2: Social audit conducted vis-a-vis planned



Source: Compiled based on data downloaded (May 2024) from NREGASoft

The number of GPs planned for SA has increased during the period 2019-20 to 2023-24. However, the number of GPs in which SA was conducted *vis-à-vis* SA planned, ranged between 9.44 *per cent* (2022-23) and 145.84 *per cent* (2020-21) while the shortfall in conducting SA of GPs with respect to total number of GPs ranged between 72.43 *per cent* and 95.67 *per cent* during 2019-20 to 2023-24.

Further, it was also noticed that in the selected 48 GPs, as against the requirement of 480 SAs during 2019-20 to 2023-24, only 25 SAs (in 21 GPs) were conducted. SA in none of the eight selected GPs in Ahilyanagar district was conducted during 2019-20 to 2023-24.

In reply, the Director, SAU, stated (June 2024) that the fund received from GoI for conducting social audit is less than one-third of the fund actually required for the year due to which the SA conducted was less than planned. Thus, not only the fund from GoI was insufficient to conduct social audit but the fund transferred by State Government to SAU was less as discussed in paragraph 6.6.1.

Thus, SA, which is an institutionalised mechanism for continuous public vigilance of the Scheme to ensure public accountability in the implementation of projects, suffered due to paucity of funds.

#### 6.6.4 Social Audit Observations

As per para 24 9 (c) (ix) of the Scheme (schedule II of MEGA), systematic follow up action on the reports of the social audit and completing recovery of amounts found misappropriated, completing suitable disciplinary or criminal action on the

irregularities brought out in social audits should be done within six months from the date of conduct of social audit.

The number of issues reported during 2019-20 to 2023-24 by MS-SST and the number of issues closed are given in **Table 6.3**.

**Table 6.3: Pendency of social audit observations in the State**

| Period                                                                           | Total number of issues reported | Total number of issues closed | Number of issues pending | Percentage of pending cases |
|----------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------|-------------------------------|--------------------------|-----------------------------|
| 2019-20                                                                          | 5,038                           | 3,253                         | 1,785                    | 35                          |
| 2020-21                                                                          | 7,698                           | 4,704                         | 2,994                    | 39                          |
| 2021-22                                                                          | 9,918                           | 7,600                         | 2,318                    | 23                          |
| 2022-23                                                                          | 1,772                           | 1,077                         | 695                      | 39                          |
| 2023-24                                                                          | 12,172                          | 6,802                         | 5,370                    | 44                          |
| <b>Total</b>                                                                     | <b>36,598</b>                   | <b>23,436</b>                 | <b>13,162</b>            | <b>36</b>                   |
| <b>Source: Compiled based on data downloaded (September 2024) from NREGASoft</b> |                                 |                               |                          |                             |

As seen from **Table 6.3**, out of 36,598 issues reported by MS-SST 23,436 issues were closed and 13,162 (36 *per cent*) issues were pending disposal. In the six selected districts, 5,473 observations were made during social audits for the period 2019-20 to 2023-24 out of which 3,045 were closed while 2,428 observations (44 *per cent*) were pending as of September 2024.

The observations pending disposal in the State reduced to 3,636 while in the six selected districts the pending observations reduced to 233 as of September 2025.

The financial misappropriation cases pointed out during Social Audit for the period 2019-20 to 2023-24 in the State, cases decided and the amount pending recovery are shown in **Table 6.4**.

**Table 6.4: Pending recovery of financial misappropriation in the State**

| Year                                                                           | No. of cases pointed out and decided by MS-SST (amount ₹ in lakh) | No. of cases where Action Taken Report (ATR) was uploaded (amount ₹ in lakh) | No. of ATR cases in which recovery was done (amount ₹ in lakh) | No. of ATR cases where recovery is not required (amount ₹ in lakh) | No. of ATR cases uploaded but pending (amount ₹ in lakh) | No of cases where ATR cases not uploaded (amount ₹ in lakh) | Total pending cases (amount ₹ in lakh) | Percentage of pending cases |
|--------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------|----------------------------------------|-----------------------------|
| <b>1</b>                                                                       | <b>2</b>                                                          | <b>3</b>                                                                     | <b>4</b>                                                       | <b>5</b>                                                           | <b>6=3-4-5</b>                                           | <b>7=2-3</b>                                                | <b>8=6+7</b>                           | <b>9=(8/2*100)</b>          |
| <b>2019-20</b>                                                                 | 226<br>(194.50)                                                   | 226<br>(194.50)                                                              | 57<br>(28.99)                                                  | 165<br>(162.51)                                                    | 4<br>(3.00)                                              | -                                                           | 04<br>(3.00)                           | 1.77                        |
| <b>2020-21</b>                                                                 | 152<br>(118.56)                                                   | 131<br>(107.63)                                                              | 27<br>(7.48)                                                   | 52<br>(62.06)                                                      | 52<br>(38.09)                                            | 21<br>(10.93)                                               | 73<br>(49.02)                          | 48.03                       |
| <b>2021-22</b>                                                                 | 223<br>(136.61)                                                   | 184<br>(128.14)                                                              | 44<br>(25.48)                                                  | 93<br>(85.05)                                                      | 47<br>(17.61)                                            | 39<br>(8.47)                                                | 86<br>(26.08)                          | 38.57                       |
| <b>2022-23</b>                                                                 | 130<br>(173.18)                                                   | 122<br>(164.13)                                                              | 16<br>(2.09)                                                   | 49<br>(97.64)                                                      | 57<br>(64.40)                                            | 8<br>(9.05)                                                 | 65<br>(73.45)                          | 50.00                       |
| <b>2023-24</b>                                                                 | 353<br>(499.35)                                                   | 252<br>(184.84)                                                              | 50<br>(18.26)                                                  | 102<br>(67.46)                                                     | 100<br>(99.12)                                           | 101<br>(314.51)                                             | 201<br>(413.63)                        | 56.94                       |
| <b>Total</b>                                                                   | <b>1,084<br/>(1,122.20)</b>                                       | <b>915<br/>(779.24)</b>                                                      | <b>194<br/>(82.30)</b>                                         | <b>461<br/>(474.72)</b>                                            | <b>260<br/>(222.22)</b>                                  | <b>169<br/>(342.96)</b>                                     | <b>429<br/>(565.18)</b>                | <b>39.58</b>                |
| <b>Source: Compiled based on data downloaded (January 2025) from NREGASoft</b> |                                                                   |                                                                              |                                                                |                                                                    |                                                          |                                                             |                                        |                             |

As seen from **Table 6.4**, out of ₹ 11.22 crore to be recovered in 1,084 cases pointed out by MS-SST during 2019-20 to 2023-24, action on 429 cases amounting to ₹ 5.65 crore was pending recovery. The non-recovery of misappropriated amount in the cases pointed by MS-SST from 2019-20 onwards

was in contravention of MEGA, which stipulated that the recovery amount pointed by social audit should be done within six months of the date of conduct of social audit.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that instructions are given to recover the amount of misappropriated amount in a time bound manner.

As of September 2025, action on 314 cases amounting to ₹ 4.44 crore was pending recovery.

## 6.7 Grievance Redressal Mechanism

As per section 6-1F of MEGA, the State Government shall, by rules, determine appropriate grievance redressal mechanisms at the Block level and the District level for dealing with any complaints by any person in respect of implementation of the Scheme and lay down the procedure for the disposal of such complaints. Further, as per section 12 B (5) of MEGA, complaints should be disposed of within seven days.

Para 13.13.1 (xi) of the operational guidelines, monthly reports on complaints received and disposed of must be sent from Gram Panchayat to Government of India through Programme Officer, District Programme Coordinator and State Government. This should be placed on the website.

The department had established multiple modes of acceptance of complaints such as written complaints, through telephone, helplines, website *etc.*

The status of complaints received and disposed of during 2019-20 to 2023-24 in the six selected districts is shown in **Table 6.5**.

**Table 6.5: Status of complaints received and disposed during 2019-20 to 2023-24**

| Name of district                                                                     | No. of total complaints | Disposed   | Pending    |
|--------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------|------------|------------|
| Ahilyanagar                                                                          | 210                     | 150        | 60         |
| Amravati                                                                             | 285                     | 273        | 12         |
| Chhatrapati Sambhajanagar                                                            | 57                      | 16         | 41         |
| Dharashiv                                                                            | 11                      | 11         | 0          |
| Nagpur                                                                               | 22                      | 22         | 0          |
| Palghar                                                                              | 4                       | 4          | 0          |
| <b>Total</b>                                                                         | <b>589</b>              | <b>476</b> | <b>113</b> |
| <i>Source: Information furnished by Deputy Collector (EGS) of selected districts</i> |                         |            |            |

As seen from **Table 6.5**, out of 589 complaints received, 476 complaints were disposed of while 113 complaints (19 *per cent*) were pending. Out of these 113 pending complaints, 62 complaints<sup>2</sup> (55 *per cent*) pertained to the period prior to 2023-24.

During survey of 480 beneficiaries, 233 beneficiaries (49 *per cent*) responded that they were unaware of the grievance redressal mechanism available at PO and DPC level.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that the concerned districts have been directed to increase awareness about the grievance redressal mechanism.

<sup>2</sup> 2019-20:15; 2020-21: 4; 2021-22:19, 2022-23: 24.



### 6.7.1 Appointment of Ombudsman

As per para 29 of schedule II of MEGA, there shall be an Ombudsperson for each District for receiving grievances, enquiring into and passing awards as per guidelines issued.

As per para 13.14.1 of the MGNREGA Operational Guidelines, in keeping with the principles of transparency and accountability, the State Government will establish the office of Ombudsman in all districts for expeditious redressal of grievances regarding implementation of MGNREGS.

Further, as per para 13.14.3 of the guidelines, the Ombudsman will send monthly and annual reports and list of awards passed to the Chief Secretary (CS) and Secretary in charge of MGNREGA. In the reports, the Ombudsman will highlight action to be taken against erring MGNREGA functionaries.

Audit observed from the information furnished by the Commissioner (MGNREGS) that out of 34 districts in which the Scheme is operational, the appointment of Ombudsman was made in 25 districts and in the remaining nine<sup>3</sup> districts, an Ombudsman was not appointed. Further, monthly and annual reports, along with the list of awards passed by the district Ombudsman, were not produced to audit.

The intervals during which the post of Ombudsman was vacant in the six selected districts during 2019-20 to 2023-24 are shown in **Table 6.6**.

**Table 6.6: Intervals during which the post of Ombudsman was vacant**

| Name of the district                                                                | Intervals during which the post of Ombudsman was vacant during 2019-20 to 2023-24 |
|-------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------|
| Ahilyanagar                                                                         | 8 months, 3 months and 6 months                                                   |
| Amravati                                                                            | 9 months and 6 months,                                                            |
| Chhatrapati Sambhajinagar                                                           | 17 months and 12 months                                                           |
| Dharashiv                                                                           | 10 months and one month                                                           |
| Nagpur                                                                              | 34 months and 5 months                                                            |
| Palghar                                                                             | 34 months and 5 months                                                            |
| <i>Source: Information furnished by Deputy Collectors of the selected districts</i> |                                                                                   |

As seen from **Table 6.6**, the post of Ombudsman was vacant for long intervals ranging from three months to 34 months in the six selected districts.

Further, 350 beneficiaries (73 per cent) out of the 480 beneficiaries surveyed, responded that they were unaware of Ombudsperson for grievance redressal.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (May 2025) that at present 12 Ombudsperson are working in the State and the Department is being requested to fill the vacant posts at the earliest.

### 6.8 Impact Study of the Scheme

The goals of the Scheme *inter alia* included social protection for the most vulnerable people living in rural India by providing employment opportunities, providing livelihood security for the poor through creation of durable assets, improved water security *etc.*

Audit noticed that an evaluation study to assess the impact of the Scheme on enhancing livelihood security, income level was not conducted by the State Government.

<sup>3</sup> Dhule, Nandurbar, Chhatrapati Sambhajinagar, Raigad, Ratnagiri, Sindhudurg, Sangli, Satara and Kolhapur.

In reply, the Commissioner (MGNREGS) stated (June 2025) that evaluation study will be undertaken.

### Conclusion

The Maharashtra State Employment Guarantee Council, mandated to monitor implementation of the Act and the Scheme, did not hold meetings regularly. For quality monitoring, while a Director, State Quality Monitoring was appointed at the State level, State Quality Monitors were not appointed for districts. Social Audit was also deficient, with shortfalls ranging between 72.43 per cent and 95.67 per cent of Gram Panchayats during 2019-20 to 2023-24. Further, of ₹11.22 crore identified for recovery in 1,084 misappropriation cases pointed out by the Social Audit Unit, recovery action in 314 cases involving ₹4.44 crore was still pending. These deficiencies highlight weak monitoring and inadequate follow-up on irregularities.

### Recommendations

***Recommendation No. 7: The Government may expedite the appointment of State Quality Monitors in all districts.***

***Recommendation No. 8: The Government may conduct Social Audits as per prescribed norms and may expedite the recovery of financial misappropriation pointed out by the Social Audit Unit as per the provisions of Maharashtra Employment Guarantee Act.***

Mumbai,  
The 03 February 2026

  
(D. JAISANKAR)  
Principal Accountant General (Audit)-I,  
Maharashtra, Mumbai

Countersigned

New Delhi,  
The 05 February 2026

  
(K. SANJAY MURTHY)  
Comptroller and Auditor General of India



## *Appendices*



Appendix 2.1

(Reference: Paragraph 2.3)

Names of selected Districts, Blocks and Gram Panchayats

| Sr. No. | District                        | Block       | Gram Panchayat    |
|---------|---------------------------------|-------------|-------------------|
| 1       | Ahilyanagar                     | Jamkhed     | Bavi              |
|         |                                 |             | Halgaon           |
|         |                                 |             | Kawadgaon         |
|         |                                 |             | Rajuri            |
|         |                                 | Shevgaon    | Balamtakli        |
|         |                                 |             | Samangaon         |
|         |                                 |             | Thakur Nimgaon    |
| 2       | Amravati                        | Chikhaldara | Thakur Pimpalgaon |
|         |                                 |             | Bhamadehi         |
|         |                                 |             | Churni            |
|         |                                 |             | Gangarkheda       |
|         |                                 | Daryapur    | Hatru             |
|         |                                 |             | Etki              |
|         |                                 |             | Hingani Mirzapur  |
| 3       | Chhatrapati Sambhajanagar (CSN) | Aurangabad  | Shivir BU.        |
|         |                                 |             | Yeoda             |
|         |                                 |             | Adgaon Khurd      |
|         |                                 |             | Charkha           |
|         |                                 | Paithan     | Gevrai Kuber      |
|         |                                 |             | Pimpal Khuta      |
|         |                                 |             | Antarwali Khadi   |
| 4       | Dharashiv                       | Kalamb      | Dhangaon          |
|         |                                 |             | Gharegaon         |
|         |                                 |             | Vihamandwa        |
|         |                                 |             | Diksal            |
|         |                                 | Osmanabad   | Ekurka            |
|         |                                 |             | Mangrul           |
|         |                                 |             | Shelaka (Dhanora) |
| 5       | Nagpur                          | Narkhed     | Bavi              |
|         |                                 |             | Bhikar Sarola     |
|         |                                 |             | Nitali            |
|         |                                 |             | Upala (Makdacha)  |
|         |                                 | Kalmeshwar  | Agara             |
|         |                                 |             | Mohagaon Bhadade  |
|         |                                 |             | Peth Ismailpur    |
| 6       | Palghar                         | Vikramgad   | Thaturvwada       |
|         |                                 |             | Lonara            |
|         |                                 |             | Mandvi            |
|         |                                 |             | Uballi            |
|         |                                 | Dahanu      | Uparwahi          |
|         |                                 |             | Ambivali          |
|         |                                 |             | Boranda           |
|         |                                 |             | Onde              |
|         |                                 |             | Sawade            |
|         |                                 |             | Chalani           |
|         |                                 |             | Dhamangaon        |
|         |                                 |             | Shensari          |
|         |                                 |             | Veti Varoti       |

**Appendix 3.1**  
(Reference: Paragraph 3.4.1)  
**Funds received and Expenditure incurred under the Scheme during 2019-20 to 2023-24**

| Year                                                                                       | O. B.  | Fund Received   |             |          |                            |              | Expenditure incurred |          |                     |        | C.B.             | Pending Liability |          |             |
|--------------------------------------------------------------------------------------------|--------|-----------------|-------------|----------|----------------------------|--------------|----------------------|----------|---------------------|--------|------------------|-------------------|----------|-------------|
|                                                                                            |        | Central Share * | State Share | Wages    | Intere st/ Misc. receip t. | Total        | Material             | Wages    | Admi nistrat ion ** | Misc.  | Total            | Wages             | Material | Total       |
| 1                                                                                          | 2      | 3               | 4           | 5        | 6                          | (3+4+ 5+6)=7 | 8                    | 9        | 10                  | 11     | (8+9+ 10+11)= 12 | 14                | 15       | (14+15)= 16 |
| 2019-20                                                                                    | 369.42 | 572.65          | 141.44      | 1,260.43 | 24.09                      | 1,998.61     | 463.95               | 1,305.62 | 105.68              | 58.49  | 1,933.74         | 127.03            | 130.07   | 257.10      |
| 2020-21                                                                                    | 434.29 | 248.63          | 69.99       | 1,570.15 | 20.49                      | 1,909.26     | 383                  | 1,594.86 | 107.48              | 43.10  | 2,128.44         | 36.73             | 132.52   | 169.25      |
| 2021-22                                                                                    | 215.11 | 405.07          | 106.40      | 1,915.33 | 23.80                      | 2,450.60     | 391.89               | 1,865.74 | 146.66              | 45.69  | 2,449.98         | 66.22             | 459.60   | 525.82      |
| 2022-23                                                                                    | 215.73 | 640.76          | 504.82      | 2,072.15 | 13.78                      | 3,231.51     | 887.68               | 1,940.35 | 185.89              | 41.65  | 3,055.57         | 17.47             | 108.27   | 125.74      |
| 2023-24                                                                                    | 391.67 | 1,241.93        | 421.69      | 2,313.74 | 20.71                      | 3,998.07     | 1,174.12             | 2,403.64 | 342.37              | 30.44  | 3,950.57         | 761.05            | 975.58   | 1,736.63    |
| Total                                                                                      |        | 3,109.04        | 1,244.34    | 9,131.80 | 102.87                     | 13,588.05    | 3,300.64             | 9,110.21 | 888.08              | 219.37 | 13,518.30        |                   |          |             |
| Source: Data Compiled from Utilization certificates prepared by the Commissioner (MGNREGS) |        |                 |             |          |                            |              |                      |          |                     |        |                  |                   |          |             |
| * Central share incudes administrative charges also.                                       |        |                 |             |          |                            |              |                      |          |                     |        |                  |                   |          |             |
| ** Administrative expenditure incudes additional funds provided by the State Government.   |        |                 |             |          |                            |              |                      |          |                     |        |                  |                   |          |             |

## Appendix 4.1

(Reference: Paragraph 4.11)

District-wise status of unpaid wages of unskilled workers for the period 2019-20 to 2023-24

| Sr. No.                                                                       | Name of districts        | Unpaid wages of unskilled workers (₹ in lakh) |
|-------------------------------------------------------------------------------|--------------------------|-----------------------------------------------|
| 1                                                                             | Ahilyanagar              | 17                                            |
| 2                                                                             | Akola                    | 20                                            |
| 3                                                                             | Amravati                 | 42                                            |
| 4                                                                             | Beed                     | 1,481                                         |
| 5                                                                             | Bhandara                 | 1                                             |
| 6                                                                             | Buldhana                 | 18                                            |
| 7                                                                             | Chandrapur               | 15                                            |
| 8                                                                             | Chhatrapati Sambhajnagar | 114                                           |
| 9                                                                             | Dharashiv                | 152                                           |
| 10                                                                            | Dhule                    | 36                                            |
| 11                                                                            | Gadchiroli               | 8                                             |
| 12                                                                            | Gondia                   | 5                                             |
| 13                                                                            | Hingoli                  | 82                                            |
| 14                                                                            | Jalgaon                  | 41                                            |
| 15                                                                            | Jalna                    | 306                                           |
| 16                                                                            | Kolhapur                 | 15                                            |
| 17                                                                            | Latur                    | 43                                            |
| 18                                                                            | Nagpur                   | 5                                             |
| 19                                                                            | Nanded                   | 179                                           |
| 20                                                                            | Nandurbar                | 34                                            |
| 21                                                                            | Nashik                   | 107                                           |
| 22                                                                            | Palghar                  | 74                                            |
| 23                                                                            | Parbhani                 | 339                                           |
| 24                                                                            | Pune                     | 31                                            |
| 25                                                                            | Raigad                   | 16                                            |
| 26                                                                            | Ratnagiri                | 14                                            |
| 27                                                                            | Sangli                   | 55                                            |
| 28                                                                            | Satara                   | 25                                            |
| 29                                                                            | Sindhudurg               | 4                                             |
| 30                                                                            | Solapur                  | 88                                            |
| 31                                                                            | Thane                    | 7                                             |
| 32                                                                            | Wardha                   | 18                                            |
| 33                                                                            | Washim                   | 57                                            |
| 34                                                                            | Yavatmal                 | 82                                            |
|                                                                               | <b>Total</b>             | <b>3,532</b>                                  |
| <i>Source: Compiled based on data downloaded(October 2024) from NREGASoft</i> |                          |                                               |



Appendix 5.1

(Reference: Paragraph 5.5)

Expenditure incurred on agricultural and allied works in selected districts

| District                                                                   | Financial Year | Total Expenditure | Total expenditure on Agriculture & Allied Works | Percentage |
|----------------------------------------------------------------------------|----------------|-------------------|-------------------------------------------------|------------|
|                                                                            |                | ( ₹ in lakh)      |                                                 |            |
| Ahilyanagar                                                                | 2019-20        | 6,274.73          | 3,330.14                                        | 53.07      |
|                                                                            | 2020-21        | 7,355.03          | 5,288.10                                        | 71.90      |
|                                                                            | 2021-22        | 8,106.19          | 5,463.61                                        | 67.40      |
|                                                                            | 2022-23        | 7,290.16          | 4,350.45                                        | 59.68      |
|                                                                            | 2023-24        | 11,304.65         | 8,327.14                                        | 73.66      |
| Amravati                                                                   | 2019-20        | 17,505.97         | 10,862.52                                       | 62.05      |
|                                                                            | 2020-21        | 24,221.87         | 13,747.84                                       | 56.76      |
|                                                                            | 2021-22        | 31,311.1          | 13,727.41                                       | 43.84      |
|                                                                            | 2022-23        | 28,923.17         | 11,697.32                                       | 40.44      |
|                                                                            | 2023-24        | 48,059.28         | 17,690.82                                       | 36.81      |
| Chhatrapati Sambhajnagar                                                   | 2019-20        | 5,013.04          | 4,085.59                                        | 81.50      |
|                                                                            | 2020-21        | 4,365.45          | 3,252.84                                        | 74.51      |
|                                                                            | 2021-22        | 10,996.1          | 8,003.72                                        | 72.79      |
|                                                                            | 2022-23        | 14,505.71         | 9,774.47                                        | 67.38      |
|                                                                            | 2023-24        | 45,820.2          | 34,646.17                                       | 75.61      |
| Dharashiv                                                                  | 2019-20        | 4,553.92          | 4,083.98                                        | 89.68      |
|                                                                            | 2020-21        | 3,997.96          | 3,191.01                                        | 79.82      |
|                                                                            | 2021-22        | 5,210.35          | 3,022.45                                        | 58.01      |
|                                                                            | 2022-23        | 4,503.72          | 2,642.02                                        | 58.66      |
|                                                                            | 2023-24        | 8,916.56          | 5,521.63                                        | 61.93      |
| Nagpur                                                                     | 2019-20        | 4,302.6           | 3,241.75                                        | 75.34      |
|                                                                            | 2020-21        | 6,271.22          | 4,855.94                                        | 77.43      |
|                                                                            | 2021-22        | 8,070.31          | 5,539.56                                        | 68.64      |
|                                                                            | 2022-23        | 8,784.33          | 4,693.04                                        | 53.43      |
|                                                                            | 2023-24        | 9,093.98          | 5,402.99                                        | 59.41      |
| Palghar                                                                    | 2019-20        | 6,538.22          | 2,564.92                                        | 39.23      |
|                                                                            | 2020-21        | 13,639.25         | 3,757.59                                        | 27.55      |
|                                                                            | 2021-22        | 22,354.09         | 3,734.49                                        | 16.71      |
|                                                                            | 2022-23        | 19,080.18         | 3,657.33                                        | 19.17      |
|                                                                            | 2023-24        | 20,423.08         | 4,352.78                                        | 21.31      |
| Source: Compiled based on data downloaded (September 2025) from NREGASoft. |                |                   |                                                 |            |

### Glossary of abbreviations

|                   |                                                              |
|-------------------|--------------------------------------------------------------|
| <b>AAP&amp;LB</b> | Annual Action Plan and Labour Budget                         |
| <b>ABP</b>        | Aadhaar Based Payments                                       |
| <b>AE</b>         | Administrative Expenditure                                   |
| <b>APO</b>        | Assistant Programme Officer                                  |
| <b>BDO</b>        | Block Development Officer                                    |
| <b>BRC</b>        | Block Resource Centre                                        |
| <b>CDEO</b>       | Clerk-cum Data Entry Operator                                |
| <b>CEO</b>        | Chief Executive Officer                                      |
| <b>CSN</b>        | Chhatrapati Sambhajinagar                                    |
| <b>CSOs</b>       | Civil Society Organizations                                  |
| <b>CVO</b>        | Chief Vigilance Officer                                      |
| <b>DBT</b>        | Direct Benefit Transfer                                      |
| <b>DPCs</b>       | District Programme Coordinators                              |
| <b>DPP</b>        | District Perspective Plan                                    |
| <b>DPR</b>        | Detailed Project Report                                      |
| <b>EGS</b>        | Employment Guarantee Scheme                                  |
| <b>FTOs</b>       | Fund Transfer Orders                                         |
| <b>GIS</b>        | Geographic Information System                                |
| <b>GoI</b>        | Government of India                                          |
| <b>GoM</b>        | Government of Maharashtra                                    |
| <b>GP</b>         | Gram Panchayat                                               |
| <b>GRS</b>        | Gram Rozgar Sevak                                            |
| <b>IEC</b>        | Information Education and Communication                      |
| <b>ISRO</b>       | Indian Space Research Organisation                           |
| <b>LB</b>         | Labour Budget                                                |
| <b>MEGA</b>       | Maharashtra Employment Guarantee (Amendment) Act             |
| <b>MGNREGA</b>    | Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act       |
| <b>MGNREGS</b>    | Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme    |
| <b>MoRD</b>       | Ministry of Rural Development                                |
| <b>MREGS</b>      | Mahatma Gandhi Rural Employment Guarantee Scheme             |
| <b>MSEGC</b>      | Maharashtra State Employment Guarantee Council               |
| <b>MS-SST</b>     | Maharashtra State –Society for Social Audit and Transparency |
| <b>NGO</b>        | Non-Governmental Organisation                                |
| <b>NIC</b>        | National Informatics Centre                                  |
| <b>NIRDPR</b>     | National Institute of Rural Development and Panchayati Raj   |
| <b>NLMs</b>       | National Level Monitors                                      |
| <b>NPCI</b>       | National Payments Corporation of India                       |
| <b>NREGA</b>      | National Rural Employment Guarantee Act                      |
| <b>NRSC</b>       | National Remote Sensing Centre                               |
| <b>PMAY</b>       | Pradhan Mantri Awaas Yojna                                   |
| <b>PO</b>         | Programme Officer                                            |

|                  |                                    |
|------------------|------------------------------------|
| <b>QM</b>        | Quality Monitor                    |
| <b>RCC</b>       | Reinforced Cement Concrete         |
| <b>SA</b>        | Social Audit                       |
| <b>SAU</b>       | Social Audit Units                 |
| <b>SC</b>        | Schedule Castes                    |
| <b>SDG</b>       | Sustainable Development Goal       |
| <b>SEGC</b>      | State Employment Guarantee Council |
| <b>SOP</b>       | Standard Operating Procedure       |
| <b>SoRs</b>      | Schedule of Rates                  |
| <b>SQM</b>       | State Quality Monitors             |
| <b>STs</b>       | Schedule Tribes                    |
| <b>TA</b>        | Technical Assistant                |
| <b>TPI</b>       | Third Party Inspection             |
| <b>UID</b>       | Unique Identification              |
| <b>WBM</b>       | Water Bound Macadam                |
| <b>WT&amp;MS</b> | Work Time and Motion Studies       |
| <b>ZP</b>        | Zilla Parishad                     |



© COMPTROLLER AND  
AUDITOR GENERAL OF INDIA  
[www.cag.gov.in](http://www.cag.gov.in)

<https://cag.gov.in/ag/mumbai-i/en>

